वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2019-2020

IIM RANCHI

बहुमुखविकासो गन्तव्यः

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

Indian Institute of Management Ranchi

विषय – सूची

144 अध्यक्ष का संदेश	146 निदेशक का संदेश	148 संगठन
150 संस्थान	155 शैक्षणिक कार्यक्रम	164 एमडीपी, कंसल्टेंसी और ईन - कंपनी कार्यक्रम
165 संकाय और कर्मचारी	177 शोध और प्रकाशन	183 पुरस्कार, उपलब्धियाँ और छात्रवृत्ति

188 प्रवेश	199 प्लेसमेंट	206 स्थापना दिवस
209 आंतरिक शिकायत समिति	211 गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम	231 संस्थान में दौरा करने करने वाले प्रतिष्ठित अतिथि
232 छात्र समिति और क्लब	235 वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए निदेशक की रिपोर्ट	240 लेखाओं का वार्षिक विवरण 2019-20
247 बैलेंस शीट 2019-20	277 परिसर के विकास पर संक्षिप्त रिपोर्ट	280 रांची के बारे में

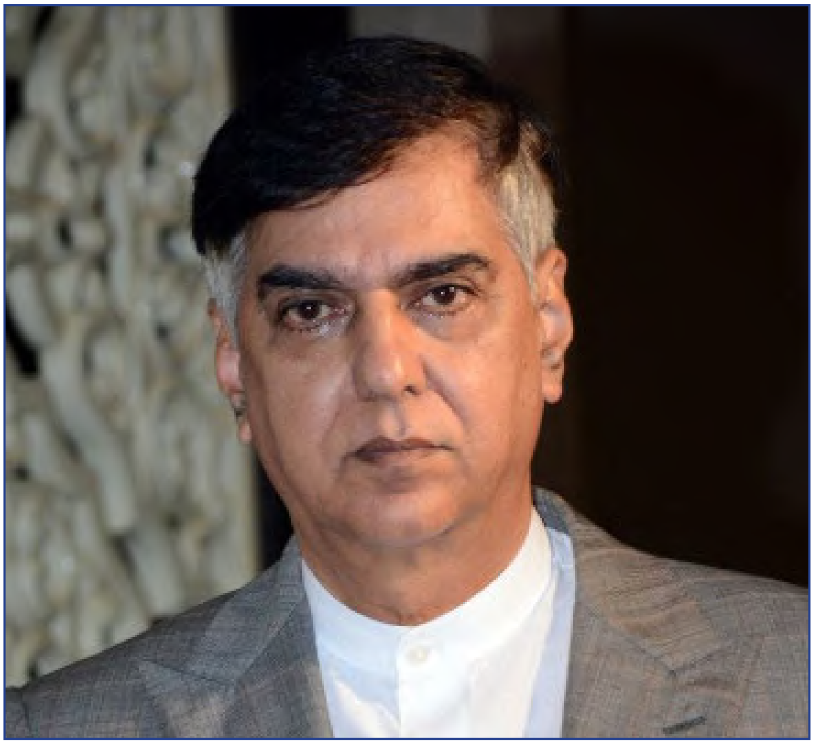

अध्यक्ष का संदेश

मुझे वर्ष भर की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में संक्षेप में बताने और आईआईएम रांची द्वारा की गई वार्षिक गतिविधि का एक संक्षिप्त विवरण देने में खुशी महसूस हो रही है।

पीजीपी कार्यक्रम के नौवें बैच में देश के 21 विभिन्न राज्यों के 207 छात्र शामिल थे, जिनमें 37 प्रतिशत महिला और 63 प्रतिशत पुरुष छात्रों की लिंग विविधता थी। पीजीपी-एचआरएम कार्यक्रम के छठे बैच में 74 छात्रों में 54 प्रतिशत महिलाएं और 46 प्रतिशत पुरुष शामिल थे जिन्होंने 20 राज्यों का प्रतिनिधित्व किया। संस्थान के डॉक्टरेट कार्यक्रम के सातवें बैच में नौ छात्रों को प्रवेश दिया गया। हमने अपना ई-पीएचडी भी शुरू कर दिया है। कार्यक्रम के पहले बैच में हमने 19 छात्रों को प्रवेश दिया है।

संस्थान हमारे सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने ऐसे संकायों को शामिल करने के प्रयास किए हैं जो विशेषज्ञता की गहराई और ज्ञान, अनुभव और नेतृत्व की व्यापकता प्रदान कर सकें। प्रमुख संस्थानों से शामिल किए गए उच्च योग्य और अनुभवी शिक्षकों की एक टीम सीखने की सुविधा, नवीन पद्धति, व्यक्तिगत ध्यान और सावधानीपूर्वक तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती है जो छात्रों को उत्कृष्टता और असमानता से ऊपर उठने का पर्याप्त अवसर प्रदान करती है।

वर्तमान गतिशील और प्रतिस्पर्धी व्यवसाय क्षेत्र में, मौजूदा कौशल का निरंतर उन्नयन और नए क्षेत्रों और उपकरणों से लैस होना अनिवार्य है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, संस्थान ने अपने प्रबंधन विकास कार्यक्रमों (एमडीपी) पर गहन विचार-विमर्श कर डिजाइन किया है। हमारे कार्यक्रम न केवल कर्मचारियों को एक विशिष्ट क्षेत्र में प्रशिक्षित करते हैं, बल्कि उन्हें विचारों को विकसित करने और संगठन के विकास और भविष्य में योगदान करने के लिए भी तैयार करते हैं।

व्यवसाय और प्रबंधन के नेता आज किसी संगठन पर किसी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी योजना या उपक्रम के मूल्य की पूरी तरह से सराहना करते हैं। इसलिए, आईआईएम रांची के छात्रों के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि सीएसआर उन्हें कई व्यवसायों और प्रबंधन पदों पर विभिन्न क्षमताओं में भविष्य की भूमिकाओं के लिए तैयार करने में भूमिका निभाता है। इस लीग में हम संस्थान के रूप में उन्नत भारत अभियान जैसी सरकारी परियोज_नाओं से जुड़े हैं और बड़े पैमाने पर समाज के विकास में योगदान देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए हैं। हमारे छात्रों को उनकी पढ़ाई के सफल समापन के बाद उपयुक्त प्लेसमेंट मिलता है। हम सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक छात्र को सही कौशल और डोमेन ज्ञान मिले ताकि वे उद्योग के लिए आसानी से स्वीकार्य हो सकें।

स्वयं का परिसर किसी भी संगठन को अधिक स्थिरता और स्वतंत्रता प्रदान करता है। एक बार जब हम अपने स्थायी परिसर में चले जाते हैं तो हम उम्मीद करते हैं कि यह संस्थान को अधिक महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की क्षमता प्रदान करेगा।

जैसा कि हम संस्थान की उत्कृष्टता के 10 वर्ष सफलतापूर्वक पूरा होने का जश्न मनाते हैं, हमें एहसास होता है कि यह वास्तव में अभी शुरुआत है और अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। हम न केवल कुशल प्रबंधकों बल्कि जिम्मेदार नेताओं को देश तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं जो देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हम शिक्षा, अनुसंधान और विकास, उद्यमिता आदि के क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए अपनी खोज जारी रखेंगे।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची को राष्ट्रीय ख्याति का संस्थान बनाने मे लगातार सहयोग करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार, मार्गदर्शन के लिए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, अद्युतीय नेतृत्व के लिए निदेशक-आईआईएम रांची, शानदार संकायगण एवं उनको सहयोग प्रदान करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी सदस्यो को मेरा हार्दिक धन्यवाद।

प्रवीण शंकर पांड्या

निदेशक का संदेश

आपको वर्ष 2019-20 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। संस्थान ने कई क्षेत्रों में जबरदस्त प्रगति की है। मुझे यह बताते हुए बहुत संतोष होता है कि हमने छोटी शुरुआत की थी, लेकिन आज हम एनआईआरएफ रैंकिंग 2020 के अनुसार देश के शीर्ष 20 बिजनेस स्कूल में शामिल हैं। संस्थान का उद्देश्य शिक्षा में असाधारण प्रतिभा प्रदान करना और हमारे छात्रों को सार्वभौमिक रूप से प्रभावशाली और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी होने के लिए बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

गुणवत्ता के दृष्टिकोण से, संस्थान में पेश किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को सफलता प्राप्त करने का प्रवेश द्वार, वैश्विक कुशलता की कमी को दूर करने तथा प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन के लिए डिजाईन किया गया है। हालाँकि हम सीखने की एक सतत प्रक्रिया बनाने की दिशा में प्रयास करते हैं, जो नये विचार उत्पन्न करने में मदद करता है। नवीनतम शैक्षणिक और उद्योग की आवश्यकता के बनाये रखने के लिए पाठ्यक्रम विषयों को समय-समय पर संशोधित किया जाता है। नवीनतम शैक्षणिक इनपुट के अलावा, छात्रों को विभिन्न परियोजनाओं, लाइव केस और अतिथि व्याख्यान के माध्यम से पूर्ण रूप से उद्योग का अनुभव भी दिया जाता है और यह उन्हें दुनिया की व्यावहारिकताओं के साथ तालमेल प्रदान करता है।

मुझे संकाय सदस्यों के शोध और प्रकाशन में हुई वृद्धि को देखकर प्रसन्नता हो रही है। यह न केवल संस्थान के लिए बल्कि उद्योग और अनुसंधान प्रयोगशालाओं के लिए भी संस्थान की अनुसंधान क्षमताओं के बारे में जानने का एक महत्वपूर्ण पहलू है, ताकि वे संस्थान की अनुसंधान सेवाओं का प्रभावी ढंग से लाभ उठा सकें। मैं उन्हें बधाई देता हूं और आशा करता हूँ कि वे भविष्य में भी इस तरह के और अधिक शैक्षिक परिणाम देते रहेंगे।

हम उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के अधीन अपनी सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा और सामाजिक रूप से जिम्मेदार शैक्षणिक संस्थान की भूमिका निभाते हैं। संस्थान ने रांची में पाँच गाँवों को गोद लिया है और उनके आजीविका सृजन, कौशल विकास, मासिक धर्म और स्वच्छता जागरूकता, स्वास्थ्य मुद्दों, नीतियों आदि जैसे विभिन्न पहलुओं में विकास के लिए अथक प्रयास कर रहा है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यूबीए के तहत बारहमासी निधि से सम्मानित कुछ संस्थान के बीच स्थान हासिल किया गया है।

हमने बड़े पैमाने पर जनता और विशेष रूप से क्षेत्र में स्थित संगठनों के लाभ के लिए बहु-आयामी अनुसंधान करने के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए हैं। संस्थान ने आदिवासी मामलों के बिरसा मुंडा केंद्र के माध्यम से स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। भविष्य के नेताओं के विकास और सार्वजनिक नीति और शासन की समझ को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान ने नेतृत्व, नीति और शासन पर अटल बिहारी वाजपेयी केंद्र (एबीभीसीएलपीजी) भी स्थापित किया है। एबीभीसीएलपीजी संस्थान के तत्वावधान में समर स्कूल, वार्ता, व्याख्यान और सत्र आयोजित किए गए। यह गर्व की बात है कि हमें श्री एम. वेंकैया नायडू (भारत के माननीय उपराष्ट्रपति) का "भारतीय संदर्भ में नेतृत्व और सुशासन" पर व्याख्यान के लिए मेजबानी करने का मौका मिला।

भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) रांची पीआरएमई पहल का हस्ताक्षरकर्ता बन गया और हम इसके हस्ताक्षरकर्ता बनने वाले पहले आईआईएम है। शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में, यूएनजीसी- पीआरएमई, आईआईएम रांची ने भविष्य के नेताओं के बीच स्थिरता के मूल्यों को शामिल करने के लिए पीआरएमई के सिद्धांतों के अनुरूप अनेकों पहल की हैं।

एमडीपी और आउटरीच कार्यक्रमों ने देश भर में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के हजारों कनिष्ठ, मध्य-स्तर और वरिष्ठ अधिकारियों को अपने ज्ञान आधार और कौशल- क्षमता को अद्यतन करने और कॉर्पोरेट कैरियर की सीढ़ी पर आगे बढ़ने में मदद की है।

प्लेसमेंट के बारे में बात करते हुए हम सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक छात्र को सही कौशल और डोमेन ज्ञान मिले, ताकि वे उद्योग के लिए आसानी से स्वीकार्य हो सकें। इस वर्ष एमबीए 2018-20 बैच के लिए, 94 कंपनियों ने प्लेसमेंट के लिए अंतिम रूप से भाग लिया, जबकि एमबीए –एचआरएम 2018-20 बैच के लिए 42 कंपनियों ने भाग लिया।

जैसा कि पिछले कुछ वर्षों में अनुमान लगाया गया था, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची को एक बड़े 'सीप' की जरूरत थी। हम इस हद तक बढ़ गए थे कि हमें अपने बुनियादी ढांचे के लिए महत्वपूर्ण रूप से अधिक जगह की आवश्यकता थी। निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए हमारी कैंपस डेवलपमेंट टीम कड़ी मेहनत कर रही है।

कुल मिलाकर संस्थान का साल भर का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। मैं गवर्निंग बोर्ड के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूँ, जिनके मार्गदर्शन ने हमें संस्थान की नीतियों को तैयार करने में मदद की है। मैं तहे दिल से भारत सरकार और राज्य सरकार को धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने हमेशा अपना समर्थन दिया है। मैं आईआईएम रांची को शिक्षा, अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में गति प्रदान करने के लिए संकाय सहयोगियों, कर्मचारियों, छात्रों और आईआईएम रांची के हितधारकों का भी आभारी हूँ।

शैलेंद्र सिंह

संगठन

शासी मंडल (1 अप्रैल, 2019 - 31 मार्च, 2020)

श्री प्रवीण शंकर पंड्या
अध्यक्ष
ईई चौथी मंजिल, रेवा शंकर जेम्स लिमिटेड
भारत डायमंड बोर्स, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स
बांद्रा ईस्ट, मुंबई - 400051

श्री संजय कुमार सिन्हा
संयुक्त सचिव (प्रबंधन एवं भाषा)
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री राजेश कुमार शर्मा (38 वीं बीओजी बैठक तक)
सचिव
उच्च, तकनीकी और कौशल-विकास विभाग
झारखंड सरकार, रांची

श्री मदन मोहन (43 वीं बीओजी बैठक से)
पदेन सदस्य, एमओई,
एडीजी (सांख्यिकी), उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री शैलेश कुमार सिंह (39वीं बीओजी बैठक से)
(प्रधान सचिव
उच्च, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास विभाग,
झारखंड सरकार, रांची)

डॉ. हासीत जोशीपुरा
एसवीपी एवं प्रधान,
विद्युत एवं स्वचालन, लार्सन एंड टुब्रो,
सदस्य, कार्यकारी समिति, लार्सन एंड टुब्रो

डॉ. शैलेश अय्यंगार
प्रधान, सामरिक परियोजनाएँ, सनोफी एशिया
पूर्व प्रबंध निदेशक, सनोफी इंडिया, वीपी, दक्षिण एशिया
पूर्व अध्यक्ष, भारत फार्मास्युटिकल उत्पादक संगठन (ओपीपीआई)

श्री ओम प्रकाश सिंघानिया
निदेशक, सिंघानिया फार्म प्रा. लिमिटेड,
निदेशक, सतना मिनरल्स एंड मेटल्स प्रा. लिमिटेड, भिलाई - 490020

सुश्री गायत्री श्रीराम
प्रबंध निदेशक
यूसीएएल ऑटो प्रा. लिमिटेड,
सीईओ मोबिलट्रेन नॉलेज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

श्री रवींद्र वामन प्रभुदेसाई
प्रबंध निदेशक
पीतांबरी ग्रुप
ठाणे, महाराष्ट्र - 400602

एआर संजय सिन्हा
अध्यक्ष,
जीसी ग्रुप ऑफ कंपनीज

सुश्री अल्पना परीदा
प्रबंध निदेशक, डीवाई वर्क्स एंड आईडीओम

श्री श्रीकांत प्रभाकर जोशी
सीईओ एवं प्रबंध निदेशक,
एल. एंड टी. रियल्टी लिमिटेड, मुंबई

डॉ सुशील कुमार
प्रोफेसर,
भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ

डॉ. रेखा सिंघल
प्रोफेसर,
भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

डॉ. प्रदीप कुमार बाला
प्रोफेसर,
भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

प्रो. शैलेंद्र सिंह
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान रांची
सुचना भवन, ऑड्रे हाउस कैंपस, मेयर्स रोड, रांची - 834 008

बोर्ड की बैठकें

1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 के दौरान चार बोर्ड की बैठकें आयोजित की गईं :

क्र. सं.	बोर्ड की बैठक सं.	तिथि	स्थान
1.	38वीं बोर्ड बैठक	31 मई, 2019	रांची
2.	39वीं बोर्ड बैठक	07 सितंबर, 2019	रांची
3.	40वीं बोर्ड बैठक	14 दिसंबर, 2019	रांची
4.	41वीं बोर्ड बैठक	20 मार्च, 2020	रांची

प्रशासन

प्रो. शैलेंद्र सिंह
निदेशक

प्रो. पी. के. बाला
अध्यक्ष, पीजीपी

प्रो. गौरव मनोहर मराठे
अध्यक्ष, पीजीपी-एचआरएम

प्रो. आनंद
अध्यक्ष, पीजीईएक्सपी

प्रो. टी. साई विजय
अध्यक्ष, डॉक्टोरल प्रोग्राम्स एंड रिसर्च

प्रो. शिबाशीष चक्रवर्ती
अध्यक्ष, सीएमडीपी

प्रो. पियाली घोषी
अध्यक्ष, प्लेसमेंट और एलुम्नी

प्रो. मनीष कुमार
अध्यक्ष, नामांकन

प्रो. अनुभव मिश्रा
अध्यक्ष, आईटी

प्रो. शिल्पी ए. दासगुप्ता
अध्यक्ष, पुस्तकालय

डॉ प्रशांत कुमार
चिकित्सा पदाधिकारी

डॉ. जयंत कुमार त्रिपाठी
पुस्तकालय अध्यक्ष

श्री नरोत्तम साहू
वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी

श्री सतीश कुमार
वरिष्ठ प्रशासनिक पदाधिकार

श्री कृष्णचंद्रन आर. एम.
सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर

श्री सैताब सिन्हा
हेड प्लेसमेंट

श्री आसीस चक्रवर्ती
प्रशासनिक पदाधिकारी

श्री शिव प्रताप वर्मा
प्रशासनिक पदाधिकारी

श्री अजय कुमार
प्रशासनिक पदाधिकारी

श्री त्रिलोचन कुमार
प्रशासनिक पदाधिकारी

श्री विकास कुमार
प्रशासनिक पदाधिकारी

संस्थान

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची की स्थापना 15 दिसंबर, 2009 को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में तथा झारखंड सरकार ds समर्थन से प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान परिवार के नौवें सदस्य के रूप में की गई थी। संस्थान को आईआईएम अधिनियम 2017 द्वारा 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' का दर्जा दिया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची प्रबंधन के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) के लिए प्रबंधन में पूर्णकालिक दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है, जो कि हमारा प्रमुख डिग्री कार्यक्रम है। मानव संसाधन के बढ़ते महत्व और अपरिहार्यता के आधार पर हम पहले भारतीय प्रबंधन संस्थान है, जो मानव संसाधन प्रबंधन (एमबीए - एचआरएम) में पूर्णकालिक दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम की पेशकश कर रहे हैं। इसके अलावा, हम प्रबंधन में पूर्णकालिक डॉक्टरेट कार्यक्रम (पीएचडी) भी प्रदान करते हैं। हम कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में दो वर्षीय अंशकालिक एग्जीक्यूटिव स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एग्जीक्यूटिव एमबीए) एवं एग्जीक्यूटिव पीएच.डी. प्रदान करते हैं। गैर-प्रबंधकीय पेशेवरों को प्रबंधन की अवधारणाओं, सिद्धांत और अभ्यास को सीखने और उनके दिन-प्रतिदिन के कार्य परिवेश में इसे लागू करने के लिए, हम सामान्य प्रबंधन [सीपीजीएम] में पंद्रह महीने का सर्टिफिकेट कार्यक्रम भी प्रदान करते हैं। हमारे कार्यक्रम विश्व - स्तरीय तरीके से प्रस्तुत किए जाते हैं, जिससे छात्र क्लास अध्यापन के अलावा केस-स्टडीज, प्रासंगिक परियोजनाओं और प्रासंगिक शैक्षणिक अनुभव से जुड़ते हैं। भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के एमबीए और एमबीए - एचआरएम कार्यक्रम देश में बेहद प्रतिष्ठित और उच्च श्रेणी के हैं। कार्यक्रम में प्रवेश करने वाले छात्रों को एक सघन प्रक्रिया के माध्यम से चुना जाता है, जिसमें कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट), शामिल है, जो देश में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षाओं में से एक है, जिसके बाद लिखित योग्यता परीक्षा (डब्ल्यूएटी) और व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) शामिल है।

2010 में 44 छात्रों के साथ केवल एक कार्यक्रम की शुरुआत से, आईआईएम रांची ने पूर्णकालिक कार्यक्रमों की संख्या और छात्र शक्ति दोनों के मामले में बहुत कम समय में तेजी से विकास किया है। आईआईएम, रांची के संकाय में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट और अनुभवी प्रोफेसर हैं। उनका लक्ष्य अपने छात्रों की प्रतिभा का पोषण करना और उन्हें सच्चे ज्ञान के साथ मार्गदर्शन करना है। वे छात्रों की सीखने की प्रक्रिया में सूत्रधार के रूप में कार्य करते हैं। संकाय सदस्य प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में सार्थक शोध में लगे हुए हैं और दुनिया भर में शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं में अपने शोध कार्य को प्रकाशित कर रहे हैं। संकाय सदस्य अकादमिक उत्कृष्टता की खोज में डॉक्टरेट छात्रों का मार्गदर्शन भी करते हैं।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस (एबीवीसीएलपीजी) की स्थापना की है। एबीवीसीएलपीजी में हमारा लक्ष्य एक विश्व स्तरीय अनुसंधान केंद्र की स्थापना करना है, जहां हमारा लक्ष्य नीतिगत पेशेवरों को नीति नेतृत्व के रूप में पोषण करना है। हमारा उद्देश्य शासन और संस्थानों के नेतृत्व कौशल, नीति विशेषज्ञता और पेचीदगियों के बीच की खाई को पाटना है। हम अपने नीतिगत नेताओं को समानुभूति, निष्पक्षता एवं न्याय, कौशल एवं नेतृत्व की मानसिकता, उद्यमशीलता, नागरिक जुड़ाव एवं सहयोग तथा नीति निर्माण, कार्यान्वयन और विश्लेषण के कार्यात्मक ज्ञान जैसे मूल्यों से लैस करना चाहते हैं।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची यूएनजीसी - पीआरएमई का हस्ताक्षरकर्ता है। इसने समावेशी, न्यायसंगत और सतत राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों की दृष्टि के लिए प्रबंधन शिक्षा को संवेदनशील बनाने के साथ-साथ सामाजिक और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए यूएनपीआईएमई (यूनाइटेड नेशन प्रिंसिपल्स फॉर रेस्पोंसिबल मैनेजमेंट एजुकेशन) के साथ सहयोग किया है।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थानों / प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के माध्यम से और छात्रों और शिक्षकों के लिए द्विपक्षीय आदान - प्रदान द्वारा वैश्विक संबंध बनाने के लिए, आईआईएम, रांची ने विदेशी बिजनेस स्कूलों के साथ साझेदारी की प्रक्रिया शुरू की है। स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम द्वितीय वर्ष के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) के छात्रों के लिए खुला है। छात्र सहयोगी संस्थान में स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत 3 महीने बिताते हैं। सहयोगी संस्थानों के छात्रों को आईआईएम, रांची में एक टर्म के लिए नामांकित किया जाता है। अब तक इसने फ्रांस, अमेरिका, चीन, कनाडा, ग्रीस, थाईलैंड और बांग्लादेश में आठ विदेशी संस्थानों / विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची छोटी और लंबी अवधि के प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) की पेशकश कर रहा हैं, जो लगातार बदलते कारोबारी माहौल और व्यवसाय / पेशेवर अधिकारियों की मांगों को ध्यान में रखते हुए है। एमडीपी का उद्देश्य संगठनात्मक पदानुक्रम में विभिन्न स्तरों पर काम कर रहे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के अधिकारियों को प्रासंगिक इनपुट प्रदान करके प्रबंधन प्रणालियों और प्रथाओं को बेहतर बनाने में मदद करना है। प्रतिभागियों को नवीनतम उपकरणों, तकनीकों और कौशल प्रबंधन की विभिन्न धाराओं से अवगत कराया जाता है।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि छात्र किसी भी संगठन में बने रहने और तरक्की करने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करें। परीक्षण और विक्षोभ के दौर से उन्हें उबरने में मदद करने के लिए छात्रों में सही मूल्यों और दृष्टिकोणों को विकसित करने पर भी समान cy दिया जाता है। हम विजेता भावना उत्पन्न करने की दिशा में बहुत ध्यान देते हैं, यही वजह है कि उन्हें सभी प्लेटफार्मों पर मानक प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। साथ ही, हम उभरते हुए रुझानों और डिजिटल मार्केटिंग, एनालिटिक्स, सोशल मीडिया और कॉग्निटिव एनालिटिक्स आदि जैसे क्षेत्रों पर पाठ्यक्रम पढ़ाकर छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने में भी प्रयास करते हैं।

दृष्टि, लक्ष्य, मूल मंत्र और प्रतीक चिन्ह

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के दृष्टि, लक्ष्य, मूल मंत्र और प्रतीक चिन्ह निम्नलिखित हैं :

दृष्टि

बहुआयामी और समग्र विकास की खोज करना।

लक्ष्य

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता में समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो लोगों, संगठनों और समाज को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

लक्ष्य के दो मुख्य उद्देश्य हैं :

- निजी, सार्वजनिक और सामाजिक क्षेत्रों के पेशेवर प्रबंधकों, उद्यमियों और मौजूदा उद्यमों के उभरते प्रबंधक के रूप में योगदान करने वाले नेताओं को शिक्षित और समर्थन करना।
- नए ज्ञान और नवाचार को आगे बढ़ाने और नेतृत्व में प्रबंधन सिद्धांत और व्यवहार प्रदान करने के लिए अनुसंधान, प्रकाशन, परामर्श और सलाहकार का कार्य करना।

मूल मंत्र

व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट की सफलता के लिए विनम्रता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत।

प्रतीक चिन्ह

हमारे लोगो को ऊपर वर्णित लक्ष्य और मूल मंत्र को प्रतिबिंबित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

लोगो में पक्षी एक कौवा है। हमने कौवे को इसलिए चुना, क्योंकि इसमें संस्थान के लिए कई सकारात्मक लक्षण हैं। कौवा समुदाय निवास में रहने एवं एक - दूसरे से साझा करने और देखभाल करने का प्रतीक है, जो भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के लोकाचार हैं। यह एक हवाई मेहतर है, जो शवों को खाकर पृथ्वी को साफ करता है। कौवे कई संस्कृतियों में ज्ञान के रखवाले हैं, क्योंकि उनकी गहरी दृष्टि से कुछ भी नहीं बचता है। कौवे बहुत अनुकूलनीय होते हैं और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में रह सकते हैं। इस पक्षी को इस तरह से बनाया गया है कि यह आगे की ओर तीर की तरह दीखता है, उड़ान के लिए सभी को एक साथ ले जाता है (तीन हरे रंग के स्ट्रोक समुदाय का प्रतीक हैं)। संस्कृत के छंद संस्थान के दृष्टिकोण का प्रतीक हैं, जो न केवल स्वयं के लिए, बल्कि समुदाय के लिए भी, सफलता की दिशा में परिवर्तन लाने के रूप में काम करता हैं।

मूलभूत संरचना

कक्षाएँ

शैक्षणिक ब्लॉक में कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, आधुनिक साउंड सिस्टम, ओएचपी और अन्य ऑडियो-विजुअल टूल्स, वाई-फाई कनेक्टिविटी आदि से सुसज्जित सौंदर्यशास्त्रीय रूप से दस क्लासरूम तैयार किए गए हैं। बेहतर निगरानी के लिए पूरे परिसर में सीसीटीवी की सुविधा उपलब्ध है।

पुस्तकालय

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के पुस्तकालय को "एथेनियम - द लर्निंग रिसोर्स सेंटर" के रूप में जाना जाता है। पुस्तकालय नवीन, उत्तरदायी और प्रभावी सेवाओं के माध्यम से शैक्षणिक समुदाय की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुस्तकालय अपने हाईब्रीड संग्रह के माध्यम से प्रबंधन और संबंधित क्षेत्रों पर अद्यतन संसाधन प्रदान करके अकादमिक समुदाय को सहयोग करता है। इसके वर्त्तमान संग्रहों में 3,528 पुस्तकें, 42 प्रिंट पत्र - पत्रिकाएँ और समाचार पत्र, 324 सीडी/डीवीडी, 39 ई-संसाधन (डेटाबेस), 17,000 + ई-जर्नल्स, 43,00,000 + ई – पुस्तकें और 17,00,000 + ई – शोध प्रबंध और थीसिस शामिल हैं। पुस्तकालय कैंपस के साथ - साथ ऑफ - कैंपस पहुंच को सब्सक्राइब किए गए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों को रिमोट एक्सेस उपयोग की सुविधा प्रदान करती है। पुस्तकालय के गतिविधियों और सेवाओं को वीटीएलएस वर्चुआ लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर के साथ स्वचालित किया जाता है, जिन्हें आरएफआईडी टेक्नोलॉजी के साथ एकीकृत किया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची के संस्थागत डिजिटल रिपोजिटरी को भारतीय प्रबंध संस्थान रांची अकादमिक समुदाय के बौद्धिक आउटपुट जैसे संकाय प्रकाशन, थीसिस और शोध प्रबंध आदि को एकत्र, संग्रह, संरक्षित और प्रचारित करने के लिए डिजाइन एवं विकसित किया गया है। यह वार्षिक रिपोर्टो, सम्मेलन की कार्यवाही, समाचार की क्लिपिंग, चित्र, वीडियो और संस्थान के अन्य डिजिटल दस्तावेज को भी संरक्षित करेगा।

3,528 पुस्तकें,
42 प्रिंट पत्र - पत्रिकाएँ और समाचार पत्र,
324 सीडी/डीवीडी, 39 ई-संसाधन (डेटाबेस),
17,000 + ई-जर्नल्स,
43,00,000 + ई – पुस्तकें और
17,00,000 + ई – शोध प्रबंध और थीसिस

ई - संसाधन

पुस्तकालय विभिन्न रूपों में 39 ई - संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई - जर्नल, ई - डेटाबेस, ई -समाचार पत्र और ई - निबंध और थीसिस की सदस्यता लेता है। सदस्यता प्राप्त डेटाबेस में व्यावसायिक समाचार, सामान्य संदर्भ, कंपनी और बाजार अनुसंधान, ग्रंथ सूची डेटाबेस, सांख्यिकीय डेटाबेस और समीक्षा साहित्य, अकादमिक उपयोगकर्ताओं की नवीनतम विधाओं की जानकारी को पूरा करने के लिए शामिल है।

ई - जर्नल्स

- एबीआई/ इन्फॉर्म कंपलीट (प्रोक्वेस्ट)
- एनुअल रिव्युज
- बिजनेस सोर्स अल्टीमेट (ईबीएससीओ)
- इकोनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली
- इकोलिट् विथ फुल टेक्स्ट (ईबीएससीओ)
- एमराल्ड ई - जर्नल्स
- आईईईई एक्सप्लोर डिजिटल लाइब्रेरी
- इन्फोर्म्स पब्स सूट ऑनलाइन
- जेएसटीओआर
- नेचर
- ऑक्सफोर्ड ई - जर्नल्स
- सायकआर्टिकल्स
- सेज ई - जर्नल्स
- साइंस डायरेक्ट (एल्सेवियर)
- स्प्रिंगर ई - जर्नल्स
- टेलर एंड फ्रांसिस ई - जर्नल्स
- विले ई - जर्नल्स

ई - डेटाबेस

- एसीई इक्विटी
- ब्लूमबर्ग
- सीएमआईई कैपएक्स
- सीएमआईई प्रोवेसल आईक्यू
- कैपिटालाइन
- क्रिसिल रिसर्च
- ईपीडब्लूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज़
- यूरोमॉनिटर पासपोर्ट
- फ्रॉस्ट एंड सुलिवन रिसर्च रिपोर्ट
- एफटी.कॉम
- एचएस टॉक (द बिजनेस एंड मैनेजमेंट कलेक्शन)
- इनसाइट
- इंस्टिट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट डाटाबेस
- आईएसआई इमर्जिंग मार्किट (इंडिया)
- इंडियास्टैट
- लेक्सिस नेक्सिस एकेडमिक
- साउथ एशिया अर्कहाइव

ई – बुक्स

- ऑक्सफ़ोर्ड हैण्डबुक्स ऑनलाइन
- प्रोक्वेस्ट ईबुक सेंट्रल
- सेज रिफरेन्स ऑनलाइन
- वर्ल्ड ई - बुक लाइब्रेरी

ई – शोध प्रबंध

- प्रोक्वेस्ट शोध प्रबंध एंड थेसेस

छात्रावास में रहने वाले छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए छात्रावास परिसर में एक पुस्तकालय स्थापित किया गया है।

सूचना प्रौद्योगिकी

सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची की कंप्यूटिंग और संचार जरूरतों का ध्यान रखते हैं। 5 रैक माउंटेड सर्वर और 3 ब्लेड सर्वर भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची की वेबसाइट, शैक्षणिक सूचना प्रणाली (एआईएस), एंटी-वायरस सर्वर और अन्य अकादमिक सॉफ्टवेयर्स सहित विभिन्न सर्वर एप्लिकेशन को होस्ट करते हैं। हाल ही में अपग्रेड किया गया सोफोस फ़ायरवॉल घुसपैठ का पता लगाता और रोकथाम करता है, वेब और एप्लिकेशन फ़िल्टरिंग, गेटवे एंटी - स्पैम चेक इत्यादि को संभालता है। सभी सर्वरों के पास माइक्रोसॉफ्ट विंडोज सर्वर लाइसेंस और रेड हैट लिनक्स एंटरप्राइज लाइसेंस है। नेटवर्क और प्रिंटिंग सुविधा के साथ स्वतंत्र डेस्कटॉप फैकल्टी/स्टाफ के लिए उपलब्ध हैं।

संस्थान में उपयोग किए जाने वाले कुछ प्रमुख शैक्षणिक /अनुसंधान सॉफ्टवेयर टूल्स में एसपीएसएस (सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण उपकरण), ब्लूमबर्ग टर्मिनल (वित्त/लेखा डेटा विश्लेषण उपकरण के लिए), टर्निटिन (शोधकर्ताओं द्वारा प्रयुक्त जाने वाला प्लागीएरिस्म टूल्स) और मैटलैब (तकनीकी कंप्यूटिंग के लिए प्रयुक्त) शामिल हैं। . संस्थान में माइक्रोसॉफ्ट के विभिन्न संस्करणों का उपयोग करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट वॉल्यूम वार्षिक लाइसेंस समझौता भी है, जिसमें एमएस – ऑफिस, (ओ365, ऑफिस 2016 सहित विभिन्न संस्करण), एमएस – प्रोजेक्ट प्रोफेशनल्स, विंडोज 2016 सर्वर संस्करण आदि शामिल हैं।

मुख्य कार्यालय से एनेक्सी/हॉस्टल ब्लॉक तक सिंगल - मोड फाइबर ऑप्टिक्स केबल कनेक्शन संस्थान के लिए नेटवर्क बैकबोन के रूप में कार्य करता है। सिस्को 3750 कोर स्विच और वितरण और एक्सेस परतों के लिए अन्य सहायक स्विच आंतरिक नेटवर्क के बुनियादी ढांचे को बनाते हैं। वाई-फाई और वायर्ड लैन (रेलटेल द्वारा प्रदान किया गया 45 एमबीपीएस 1:1 इंटरनेट बैंडविड्थ) का एक संयोजन नेटवर्क संसाधनों तक चौबीसों घंटे पहुंच प्रदान करने में मदद करता है। भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) का हिस्सा बन गया है - राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा कार्यान्वित एक अत्याधुनिक अखिल भारतीय नेटवर्क एनकेएन 1 जीबीपीएस कनेक्टिविटी प्रदान करता है। हॉस्टल ब्लॉक के लिए इंटरनेट सुविधा हमारे मुख्य कार्यालय से रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) के साथ फाइबर ऑप्टिक केबल के माध्यम से सुलभ है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा आईआईएमआर मुख्य परिसर में मैनेजमेंट लेवल मीटिंग, फैकल्टी डिस्कशन, एचआर रिक्रूटमेंट, वेंडर/सप्लायर्स के साथ मीटिंग, स्टूडेंट प्लेसमेंट एक्टिविटीज के लिए विभिन्न ज्योग्राफी में उपलब्ध है। इस तरह के रिमोट सेशन के माध्यम से फिजिकल मीटिंग में होने वाले खर्च और समय की बचत होती हैं। संस्थान क्लाउड - आधारित कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं के उपयोग करने को भी बढ़ावा देता है, जिसमें उचित इंटरनेट स्पीड के साथ सिर्फ एक डेस्कटॉप/लैपटॉप की आवश्यकता होती है, ताकि संकाय/छात्र अपने सुविधाजनक स्थान पर दूरस्थ सत्र कर सकें।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में 40 उपयोगकर्ता क्षमता वाली कंप्यूटर लैब है, जहां छात्र संस्थान के स्वामित्व वाले सभी पंजीकृत शैक्षणिक सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर सकते हैं और अकादमिक उद्देश्य के लिए ब्रॉडबैंड सुविधा का भी उपयोग कर सकते हैं।

हाल ही में हॉस्टल में छात्रों के लिए 25 उपयोगकर्ता क्षमता वाली एक कंप्यूटर सेंटर खोली गई है।

छात्रावास

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची का छात्र ब्लॉक खेल गाँव के आवासीय ब्लॉक में स्थित है, जो रांची के बाहरी इलाके में स्थित है। शीतल, शांत और सुहावना मौसम, ढेरों हरियाली और शहर के शोर और प्रदूषण से दूर एक शांत माहौल मिलता है, जो इसे छात्र-जीवन के लिए आदर्श है। आवास सुविधा में लड़कियों और लड़कों के लिए अलग - अलग ब्लॉक हैं। ये पूरी तरह से सुसज्जित तीन शयन कक्षों और चार शयन कक्ष का साझा फ्लैटों का मिश्रण हैं। फ्लैटों के सभी कमरे एकल अधिभोग है और इंटरकॉम और वॉयस और डेटा पोर्ट के साथ टेलीफोन, कैंपस लैन और इंटरनेट का सुबिधा उपलब्ध हैं। प्रत्येक कमरे में हाउसकीपिंग सेवाएं प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक ब्लॉक में एक मेस और एक कैंटीन है। किसी भी चिकित्सा आवश्यकता के लिए चिकित्सा अधिकारी एवं औषधालय की सुबिधा भी उपलब्ध है। इसके अलावा, गंभीर बीमारी के मामले में छात्रों की देखभाल के लिए छात्रावास ने कुछ अस्पतालों के साथ भी करार किया है। बीमार छात्रों को अस्पतालों तक ले जाने के लिए छात्रावास में चौबीसों घंटे एक एम्बुलेंस तैनात रहती है।

कॉमन रूम छात्रों के लिए अनौपचारिक बैठकें आयोजित करने, मिलने – जुलने और आराम करने का केंद्र है। साधारणतः यह वह स्थान है, जहाँ छात्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को देखा जा सकता है। इसमें दो इनडोर गेम रूम, एक पूरी तरह सुसज्जित संगीत कक्ष, एक फिटनेस सेंटर और अनौपचारिक बैठकों के लिए एक सम्मेलन कक्ष शामिल हैं।

अपने छात्रों की सुरक्षा निश्चित रूप से भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। इसलिए झारखंड सरकार के व्यापक समर्थन के साथ संस्थान ने छात्रों के लिए वीआईपी सुरक्षा प्रणाली स्थापित की है। स्टूडेंट ब्लॉक के लिए एक आम प्रवेश द्वार है, जिसमें चार सशस्त्र गार्ड होते हैं और किसी को भी उचित प्रमाण - पत्र के बिना प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा प्रत्येक ब्लॉक में दो गार्ड 24 x 7 की निगरानी रहते हैं और छात्रों, शिक्षकों और संस्थान के अन्य कर्मचारियों के अलावा किसी को भी प्रवेश करने की अनुमति नहीं होती है।

हाल ही में छात्र आवासीय क्षेत्र के पास नए खुले कैफेटेरिया विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ प्रदान करता है, जिसमें उत्तर भारत, दक्षिण भारत, पंजाबी खाद्य पदार्थ आदि शामिल हैं। यह छात्रों को कभी - कभी मेस भोजन की एकरसता से बचने का विकल्प प्रदान करता है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

एमबीए

पोस्ट - ग्रेजुएट प्रोग्राम की अवधि छः ट्राइमेस्टर की है, जो दो साल में पूरी होती है, जिसमें दो साल के बीच में एक समर प्रोजेक्ट भी होती है। समय-समय पर पाठ्यक्रम की समीक्षा और संशोधित किया जाता है, ताकि यह प्रासंगिक और समकालीन बना रहे।

पीजीपी प्रथम वर्ष में अनिवार्य पाठ्यक्रम शामिल हैं, जो प्रबंधन के सभी कार्यात्मक डोमेन में तीन भागों में बँटा हुआ हैं। प्रथम वर्ष के छात्रों को विपणन प्रबंधन, लेखा और वित्त, अर्थशास्त्र, सूचना प्रणाली एवं व्यवसाय विश्लेषिकी, संचालन प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन और सामरिक प्रबंधन के क्षेत्रों में बुनियादी अवधारणाओं से अवगत कराया जाता है। कार्यक्रम का आधार तैयार करने के लिए मुख्य पाठ्यक्रमों का उद्देश्य प्रासंगिक समझ, वैचारिक ज्ञान, विश्लेषणात्मक कौशल, उपकरण और तकनीक, सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय संवेदनशीलता प्रदान करना है।

दूसरे वर्ष में तीन भागों में विभक्त वैकल्पिक पाठ्यक्रम शामिल हैं। वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को प्रबंधन के कार्यात्मक क्षेत्रों की गहरी समझ विकसित करने में मदद करते हैं। छात्रों को दूसरे वर्ष में अपनी रुचि के पाठ्यक्रम चुनने की अनुमति है। जो छात्र किसी विषय की गहरी समझ हासिल करना चाहते हैं या किसी संकीर्ण विषय की गहराई से खोज करना चाहते हैं, वे एक संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में स्वतंत्र अध्ययन (सीआईएस) के पाठ्यक्रम का भी अनुसरण कर सकते हैं।

प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष के बीच, छात्रों को अनिवार्य रूप से एक समर इंटर्नशिप प्रोजेक्ट (एसआईपी) करने की आवश्यकता होती है। पहले वर्ष के अंत में आठ सप्ताह की अवधि के लिए उद्योग में, व्यवसाय प्रबंधन के किसी भी पहलू पर एक छात्र को समर प्रोजेक्ट करने की आवश्यकता होती है।

वर्तमान में एमबीए प्रोग्राम के दो साल के दौरान कुल क्रेडिट में न्यूनतम 111 और अधिकतम 120 क्रेडिट (समर इंटर्नशिप प्रोजेक्ट सहित) की आवश्यकता होती है, एक क्रेडिट 10 कक्षा घंटों के बराबर है।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची का पीजीपी प्रोग्राम छात्रों को स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम (एसटीईपी) और/या अध्ययन यात्राओं के माध्यम से विभिन्न देशों में व्यावसायिक प्रथाओं के बारे में जानने का अवसर प्रदान करता है।

प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम (एमबीए 2019-21 बैच)

टर्म I		टर्म II		टर्म III	
कोर्स	**क्रेडिट**	**कोर्स**	**क्रेडिट**	**कोर्स**	**क्रेडिट**
माइक्रो इकोनॉमिक्स	3	माइक्रो इकोनॉमिक्स	3	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट	3
फाइनेंसियल रिपोर्टिंग एंड एनालिसिस	3	मैनेजरियल एकाउंटिंग	3	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	3
माइक्रो आर्गेनाईजेशनल बिहेवियर	3	कॉर्पोरेट फाइनेंस	3	ऑपरेशन मैनेजमेंट – II	3
Business Statistics	3	ऑपरेशन मैनेजमेंट – I	1.5	इनफार्मेशन सिस्टम	3
मार्केटिंग मैनेजमेंट -I	3	मार्केटिंग मैनेजमेंट -II	3	इंटरप्रीनयोरशीप	3
बिज़नस कम्युनिकेशन – I	1.5	ऑपरेशन रिसर्च	3	बिज़नस रिसर्च मेथर्ड – II	3
बिज़नस एथिक्स	1.5	माइक्रो आर्गेनाईजेशनल बेहेवियर	3	लीगल एस्पेक्ट्स ऑफ़ बिज़नस	1.5
फाइनेंसियल मार्केट्स	1.5	बिज़नस रिसर्च मेथर्ड – I	1.5	बिज़नस कम्युनिकेशन – II	1.5
मैनेजरियल कंप्यूटिंग	1.5				
कुल	**21.0**		**21.0**		**21.0**

अप्रैल - मई के महीने में समर इंटर्नशिप (6 क्रेडिट)

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम (एमबीए 2018-20 बैच)

क्र. स.	कोर्स का नाम	टर्म	क्रेडिट
एरिया : मार्केटिंग			
1	प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट	IV	3
2	कंज्यूमर बिहेवियर		3
3	सेल्स एंड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट		3
4	इंटीग्रेटेड मार्केटिंग मैनेजमेंट		3
5	मार्केटिंग एनालिसिस	V	3
6	सर्विसेज मार्केटिंग		3
7	बी 2 बी मार्केटिंग		3
8	स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट मार्केटिंग		3
9	रिटेल मैनेजमेंट		3
10	स्ट्रेटेजिक मार्केटिंग	VI	3
11	डिजिटल मार्केटिंग		3
12	कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट		3
एरिया : इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिज़नस एनालीटिक्स			
1	स्ट्रेटेजीज फॉर इनफार्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट	IV	3
2	फंडामेंटल्स ऑफ़ बिज़नस एनालीटिक्स एंड इंटेलिजेंस		3
3	डाटा माईनिंग एंड प्रेडीक्टिव एनालीटिक्स		3
4	ई – सर्विस मैनेजमेंट		3
5	मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड मार्केटिंग एनालीटिक्स	V	3
6	सप्लाई चैन एनालीटिक्स		3
7	सोशल मीडिया एंड कोगनिटीव एनालीटिक्स		3
8	मैनेजिंग इनोवेशन इन दी डिजिटल एरा	VI	3
9	न्यूट्रल नेटवर्क एंड डीप लर्निंग		1.5
10	एआई एपलीकेशंन इन बिज़नस		1.5
एरिया : स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट			
1	कॉम्पीटेटिव एंड कोआपरेटिव स्ट्रेटेजी (सीसीएस)	IV	3
2	कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजी		3
3	एप्लाइड थ्योरी इन स्ट्रेटेजी एंड कम्पटीशन		3
4	स्ट्रेटेजीज फॉर इनफार्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट		3
5	सिमुलेशन इन स्ट्रेटेजी	V	3
6	स्ट्रेटेजिक एलायंस		3
7	इंडस्ट्री एंड कॉम्पीटेटिव एनालिसिस		3
8	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट ऑफ़ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (एसएमआईटी)		3
9	स्ट्रेटेजिक कंसल्टिंग		3
10	प्राइसिंग स्ट्रेटेजी फॉर डिसिशन मेकिंग		3
11	मैनेजमेंट कंसल्टिंग		3

क्र. स.	कोर्स का नाम	टर्म	क्रेडिट
12	कॉर्पोरेट इंटरप्रीनयोरशीप एंड न्यू वेंचर प्लानिंग		3
13	स्ट्रेटेजिक चेंज एंड ट्रांसफार्मेशन	VI	3
14	मर्जर्स एंड एक्यूजिशन		3
15	कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजी एंड गवर्नेंस इन दी ईस्ट एंड दी वेस्ट		3
एरिया : ऑपरेशंन मैनेजमेंट			
1	सप्लाई चैन मैनेजमेंट		3
2	प्रोजेक्ट मैनेजमेंट	IV	3
3	डाटा एनालिसीस फॉर डिसिशन मेकिंग इन बिज़नस		3
4	ई – सर्विस मैनेजमेंट		3
5	सर्विस ऑपरेसंस मैनेजमेंट		3
6	प्रोक्योरमेंट एंड मैटेरियल्स मैनेजमेंट	V	3
7	सप्लाई चैन एनालिसीस		3
8	डिसिशन मेकिंग टूल्स एंड टेकनिक्स फॉर मैनेजर्स		3
9	ऑपरेसंस एनालिसीस		3
10	डायनामिक प्राइसिंग एंड रेवेन्यू मैनेजमेंट	VI	3
11	ऑपरेसंस स्ट्रेटेजी		3
एरिया : इकोनॉमिक्स			
1	इंडिया एंड वर्ल्ड इकॉनमी	IV	3
2	डाटा एंड डिसिशन		3
3	प्राइसिंग स्ट्रेटेजी फॉर डिसिशन मेकिंग	V	3
4	इंटरनेशनल ट्रेड		3
5	मनी, बैंकिंग एंड फाइनेंस	VI	3
6	गेम थ्योरी एंड स्ट्रेटेजिक बिहेवियर		3
एरिया : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस			
1	बिज़नस वैल्यूएशन		3
2	इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट	IV	3
3	डेरीवेटिव्स		3
4	फिक्स्ड इनकम सिक्योरिटीज		3
5	बैंक मैनेजमेंट		3
6	प्राइवेट इक्विटी एंड वेंचर कैपिटल		3
7	फाइनेंसियल इकोनोमैट्रिक्स	V	3
8	कमोडिटी मार्किट एंड डेरीवेटिव्स		3
9	प्रोजेक्ट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस		3
10	मर्जर्स एंड एक्क्युसिसंस		3
11	फाइनेंसियल रिस्क मैनेजमेंट	VI	3
12	फाइनेंसियल एनालिसीस		3
एरिया : आर्गेनाइजेशनल बिहेवियर एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट			
1	निगोशिएशन एंड कनफ्लिक्ट मैनेजमेंट	V	3
2	न्यूरोसाइंस फॉर पर्सनल ग्रोथ	VI	3

एमबीए – ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एचआरएम)

भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) रांची के ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (पीजीपी-एचआरएम) में प्रमुख स्नातकोत्तर कार्यक्रम दो साल का पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानवीय और विचारशील, संगठनात्मक और समग्र सामाजिक कल्याण के लिए लोगों-विशेषज्ञों को विकसित करना है। यह मजबूत नैतिक और सामाजिक सरोकारों के साथ व्यावसायिक कौशल को एकीकृत करता है। आधुनिक उद्योग लगातार ऐसे प्रबंधकों की तलाश में हैं, जो कार्यात्मक साइलो से ऊपर उठने और व्यापक दृष्टिकोण के साथ नेतृत्व करने में सक्षम हो सकते हैं। यह कार्यक्रम मानव संसाधन पेशेवरों में इस तरह के व्यापक व्यावसायिक दृष्टिकोण को विकसित करने का अपनी तरह का एक प्रयास है। पाठ्यक्रम को हाल ही में एकीकृत, प्रासंगिक और समकालीन बनाने के लिए संशोधित किया गया है। हमने विशेष रूप से ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट से संबंधित एकीकृत कोर पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। ये पाठ्यक्रम एक ओर कर्मचारियों के साथ संगठनों की चिंताओं को संतुलित करते हैं और दूसरी ओर ह्यूमन रिसोर्स प्रथाओं का एक व्यवस्थित दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

पोस्ट-ग्रेजुएट प्रोग्राम छह ट्राइमेस्टर तक चलता है, जो दो वर्षों का है, इन दो वर्ष के बीच एक समर प्रोजेक्ट होता है। यह कार्यक्रम छात्रों को किन्हीं दो विषयों के साथ विशेषज्ञ - स्तरीय ज्ञान विकसित करने में सक्षम बनाता है; जेनेरलिस्ट ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, आर्गेनाईजेशनल डेवलपमेंट और इंडस्ट्रियल रिलेशन। द्वितीय वर्ष में तीन टर्म होते हैं। ये पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को प्रबंधन के कार्यात्मक क्षेत्रों की गहरी समझ विकसित करने में मदद करते हैं। जो छात्र किसी भी विषय की गहरी समझ हासिल करना चाहते हैं या किसी विषय को गहराई से जानना चाहते हैं, वे संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में स्वतंत्र अध्ययन (सीआईएस) का कोर्स भी कर सकते हैं।

कार्यक्रम को भारतीय प्रबंध संस्थान बिरादरी के प्रतिष्ठित इन - हाउस और विजिटिंग फैकल्टी सदस्यों एवं अन्य प्रसिद्ध समान – स्तर के संस्थानों और संगठनों के शिक्षाविदों और विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत किया गया है, जो विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक दृष्टिकोणों का उपयोग करके पाठ्यक्रम डिजाइन करने में और कक्षा के दौरान अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हैं। हम भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची में कार्यस्थल की बदलती जरूरतों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए एक एचआर पेशेवर के लिए आवश्यक ज्ञान,कौशल और क्षमता प्रदान करने का प्रयास करते हैं। भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची विभिन्न सामाजिक और व्यावसायिक मुद्दों पर दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए सांस्कृतिक, शैक्षिक, अनुभवात्मक और अन्य जनसांख्यिकीय विविधता को प्रोत्साहित करता है। छात्रों को प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं में भाग लेने और सक्रिय रूप से कई लाइव उद्योग परियोजनाओं का नेतृत्व करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (पीजीपीएचआरएम) में इसके स्नातकोत्तर कार्यक्रम को सोसाइटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएचआरएम) द्वारा स्वीकार किया गया है, जिससे अब इसे ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) पाठ्यक्रम गाइडबुक और टेम्प्लेट के साथ जोड़ दिया गया है।

दुनिया भर में लगभग 375 शैक्षणिक संस्थानों में 400 से अधिक कार्यक्रमों को एसएचआरएम ने अपने सुझाए गए गाइडों और टेम्पलेट्स के साथ संरेखित किया है। एचआर पाठ्यक्रम गाइडबुक और टेम्प्लेट को एसएचआरएम द्वारा न्यूनतम एचआर सामग्री क्षेत्रों को परिभाषित करने के लिए विकसित किया गया था, जिन्हें पूर्व स्नातक और स्नातक स्तर पर एचआर छात्रों द्वारा अध्ययन किया जाना चाहिए। दिशानिर्देश - 2006 में बनाए गए और 2010, 2013 और 2017 में फिर से मान्य किए गए - विश्वविद्यालय बिजनेस स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले मानव संसाधन शिक्षा मानकों को परिभाषित करने के लिए एसएचआरएम की अकादमिक पहल का हिस्सा हैं और विश्वविद्यालयों को इन मानकों का पालन करने वाले डिग्री प्रोग्राम विकसित करने में मदद करते हैं।

एमबीए – एचआरएम के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम (एमबीए-एचआरएम 2019-21 बैच)

टर्म I		टर्म II		टर्म III	
कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट
माइक्रो इकोनॉमिक्स	3.0	माइक्रो इकोनॉमिक्स	3.0	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट	3.0
फाइनेंसियल रिपोर्टिंग एंड कास्ट मैनेजमेंट	3.0	इंडस्ट्रियल रिलेशंस	3.0	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	3.0
माइक्रो आर्गेनाईजेशनल बिहेवियर	3.0	फाइनेंसियल मैनेजमेंट	3.0	आर्गेनाईजेशनल डेवलपमेंट एंड चेंज	3.0
बिज़नस स्टेटिस्टिक्स	3.0	ऑपरेशन मैनेजमेंट – I	1.5	इनफार्मेशन सिस्टम	3.0
मार्केटिंग मैनेजमेंट - I	3.0	मार्केटिंग मैनेजमेंट - II	3.0	इंटरप्रीनयोरशीप	3.0
बिज़नस कम्युनिकेशन – I	1.5	ऑपरेशंस रिसर्च	3.0	बिज़नस रिसर्च मेथर्ड – II	3.0
बिज़नस एथिक्स	1.5	माइक्रो आर्गेनाईजेशनल बेहेवियर	3.0	लीगल एस्पेक्ट्स ऑफ़ बिज़नस	1.5

टर्म I		टर्म II		टर्म III	
कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट
हिस्ट्री एंड फलसफा ऑफ़ ह्यूमन मैनेजमेंट	1.5	बिज़नस रिसर्च मेथर्ड – I	1.5	बिज़नस कम्युनिकेशन – II	1.5
मैनेजरियल कंप्यूटिंग	1.5				
	21		21.0		21

एचआर उद्योग का विजिट, वर्कशॉप और मेंटरशिप (10 सत्र) (नॉन -क्रेडिट)

अप्रैल - मई के महीने में समर इंटर्नशिप (6 क्रेडिट)

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम (एमबीए-एचआरएम 2018-20 बैच)

टर्म IV		टर्म V		टर्म VI	
कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट
इंडस्ट्रियल डिस्प्यूटस एंड वेलफेयर लेगिस्लेशन	3.0	सोशल सिक्यूरिटी लेगिशलेशन I	3.0	सोशल सिक्यूरिटी लेगिशलेशन II	3.0
ट्रेनिंग एंड करियर डेवलपमेंट	3.0	ह्यूमन रिसोर्स इनफार्मेशन सिस्टम	3.0	एचआर डिसिशन मेकिंग : इनसाइट फ्रॉम न्यूरोसाइंस	3.0
परफॉरमेंस अप्प्रैसल एंड मैनेजमेंट	3.0	ग्लोबल एचआरएम	3.0	एचआर ब्रांडिंग वैल्यू प्रोपोशिसन	3.0
स्ट्रेटेजिक स्टाफ्फिंग	3.0	कॉम्पीटेंसी मैनेजमेंट	3.0	सस्टेनेबल एचआरएम	3.0
टोटल रिवार्ड्स मैनेजमेंट	3.0	HR Analytics	3.0		
ऑक्यूपेशनल टेस्टिंग एंड मेज़रमेंट	3.0	एचआर डीस्सेरटेशन - 6 क्रेडिट (6 क्रेडिट पाठ्यक्रमों के बदले में)			
निगोशिएशन एंड कनफ्लिक्ट मैनेजमेंट	3.0	(न्यूनतम आवश्यकता सीजीपीआई > 7.0 प्रथम वर्ष के अंत में)			
	21.0		15.0		12.0

पीएच.डी. कार्यक्रम

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के पीएच.डी कार्यक्रम का उद्देश्य बिजनेस स्कूलों/ विश्वविद्यालयों या प्रबंधन अनुसंधान संस्थानों या सरकारी क्षेत्रों, उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों हेतु स्कॉलर या अनुसंधान पेशेवर तैयार करना या उक्त मामले में किसी भी संगठन के लिए उत्कृष्ट विद्वानों को विकसित करना है, जिन्हें उन्नत विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं की आवश्यकता है। इसके लिए पीएच.डी. कार्यक्रम में उन छात्रों को दाखिला मिलेगा, जिनके पास एक मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि है, जो अत्यधिक अभिप्रेरित हों और जिनके पास मौलिक अनुसंधान करने हेतु बौद्धिक जिज्ञासा हो। उन्हें इस तरह का ज्ञान और अनुसंधान कौशल प्रदान किया जाएगा, जो उन्हें विभिन्न मौजूदा और उभरते हुए प्रबंधन ज्ञान डोमेन की पर्याप्त गहराई प्रदान करते हुए विशिष्ट शोधकर्ता बना सकते हैं।

पीएच.डी. भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में एक अकादमिक कार्यक्रम है, जिसे पूरा करने के लिए न्यूनतम चार साल की आवश्यकता होती है। छात्रों को पहले दो साल का सघन कोर्स वर्क करने होते हैं, इसके बाद शोध प्रबंध के साथ शोध कार्य को पूरा करने के लिए कम से कम दो साल का समय देना होता है। आईआईएम रांची के पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के साथ पाठ्यक्रम का पहला वर्ष सामान्य है, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को प्रबंधन क्षेत्र की व्यापक समझ प्रदान करना है। शोध का दूसरा वर्ष यह सुनिश्चित करना है कि उम्मीदवार अपने ज्ञान क्षेत्र में गहरी समझ विकसित करें और अपने चयनित विशेषज्ञता क्षेत्र में सघन शोध करने की क्षमता विकसित करें। दूसरे वर्ष के अंत में व्यापक परीक्षा का क्षेत्र, यह आकलन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि उम्मीदवार ने विशेषज्ञता के अपने क्षेत्र में प्रवीणता के अपेक्षित स्तर को प्राप्त किया है या नहीं। बाद के वर्षों में, उम्मीदवार डॉक्टरेट शोध प्रबंध पर काम करता है, जो प्रबंधन के क्षेत्र में एक मूल योगदान होना चाहिए।

कार्यक्रम में भर्ती होने वाले छात्रों को व्यापक वित्तीय सहायता प्राप्त होती है, जिसमें सभी शैक्षणिक और रहने की लागतें शामिल होती है। संस्थान में उत्कृष्ट पुस्तकालय, कंप्यूटिंग और संकाय संसाधन हैं।

छात्र निम्नलिखित विशेषज्ञता के क्षेत्रों में आवेदन कर सकते हैं:

- **एकाउंटिंग एंड फाइनेंस**
- **इकोनॉमिक्स**
- **जनरल मैनेजमेंट** (बिज़नस कम्युनिकेशन, बिज़नस एथिक्स)
- **इनफार्मेशन सिस्टम एंड बिज़नेस एनालिटिक्स**
- **मार्केटिंग मैनेजमेंट**
- **आर्गेनाईजेशनल बिहेवियर एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट**
- **ऑपरेशंस मैनेजमेंट**
- **स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट**

एग्जीक्यूटिव पीएच.डी. प्रोग्राम

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची का एग्जीक्यूटिव पीएच.डी. प्रोग्राम कार्य अनुभवी व्यक्तियों के लिए है। इसे नियोक्ता संगठनों की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ- साथ भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची में प्रतिभागियों को सीखने और शोध में शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य बिजनेस स्कूलों / विश्वविद्यालयों या प्रबंधन अनुसंधान संस्थानों या सरकारी, उद्योगों एवं गैर सरकारी संगठनों हेतु स्कॉलर या अनुसंधान पेशेवर तैयार करना या उक्त मामले में किसी भी संगठन के लिए उत्कृष्ट विद्वानों को विकसित करना है, जिन्हें उन्नत विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं की आवश्यकता है। इस प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र – अनुरूप अनुसंधान और प्रकाशन कौशल के साथ महत्वपूर्ण क्षेत्र में विशेषज्ञ स्तरीय ज्ञानार्जन करके एक स्वायत्त विद्वान विकसित करना है। इसे पूरा करने के लिए एग्जीक्यूटिव पीएच.डी. प्रोग्राम में उन छात्रों को प्रवेश देना चाहते हैं, जिनके पास एक मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि हो, वे अत्यधिक अभिप्रेरित हों और जिनके पास मौलिक शोध करने के लिए बौद्धिक जिज्ञासा हो। उन्हें इस तरह का ज्ञान और अनुसंधान कौशल प्रदान किया जाएगा, जो उन्हें विभिन्न मौजूदा और उभरते हुए प्रबंधन ज्ञान डोमेन की पर्याप्त गहराई करते हुए विशिष्ट शोधकर्ता बना सकता हैं।

छात्र निम्नलिखित विशेषज्ञता के क्षेत्रों में आवेदन कर सकते हैं:

- **एकाउंटिंग एंड फाइनेंस**
- **इकोनॉमिक्स**
- **जनरल मैनेजमेंट** (बिज़नस कम्युनिकेशन, बिज़नस एथिक्स)
- **इनफार्मेशन सिस्टम एंड बिज़नेस एनालिटिक्स**
- **मार्केटिंग मैनेजमेंट**
- **आर्गेनाईजेशनल बिहेवियर एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट**
- **ऑपरेशंस मैनेजमेंट**
- **स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट**

पीजीईएक्सपी प्रोग्राम

पीजीईएक्सपी, प्रबंधन में एक व्यापक दो वर्षीय स्नातकोत्तर "डिग्री प्रोग्राम" है। प्रोग्राम हर विषय के उन स्नातकों/सीए/सीएस/आईसीडब्ल्यूए/पेशेवरों के लिए डिजाइन किया गया है, जिनके पास न्यूनतम 5 वर्षों के कार्य/पेशेवर/उद्यमी होने के अनुभव के साथ स्नातक समकक्ष शैक्षणिक योग्यता हो। झारखंड और पड़ोसी क्षेत्र में कई बड़े सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उपक्रम हैं,जिन्हें अपने कर्मचारियों के प्रबंधकीय कौशल के उन्नयन की आवश्यकता है। राष्ट्रीयकृत बैंक, मीडिया हाउस, राज्य सरकार की यूटिलिटीज आदि अपने उच्च प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में पीजीईएक्सपी कार्यक्रम में दाखिल करने के लिए प्रायोजित करने के लिए का चुन सकते हैं। इसी तरह, सरकार में कार्यरत अधिकारियों के साथ – साथ निजी संस्थाओं के पेशेवरों, सीए, सीएस, आईसीडब्ल्यूए, डॉक्टर, वकील, स्वतंत्र कंसल्टेंट्स और उद्यमी आदि पीजीईएक्सपी कार्यक्रम में अपनी भागीदारी को स्व-प्रायोजित करके कार्यक्रम से लाभ उठा सकते हैं।

प्रोग्राम अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और गतिशील वातावरण के लिए प्रतिभागियों को तैयार करता है, जिसमें प्रत्येक प्रबंधक को लोगों के प्रबंधन, वित्त, लेखा, अर्थशास्त्र, बाजार, प्रतिस्पर्धा, गुणवत्ता एवं उत्पादकता आदि की अच्छी समझ रखने की आवश्यकता होती है। प्रोग्राम का उद्देश्य एक इंटरैक्टिव और सहायक सीखने के माहौल में वरिष्ठ प्रबंधन और नेतृत्व की भूमिका के लिए प्रतिभागियों को विकसित करना है। प्रोग्राम को व्यक्ति के साथ - साथ सामूहिक स्तर पर प्रतिभागियों की विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे अधिगम परिणामों को अधिकतम किया जा सके।

कार्यक्रम के कैलेंडर को कामकाजी व्यक्तियों के कार्य आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्थित किया गया है। एग्जीक्यूटिव अधिकारियों/पेशेवरों/उद्यमियों के कार्य दिवसों के दौरान उनके कार्य और व्यावसायिक चिंताओं का ध्यान रखने हुए इस प्रोग्राम के लिए सत्र केवल सप्ताह के अंत में आयोजित किये जाते है।

पीजीईएक्सपी हेतु प्रस्तुत पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम (पीजीईएक्सपी 2019-21 बैच)

टर्म I		टर्म II		टर्म III	
कोर्स	**क्रेडिट**	**Course**	**Credit**	**Course**	**Credit**
माइक्रो इकोनॉमिक्स	3	माइक्रो इकोनॉमिक्स	3	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट	3
फाइनेंसियल रिपोर्टिंग एंड कास्ट एनालाईसिस	3	मैनेजरियल एकाउंटिंग	3	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	3
माइक्रो आर्गेनाईजेशनल बिहेवियर	3	कॉर्पोरेट फाइनेंस	3	ऑपरेशंस मैनेजमेंट – II	3
बिज़नस स्टेटिस्टिक्स	3	ऑपरेशंस मैनेजमेंट - I	1.5	इनफार्मेशन सिस्टम	3
मार्केटिंग मैनेजमेंट - I	3	मार्केटिंग मैनेजमेंट - II	3	इंटरप्रीनयोरशीप	3
बिज़नस कम्युनिकेशन – I	1.5	ऑपरेशंस रिसर्च	3	बिज़नस रिसर्च मेथर्ड – II	3
बिज़नस एथिक्स	1.5	माइक्रो आर्गेनाईजेशनल बिहेवियर	3	लीगल एस्पेक्ट्स ऑफ़ बिज़नस	1.5
फाइनेंसियल मार्केट्स	1.5	बिज़नस रिसर्च मेथड्स – I	1.5	बिज़नस कम्युनिकेशन – II	1.5
मैनेजरियल कंप्यूटिंग	1.5				
कुल	**21.0**		**21.0**		**21.0**

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम (पीजीईएक्सपी 2018-20 बैच)

क्र. स.	कोर्स का नाम	टर्म	क्रेडिट
एरिया : मार्केटिंग			
1	प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट	IV	3
2	डिजिटल मार्केटिंग	V	3
3	कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट		3
एरिया : इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिज़नस एनालीटिक्स			
1	बिज़नस एनालीटिक्स एंड बिज़नस इंटेलिजेंस	IV	**3**
2	सप्लाई चैन एनालीटिक्स		3
3	मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड मार्केटिंग एनालीटिक्स	V	3
एरिया : स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट			
1	कॉम्पीटेटिव एंड कोआपरेटिव स्ट्रेटेजी (सीसीएस)	IV	3
2	कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजी	IV	3
3	स्ट्रेटेजिक चेंज एंड ट्रांसफॉर्मेशन	V	3
4	इंटरप्रीनयोरशीप	V	3
5	सिमुलेशन इन स्ट्रेटेजी	VI	3
एरिया : ऑपरेशंन मैनेजमेंट			
1	प्रोजेक्ट मैनेजमेंट	IV	3
2	डिसिशन मेकिंग टूल्स एंड टेकनिक्स फॉर मैनेजर्स	V	3
3	डाटा एंड डिसिशन		3
4	सर्विस ऑपरेसंस एंड रेवेन्यू मैनेजमेंट	VI	3
एरिया : इकोनॉमिक्स			
1	बेसिक इकोनोमैट्रिक्स	IV	3
एरिया : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस			
1	बिज़नस वैल्यूएशन	IV	3
2	फिक्स्ड इनकम सिक्योरिटीज		3
3	मर्जर्स एंड एक्क्युसिसंस	VI	3
एरिया : आर्गेनाइजेशनल बिहेवियर एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट			
1	साईकोमेट्रिक टेस्टिंग	IV	3
2	लीडिंग चेंज	V	3
3	न्यूरोसाइंस फॉर पर्सनल एंड लीडरशिप इफेक्टिवनेस	VI	3

एक क्रेडिट 10 कक्षा संपर्क घंटे के बराबर है। प्रत्येक छात्र 6 क्रेडिट के बराबर एक प्रमुख शोध परियोजना करना होता है। यह परियोजना ट्राइमेस्टर IV की शुरुआत में शुरू होनी चाहिए और ट्राइमेस्टर VI के अंत तक समाप्त होनी चाहिए।

स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों के सहयोग से और छात्रों के लिए द्विपक्षीय आदान - प्रदान के माध्यम से वैश्विक संबंध बनाने के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने 2014 से विदेशी बिजनेस स्कूलों के साथ साझेदारी की प्रक्रिया शुरू की है। अब तक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची ने फ्रांस, अमेरिका, चीन, कनाडा, ग्रीस, थाईलैंड और बांग्लादेश आदि के नौ विदेशी संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन किया हैं।

स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, प्रबंधन में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए खुला है। भागीदार संस्थान में स्टूडेंट एक्सचेंज के रूप में छात्र सितंबर से दिसंबर के दौरान 3 महीने का कार्यकाल बिताते हैं।

भागीदार संस्थानों के छात्रों को भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में एक टर्म के लिए नामांकित किया जाता है। ट्यूशन फीस का भुगतान गृह संस्थान में किया जाता है। हालांकि, अन्य खर्च जैसे हवाई किराया, स्थानीय परिवहन, आवास, भोजन, चिकित्सा बीमा, पुस्तक खरीद, आदि व्यक्तिगत छात्र द्वारा वहन किए जाते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में, एमबीए 2018-20 बैच के चार छात्रों ने दो भागीदार संस्थानों में टर्म - V के दौरान स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया।

एम्लीयन बिजनेस स्कूल, फ्रांस

1. आदित्य रुद्राशीष रॉय (रजि. सं. : एम 071-18)
2. देविना छाजेर (रजि. सं. : एम 015 -18)
3. दीपशेखर बाजोरिया (रजि. सं. : एम 082-18)

ऑर्डेसिया स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ्रांस

1. आकाश राय (रजि. सं. : एम 199-18)

   शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में किसी भी एक्सचेंज इनकमिंग छात्र ने भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में भाग नहीं लिया।

नई साझेदारी

इस साल हमने एक नए साझेदार 'द अमेरिकन बिजनेस स्कूल ऑफ पेरिस' के साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

हम दुनिया के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता करने का प्रस्ताव रखते हैं, ताकि बड़ी संख्या में छात्र हमारी वैश्विक भागीदारी का लाभ उठा सकें।

एमडीपी, कंसल्टेंसी और इन-कंपनी प्रोग्राम

विभिन्न संगठनों के लिए एमडीपी/आईसीपी

क्र.सं.	कंपनी का नाम	विषय	दिनांक	प्रोग्राम डायरेक्टर का नाम
1	आईसीपी- जेबीवीएनएल	डेवलपिंग लीडरशिप एंड सर्विस ओरिएंटेशन	03 - 05 अप्रैल 2019	प्रो. असित महापात्र एवं प्रो. शिबाशीष चक्रवर्ती
2	आईसीपी-एनटीपीसी- कोल माईनिंग	मैनेजरियल इफेक्टिवनेस	22 - 24 जुलाई 2019	प्रो. असित महापात्र एवं प्रो. गौरव मराठे
3	आईसीपी-एनटीपीसी- कोल माईनिंग	स्ट्रेटेजी एंड लीडरशिप इन भीयूसीए वर्ल्ड	31 जुलाई - 02 अगस्त 2019	प्रो. स्वरूप कुमार दत्ता एवं प्रो. रोहित कुमार
4	आईसीपी-एनटीपीसी- कोल माईनिंग	प्रोजेक्ट मैनेजमेंट	27 - 29 अगस्त 2019	प्रो. विजया दीक्षित एवं प्रो. प्रीती राय
5	आईसीपी- फारेस्ट डिपार्टमेंट	कंप्यूटर बेस्ड एमआईएस एंड प्रोजेक्ट साइकल मैनेजमेंट	27-28 फरवरी 2020	प्रो. पी. के. बाला एवं प्रो. विजया दीक्षित
6	आईसीपी- फारेस्ट डिपार्टमेंट	ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन लीडरशिप एंड टीम मैनेजमेंट	04 मार्च 2020	प्रो. रेखा सिंघल एवं प्रो गौरव मराठे

विभिन्न संगठनों के लिए कंसल्टेंसी

क्र.सं.	कंपनी का नाम	विषय	दिनांक	प्रोग्राम डायरेक्टर का नाम
1	स्कूल एजुकेशन एंड लिटरेसी, गवर्नमेंट ऑफ़ झारखण्ड	प्रपोजल फॉर दी इम्पैक्ट एसेसमेंट ऑफ़ स्कूल रीआर्गेनाइजेशन	20 जून 2019	प्रो. शैलेंद्र सिंह, प्रो. अनुभव मिश्रा एवं प्रो. टाटा साई विजय
2.	आईआईएम बोधगया	गेस्ट फैकल्टी असाइनमेंट	जून-सितंबर 2019	प्रो. एन.शिवशंकरन
3.	आईआईएम लखनऊ	गेस्ट फैकल्टी असाइनमेंट	मई 2019	प्रो. शैलेंद्र सिंह
4	एसजेवीएन-शिमला	हायरिंग एजेंसी फॉर कंडक्टिंग एचआर ऑडिट	10 जुलाई 2019	प्रो. शैलेंद्र सिंह, प्रो. रेखा सिंघल, प्रो. असित महापात्रा एवं प्रो. गौरव मराठे
5.	जेटीईएलपी	डेवलपमेंट ऑफ़ परफॉरमेंस अप्प्रैसल सिस्टम एंड परफॉरमेंस इवैल्यूएशन	20 जुलाई 2019	प्रो. शैलेंद्र सिंह, प्रो. रेखा सिंघल, प्रो. असित महापात्र एवं प्रो. गौरव मराठे
6.	पीवीयूएनएल	कोर वैल्यू एक्चुअलाइजेशन वर्कशॉप	जुलाई-सितंबर 2019	प्रो. असित महापात्र
7.	बीपीसीएल	केस स्टडी चैलेंज-सोकराटिक्स	दिसंबर 2019	प्रो. स्वरूप दत्ता एवं प्रो. रोहित कुमार

संकाय और कर्मचारी

मुख्य संकाय

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में संकाय ढाँचे का एक अनूठा संविभाग है, जो निपुण मुख्य संकाय और गेस्ट फैकल्टी के मिश्रण को समायोजित करता है। प्रस्तावित संकाय छात्रों को मजबूत सैद्धांतिक पृष्ठभूमि प्राप्त करने में मदद करता है और दुनिया भर के उद्योगों और संस्थानों में व्यावहारिक अनुप्रयोगों और विकास से संपर्क कराता है।

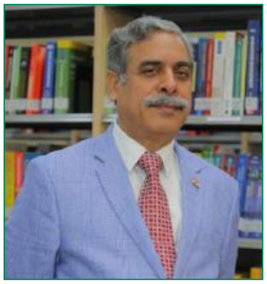

प्रो. शैलेन्द्र सिंह

निदेशक

क्षेत्र : ओबी एंड एचआरएम

योग्यता

पीएच. डी. (आर्गेनाइजेशनल बिहेवियर), आईआईटी, कानपुर

एम. ए. (साइकोलॉजी), फर्स्ट क्लास, यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलाहाबाद,

एल. एल. बी., यूनिवर्सिटी ऑफ़ दिल्ली' 1993

प्रो. आदित्य शंकर मिश्रा

सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट

योग्यता

पीएच. डी. (आई. एफ. एच. ई., हैदराबाद),

भी. एस. पी. (सीओबीआई, यूनिवर्सिटी ऑफ़ टोलेडो,ओएच, यूएसए

एमबीए (मार्केटिंग)

प्रो. अमरेंदु नंदी

सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : इकोनॉमिक्स

योग्यता

पीएच. डी. (आई. एफ. एच. ई., हैदराबाद),

पीएच. डी. नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर (एनयूएस), सिंगापुर

एम. एससी.,बी. एससी. यूनिवर्सिटी ऑफ़ बर्दवान, इंडिया

गोल्ड मेडलिस्ट

प्रो. अंबुज भैरवनाथ आनंद

सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिज़नस एनालिटिक्स

योग्यता

फेलो ऑफ़ आईआईएम, कलकत्ता

बी. टेक., इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, विश्वेश्वरैया नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, नागपुर

प्रो. अमित सचान
एसोसिएट प्रोफेसर

क्षेत्र : ऑपरेशन मैनेजमेंट
योग्यता
बी. टेक., आईआईटी, रूड़की,
एमडीआई, गुड़गाँव

प्रो. आनंद
एसोसिएट प्रोफेसर

क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
योग्यता
पीएच. डी. (आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी, देहरादून, इंडिया),
एमटीपी (देहरादून यूनिवर्सिटी, देहरादून, इंडिया),
भीएसपी (मार्टिन जे. व्हिटमैन एसओएम, सायराक्यूज यूनिवर्सिटी, न्यू यॉर्क, युएसए)

प्रो. अंकुर झा
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट
योग्यता
पीएच. डी. (आईआईएम, लखनऊ),

प्रो. अनुभव मिश्रा
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट
योग्यता
एफपीएम, आईआईएम, लखनऊ,
ई-पीजीपी – आईआईएम, कोज्हीकोड़
बी. टेक. (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), आईईटी, लखनऊ

प्रो. अरिंदम मुखर्जी
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : इनफार्मेशन सिस्टम एंड बिज़नस एनालिटिक्स
योग्यता
फेलो (पीएच. डी.)
पीजीडीबीएम, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, कलकत्ता
बैचलर ऑफ़ इंजीनियरिंग, जादवपुर यूनिवर्सिटी

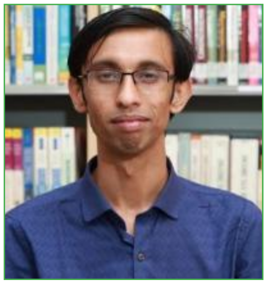

प्रो. अर्नब अधिकारी
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : ऑपरेशंस मैनेजमेंट

योग्यता

फेलो ऑफ़ इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, कलकत्ता

बैचलर ऑफ़ इंजीनियरिंग, जादवपुर यूनिवर्सिटी

बी. टेक. इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, दुर्गापुर

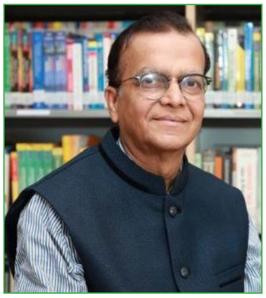

प्रो. असित बरन महापात्र
प्रोफेसर ऑफ़ प्रैक्टिस

क्षेत्र : ओबी एंड एचआरएम

योग्यता

पीएच. डी.(अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ) ,

मास्टर इन एडमिनिस्ट्रेशन मैनेजमेंट (जमनालाल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई)

बी. टेक. (प्रोडक्शन इंजीनियरिंग), बी.आई.टी.एस.,

डिप्लोमा इन टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट (टीक्यूएम), यूनिवर्सिटी ऑफ़ स्टर्लिंग, यु. के.

एडवांस्ड डिप्लोमा इन मैनेजमेंट रिसर्च – ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट एसोसिएशन, दिल्ली

प्रो. क्लेमेंट काबरल
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : ओबी एंड एचआरएम

योग्यता

पीएच. डी., इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट (आईआईटी), रूड़की

एम. कॉम. , महात्मा गाँधी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम

प्रो. देबजानी घोष
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : ओबी एंड एचआरएम

योग्यता

पोस्टडाक्टरल, जापान सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ़ साइंस (जेएसपीएस) इन दी एरिया ऑफ़ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, क्योटो यूनिवर्सिटी, जापान (2015-17)

पीएच. डी., इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट (आईआईटी), रूड़की

एम. कॉम. , फ़क़ीर मोहन यूनिवर्सिटी, 2013

प्रो. गौरव मनोहर मराठे
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : ओबी एंड एचआरएम

योग्यता

फेलो ऑफ़ मैनेजमेंट, एक्सएलआरआई (आर्गेनाईजेशनल बिहेवियर), 2014

बी. ई. , कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग, पुणे, पुन यूनिवर्सिटी , (आईटी), 2006

प्रो. कामरान कुद्दुस
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
योग्यता
पीएच. डी., इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट (आईआईटी), कोलकत्ता
इंटीग्रेटेड एम. एससी., (आईआईटी, खड़गपुर)

प्रो. कामरान कुद्दुस
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
योग्यता
पीएच. डी., इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट (आईआईटी), कोलकत्ता
इंटीग्रेटेड एम. एससी., (आईआईटी, खड़गपुर)

प्रो. मयंक ज्योत्सना सोनी
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट
योग्यता
एफपीएम (आईआईएम, अहमदाबाद)
एम. कॉम., बी. कॉम.

प्रो. एन. शिवशंकरण
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
योग्यता
पीएच. डी.

प्रो. नितिन सिंह
प्रोफेसर

क्षेत्र : इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिज़नस एनालिटिक्स
योग्यता
फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट, आईआईएम, बैंगलोर

प्रो. पियाली घोष

एसोसिएट प्रोफेसर

क्षेत्र : ओबी एंड एचआरएम

योग्यता

पीएच. डी., एमबीए, एमए (इकोनॉमिक्स)

प्रो. प्रदीप कुमार बाला

प्रोफेसर

क्षेत्र : इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिज़नस एनालिटिक्स

योग्यता

बी. टेक. , आईआईटी, खड़गपुर

एम. टेक. , आईआईटी, खड़गपुर

पीएच. डी., आईआईटी, खड़गपुर (इंडस्ट्रियल एंड सिस्टम्स इंजीनियरिंग)

प्रो. प्रसेनजित चक्रवर्ती

सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस

योग्यता

फेलो (फाइनेंस), आईआईएम, इंदौर

विजिटिंग रिसर्च स्कॉलर, डीकिन बिज़नस स्कुल, डीकिन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया

बी. टेक. (इंस्ट्रूमेंटेशन एंड इलेक्ट्रॉनिक्स), जादवपुर यूनिवर्सिटी

बी. एससी. (फिजिक्स), जादवपुर यूनिवर्सिटी

प्रो. प्रीति रे

सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : ऑपरेशंस मैनेजमेंट

योग्यता

पीएच. डी., आईआईटी, खड़गपुर

एम. टेक. , जीआईईटी, गुनुपुर, बीपीयूटी, ओडिशा

बी. टेक. , सीईटी, भुवनेश्वर, बीपीयूटी, ओडिशा

प्रो. राजीव जॉर्ज अरिकात

सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : जनरल मैनेजमेंट

योग्यता

पीएच. डी., नान्यांग टेक्नोलॉजीकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर (2016)

एम. फिल., जवाहरलाल नेहरु यूनिवर्सिटी, न्यू दिल्ली

एमसीजी (कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म), यूनिवर्सिटी ऑफ़ केरला, तिरुवअनंतपुरम

प्रो. रेखा सिंघल

प्रोफेसर

क्षेत्र : ओबी एंड एचआरएम

योग्यता

पोस्ट डाक्टरल : वागेनिनगेन यूनिवर्सिटी, दी नीदरलैंड 1999

डी. फिल. : इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद 1986

मास्टर इन सायकोलॉजी, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, 1981 ओबी में विशेषज्ञता सहित

प्रो. रोहित गुप्ता

सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : ऑपरेशंस मैनेजमेंट

योग्यता :

पीएच. डी. (आईआईएम लखनऊ)

एम. टेक. (आईआईटी धनबाद)

प्रो. रोहित कुमार

सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट

योग्यता :

एग्जीक्यूटिव एजुकेशन ओं पार्टिसिपेंट सेंटर्ड लर्निंग फ्रॉम हार्वर्ड बिज़नस स्कूल, बोस्टॉन, यूएसए

पीएच. डी., इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ फॉरेन ट्रेड, न्यू दिल्ली

एमबीए, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ हेल्थ मैनेजमेंट रिसर्च, जयपुर

एमएस (इन्सुरेंस), आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी

बी. एससी. (आनर्स), सेंट जेवियर कॉलेज, रांची (इंस्टिट्यूट रैंक होल्डर)

प्रो. साक्षी

सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : इकोनॉमिक्स

योग्यता :

पीएच. डी. इन इकोनॉमिक्स, डिपार्टमेंट ऑफ़ इकोनॉमिक्स साइंस, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), कानपुर

मास्टर्स इन इकोनॉमिक्स, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी (बीएचयू)

बैचलर्स फ्रॉम रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (आरडीभीभी)

प्रो. संकल्प भट्टाचार्यजी

सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : इकोनॉमिक्स

योग्यता :

पीएच. डी. इन इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोलकत्ता

प्रो. सशाधर बेरा
एसोसिएट प्रोफेसर

क्षेत्र : ऑपरेशंस मैनेजमेंट
योग्यता :
बी. ई. (एनआईटी, दुर्गापुर)
एम. टेक. इन क्वालिटी रिलायबिलिटी एंड ऑपरेशंस रिसर्च (इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टिट्यूट, कोलकत्ता
पीएच. डी. (आईआईटी बॉम्बे) पीएच. डी. थीसीस में एक्सीलेंस अवार्ड

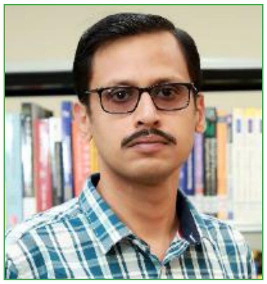

प्रो. सयंतन कुंडू
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
योग्यता :
बी. टेक. (कंप्यूटर इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कल्याणी)
एमबीए (आईआईटी खड़गपुर)
फेलो ऑफ़ आईआईएम कोलकत्ता (फाइनेंस एंड कंट्रोल)

प्रो. शिबाशिश चक्रवर्ती
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट
योग्यता :
पीएच. डी., जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकत्ता
एमबीए, सिम्बायोसिस इंस्टिट्यूट ऑफ़ बिज़नस मैनेजमेंट,पुणे (आईआईटी खड़गपुर)
एम. एससी., इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, बॉम्बे

प्रो. शिल्पी ए. दासगुप्ता
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : जनरल मैनेजमेंट
योग्यता :
पीएच. डी. इन कम्युनिकेशन स्टडीज, आईआईटी खड़गपुर
एम. ए. (इंग्लिश) , जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकत्ता
बी. ए. (गोल्ड मेडलिस्ट) , जीजीयू सेंट्रल यूनिवर्सिटी, बिलासपुर

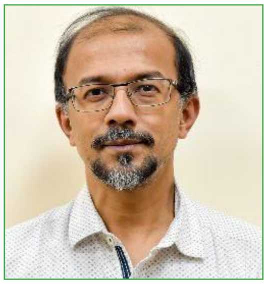

प्रो. सौम्य सरकार
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट
योग्यता :
फेलो (मार्केटिंग), आईआईएम, कोलकत्ता
पीजीडीबीएम, आईआईएम, कोलकत्ता
बी. ई. मेटलर्जिकल, जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकत्ता

प्रो. सुभ्रो सरकार
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट
योग्यता :
पीएच. डी. (आईआईएम रोहतक)
बी. टेक. (एनआईटी, अगरतला)

प्रो. सुबीर चट्टोपाध्याय
प्रोफेसर ऑफ़ प्रैक्टिस

क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
योग्यता :
पीएच.डी.इन मैनेजमेंट, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (आईएसएम), धनबाद
एडवांस्ड डिप्लोमा इन मैनेजमेंट एकाउंटेंसी, आईसीडब्लूएआई (अब आईसीएआई)
कास्ट एंड वर्क्स एकाउंटेंसी, आईसीडब्लूएआई (अब आईसीएआई)
बैचलर ऑफ़ इंजीनियरिंग (मैकेनिकल), बी. ई. कॉलेज (अब आईआईईएसटी), शिबपुर

प्रो. सुधांशु शेखर
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : ओबी एंड एचआरएम
योग्यता :
पीएच.डी.(आर्गेनाइजेशनल बिहेवियर), आईआईएम कलकत्ता
बी. ई. (कंप्यूटर साइंस), बीआईटी मेसरा, रांची

प्रो. स्वरुप कुमार दत्ता
एसोसिएट प्रोफेसर

क्षेत्र : स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट
योग्यता :
पीएच.डी., सेंटर फॉर एनवायरनमेंट प्लानिंग एंड टेक. यूनिवर्सिटी एमबीएम, भीजीएसओएम, आईआईटी, खड़गपुर
बी. टेक., एनआईटी कालीकट

प्रो. टी. साई विजय
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट
योग्यता :
फेलो (मार्केटिंग), आईआईएम रायपुर
एमबीए, एसएसएसआईएचएल
एम. एससी., एसएसएसआईएचएल
बी. एससी (आनर्स), एसएसएसआईएचएल

प्रो. तनुश्री दत्ता
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : ओबी एंड एचआरएम
योग्यता :
पीएच.डी.(आईआईटी, खड़गपुर)
एम. ए. (गोल्ड मेडेलिस्ट), बी. एच. यू.

प्रो. विजय दीक्षित
सहायक प्रोफेसर

क्षेत्र : ऑपरेशंस मैनेजमेंट
योग्यता :
फेलो, आईआईएम लखनऊ (ऑपरेशंस मैनेजमेंट)
बैचलर इन मरीन इंजीनियरिंग

01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 के दौरान फैकल्टी भर्ती

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने फैकल्टी की भर्ती, पुष्टि और पदोन्नति प्रक्रिया की निगरानी के लिए आंतरिक कार्मिक समिति (आईपीसी) का गठन किया है। इस वर्ष, आईपीसी कार्यालय ने निम्नलिखित चार क्षेत्रों; आर्गेनाइजेशनल बिहेवियर एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एकाउंटिंग एंड फाइनेंस, मार्केटिंग मैनेजमेंट एंड जनरल मैनेजमेंट, विशेष रूप से बिज़नस लॉ की भर्ती प्रक्रिया आयोजित की। भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची में फैकल्टी पद के लिए इक्कीस उम्मीदवारों को पेशकश की गई (एकाउंटिंग एंड फाइनेंस क्षेत्र में 3, इकोनॉमिक्स क्षेत्र में 2, जनरल मैनेजमेंट क्षेत्र में 2, इनफार्मेशन सिस्टम्स में 1, एरिया मार्केटिंग मैनेजमेंट क्षेत्र में 2, ओबी एंड एचआरएम क्षेत्र में 4, ऑपरेशंस मैनेजमेंट में 3 और स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट क्षेत्र में 2), जिनमें से निम्नलिखित ग्यारह फैकल्टी मेम्बेर्स ने संस्थान में योगदान दिया हैं।

01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 के दौरान योगदान देने वाले फैकल्टी मेम्बेर्स

क्रम. सं.	फैकल्टी का नाम	पदनाम	क्षेत्र	योगदान दिए
1	प्रो. रेखा सिंघल	प्रोफेसर	ओबी एंड एचआर	03.04.2019
2	प्रो. देबजानी घोष	सहायक प्रोफेसर	ओबी एंड एचआर	01.08.2019
3	प्रो.सुधांशु शेखर	सहायक प्रोफेसर	ओबी एंड एचआर	13.08.2019
4	प्रो. नितिन सिंह	प्रोफेसर	ऑपरेशंस मैनेजमेंट एंड इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिज़नेस एनालिटिक्स	30.09.2019
5	प्रो. रोहित गुप्ता	सहायक प्रोफेसर	ऑपरेशंस मैनेजमेंट	31.10.2019
6	प्रो. साक्षी	सहायक प्रोफेसर	इकोनॉमिक्स	24.01.2020
7	प्रो. क्लेमेंट कैब्रल	सहायक प्रोफेसर	ओबी एंड एचआर	17.02.2020
8	प्रो. सुभ्रो सरकार	सहायक प्रोफेसर	मार्केटिंग मैनेजमेंट	24.02.2020
9	प्रो. कामरान कुद्दुस	सहायक प्रोफेसर	एकाउंटिंग एंड फाइनेंस	09.03.2020
10	प्रो. अंकुर झा	सहायक प्रोफेसर	मार्केटिंग मैनेजमेंट	16.03.2020
11	प्रो. राजीव जॉर्ज एरिकट	सहायक प्रोफेसर	जनरल मैनेजमेंट	23.03.2020

01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 के दौरान पदोन्नत/पुष्टि किए गए फैकल्टी मेम्बेर्स

क्रम. सं.	फैकल्टी का नाम	पदनाम	क्षेत्र	पदोन्नत/पुष्टि
1	प्रो. अनुभव मिश्रा	सहायक प्रोफेसर	मार्केटिंग मैनेजमेंट	पुष्टि
2	प्रो. गौरव मनोहर मराठे	सहायक प्रोफेसर	ओबी और एचआर	पुष्टि
3	प्रो. अर्नब अधिकारी	सहायक प्रोफेसर	ऑपरेशंस मैनेजमेंट	पदोन्नत
4	प्रो. मनीष कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर	ओबी एंड एचआर	पदोन्नत
5	प्रो. मयंक ज्योत्सना सोनी	सहायक प्रोफेसर	मार्केटिंग	पुष्टि
6	प्रो. प्रदीप कुमार बाला	प्रोफेसर	इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिज़नेस एनालिटिक्स	पदोन्नत
7	प्रो. शिल्पी ए. दासगुप्ता	सहायक प्रोफेसर	जनरल मैनेजमेंट	पुष्टि
8	प्रो. विजया दीक्षित	सहायक प्रोफेसर	ऑपरेशंस मैनेजमेंट	पुष्टि

01 अप्रैल, 2019 - 31 मार्च, 2020 के दौरान संस्थान छोड़ने वाले फैकल्टी मेम्बेर्स

क्रम. सं.	फैकल्टी का नाम	पदनाम	क्षेत्र	छोड़े
1.	प्रो. काशी नरेश सिंह	प्रोफेसर एमेरिटस	ऑपरेशंस मैनेजमेंट	31.12.2019

अतिथि संकाय (विजिटिंग फैकल्टी)

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में वर्ष 2019-20 के पाठ्यक्रम पढ़ाने वाले विज़िटिंग फैकल्टी का विवरण निम्न है।

कार्यक्रम	कोर्स	क्रेडिट	फैकल्टी का नाम	संबद्धता
एमबीए	बैंक मैनेजमेंट	3	प्रो. सुब्बाराव गोवाड़ा	इंडस्ट्री
एमबीए	प्राइवेट इक्विटी एंड वेंचर कैपिटल	3	प्रो. बी.बी. चक्रवर्ती	आईआईएम कलकत्ता
एमबीए	गेम थ्योरी एंड स्ट्रेटेजिक बिहेवियर	3	प्रो. सुकांत भट्टाचार्य	यूनिवर्सिटी ऑफ़ कलकत्ता
एमबीए	आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क्स एंड डीप लर्निंग	3	श्री गौरव सरीन	दिल्ली स्कूल ऑफ बिजनेस
एमबीए	मजर्स एंड एक्वीशिजन	3	प्रो. नीलम रानी	आईआईएम शिलांग
एमबीए	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी	3	प्रो. साधन कुमार डे	कलकत्ता बिजनेस स्कूल
एमबीए	न्यूरोमैनेजमेंट	3	प्रो. तनुश्री दत्ता	आईआईटी खड़गपुर
एमबीए	बिजनेस एथिक्स	1.5	प्रो. श्वेता श्रीवास्तव मल्ला	आईआईएफटी
एमबीए			प्रो. विभु प्रसन पात्रा	एक्सआईएमबी
एमबीए एंड एमबीए – एचआर	लीगल स्पेक्ट्स ऑफ़ बिज़नस	1.5	प्रो. श्यामला कंडाडाई	एनयूएसआरएल
			प्रो. सैयद आर. मुस्सना	आईएमटी
एमबीए एंड एमबीए – एचआर	बिज़नस कम्युनिकेशन – II	1.5	प्रो. मित वछराजनी	आईआईएम इंदौर
एमबीए-एचआर	एचआर सिस्टम 1: कॉम्पीटेंशी इनहांसमेंट सिस्टम्स	3	श्री प्रदीप नेरायनुरी	इंडस्ट्री
एमबीए-एचआर	एचआर सिस्टम्स 2: मोटिवेशन इनहांसमेंट सिस्टम्स	3	सुश्री देबोलीना दत्ता	इंडस्ट्री
एमबीए-एचआर	एचआर सिस्टम 3: ओपरटुनिटी इनहांसमेंट सिस्टम्स	3	डॉ. सिद्धार्थ पटनायक	इंडस्ट्री
			श्री सुजीतेश दास	इंडस्ट्री
एमबीए-एचआर	एंटरप्रेन्योरशिप	3	प्रो. एम. अकबर	बिमटेक
एमबीए-एचआर	मैक्रो आर्गेनाइजेशनल बिहेवियर	3	प्रो. ए. के. जैन	एमडीआई गुड़गांव
एमबीए-एचआर	टोटल रिवॉर्ड मैनेजमेंट	3	मि. रेजू मैथ्यू	इंडस्ट्री
			श्री श्रीनाथ श्रीधरन	इंडस्ट्री

कार्यक्रम	कोर्स	क्रेडिट	फैकल्टी का नाम	संबद्धता
एमबीए-एचआर	एडवांस्ड आर्गेनाइजेशनल डेवलपमेंट	3	प्रो. जीतू सिंह	एक्सएलआरआई
एमबीए-एचआर	ऑक्यूपेशनल टेस्टिंग एंड मेज़रमेंट	3	प्रो. फकीर मोहन साहू	एक्सयूबी
एमबीए-एचआर	एचआर ब्रांडिंग वैल्यू प्रीपोजिशन	3	डॉ. हेमंग जुहारी	इंडस्ट्री

कर्मचारी (स्टाफ)

पे रोल पर स्टाफ सदस्यों की सूची: 01 अप्रैल, 2019 - मार्च 31,2020

क्रम. सं.	नाम	पदनाम
	नियमित	
1.	डॉ. जयंत कुमार त्रिपाठी	पुस्तकालयाध्यक्ष
2.	श्री नरोत्तम साहू	वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
3.	श्री असिस चक्रवर्ती	प्रशासनिक पदाधिकारी, कार्यक्रम
4.	श्री शिव प्रताप वर्मा	प्रशासनिक पदाधिकारी
5.	श्री कृष्णचंद्रन आर. एम.	सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर
6.	डॉ प्रशांत कुमार	चिकित्सा अधिकारी
7	श्री अजय कुमार	प्रशासनिक पदाधिकारी
8	श्री त्रिलोचन कुमार	प्रशासनिक पदाधिकारी
9	श्री विकास कुमार	प्रशासनिक पदाधिकारी
10	श्री बालकृष्णन आर.	नेटवर्क इंजीनियर
11	श्री सुरोजीत नमता	सीनियर अकाउंटेंट
12	श्री विकास कुमार	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
13	श्री आलोक कुमार	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
14	सुश्री स्वाति किंडो	निदेशक की सचिव
15	श्री मानस बनर्जी	निजी सहायक
16	श्री जे ज्ञान प्रसाद	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
17	श्री चौधरी आशादीप दास	कार्यालय सहायक
18	श्री सूरज कुमार गुप्ता	कार्यालय सहायक
19	श्री अमित कुमार मल्लिक	कार्यालय सहायक
20	श्री रमेश घोष	कार्यालय सहायक
21	श्री आशीष रंजन	कार्यालय सहायक
22	श्री बिनीत कुमार पाठक	कार्यालय सहायक
23	श्री प्रदीप कुमार	कार्यालय सहायक
24	श्री यशपाल भारद्वाज	कार्यालय सहायक
25	श्री विश्वजीत कुमार	कार्यालय सहायक
26	श्री सुशील कुमार	कार्यालय सहायक
27	सुश्री सौम्या श्रीवास्तव	एकाउंटेंट
28	श्री मिथिलेश प्रसाद सिंह	लेखाकार
29	श्री अमित कुमार	लेखाकार
30	श्री पंकज कुमार सिंह	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
31	श्री राजन कुमार सिंह	स्टाफ कार चालक ग्रेड I
32	श्री अरुण मल्लिक	परिचारक - चपरासी

क्रम. सं.	नाम	पदनाम
संविदात्मक		
1	श्री सैतब सिन्हा	हेड-प्लेसमेंट
2	श्री प्रोभुनाथ रावत	परियोजना प्रबंधक (परिसर विकास)
3	श्री सतीश कुमार	वरिष्ठ प्रशासनिक पदाधिकारी
4	श्री नवल कुमार सिंह	कार्यालय सहायक
5	सुश्री प्राची चितलांगिया	कार्यक्रम विश्लेषक

01 अप्रैल, 2019 - 31 मार्च, 2020 के दौरान संस्थान में योगदान देने वाले स्टाफ सदस्य

क्रम. सं.	स्टाफ का नाम	पदनाम	योगदान की तिथि	नियमित/अनुबंध
1	श्री अमित कुमार	लेखाकार	22.05.2019	नियमित
2	श्री सूरज कुमार गुप्ता	कार्यालय सहायक	17.06.2019	नियमित
3	श्री अमित कुमार मल्लिक	कार्यालय सहायक	25.06.2019	नियमित
4	श्री रमेश घोष	कार्यालय सहायक	27.06.2019	नियमित
5	श्री विकास कुमार	सहायक प्रशासनिक पदाधिकारी	27.06.2019	नियमित
6	श्री आशीष रंजन	कार्यालय सहायक	09.07.2019	नियमित
7	श्री बिनीत कुमार पाठक	कार्यालय सहायक	22.07.2019	नियमित
8	श्री आलोक कुमार	सहायक प्रशासनिक पदाधिकारी	29.07.2019	नियमित
9	श्री प्रदीप कुमार	कार्यालय सहायक	02.08.2019	नियमित
10	श्री अरुण मल्लिक	एमटीएस	07.08.2019	नियमित
11	श्री यशपाल भारद्वाज	कार्यालय सहायक	22.08.2019	नियमित
12	श्री बिश्वजीत कुमार	कार्यालय सहायक	26.08.2019	नियमित
13	श्री अजय कुमार	प्रशासनिक पदाधिकारी	23.09.2019	नियमित
14	श्री सुशील कुमार	कार्यालय सहायक	24.09.2019	नियमित
15	श्री त्रिलोचन कुमार	प्रशासनिक पदाधिकारी	06.12.2019	नियमित
16	श्री विकास कुमार	प्रशासनिक पदाधिकारी	11.12.2019	नियमित
17	श्री सतीश कुमार	वरिष्ठ प्रशासनिक पदाधिकारी	16.12.2019	संविदा

01 अप्रैल, 2019 - 31 मार्च, 2020 के दौरान स्टाफ सदस्य जिन्होंने संस्थान छोड़ा

क्रम. सं.	स्टाफ का नाम	पदनाम	छोड़ने की तिथि	नियमित/अनुबंध
1	श्री रोहित समीर केरकेट्टा	प्रशासनिक पदाधिकारी	20.06.2019	नियमित
2	श्री एस वेंकटेश्वरन	प्रशासनिक पदाधिकारी	25.06.2019	नियमित
3	श्री जतिन गर्ग	सहायक प्रबंधक (कानूनी)	03.07.2019	अनुबंध
4	श्री मुश्ताक अहमद	सहायक छात्रावास वार्डन	04.08.2019	अनुबंध
5	सुश्री अनु जसुजा	कार्यक्रम सहायक	04.08.2019	अनुबंध
6	श्री अरुण मल्लिक	परिचारक-चपरासी	06.08.2019	अनुबंध
7	श्री श्रीजीब बर्धन	मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी	03.09.2019	अनुबंध
8	श्री मंजर अनीस	लेखा सहायक	06.12.2019	अनुबंध
9	श्री शियो नंदन प्रसाद	व्यवस्थापक पर्यवेक्षक	06.12.2019	अनुबंध
10	सुश्री मैत्री विरमानी	कार्यक्रम सहायक	06.12.2019	अनुबंध
11	सुश्री स्वाति कपूर	कार्यक्रम सहायक	06.12.2019	अनुबंध

शोध एवं प्रकाशन

संकाय सदस्यों ने विभिन्न प्रकाशनों में अपने शोध कार्य को प्रकाशित किए है और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया / प्रस्तुत किया है। अप्रैल 2019 - मार्च 2020 के दौरान प्रकाशनों का सारांश नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत किया गया है।

53	3	4	10	35	1
जर्नल में प्रकाशित शोध पत्र	पुस्तकें/पुस्तक अध्याय	केस स्टडी	पत्रिका/समाचार-पत्र लेख	सम्मेलन-पत्र / प्रस्तुतियाँ	पुस्तक समीक्षा

जर्नल लेख

कुमार, बी., एंड **बाला, पी.के.** (2020). कोसाइन बेस्ड लेटेंट फैक्टर मॉडल फॉर रैंकिंग दी रिकोमेनडेशन. *ऑपरेशनल रिसर्च: एन इंटरनेशनल जर्नल*. 20(1), 297-317. https://doi.org/10.1007/s12351-017-0325-6

कुमार, आर. (2020). स्ट्रेटेजी माइंड-मैप: हाउ टू यूज़ एंड प्रैक्टिकल इम्प्लीकेशन. *दी आईयूपी जर्नल ऑफ़ बिज़नस स्ट्रेटेजी*. XVII (1), 46-58.

अधिकारी, ए., एंड बीसी, ए. (2020). कोलैबोरेशन, बारगेनिंग, एंड फेयरनेस कंसर्न फॉर ए ग्रीन अपैरल सप्लाई चैन: एन इमर्जिंग इकॉनमी पर्सपेक्टिव. *ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च पार्ट ई : लोजिस्टिक्स एंड ट्रांसपोर्टेशन रिव्यु*, 135 (मार्च), 101863. https://doi.org/10.1016/j.tre.2020.101863

प्राणजल, पी., एंड **सरकार, एस.** (2020). कॉर्पोरेट ब्रांडिंग इन एन इमर्जिंग बिज़नस मार्किट: ए फेनोमेनोलॉजिकल पर्सपेक्टिव. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इमर्जिंग मार्केट्स*, 12(1), 46 - 65. https://doi.org/10.1504/IJBEM.2020.106201

सिंह, एन. (2020). फिस्कल फेडेरलिस्म : डेटा विश्लेषण एनालाईटिक्स पर्सपेक्टिव. *वर्ल्ड इकोनॉमिक्स*, 21(1), 153-164. https://www.world-economics-journal.com/Journal/Papers/Fiscal%20Federalism%20Data%20Analytics%20Perspective.details?ID=779

राय , ए., बाला, **पी.के., दासगुप्ता**, एस.ए., एंड श्रीवास्तव, ए. (2020). अंडरस्टैंडिंग दी फैक्टर्स इन्फ़्लुएन्सिंग करियर चॉइसेस इन इंडिया: फ्रॉम दी स्टूडेंट्स पर्सपेक्टिव. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट*, 20(2), 175-193. https://doi.org/10.1504/IJICBM.2020.105641

बेहरा, आर.के., गुनाशेखरन, ए., गुप्ता, एस., कम्बोज, एस., एंड **बाला, पी.के.** (2020). पर्सनलाइज्ड डिजिटल मार्केटिंग रेकोमेंडर इंजन. *जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज*, 53 (मार्च), 1-24. https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2019.03.026

श्रीवास्तव, ए., **बाला, पी.के.**, एंड कुंबर, बी. (2020). न्यू पर्सपेक्टिव ऑन ग्रे शीप बिहेवियर इन ई-कॉमर्स रेकोमेंडेशन. *जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज*, 53 (मार्च), 1-11. https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2019.02.018

शर्मा, एस., एंड **आनंद, ए.** (2020). ज्योग्राफिकल डायवर्सिफिकेशन एंड बैंक परफॉरमेंस : एविडेंस फ्रॉम इंडियन बैंक्स. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ प्रोडक्टिविटी एंड परफॉरमेंस: मैनेजमेंट* 69(3), 583-596. https://doi.org/10.1108/IJPPM-01-2019-0049

मराठे, जी.एम., दत्ता, टी., एंड **कुंडू, एस.** (2020). इज मैनेजमेंट एजुकेशन प्रेपरिंग फ्यूचर लीडर्स फॉर सस्टेनेबल बिज़नस ?: ओपनिंग माइंडस बट नॉट हर्ट्स. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सस्टेनेबिलिटी इन हायर एजुकेशन*, 21(2), 372-392. https://doi.org/10.1108/IJSHE-02-2019-0090

राय, ए., **बाला, पी.के.**, एंड राय, ए. (2020). एन एनएलपी – बेस्ड एप्रोच टू एक्स्प्लोर फैक्टर्स एफ्फेक्टिंग इंटेंशन टू यूज़ वेरियस ई- सर्विसेज. टेस्ट इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 82 (जनवरी/फरवरी), 12129 - 12136. http://www.testmagzine.biz/index.php/testmagzine/article/view/2791

बेली, ए. ए., पेंटिना, आई., मिश्रा, ए. एस., एंड मिमौन, एम. एस. एल. (2020). एक्सप्लोरिंग फैक्टर्स इन्फ्लुएंसिंग युएस मिल्लेन्नीयल कांज्यूमर्स यूज़ ऑफ़ टैप-एंड-गो पेमेंट टेक्नोलॉजी. दी इंटरनेशनल रिव्यु ऑफ़ रिटेल, डिस्ट्रीब्यूशन एंड कांज्यूमर्स रिसर्च. 30(2), 143-163. https://doi.org/10.1080/09593969.2019.1667854

नंदी, ए., सुर, ए., एंड कुंडू, एस. (2020). परसिस्टेंट फिस्कल डेफिसिट्स एंड पोलिटिकल इकॉनमी ट्रांजिशन इन इंडिया: एन इम्पिरिकल इन्वेस्टीगेशन. इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 55 (8), 34 - 41. https://www.epw.in/journal/2020/8/special articles/persistent-fiscal-deficits-and-political-economy.html?0 =ip_login_no_cache%3D00c8f0e6d3d9c54c47e63d5e9d1af6ae

दीक्षित, वी., एंड तिवारी, एम. के. (2020). प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो सिलेक्शन एंड स्यूडूलिंग ऑप्टिमाइजेशन बेस्ड ऑन रिस्क मेजर: ए कंडीशनल वैल्यू एट रिस्क एप्रोच. *एन्नल्स ऑफ़ ऑपरेशंस रिसर्च.* 285 (1-2), 9-33। https://doi.org/10.1007/s10479-019-03214-1

राय, ए., एंड **बाला, पी. के.** (2020). सोशल मीडिया फॉर ईमप्रुभड प्रोसेस मैनेजमेंट इन आर्गेनाइजेशंस डूरिंग डीसस्टेर्स. *नॉलेज एंड प्रोसेस मैनेजमेंट.* 27(1), 63-74. https://doi.org/10.1002/kpm.1623

दत्ता, एस. के. एंड स्नेहव्रत, एस. (2020). ए कम्पोनोभेशन पर्सपेक्टिव ऑफ़ इनोवेशन इन इमर्जिंग मार्केट्स: एविडेंस फ्रॉम इंडियन आर्गेनाइजेशन्स. थंडरबर्ड इंटरनेशनल बिजनेस रिव्यू. 62 (1), 65-75. https://doi.org/10.1002/tie.22100

घोष, पी., जवाहर, आई. एम., एंड राय, ए. (2020). डू मेन एंड वीमेन एक्सपीरियंस वर्क इंगेजमेंट एंड जॉब सटीशफक्टशन टू दी सेम एक्सटेंट इन कोल्लेक्टिविस्टिक, पटरीएरचल सोसाइटीज ?. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनपावर, 41(1), 52-67. https://doi.org/10.1108/IJM-11-2018-0378

सिन्हा, एस., **घोष, पी.,** एंड मिश्रा, ए. (2020). एम्प्लोयबीलिटी ऑफ़ फ्रेश इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स इन इंडिया : ए फ्रेश लुक अप्लाईइंग एक्स्पेक्टेशन कन्फर्मेशन थ्योरी. एजुकेशन + ट्रेनिंग. 62 (1), 47-63. https://doi.org/10.1108/ET-12-2018-0265

याकूब, वाई., **दत्ता, टी.,** छाजेर, आर., एंड सिंह, ए. के. (2020). इम्पैक्ट ऑफ़ सुपरवाईजरी सपोर्ट ऑन ट्रेनिंग ट्रान्सफर: एन इम्पीरिकल स्टडी. *इंडियन जर्नल ऑफ़ इंडस्ट्रियल रिलेशंस,* 56 (1), 73-87.

सिंह, एन. (2020). ए डाटा एनालीटिकस एप्रोच टू प्लेयर एसेसमेंट. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट (आईजेएम),* 11(1), 120-138. http://www.iaeme.com/MasterAdmin/Journal_uploads/IJM/VOLUME_11_ISSUE_1/IJM_11_01_013.pdf

घोष, पी., गोयल, जी., एंड ओझा, एम. (2020). होमलेस शेल्टर्स इन अर्बन इंडिया: लाइफ संस डिग्निटी. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हाउसिंग मार्केट्स एंड एनालिसिस,* 13(1), 4-18. https://doi.org/10.1108/IJHMA-06-2017-0057

विजय, टी. एस., पराशर, एस., एंड गुप्ता, एस. (2020). एन एग्जामिनेशन ऑफ़ दी रोल ऑफ़ रिव्यु वैलेंस एंड रिव्यु सोर्स इन वर्यिंग कंसम्पशन कॉन्टेक्स्ट ऑन परचेज डिसिशन. *जर्नल ऑफ़ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज,* 52 (जनवरी), 1-10. https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2019.01.003

कुमार, आर., सचान, ए., एंड कुमार, आर. (2020). दी इम्पैक्ट ऑफ़ सर्विस डिलीवरी सिस्टम प्रोसेस एंड मोडेरेटिंग इफ़ेक्ट ऑफ़ परसिव्ड वैल्यू इन इन्टरनेट बैंकिंग एडॉप्शन. ऑस्ट्रेलियन जर्नल ऑफ़ इनफार्मेशन सिस्टम, 24 (जनवरी), 1-22. https://doi.org/10.3127/ajis.v24i0.1923

वेणुगोपाल, ए., कृष्णन, टी. एन., उपाध्यायुला, आर. एस., एंड **कुमार, एम.** (2020). फाइंडिंग दी माइक्रो फाउंडेसंस ऑफ़ आर्गेनाइजेशनल एम्बीडेक्सटेरिटी – डिमाईसटीफाइंग दी रोल ऑफ़ टॉप मैनेजमेंट बिहेविवरल इंटीग्रेशन. जर्नल ऑफ़ बिजनेस रिसर्च, 106 (जनवरी), 1-11. https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2019.08.049

अधिकारी, ए., मजूमदार, ए., गुप्ता, जी., एंड बीसी, ए. (2020). एन इनोवेटिव सुपर – इफिशिएंसी डाटा एन्वेलोप्मेंट एनालिसिस, सेमी – वेरियंस, एंड शन्नों – इंट्रोपय – बेस्ड मेथोडोलॉजी फॉर प्लेयर सिलेक्शन: *एविडेंस फ्रॉम क्रिकेट. एनल्स ऑफ़ ऑपरेशंस रिसर्च,* 284 (1), 1 - 32. https://doi.org/10.1007/s10479-018-3088-4

कुमार, आर., एंड दुग्गीराला, ए. (2019). पालिसी होल्डर प्रोटेक्शन: टुवर्ड्स बिल्डिंग ए रोबस्ट कंप्लेंट मैनेजमेंट सिस्टम. *आईआरडीए जर्नल,* XVII (1), 48-55. https://www.irdai.gov.in/ADMINCMS/cms/frmGeneral_List.aspx?DF=JRNL&mid=15

कुमार, आर., एंड दुग्गीराला, ए. (2019). मैनेजिंग हेल्थ इन्सुरेंस बिज़नस इन ए वीयूसीए वर्ल्ड. *द इंश्योरेंस टाइम्स,* XXXIX (12), 34-38. http://online.flipbuilder.com/yojw/zixi/

प्रसाद, सी., पराशर, एस., एंड **विजय, टी. एस.** (2019). कोम्परिंग बिटवीन प्रोडक्ट – स्पेसिफिक एंड जनरल इम्पल्स बाइंग टेनडेंशी: डस शोप्पर्स' पर्सनालिटी इन्फ्लुएंस देयर इम्पल्स बाइंग टेनडेंशी ?. *एशियन एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट जर्नल,* 24 (2), 41-61. https://doi.org/1021315/aamj2019.24.2.3

अरोड़ा, एन., पराशर, एस., प्रसाद, सी., एंड **विजय, टी.एस.** (2019). मीडियाटिंग रोल ऑफ़ कंज्यूमर इनवोल्वेमेंट बिटवीन सेलिब्रिटी इंडोर्समेंट एंड कंज्यूमर इवैल्यूएशन: कम्परेटिव स्टडी ऑफ़ हाई एंड लो इनवोल्वेमेंट प्रोडक्ट. *एशियन एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट जर्नल,* 24 (2), 113-142. https://doi.org/1021315/aamj2019.24.2.6

राय, ए., **घोष, पी., एंड दत्ता, टी.** (2019). टोटल रिवार्ड्स टू इन्हांस एम्प्लाइज' इंटेंशन टू स्टे: डस परसेप्शन ऑफ़ जस्टिस प्ले एनी रोल ?.एविडेंस- बेस्ड एचआरएम, 7(3), 262-280. https://doi.org/10.1108/EBHRM-07-2018-0045

मेहरा, पी., एंड **मिश्रा, ए.** (2019). कम्युनिकेटिव कॉम्पीटेंश एंड सब्जेक्टिव वेल – बीइंग: डी मीडियाटिंग रोल ऑफ़ आर्गेनाइजेशन – बेस्ड सेल्फ – एस्टीम. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट,* 19(3), 354-368. https://doi.org/10.1504/IJICBM.2019.102006

प्रसाद, पी., **शिवशंकरन, एन.,** एंड शुक्ला, ए. (2019). इम्पैक्ट ऑफ़ डेविएशन फ्रॉम टारगेट वोर्किंग कैपिटल ऑन फर्म प्रोफिटेबिलिटी: एविडेंस फ्रॉम इंडिया. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ प्रोडक्टिविटी एंड परफॉरमेंस मैनेजमेंट.* 68 (8), 1510-1527. https://doi.org/10.1108/IJPPM-11-2018-0407

राय, ए., धीर, ए., **बाला, पी.के.,** एंड कौर, पी. (2019). व्हाई डू पीप्पुल यूज़ फ़ूड डिलीवरी एप्प्स (एफडीए) ? ए यूज़ेज एंड ग्राटीफिकेशन थ्योरी पर्सपेक्टिव. *जर्नल ऑफ़ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज,* 51 (नवंबर), 221 - 230. https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2019.05.025

दीक्षित, वाई., चौधरी, ए., एंड श्रीवास्तव, आर.के. (2019). एस्सेस्सिंग वैल्यू ऑफ़ कस्टमर इन्वोल्वमेंट इन इंजीनियर्ड टू आर्डर शीपबिल्डिंग प्रोजेक्ट्स उसिंग फजी सेट एंड रफ़ सेट थ्योरीस. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ प्रोडक्शन रिसर्च, 57(22), 6943-6962. https://doi.org/10.1080/00207543.2019.1572928

रघुरामन, पीजी, सिंह, एस., एंड **सिन्हा, एस.** (2019). इन्क्रीसिंग रेसिलिएंस रिजर्वायर: एक्सपीरियंस ऑफ़ सीनियर कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव. इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, 55 (2), 292-305. http://www.publishingindia.com/ijir/22/increasing-resilience-reservoir-experience-of-senior-corporate-executives/837/5824/

पराशर, एस., गुप्ता, पी., प्रसाद, सी., एंड **विजय, टी. एस.** (2019). एक्सामिनिंग दी इम्पैक्ट ऑफ़ मोबाइल एप्प फीचर्स ऑन इम्पल्सिवनेस: दी मोडेरेटिंग रोल ऑफ़ पे -मोर –गेट- मोर प्रमोशन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मोबाइल कम्युनिकेशंस,* 17(5), 560-578. https://doi.org/10.1504/IJMC.2019.102081

मराठे, जी. एम., बालसुब्रमण्यम, जी., एंड चलिल, जी. (2019). कांसेप्टुएलाईसिंग दी साइकोलॉजिकल वर्क स्टेट – एक्स्टेंडिंग दी जेडी – *आर मॉडल. मैनेजमेंट रिसर्च रिव्यु.* 42 (10),1187-1200। 10.1108/एमआरआर-03-2017-0077

मिश्रा, ए., एंड महेश्वरप्पा, एस.एस. (2019). हाउ कंटेंट वैलेंस एंड ऑनलाइन इंप्रेशन इन्फ्लुएंस गोल अचीवमेंट इन सोशल मीडिया एनवायरनमेंट? ग्लोबल बिज़नस रिव्यु. 20(5), 1267-1281.https://doi.org/10.1177/0972150918793964

अरोड़ा, एन., पराशर, एस., प्रसाद, सी., एंड **विजय, टी. एस.** (2019). इन्फ्लुएंस ऑफ़ सेलिब्रिटी फैक्टर्स, कंज्यूमर एटीटुड एंड इन्वोल्वेमेंट ऑंन शोप्पर्स' परचेस इंटेंशन यूसिंग हीएरार्चिकल रीप्रेसन. *डिसिशन.* 46(3), 179-195। https://doi.org/10.1007/s40622-019-00208-7

चक्रवर्ती, पी., एंड गुहाथाकुराता, के. (2019). व्हिच ईस दी राईट आप्शन फॉर इंडियन मार्केट: गौस्सियन, नार्मल इनवर्स गौस्सियन, ओर त्सल्लिस. *आईआईएमबी मैनेजमेंट रिव्यु.* 31(3), 238-249. https://doi.org/10.1016/j.iimb.2019.03.011

बेहरा, आर.के., **बाला, पी.के.**, एंड धीर, ए. (2019). दी इमर्जिंग रोल ऑफ़ कोगनितिवे कोग्निटीव कंप्यूटिंग इन हेल्थ केयर: ए सिस्टेमेटिक लिटरेचर रिव्यु. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मेडिकल इंफॉर्मेटिक्स.* 129 (सितंबर),154-166. https://doi.org/10.1016/j.ijmedinf.2019.04.024

राय, ए., **बाला, पी.के.,** एंड **दासगुप्ता, एस. ए.** (2019). रोल ऑफ़ औथेन्सिटी एंड परसिव्ड बेनेफिट्स ऑफ़ ऑनलाइन कोर्सेज ऑंन टेक्नोलॉजी बेस्ड कैरियर चॉइस इन इंडिया: ए मॉडिफाइड टेक्नोलॉजी एडॉप्शन मॉडल बेस्ड ऑंन कैरियर थ्योरी. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट,* 47 (अगस्त), 140-151. https://doi.org/10.1016/j.ijinfomgt.2019.01.015

विजय, टी. एस., पराशर, एस. एंड प्रसाद, सी. (2019). शोप्पर्स इंटेंशन टू ऑनलाइन रिव्युस: दी मोदडेरेटिंग रोल ऑफ़ समीक्षाएं प्रदान करने के लिए खरीदारों की मंशा: उपभोक्ता भागीदारी की मॉडरेटिंग कंज्यूमर इन्वोल्वेमेंट. *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स इन ऑर्गनाइजेशन,* 17 (3), 35-53. https://doi.org/10.4018/JECO.2019070103

कुमार आर. (2019). मैक्स इंडिया: टैलेंट मैनेजमेंट थ्रू मैक्स परफॉरमेंस एक्सीलेंस फ्रेम वर्क. *इंडियन जर्नल ऑफ़ ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट,* 49 (3), 33-38. https://www.istd.co.in/journals/IJTD-2019-July-Sep.pdf

प्रसाद, पी., **शिवशंकरन, एन.**, पॉल, एस., **चट्टोपाध्याय, एस.**, एंड सरवनन, पी. (2019).रिव्यु ऑफ़ लिटरेचर ओं वोर्किंग कैपिटल मैनेजमेंट एंड फ्यूचर रिसर्च एजेंडा. *जर्नल ऑफ़ इकोनॉमिक सर्वे,* 33(3), 827–861. https://doi.org/10.1111/joes.12299

सुशांत, एंड **सिंघल, आर.** (2019). बिल्डिंग ब्लॉक्स ऑफ़ एन इफेक्टिव एनजीओ. वोलंटरी सेक्टर रिव्यु. 10 (2), 167-187. https://doi.org/10.1332/204080519X15617330887633

घोष, ए., **दत्ता, टी., एंड मराठे, जी. एम.** (2019). आर वीमेन देयर ओन एनिमी ? एक्सप्लोरेशन थ्रू इम्प्लिक्ट एसोसिएशन टेस्ट इन दी इंडियन पब्लिक सेक्टर आर्गेनाइजेशंस. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट,* 19 (1), 81-102. https://doi.org/10.1504/IJICBM.2019.101194

घोष, पी., गोयल, जी., **दत्ता, टी.,** एंड सिंह, आर. (2019). टर्नओवर इंटेंशन अमोंग लिक्विड नॉलेज वर्कर्स : ए स्टडी ऑफ़ इंडियन इन्शुरेन्स प्रोफेशनल्स. *जर्नल ऑफ़ ग्लोबल ऑपरेशंस एंड स्ट्रैटेजिक सोर्सिंग,* 12 (2), 288 - 309. https://doi.org/10.1108/JGOSS-10-2017-0040

मिश्रा, ए. एस. (2019). एंटीसीडेंट्स ऑफ़ कंज्यूमर इंगेजमेंट विथ ब्रांड – रिलेटेड कंटेंट ऑंन सोशल मीडिया. *मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड प्लानिंग.* 37(4), 386-400. https://doi.org/10.1108/MIP-04-2018-0130

पराशर, एस., **विजय, टी. एस.**, प्रसाद, सी., बनर्जी, ए., साहाकारी, एन., एंड चटर्जी, एस. (2019). क्लस्टरिंग ई-शॉपर्स ऑन दी बेसिस ऑफ़ शॉपिंग वैल्यूज एंड वेब करेक्टीरिस्टिकस. *जर्नल ऑफ़ ग्लोबल इनफार्मेशन मैनेजमेंट.* 27(2), 24-38. https://doi.org/10.4018/JGIM.2019040102

वर्मा, एन., एंड **बाला, पी. के.** (2019). कॉन्टेक्स्ट – अवेयर इनफार्मेशन सिक्यूरिटी इन दी वर्ल्ड ऑफ़ बिग डाटा. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन बिजनेस स्टडीज.* 4(1), 145-172. http://www.ijrbs.com/wpcontent/uploads/2019/06/Dr.%20Nitin%20Varma.pdf

प्रसाद, सी., पराशर, एस., एंड **विजय, टी.एस.** (2019). इन्फ्लुएंस ऑफ़ पर्सनालिटी ट्रेट्स एंड सोशल कांफोर्मिटी ऑन इम्पुल्सिव बाइंग टेनडेंसी: एम्पिरिकल स्टडी यूसिंग 3एम मॉडल. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ स्ट्रेटेजिक डिसिशन.* 10 (2), 107 - 124. https://doi.org/10.4018/IJSDS.2019040106

सुर, ए., राय, पी., एंड **नंदी, ए.** (2019). इंडियाज एक्सटर्नल कमर्शियल बोरोविंग पुल्लड बाई डोमेस्टिक फंडामेंटल्स ओर पुश्ड बाई ग्लोबल कंडीशन ?. *जर्नल ऑफ़ एशियन इकोनॉमिक्स,* 61 (अप्रैल), 65 - 77. https://doi.org/10.1016/j.asieco.2019.02.004

पुस्तकें/पुस्तक अध्याय

राय ए., **बाला पी.के.**, एंड **दासगुप्ता एस.ए.** (2020). साइकोलॉजिकल एनालिटिक्स बेस्ड टेक्नोलॉजी एडॉप्शन मॉडल फॉर इफेक्टिव एजुकेशनल मार्केटिंग. इन: राणा एट एल. (ईडीएस) *डिजिटल एंड सोशल मीडिया मार्केटिंग. एडवांसेज इन थ्योरी एंड प्रैक्टिस ऑफ़ इमर्जिंग मार्केट्स* (पीपी. 163 - 174). स्प्रिंगर, चाम. https://doi.org/10.1007/978-3-030-24374-6_12

कुमार आर. (2020). दी फाइव स्ट्रेटेजिक बिल्डिंग ब्लॉक्स ऑफ़ मंनडेटेड कॉर्पोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी (सीएसआर). इन: मित्रा एन., शिमटपीटर आर. (ईडीएस) **मंनडेटेड कॉर्पोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी. सीएसआर, सस्टेनेबिलिटी, एथिक्स एंड गवर्नेंस** (पीपी. 25 - 43). स्प्रिंगर, चाम. https://doi.org/10.1007/978-3-030-24444-6_3

सिंह, एस., एंड गुप्ता, वी. (2019). आर्गेनाइजेशनल परफॉरमेंस रिसर्च इन इंडिया: ए रिव्यु एंड फ्यूचर रिसर्च एजेंडा. इन: जी मिश्रा (ईड.), आईसीएसएसआर रिसर्च सर्वे एंड एक्सप्लोरेशन: साइकोलॉजी (वॉल्यूम 3: साइकोलॉजी ऑफ़ आर्गेनाइजेशन, पीपी 1-93). न्यू दिल्ली,इंडिया : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.

केसेस

बालसुब्रमण्यम, जी., **मराठे, जीएम**, एंड काकानी, आर. के. (2020). कनफ्लिक्ट मैनेजमेंट बाई ए पुलिस लीडर. *एसएजीई पब्लिकेशन: एसएजीई बिजनेस केसस*. http://dx.doi.org/10.4135/9781529701210

मोहम्मद ए. पी., हनीश, एम., काकानी, आर. के., एंड **मराठे, जी.एम.** (2020). कैन राकेश एक्वायर लैंड फॉर ए फैक्ट्री ? ए स्टेकहोल्डर एप्रोच. *एसएजीई पब्लिकेशन: एसएजीई बिजनेस केसस ओरिजिनल्स*. http://dx.doi.org/10.4135/9781529706611

कुमार, आर., एंड **दत्ता, एस. के.** (2019). मैक्स इंडिया ग्रुप: हाउ टू क्रिएट ए कल्चर ऑफ़ मैक्सिज्म ? *इमर्जिंग इकोनॉमीज केसस जर्नल*, 1(1-2), 43-51. https://doi.org/10.1177/2516604219889241

कुमार, आर., एंड **दत्ता, एस. के.**, (2019). बिज़नस एक्सीलेंस फ्रेमवर्क एस ए कॉम्पीटीटिव एडवांटेज दी केस ऑफ़ मैक्स ग्रुप. केस फोलियो, XIX (4), 47 – 60.

पत्रिका / समाचार-पत्र लेख

कुंडू, एस. एंड **नंदी, ए.** (2020, फरवरी 24). टू चियर्स फॉर न्यू इनकम टैक्स सिस्टम. **दी हिन्दू बिज़नस लाइन**. https://www.thehindubusinessline.com/opinion/two-cheers-for-new-income-tax-system/article30896416.ece

नंदी, ए. एंड सुर, ए. (2020, फरवरी 1). बजट शुड कट डायरेक्ट टैक्सेज, बूस्ट स्पेंडिंग. *द हिंदू बिजनेस लाइन*. https://www.thehindubusinessline.com/opinion/budget-should-cut-direct-taxes-boost-spending/rticle30705341.ece

मिश्रा, ए. (2019, दिसंबर 03). ओपिनियन: कैन टीनएजर्स एंड टेक्नोलॉजी सोल्वे दी प्रॉब्लम ऑफ़ पोल्लूशन? *कैंपेन इंडिया*. https://www.campaignindia.in/article/opinion-can-teenagers-and-technology-solve-the-problem-of-pollution/455860

नंदी, ए. (2019, नवंबर 28). रीथिंकिंग आरबीआई मोनेटरी ईसिंग पालिसी. *दी फाइनेंसियल एक्सप्रेस*. https://www.financialexpress.com/opinion/rethinking-rbis-monetary-easing-policy/1777559/

सेन, आर. एंड **नंदी, ए.** (2019, नवंबर 8). आरसीईपी: ए मिस्ड ओप्पोरटुनिटी फॉर इंडिया *दी फाइनेंसियल एक्सप्रेस*. https://www.financialexpress.com/opinion/rcep-a-missed-opportunity-for-india/1758005/

नंदी, ए. (2019, जुलाई 11). विल गोवेर्न्मेंट्स प्लान टू इशू सॉवरेन बांड्स अब्रॉड यील्ड दी डीजायर्ड आउटकम ? दिस कैलिब्रेटेड प्लान मेय वर्क. *दी इकोनॉमिक टाइम्स*. https://Economictimes.indiatimes.com/news/economy/policy/will-govts-plan-to-issue-sovereign-bonds-abroad-yield-the-desired-outcome-/articleshow/70164657.cms?

नंदी, ए. एंड सुर, ए. (2019, जुलाई 4). दी इनहेरिटेंस टैक्स ईस एन आईडिया हूज टाइम हेज काम. *मिंट*. https://www.livemint.com/opinion/columns/opinion-the-inheritance-tax-is-an-idea-whose-time-has-come-1562179812056.html

मिश्रा, ए. (2019, मई 24). हाउ #चौकीदार बीकेम ए ब्रांड. *हिंदू बिजनेस लाइन*. https://www.thehindubusinessline.com/opinion/how-chowkidar-became-a-brand/article27239110.ece

प्राणजल, पी., एंड **सरकार, एस.** (2019, मई 22). सीईओ 'ब्रांडिंग': ईज ईट ए डबल – एड्जेड एसवर्ड ? *कैंपेन इंडिया*. https://www.campaignindia.in/article/ceo-branding-is-it-a-double-edged-sword/451853

मिश्रा, ए. (2019, अप्रैल 24). ओपिनियन : ए न्यू 'कूल' लैंग्वेज बाई पतंजलि. *कैंपेन इंडिया*. https://www.campaignindia.in/article/opinion-a-new-kool-language-by-patanjali/451323

सम्मेलन पत्र/प्रस्तुति

राय ए., एवं **बाला, पी. के.** (2020, मार्च 27). एन एनएलपी – बेस्ड क्रिप्टोसिस्टम टू कण्ट्रोल स्प्रेड ऑफ़ फेक न्यूज़ थ्रू सोशल - मीडिया. इन: दास एच., पटनायक पी., राउतराय एस., ली केसी. (ईडीएस) *प्रोग्रेस इन कंप्यूटिंग, एनालिटिक्स एंड नेटवर्किंग. एडवांसेज इन इंटेलिजेंट सिस्टम एंड कंप्यूटिंग*, वॉल्यूम 1119। स्प्रिंगर, सिंगापुर. https://doi.org/10.1007/978-981-15-2414-1_44

अधिकारी, ए. (2020, मार्च 10-12). *सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट एनालिसिस फॉर एन एको – फ्रेंडली टेक्सटाइल सप्लाई चैन*. प्रेसेंटेड इन 10 वें इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओं इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट (वर्चुअल प्रेजेंटेशन)

झा, सी., **सचान, ए., अधिकारी, ए., एंड कुंडू**, एस. (2020, मार्च 10-12). इम्पैक्ट ऑफ़ इंटेलेक्चुअल कैपिटल ऑन दी परफॉरमेंस ऑफ़ हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूशन. *प्रोसेडिंग ऑफ़ दी इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओं इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट. दुबई, यूएई.*

वर्मा, पी., कुशवाहा, जे., एंड **दीक्षित, वी.** (2020, मार्च 10-12). रिस्क एंड रेसिलिएंस एनालिसिस फॉर इंडस्ट्री 4.0 इन एचिववींग दी गोल ऑफ़ स्मार्ट लॉजिस्टिक्स. एन ओवरव्यू. *प्रोसेडिंग ऑफ़ दी इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओं इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट. दुबई, यूएई.*

कुमारी, एस., **बेरा, एस.,** एंड कुमार, आर. (2020, फरवरी 27-28). ऑपरेशनल एंड फाइनेंसियल पर्सपेक्टिव ऑफ़ सीसीएस. आईसीईआईएम – 2020: इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एनर्जी एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, पीपी 291-305. पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी , गांधीनगर, गुजरात.

तिवारी, सी., एंड **भट्टाचार्जी, एस.** (2020, जनवरी 27-29). इंक्लूसिवनेस ऑफ़ इंडियन ग्रोथ: एन एविडेंस फ्रॉम 21 वीं सेंचुरी: पेपर प्रेसेंटेड एट दी 2 रा एनुअल मैनेजमेंट कांफ्रेंस एंड वर्कशॉप. नागपुर: इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नागपुर, इंडिया.

कुमार, आर. (2020, जनवरी 03-05). *पॉलिसी होल्डर प्रोटेक्शन – की एस्पेक्ट्स, सर्विस रिकवरी एंड ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेज ऑन कंप्लेंट मैनेजमेंट सिस्टम.* पेपर प्रेसेंटेड इन दी 23 वें निरमा इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन मैनेजमेंट (एनआईसीओएम - 2020): इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, इंडिया.

कुमार, आर. (2020, जनवरी 03-05). *हेल्थ फाइनेंसिंग इन इंडिया: की सक्सेस फैक्टर्स बिज़नस मॉडल एंड स्ट्रेटेजिक चॉइसेस फॉर गैनिंग कोम्पीटिटीव एडवान्टेज.* पेपर प्रेसेंटेड इन दी 23 वें निरमा इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन मैनेजमेंट (एनआईसीओएम - 2020): इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, इंडिया.

राय, पी. (2019, दिसंबर 28-30). *मल्टी – इचेलोन इन्वेंटरी पालिसी विथ सप्लाई डीसरुप्टशन एंड डिमांड अनसर्टेनटी.* पेपर प्रेसेंटेड इन दी इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन *ऑपरेशंस रिसर्च एंड डिसिशन साइंसेज (आईसीओआरडीएस - 2019)*, विशाखापत्तनम: इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, इंडिया.

राय, पी. एंड दीक्षित, वी. (2019, दिसंबर 28-30). ग्रीन बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स: आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ बैरियर्स एंड देयर फीसीबल सलूशंस. *प्रेसेंटेड इन दी इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ऑपरेशंस रिसर्च एंड डिसिशन साइंसेज (आईसीओआरडीएस - 2019)*, विशाखापत्तनम: इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, इंडिया.

कुमार, आर. (2019, दिसंबर 27-29). स्ट्रेटेजी माइंड – मैप : यूसेज एंड प्रैक्टिकल इम्प्लीकेशन. रणनीति माइंड-मैप: पेपर प्रेसेंटेड इन दी *21 वें एनुअल कन्वेंशन ऑफ़ स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट फोरम :* इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट लखनऊ, इंडिया.

गुप्ता, आर., विश्वास, आई., मोहंती, बी. के., एंड कुमार, एस. (2019, दिसंबर 19-21). *इम्पैक्ट ऑफ़ कॉन्ट्रैक्ट सीक्वेंस ऑन थ्री – इचेलोन सप्लाई चैन कोर्डिनेशन अंडर अनसर्टेन एनवायरनमेंट.* प्रेसेंटेड इन दी XXIII एनुअल इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ़ दी सोसाइटी ऑफ़ ऑपरेशंस मैनेजमेंट (एसओएम 2019), कानपुर: इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी कानपुर,इंडिया.

झा, सी., एंड **सचान, ए.** (2019, दिसंबर 19-21). परफॉरमेंस इवैल्यूएशन ऑफ़ इंडियन मैनेजमेंट इंस्टिट्यूशंन: प्री/पोस्ट लिब्रलाइजेशन पीरियड. प्रेसेंटेड इन दी XXIII एनुअल इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ़ दी सोसाइटी ऑफ़ ऑपरेशंस मैनेजमेंट (एसओएम 2019), कानपुर: इंडस्ट्रियल एंड मैनेजमेंट इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी कानपुर,इंडिया.

श्रीवास्तव, आर. एंड राय, पी. (2019, दिसंबर 15-18). *सप्लाई चैन कॉन्ट्रैक्ट विथ कंबाइंड रेवेन्यू शेयरिंग एंड मार्कडाउन पालिसी.* प्रेसेंटेड इन दी आईईईई इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड इंजीनियरिंग मैनेजमेंट (आईईईएम – 2019), मकाऊ.

दाश, बी. पी. एंड **दीक्षित, वी.** (2019, दिसम्बर 13 -14). सप्लाई नेटवर्क डिजाईन फॉर डीसस्टर मैनेजमेंट इन इंडियन कॉन्टेक्स्ट. प्रोसेडिंग ऑफ़ दी पीओएमएस इंटरनेशनल कांफ्रेंस, मुंबई, इंडिया.

झा, सी., एंड **सचान, ए.** (2019, दिसंबर 13-14). *टीचिंग एंड रिसर्च एफिशिएंसी इवैल्यूएशन ऑफ़ इंडियन मैनेजमेंट इंस्टिट्यूशन.* पेपर प्रेसेंटेड इन दी पीओएमएस इंटरनेशनल कांफ्रेंस, मुंबई, इंडिया.

नंदनकर, एन., एंड **सचान, ए.** (2019, दिसंबर 13-14). *एडॉप्शन ऑफ़ गवर्नमेंट ई – मार्केट प्लेस (जेम) इन इंडियन गवर्नमेंट सेक्टर.* पेपर प्रेसेंटेड इन दी पीओएमएस इंटरनेशनल कांफ्रेंस, मुंबई, इंडिया.

मांझी, एस.जी., **मुखर्जी, ए.** एंड **आनंद, ए.** (2019, दिसंबर 12-14). *दी रोल ऑफ़ आईटी इन एनाब्लिंग इंडिविजुअल – लेवल डायनमिक कैपबिलिटीज.* पेपर प्रेसेंटेड इन दी 7 वें पैन आईआईएम वर्ल्ड मैनेजमेंट कांफ्रेंस, दिल्ली: इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट,रोहतक,इंडिया .

मांझी, एस.जी., एंड **मुखर्जी, ए.** (2019, दिसंबर 9-11). *इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी कैपबिलिटीज एंड फर्म परफॉरमेंस: दी रोल ऑफ़ स्ट्रेटेजिक ओरिएंटेशन*. पेपर प्रेसेंटेड इन दी 30 वें ऑस्ट्रेलियन कांफ्रेंस ऑन इनफार्मेशन सिस्टम (एसीआईएस 2019): पर्थ, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया. https://www.acis2019.org/Papers/ACIS2019_PaperFIN_135.pdf

मांझी, एस.जी., **मुखर्जी, ए.,** एंड **आनंद, ए.** (2019, दिसंबर 9-11). *दी बिज़नस वैल्यू ऑफ़ सोशल मीडिया : ए डायनमिक मेनेजीरियल कैपबिलिटीज पर्सपेक्टिव* . पेपर प्रेसेंटेड इन दी 30 वें ऑस्ट्रेलियन कांफ्रेंस ऑन इनफार्मेशन सिस्टम (एसीआईएस 2019): पर्थ, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया. https://www.acis2019.org/Papers/ACIS2019_PaperFIN_087.pdf

मांझी, एस.जी., आनंद, ए., एंड **मुखर्जी, ए.** (2019, दिसंबर 6-8). *कांसेप्टूलाईजिंग एंड मेजरिंग दी स्ट्रेटेजिक फिट ऑफ़ आईटी- इनएब्लड डायनमिक कैपबिलिटीज.* पेपर प्रेसेंटेड इन दी सेकंड इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओं डिजिटल इकॉनमी (आईसीडीई 2019): इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट रायपुर, इंडिया.

कुमार, बी., **बाला, पी. के.,** राय , ए., एंड श्रीवास्तव, ए. (2019, दिसंबर 5 - 7). *यूजर – आइटम – कॉन्टेक्स्ट इन्टेरेक्टिंग फॉर इनहंसिंग ई कॉमर्स डेटा मैनेजमेंट.* प्रोसेडिंगस ऑफ़ दी सेवेंथ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बिज़नस एनालिटिक्स एंड इंटेलिजेंस 5 - 7 दिसंबर, 2019, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, बैंगलोर.

राय, ए., एंड **बाला, पी. के.** (2019, दिसंबर 5 - 7). *अंडरस्टैंडिंग दी यूसेस एंड ग्राटीफिकेशन वैल्यूड बाई कस्टमर्स थ्रू एन एनएलपी – बेस्ड एप्रोच.* प्रोसेडिंग ऑफ़ दी सेवेंथ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बिज़नस एनालिटिक्स एंड इंटेलिजेंस 5 - 7 दिसंबर, 2019, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, बैंगलोर.

रत्नासिरी, एस. , राय, पी., इस्लाम,एस. एम. एन., एंड वेगा - मेजिया, सी. ए. (2019, नवंबर 6-7). ई-कॉमर्स सप्लाई चैन कास्ट ओप्टीमाईजेशन विथ इंसेंटिव कैपबिलिटीज कंस्ट्रेंट्स, प्रेसेंटेड इन दी *आईईईई इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन सर्विस ऑपरेशंस एंड लोजिस्टिक्स, एंड इन्फार्मेटिक्स* (एसओएलआई 2019), झेंग्झौ चाईना.

तिवारी, सी., एंड भट्टाचार्जी, एस. (2019, अक्टूबर 11-14). *माइग्रेशन एंड रूरल इनक्वालिटीज इन इंडिया: डाईवरजेंट पाथ्स फ्रॉम लॉन्ग – टर्म एंड शोर्ट – टर्म माइग्रेशन.* पेपर प्रेसेंटेड इन दी सेकंड एनुअल सस्टेनेबिलिटी एंड डेवलपमेंट कांफ्रेंस, यूनाइटेड स्टेट्स: दी यूनिवर्सिटी ऑफ़ मिशिगन.

तिवारी, सी., एंड **भट्टाचार्जी, एस.** (2019, अगस्त 22-24). *डायवेर्जेंट रोल्स ऑफ़ सीजनल एंड परमानेंट माइग्रेशन इन रूरल इनइक्वलिटीज.* पेपर प्रेसेंटेड इन दी 14वें इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन पब्लिक पालिसी एंड मैनेजमेंट, बैंगलोर: इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट बैंगलोर,इंडिया.

पुस्तक समीक्षा

प्राणजल, पी., एंड **सरकार, एस.** (2019). बुक रिव्यु ~ क्वालिटेटिव कन्जूमर एंड मार्केटिंग रिसर्च. ई-जर्नल ऑफ सोशल एंड बिहेवियरल रिसर्च इन बिजनेस, 10 (1), 78 – 81. http://www.ejsbrb.org/upload/e-JSBRB_Table_of_Contents_10(1)_2019.pdf

बनर्जी ए. एंड **कुंडू एस.** (2019, अगस्त 16-17). *काउंटिंग ट्वीट कैन जेनेरेट स्टॉक रिटर्न्स: ए केस ऑफ़ इंडियन स्टॉक्स.* पेपर प्रेसेंटेड इन दी थर्ड एनुअल कांफ्रेंस इन बैंकिंग एंड फाइनेंस: आईएमआई भुवनेश्वर.

राय, डी., राउत, एच. एस., एंड **राय, पी.** (2019, अगस्त 16-17). *फाइनेंसियल इन्क्लुशन इन ओडिशा: ए स्टडी ऑफ़ एक्सेसीबिलिटी एंड युटीलाईजेशन ऑफ़ बैंकिंग सर्विस*, प्रेसेंटेड इन दी थर्ड एनुअल कांफ्रेंस इन बैंकिंग एंड फाइनेंस: आईएमआई भुवनेश्वर.

तिवारी, सी., एंड भट्टाचार्जी, एस. (2019, जून 6-7). प्रोडक्टिविटी कन्वर्जेन्स एंड रोल ऑफ़ स्पेसियल डिपेंडेंस इन इंडिया: ए माल्मक्विस्ट एंड स्पेसियल पैनल रिग्रेशन एप्रोच. पेपर प्रेसेंटेड इन दी 22 वीं एप्लाइड इकोनॉमिक्स मीटिंग, कार्टाजेना स्पेन.

मांझी, एस., **दत्ता, टी., मुखर्जी, ए., सरकार, एस.,** एंड पारासर, पी. आर. (2019, जून 6-7). *इम्पैक्ट ऑफ़ कोगनिटिव फ्लेक्सिबिलिटी ऑन डिसिशन मेकिंग क्वालिटी: मेडीयेटिंग रोल ऑफ़ इंडिविजुअल अम्बीडेक्सटेरिटी.* पोस्टर प्रेसेंटेड एट न्यूरोसाइकोइकोनॉमिक्स कॉन्फ्रेंस, रोम, इटली: एसोसिएशन फॉर न्यूरोसाइकोइकोनॉमिक्स.

दत्ता, टी., नंदी, ए., एंड मराठे, जी. (2019, जून 6-7). *डू प्रीपेमेंट्स रियली वर्क ? एक्सप्लोरिंग दी लोस एवर्सशन प्रिंसिपूल इन रिवॉर्ड सिस्टम्स.* पोस्टर प्रेसेंटेड एट न्यूरोसाइकोइकोनॉमिक्स कॉन्फ्रेंस, रोम, इटली: एसोसिएशन फॉर न्यूरोसाइकोइकोनॉमिक्स.

सुर, ए., नंदी, ए., एंड राय, पी. (2019, मई 21-24). *कॉर्पोरेट लिवरेज, वुल्नेरेबिलिटी एंड इम्पलीकेशन फॉर बैंक स्टेबिलिटी. फर्म लेवल एविडेंस फ्रॉम इंडिया.* पेपर प्रेसेंटेड एट आईआईईएस इंटरनेशनल एकेडमिक कांफ्रेंस लंदन, इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल एंड इकनोमिक साइंसेज द्वारा आयोजित एंड यूनिवर्सिटी ऑफ़ लंदन द्वारा होस्टेड.

सचान, ए., मुखर्जी, ए., एंड कुमार, आर. (2019, मई 3-6). लिंकिंग सर्विस कांसेप्ट टू कस्टमर सटीस्फेशन एंड मोडेरेटिंग रोल ऑफ़ डेमोग्राफिक वेरिएबल्स. पेपर प्रेसेंटेड इन दी *पीओएमएस इंटरनेशनल कांफ्रेंस*, वाशिंगटन: वाशिंगटन, डीसी यूएसए.

दासगुप्ता, एस. (2019, अप्रैल 16-18). *इम्पैक्ट ऑफ़ सीएसआर एक्टिविटीज एंड सीएसआर कम्युनिकेशन इन इंडिया.* पेपर प्रेसेंटेड एट डब्लूईआई इंटरनेशनल एकेडमिक कांफ्रेंस ऑन बिज़नस एंड इकोनॉमिक्स, मैनेजमेंट एंड फाइनेंस (डब्लूईआई – बीईएमएफ़ - वियना 2019) , वेस्ट ईस्ट इंस्टिट्यूट वियना द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ़ वियना विश्वविद्यालय में आयोजित.

श्रीवास्तव, आर., एंड **राय, पी.** (2019, अप्रैल 06-07). सप्लाई चैन कॉन्ट्रैक्ट फॉर शोर्ट लाइफ – साईकल प्रोडक्ट्स विथ प्रोडक्शन कैपेसिटी कंस्ट्रेंट्स. प्रेसेंटेड इन दी *6 वें आईआईएमए इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांस्ड डेटा एनालिसिस एंड इंटेलिजेंस* (आईसीएडीएबीएआई 2019), आईआईएम अहमदाबाद, इंडिया.

पुरस्कार, उपलब्धियाँ और छात्रवृत्ति

पुरस्कार/उपलब्धियाँ

डॉ. असित बरन महापात्रा ने निदेशकों के संस्थान की मुहर के तहत दिए गए एक 'प्रमाणित कॉर्पोरेट निदेशक' होने के लिए 13-15 मार्च, 2020 को मुंबई (भारत) में आयोजित निदेशकों के लिए मास्टरक्लास को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया।

डॉ. अर्नब अधिकारी ने 10 -12 मार्च, 2020, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित 10 वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट कांफ्रेंस की सप्लाई चैन एंड लोजिस्टिक्स टेक्निकल पेपर प्रतियोगिता के विजेता बने।

डॉ ससाधर बेरा को 27-28 फरवरी 2020 के दौरान पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात में आयोजित आईसीईआईएम-2020: इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एनर्जी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट में प्रकाशित/प्रस्तुत "सीसीएस के परिचालन और वित्तीय परिप्रेक्ष्य" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ सम्मेलन पेपर पुरस्कार मिला।।

डॉ. असित महापात्र को 15 फरवरी 2020 को मुंबई में वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस द्वारा मोस्ट फैबुलस प्रोफेसर से सम्मानित किया गया।

डॉ. असित महापात्र को 14 दिसंबर 2019 को इंस्टीट्यूट ऑफ सेल्फ रिलायंस, भुवनेश्वर द्वारा प्रतिभा अधिग्रहण और प्रबंधन के क्षेत्र में उनके निरंतर उत्कृष्टता के अत्यधिक उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत विकास पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. रोहित कुमार को 17 नवंबर 2019 को अहमदाबाद में इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) द्वारा आयोजित इनोवेटिव ट्रेनिंग प्रैक्टिसेस: 2019-2020 की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में यंग ट्रेनर अवार्ड के रूप में थर्ड रनर अप (चौथा पुरस्कार) से सम्मानित किया गया।

छात्रों की उपलब्धियां

कॉर्पोरेट प्रतियोगिता/ संस्थान	कंपनी का नाम	शीर्षक	उपलब्धि का स्तर	टीम के सदस्यों का विवरण
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	वेदिका क्रेडिट कैपिटल लि.	दूसरा उपविजेता	राष्ट्रीय	1. सब्बावरापु साई लिखिता 2. बिल्ला जाह्नवीक 3. रीतिका चिदार
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	माइकल पेज - द राइट फाइट	द्वितीय स्थान	राष्ट्रीय	अक्षय सेठ
एचआर ट्रायथलॉन	कैपजेमिनी	विजेता	राष्ट्रीय	हर्षिता, श्रीराम
आरबीआई पालिसी चैलेंज	रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया	विजेता	क्षेत्रीय	1. तनशिखा मुद्राkha 2. अजय सिंगला 3. आस्था बंसल 4. मोहम्मद मुजामिली
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	महिंद्रा	नेशनल फाइनलिस्ट (टॉप 11)	राष्ट्रीय	1. तनशिखा मुधारो 2. अनुभव दत्ता 3. शुभोदीप भट्टाचार्य 4. चेतन विकास देशपांडे
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	सोनी पिक्चर्स नेटवर्क	विजेता	राष्ट्रीय	1. तनशिखा मुधर 2. क्षितिज सक्सेना
द नेक्स्ट बिग थिंग	सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया	फर्स्ट रनर अप	राष्ट्रीय	सायली किंगांवकर एवं संबित कुमार साहू

कॉर्पोरेट प्रतियोगिता/ संस्थान	कंपनी का नाम	शीर्षक	उपलब्धि का स्तर	टीम के सदस्यों का विवरण
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	पीसीबीएल	फाइनलिस्ट	राष्ट्रीय	प्रतीक गोयल संजीव कुमार सिंह एवं श्रेयश सिंह
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	एचयूएल लाइम सीजन 9	वाइल्ड कार्ड विजेता, नेशनल फाइनलिस्ट	राष्ट्रीय	सिद्धार्थ भट्टाचार्य एवं एमवीएस सुधीर
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	टाइटन एलिवेट 5.0	कैंपस विजेता, सेमीफाइनल विजेता, नेशनल फाइनलिस्ट	राष्ट्रीय	सौरव बनर्जी
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	रिलायंस - द अल्टीमेट पिच	रीजनल फाइनलिस्ट	क्षेत्रीय	एमवीएस सुधीर सिद्धार्थ भट्टाचार्य एवं पायल अरोड़ा
लाइव इंटरनेशनल कंसल्टिंग प्रोजेक्ट	आईएक्सएल इनोवेशन ओलंपिक फॉल 2018	फर्स्ट रनर अप	इंटरनेशनल	स्वर्णेंदु चौधरी, शांतनु तुपे, अविषेक दत्ता, तमोजीत जश, संकेत सोमरा एवं ऋतुपर्णा नाथ
टाटा माइंड्रोवर्स सीजन 6	टाटा मोटर्स	टॉप 5	नेशनल	फरहीन रहमान एवं प्रियाहंसा
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	टाटा स्टील	फर्स्ट रनर अप	नेशनल - वाइल्डकार्ड फिनाले और नेशनल फाइनलिस्ट	धरसंडिया जिमी वीरेंद्र, ईशा रॉय, सृष्टि डोगरा एवं अंकिता भोंगडे
इंटर्नशिप कंपनी (अर्जुन अवार्ड)	आरपीजी ग्रुप	फर्स्ट रनर अप	बेस्ट इंटर्न अवार्ड	सारांश रंजन
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	वी - गार्ड इंडस्ट्रीज लि.	फाइनलिस्ट	राष्ट्रीय	शौर्य कुमार बिसोय, मोहम्मद मुज़ामिली एवं क्षितिज सक्सेना
अमेज़न ऐस 2018	अमेज़न	विजेता	अंतर्राष्ट्रीय	अजित कृष्णन एवं विवेक सीसी
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	अमेज़न	एशिया पैसिफिक स्तर के विजेता	अंतर्राष्ट्रीय	अजित कृष्णन, संजना जोबॉय एवं विवेक सीसी
आरबीआई पालिसी चैलेंज 2019	रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया	विजेता	क्षेत्रीय	1. अजय सिंगला 2. आस्था बंसल 3. मोहम्मद मुजामिली एवं 4. तनशिखा मुद्रा
कॉरपोरेट	बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज	विजेता	स्टेट चैंपियन	प्रतीक नामदेव, विकास अरोड़ा एवं श्रेयन थराडी
गूगल ऐड ग्रांट	ऑनलाइन मार्केटिंग चैलेंज	प्रतियोगिता		वैभव गौतम - टीम लीडर राहुल सिन्हा प्रांजलि सायली किंगाओंकरी एवं विनीत कुमार
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	एमआई समिट	कैंपस विजेता		प्रिया पायल गुप्ता एवं राहुल कबाडागी
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	फ्लिपकार्ट 3.0	कैम्पस विजेता		राहुल कबादगी, शिक्षा गोप, वल्लभ रेमानी, (पर्पल क्रो) वेंडीकेश श्रीकुमार, दिनेशकुमार एस, पुनीता गुप्ता (डीपीवी), सुरभि सेठी हेमांगी नायक एवं महक अग्रवाल (तीन एकेस)

कॉर्पोरेट प्रतियोगिता/ संस्थान	कंपनी का नाम	शीर्षक	उपलब्धि का स्तर	टीम के सदस्यों का विवरण
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	आदित्य बिड़ला कैपिटल एंड ब्रांड वैक्टर द्वारा प्रायोजित द हिंदू बीएलओसी (बिजनेस लाइन ऑन कैंपस)	सेमीफाइनल के विजेता फाइनल विजेता		जसमीत सिंह बिंद्रा, शुभम गर्ग, मोहनीश गोलाटकर एवं राघवेंद्र प्रताप यादव
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	एचएसबीसी आईबी लीग प्रतियोगिता	कैम्पस विजेता		निमिषा राज, संबित कुमार साहू एवं विनीत अरिमपल्ली
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	आईसीआईसीआई लोम्बार्ड इल्यूमिनेट चैलेंज	टॉप 5 फाइनल राउंड		शरद वानखेड़े स्नेहा गुप्ता
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	महिंद्रा वार रूम	ब्लू टियर राउंड		ब्लिट्जक्रेग (रेमानी वल्लभ, शिक्षा गोप, अनुभव राज, वाई. अक्षय भारद्वाज), टीम इग्नाइटेड माइंड्स (लेख्य काकुमानु, नीलेश नन्नावारे, प्रशांत मिश्रा, विनीत कुमार) टीम फ्रीराइडर्स (स्वपनिल श्रीवास्तव, निहारिका रेड्डी एन., ओबेनेश हाजरा, रवीना संडांसिंग)
प्रतियोगिता	इनसाइड आईआईएम समर सागा	इनसाइडआईआईएम.कॉम द्वारा समर सागा का आयोजन		सुभाष ककरला (बैंकिंग और फाइनेंस) एवं महंतेश गौदर (टेक. एंड ई-कॉमर्स)
रिसर्च	'एक्टिव यंग रिसर्चर अवार्ड'			सुभाष ककरला
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	यस बैंक ट्रांसफॉर्मेशन सीरीज़	कैंपस विजेता		अलेख्य के., रमानी राउत, प्रथमेश जोशी, दीपनविता साहा एवं रवीना संदानसिंह
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	फ्यूचर जेनराली इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के #GetSetGo	राउंड 1 विजेता		श्रुति कठेरिया एवं विशेष शौर्य
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	नेस्ले 4पीएस	कैंपस विजेता		जीतेश हसीजानी, विनीत अरिमपल्ली एवं रचित अग्रवाल (टीम इनक्रेडिबल्स)
प्रतियोगिता	नीवेया 'सप्लाई चेन स्ट्रैटेजी' केस चैलेंज, आवर्तन एनआईटीआईई मुंबई 2019	कैंपस राउंड		प्रिया पायल गुप्ता, राहुल कबादगी एवं संकेत धाबू
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	महिंद्रा वार रूम, 2019, सीजन 12	सिल्वर टियर एंड सीईओ राउंड		रेमानी वल्लभ, शिक्षा गोप, अनुभव राज एवं वाई. अक्षय भारद्वाज
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	'बीट द कर्व 2019'	कैंपस विजेता		सुप्रिया कडू एवं स्वर्णिम मिश्रा
प्रतियोगिता	बाधित बी प्लान प्रतियोगिता एंटरप्रेन्योर्स कैफे में एंटरप्रेन्योरशिप सेल, एक्सएलआरआई और इसके इन्क्यूबेशन सेंटर एक्ससीईडी द्वारा आयोजित	प्रोजेक्ट शवन		महंतेश गौदर, मंजूषा श्रीमंडल एवं मेघा सक्सेना
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	एचयूएल, एल. आई. एम. ई. सीज़न इलेवन कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	वाइल्डकार्ड टॉप 6		जितेश नांबियार, जे. विवेक भी. एस. एवं राहुल आर.
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	टाइटन एलीवेट 6.0	नेशनल फाइनलिस्ट नेशनल रनर उप		निहारिका रेड्डी एन एवं ओबेनेश हाजरा
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	टाटा स्टील स्टील – ए- थोन सीजन 6	वाइल्ड कार्ड राउंड		स्टॉर्म ब्रिन्गर्स सदस्य खुशबू सिंघानिया, अंकित अविषेक, तानया सैनी एवं अनामिका केथवास टीम एक्लेक्टिक सदस्य अंजली होरो, अलिशा टोप्पो, अशिका बडिंग एवं श्रेया कुमार

कॉर्पोरेट प्रतियोगिता/ संस्थान	कंपनी का नाम	शीर्षक	उपलब्धि का स्तर	टीम के सदस्यों का विवरण
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	सीएफए इंस्टिट्यूट रिसर्च चैलेंज 2019	ईस्ट जोन : जोनल फिनालिस्ट्स		सार्थक गुप्ता, जसमीत सिंह बिंद्रा, मोहनीश गोलटकर, राघवेन्द्र प्रताप यादव एवं वैभव गौतम
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	जेपी मॉर्गन : दी डील 2019	कैंपस वीनर		हर्षिता एम. भी.
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	पिरामल: टंग्राम ग्रैंड फिनाले	फिनालिस्ट्स		सुभम सिंघा राय, अतित रावत्कर, साक्षी सूद एवं पार्वती लक्ष्मी
स्कॉलरशिप	मर्सर मेट्टी स्कॉलरशिप अवार्ड	टॉप 3 इमर्जिंग लीडर्स		कानुप्रिया जैन
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	आरबीआई पालिसी चैलेंज 2020	जोनल वीनर		अबोली मनदुरनेकर, अखिल गुजराती, रिया अग्रवाल एवं खुशल ठाकर
प्रतियोगिता	आईआईएम सी 'ऑपरेशनलिज़'	द्वितीय स्थान		रिया अग्रवाल एवं खुशल ठाकर
प्रतियोगिता	आईआईएम सी 'लांचपैड'	तृतीय स्थान		सुभाष काकरला एवं आयुष गोस्वामी
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	हीरो कैंपस चैलेंज 5.0	सेमी – फिनालिस्ट्स		आशिता गर्ग, ऐश्वर्या राय एवं बी. साय सरूजन
रिसर्च	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन मैनेजमेंट एंड बिज़नस स्टडीज (आईजेआरएमबीएस)	रिव्यु बोर्ड मेम्बर		सुभाष काकरला
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	टाटा स्टील (टाटा वर्कर्स यूनियन)	ट्रेड यूनियन इन इंडस्ट्री 4.0	क्षेत्रीय	दर्पण जानवे एवं विवेक साहू
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	आईसीआईसीआई बैंक	आईसीआईसीआई बैंक इ बीट दी कर्व	कैंपस राउंड	स्वर्णिम मिश्रा – एमबीए 2019-21 एवं सुप्रिया काडू एमबीए एचआर 2019-21
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	वनप्लस ईटी प्राइम	इनटेलेक्ट	राष्ट्रीय	हीमांग गर्ग
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	ईवाई जीडीएस	यंग टैक्स प्रोफेशनल ऑफ़ दी ईयर (वाईटीपीवाई)- 2019	राष्ट्रीय	ग्रंथिक सेन
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	फ़ीनिक्स ग्लोबल	फ़ीनिक्स ग्लोबल नेशनल केस स्टडी प्रतियोगिता ऑरगेनन, एनालीटिक्स क्लब, आईआईएम के संयुक्त तत्वावधान में	राष्ट्रीय	एम. गायत्री, सौरभ सूर्यवंशी एवं एबी संहिथा
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	इकोनोमिक टाइम्स - वनप्लस	ईटी – प्राइम वनप्लस चैलेंज	राष्ट्रीय	अनिमेष कुमार
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	वनप्लस एंड ईटी – प्राइम	वनप्लस एंड ईटी प्राइम इनटेलेक्ट	राष्ट्रीय	आर्याव आनंद
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इन्सुरेंस	फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इन्सुरेंस – गेट सेट गो	राष्ट्रीय	टीम ऑफ़ 2 (विशेष शौर्य श्रुति)
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	इनफ़ोसिस	इनफ़ोसिस इनजेनियस	कैंपस राउंड	रित मजुमदार, अनन्या दास एवं मुकुल शर्मा
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	आईसीआईसीआई लोमबार्ड	इल्लूमिनेट चैलेंज	राष्ट्रीय	सोफिया सत्पथी एवं अतीत रावत्कर
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	एल ओरीएल	नेशनल फिनालिस्ट्स	राष्ट्रीय	बी. साई सरूजन, आशिता गर्ग एवं ऐश्वर्या राय
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	ओप्टम	ओप्टम स्ट्रेटीथोंन	कैंपस राउंड	मयंक पाटवा, दीप शिखा एवं विवेक सिंह
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	सीके बिरला हॉस्पिटल्स	सीके बिरला हेल्थ टेक हैकाथोंन	राष्ट्रीय	जय वाचनाराजनी, मुर्तजा बाक्सामूसा, जय नाम साह, राधिका भट्टर एवं प्रकृति अग्रवाल
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	सीके बिरला हॉस्पिटल्स	सीके बिरला हेल्थ टेक हैकाथोंन	राष्ट्रीय	विनोथ कुमार, गोपीनाथ एम. एवं राजकुमार ए.

कॉर्पोरेट प्रतियोगिता/ संस्थान	कंपनी का नाम	शीर्षक	उपलब्धि का स्तर	टीम के सदस्यों का विवरण
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	सीके बिरला	सीके बिरला एडब्लूएस हैकाथोंन	राष्ट्रीय	दीपिका बसुमतारी, हिमांक गर्ग, पलाश कुमार, मझिसमंत एवं बछु साई सरूजन
कॉर्पोरेट प्रतियोगिता	सीके बिरला	सीके बिरला एडब्लूएस हैकाथोंन	राष्ट्रीय	अरिजीत देबनाथ, किरणमयी ज्योति, श्रुति चाटिया, मौष्मी देवरी एवं गोपीनाथ एम.

छात्रवृत्ति 2019 – 20

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय			जनजातीय मामलों के मंत्रालय		
क्रमांक	छात्र का नाम	कार्यक्रम	क्रमांक	छात्र का नाम	कार्यक्रम
1	यामिनी चावड़ा	एमबीए	1	बनवत क्रांति कुमार नाइक	एमबीए
2	धांदू अक्षय	एमबीए	2	प्रियदर्शिनी साईबा	एमबीए
3	श्रुति स्वरूप	एमबीए			
4	प्रोग्या परोमिता मंडल	एमबीए			
5	सुमन दास	एमबीए			
6	राहुल नितिन रावल	एमबीए			
7	बिकाश रंजन साहू	एमबीए			

नामांकन

पीजीपी 2019 - 21

प्रवेश मानदंड

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची पीजीपी कार्यक्रम में प्रवेश कैट, व्यक्तिगत साक्षात्कार और लिखित विश्लेषण परीक्षण (पीआई और डब्लूएटी) के प्रदर्शन तथा उनके प्रोफाइल पर आधारित था। बोधगया, जम्मू, काशीपुर, रायपुर, रांची, रोहतक, संबलपुर, सिरमौर, त्रिची और उदयपुर के सभी भारतीय प्रबंध संस्थान के लिए पीआई और डब्लूएटी प्रक्रिया समान थी।

डब्लूएटी / पीआई प्रक्रिया हेतु प्रारंभिक शॉर्टलिस्टिंग

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के पीजीपी 2019 -21 बैच में प्रवेश के लिए डब्लूएटी / पीआई प्रक्रिया के लिए प्रारंभिक शॉर्टलिस्ट कैट के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में प्रवेश के लिए कट - ऑफ पर्सेंटाइल कैट स्कोर नीचे दी गई तालिका 1 में दिया गया है:

तालिका 1: भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के कट ऑफ स्कोर

श्रेणी	उम्मीदवारों का आईआईएम रांची के लिए आवेदन	कट - ऑफ पर्सेंटाइल			
		वर्बल एंड रीडिंग कम्प्रीहेंशन का न्यूनतम अंक	क्वांटीटेटिव एप्टीटयूड का न्यूनतम अंक	डाटा इंटरप्रीटेशन एंड लॉजिकल रीजनिंग का न्यूनतम अंक	कुल पर्सेंटाइल का न्यूनतम
सामान्य	121050	80.14	80.04	80.17	95
एनसी -ओबीसी	25116	60.42	60.05	60.71	78.01
एससी	10899	50.59	52.15	50.93	60.24
एसटी	2936	30.90	31.75	30.49	40.71
डीएपी	618	30.90	33.64	32.15	40.76
कुल	**160619**				

समेकित योग्यता सूची (सीएमएल) को 30% कैट स्कोर, 30% पीआई , 10% डब्लूटी स्कोर, 30% प्रोफाइल के आधार पर संकलित की गई थी। प्रोफाइल में, चार घटक थे: शिक्षाविद, कार्य अनुभव, शैक्षणिक विविधता और लिंग विविधता। बेहतर शैक्षणिक विविधता और लिंग विविधता के लिए, क्रमशः गैर इंजीनियरिंग और महिला छात्रों को 5 अंक दिए गए थे। शॉर्टलिस्ट किए गए 13668 उम्मीदवारों में से, 8974 उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए, 2829 प्रस्ताव दिए गए और 207 उम्मीदवार अंततः दाखिल हुए। विस्तृत जानकारी तालिका 2 में प्रस्तुत है।

तालिका 2: विभिन्न चरणों में पीजीपी कार्यक्रम में उम्मीदवारों की स्थिति

श्रेणी	उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया	उम्मीदवारों ने साक्षात्कार में भाग लिया	पेशकश की गई	उम्मीदवार शुरू में शामिल हुए	वापसी	अंततः दाखिल हुए उम्मीदवार
सामान्य	6964	4711	1278	137	45	92
एनसी/ओबीसी	3723	2526	571	75	22	53
एससी	1865	1124	550	46	18	28
एसटी	850	439	217	23	7	16
डीएपी*	266	174	134	14	6	8
ईडब्ल्यूएस			79	19	9	10
कुल	**13668**	**8974**	**2829**	**314**	**107**	**207**

*डीएपी ऑफ़र प्रत्येक श्रेणी के लिए क्षैतिज रूप से बनाए गए थे।

प्रोफ़ाइल

निम्नलिखित तालिका 3 से 7 में 207 पीजीपी छात्रों का विभिन्न मापदंड का वितरण को प्रस्तुत करती है।

तालिका 3: पीजीपी छात्रों का भौगोलिक वितरण

क्र. सं.	कैट डेटा के अनुसार राज्य	पीजीपी छात्रों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	6
2	असम	7
3	बिहार	6
4	चंडीगढ़	1
5	दिल्ली	12
6	गुजरात	4
7	हरियाणा	13
8	हिमाचल प्रदेश	2
9	जम्मू और कश्मीर	1
10	झारखंड	24
11	कर्नाटक	11
12	मध्य प्रदेश	5
13	महाराष्ट्र	17
14	ओडिशा	10
15	पंजाब	6
16	राजस्थान	5
17	तमिलनाडु	11
18	तेलंगाना	8
19	उत्तर प्रदेश	23
20	उत्तराखंड	4
21	पश्चिम बंगाल	31

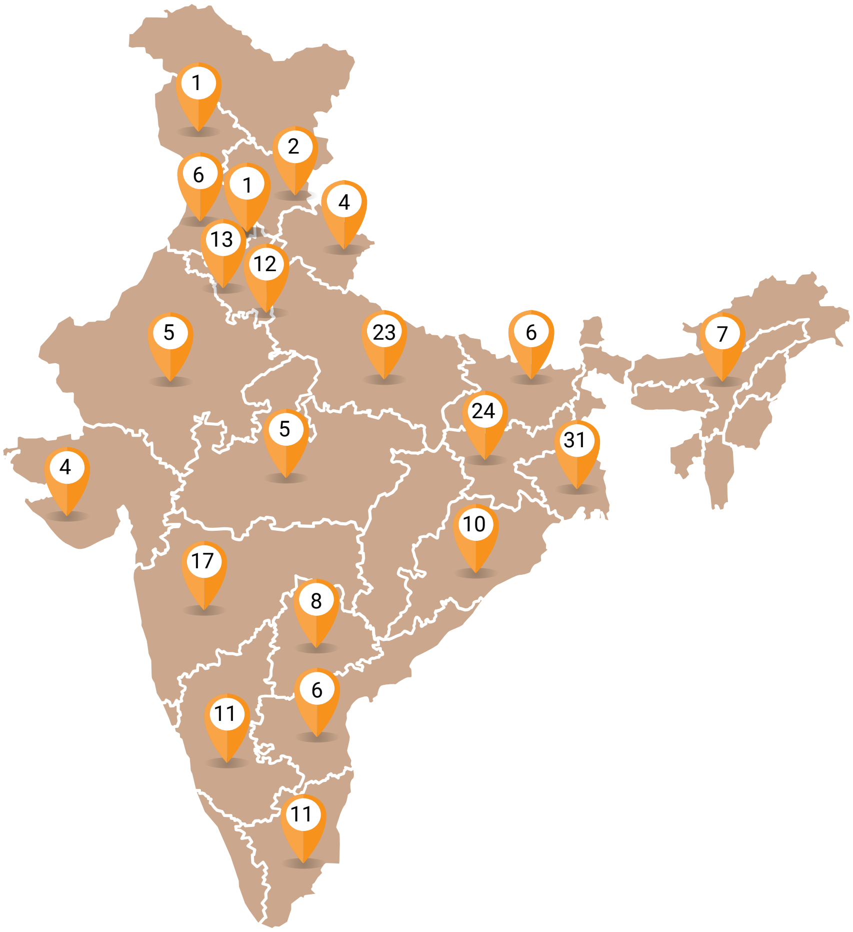

तालिका 4: पीजीपी छात्रों का कार्य अनुभव

कार्य अनुभव महीनों में	पीजीपी छात्रों की संख्या
6 तक	109
7 से 12	16
13 से 18	13
19 से 24	19
25 से 30	24
31 से 36	13
37 से 42	9
43 से 48	3
48 महीने से अधिक	1
कुल	**207**

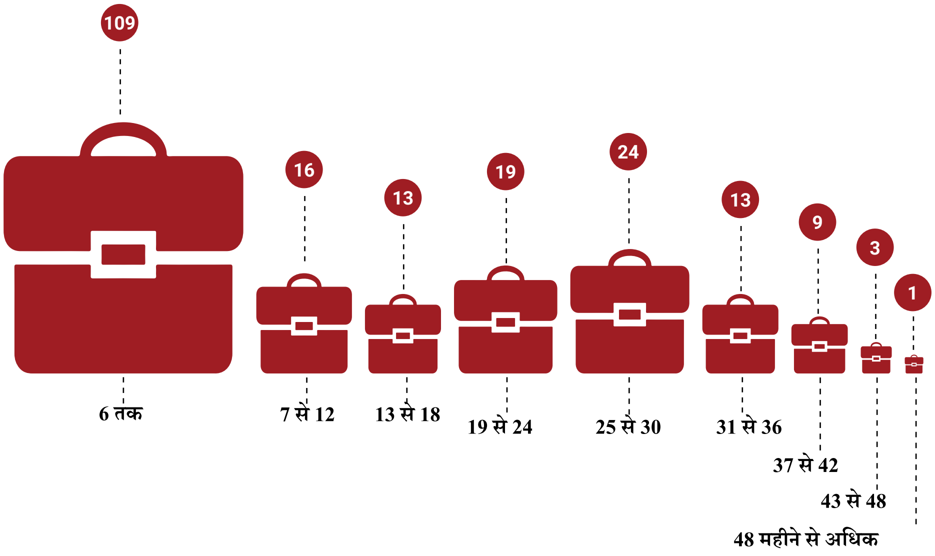

तालिका 5: पीजीपी छात्रों की लिंग विविधता

लिंग	पीजीपी छात्रों की संख्या	प्रतिशत
महिला	77	37.20
पुरुष	130	62.80
कुल	**207**	**100.00**

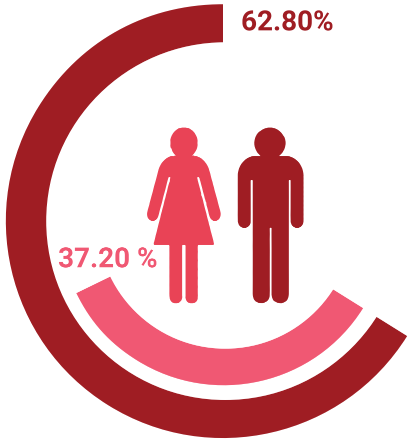

तालिका 6: स्नातक अनुशासन पीजीपी छात्र

क्र. सं.	स्नातक अनुशासन	पीजीपी छात्रों की संख्या
	इंजीनियरिंग	
1	आर्किटेक्चर	1
2	बायोटेक्नोलॉजी	1
3	कंप्यूटर साइंस	20
4	इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी	93
5	इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी	6
6	अदर्स	14
7	साइंस	1
	कुल (ए)	**136**
	गैर-इंजीनियरिंग	
1	एकाउंटेंसी	3
2	एग्रीकल्चर	2
3	बॉटनी	1
4	केमिस्ट्री	3
5	कॉमर्स	30
6	इकोनॉमिक्स	2
7	लाइफ साइंस	1
8	लिटरेचर	2
9	मैनेजमेंट	10
10	मैथमेटिक्स	3
11	मेडिसिन	1
12	अदर्स	3
13	फार्माकोलॉजी/फार्मेसी	1
14	फिलॉसफी	1
15	फिजिक्स	4
16	स्टेटिस्टिक्स	3
17	जूलॉजी	1
	कुल (बी)	**71**
	कुल (ए+बी)	**207**

इंजीनियरिंग

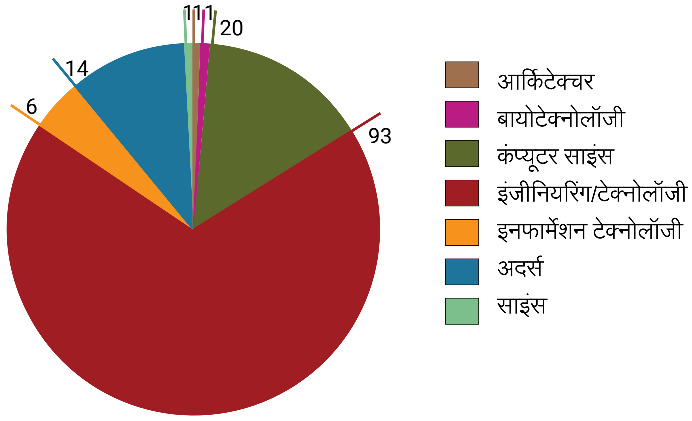

गैर-इंजीनियरिंग

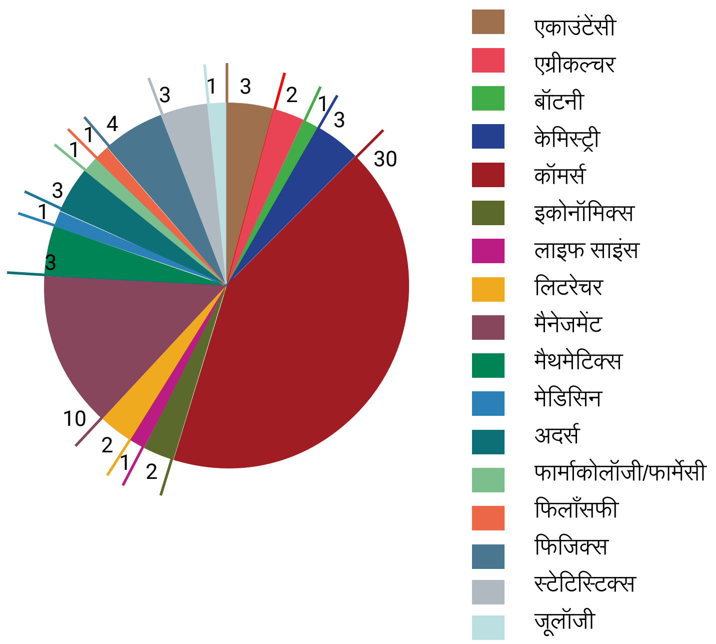

तालिका 7: पीजीपी छात्रों के एसएससी, एचएससी, स्नातक और कैट प्रतिशत का वितरण

पीजीपी छात्रों की संख्या: कक्षा अंतराल के अनुसार प्रत्येक शैक्षणिक पृष्ठभूमि के लिए				
कक्षा अंतराल	एसएससी	एचएससी	स्नातक	कैट पर्सेंटाइल
60 से कम	0	2	9	11
60-65	1	3	18	5
65-70	1	1	16	3
70-75	4	5	43	11
75-80	9	17	39	12
80-85	16	43	45	20
85-90	78	72	26	25
90-95	62	56	8	15
95-100	36	8	3	105
कुल	**207**			

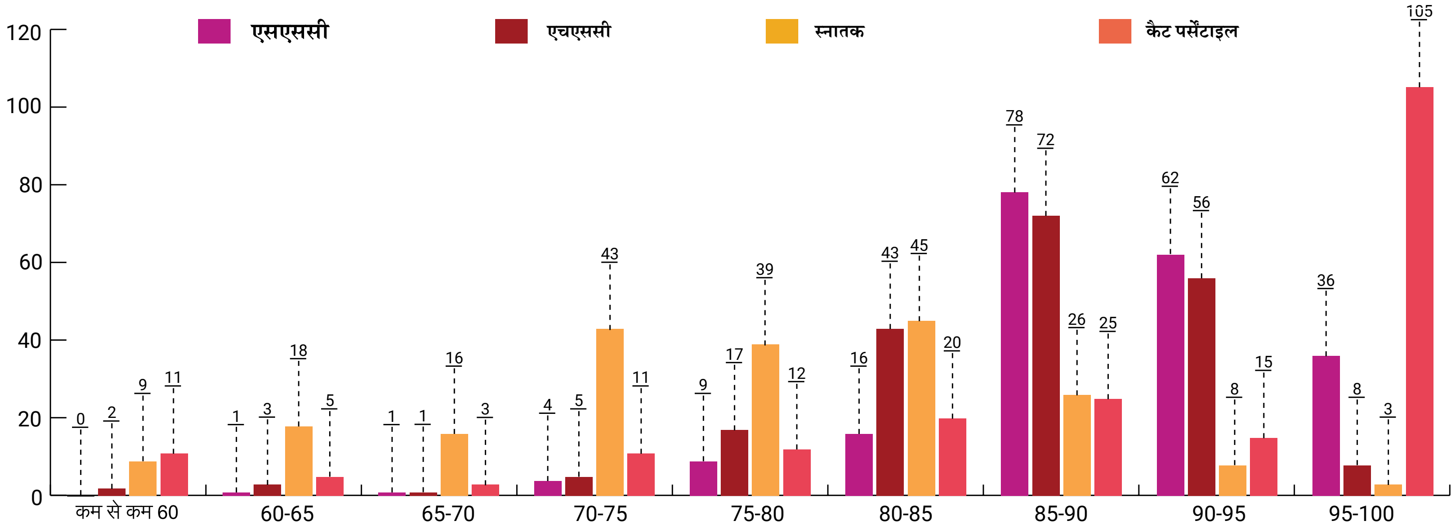

पीजीपी - एचआरएम 2019-21

पीजीपी-एचआरएम कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय समाचार पत्रों में 26 और 27 फरवरी, 2019 को एक विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। कार्यक्रम के लिए 2073 उम्मीदवारों ने आवेदन किए । 2073 उम्मीदवारों में से 1181 को साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। यह शॉर्टलिस्ट कैट के प्रदर्शन, कार्य अनुभव और स्नातक की डिग्री पर आधारित थी। उम्मीदवारों का श्रेणी-वार शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदन का विवरण तालिका 8 में दिया गया है।

तालिका 8: पीजीपी-एचआरएम कार्यक्रम के लिए उम्मीदवारों का श्रेणीवार विवरण

श्रेणी	आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या	साक्षात्कार के लिए चयनित छात्रों की संख्या
सामान्य	1164	476
एनसी-ओबीसी	323	306
एससी	252	170
एसटी	129	85
डीएपी	38	25
ईडब्ल्यूएस	167	119
कुल	**2073**	**1181**

समेकित योग्यता सूची (सीएमएल) कैट स्कोर के 30%, पीआई का 30%, डब्लूएटी स्कोर का 10%, प्रोफाइल के 30% के आधार पर संकलित की गई थी। प्रोफाइल में, तीन घटक थे: शैक्षणिक, कार्य अनुभव और लिंग विविधता। शॉर्टलिस्ट किए गए 1181 उम्मीदवारों में से, 882 उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए, 290 को प्रस्ताव दिया गया और 74 उम्मीदवार अंततः दाखिल हुए। विस्तृत जानकारी तालिका 9 में प्रस्तुत की गई है।

तालिका 9: विभिन्न चरणों में पीजीपी-एचआरएम कार्यक्रम में उम्मीदवारों की स्थिति

श्रेणी	साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवार	प्रस्ताव दिए गए	शुरूआत में शामिल हुए	वापसी के मामले	अंततः दाखिल
सामान्य	359	116	43	9	34
एनसी-ओबीसी	243	66	23	5	18
एससी	123	38	12	3	9
एसटी	57	37	6	0	6
डीएपी	19	19	4	2	2
ईडब्ल्यूएस	81	14	9	4	5
कुल योग	**882**	**290**	**97**	**23**	**74**

प्रोफ़ाइल

निम्नलिखित तालिका 10 से 14 पीजीपी-एचआरएम कार्यक्रम के विभिन्न मापदंडो में 74 छात्रों के वितरण को प्रस्तुत करती है।

तालिका 10: पीजीपी-एचआरएम छात्रों का भौगोलिक वितरण

क्र. सं.	कैट डेटा के अनुसार राज्य	पीजीपी-एचआरएम छात्रों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	5
2	असम	1
3	चंडीगढ़	1
4	दिल्ली	2
5	गोवा	2
6	गुजरात	2
7	हरियाणा	2
8	झारखंड	9
9	कर्नाटक	3
10	केरला	5
11	मध्य प्रदेश	2
12	महाराष्ट्र	11
13	ओडिशा	2
14	पंजाब	1
15	राजस्थान	1
16	तमिलनाडु	4
17	तेलंगाना	5
18	उत्तर प्रदेश	7
19	उत्तराखंड	1
20	पश्चिम बंगाल	8

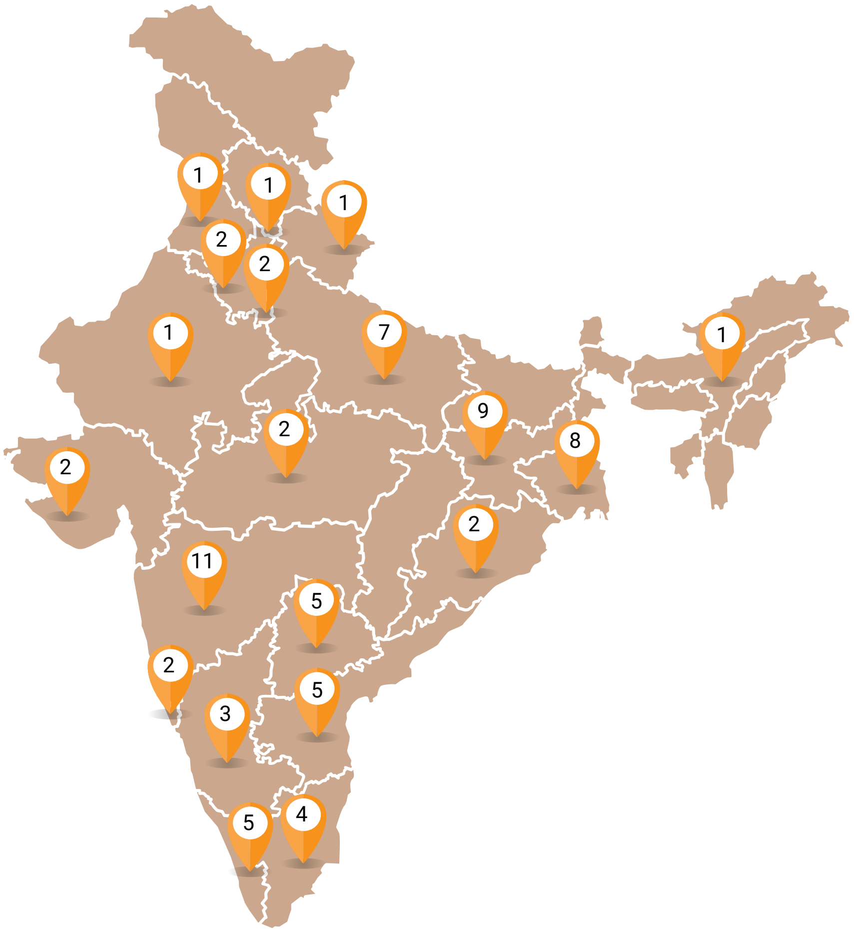

तालिका 11: पीजीपी-एचआरएम छात्रों का महीनों में कार्य अनुभव

कार्य अनुभव महीनों में	पीजीपी-एचआरएम छात्रों की संख्या
6 तक	15
7 से 12	7
13 से 18	15
19 से 24	18
25 से 30	11
31 से 36	5
37 से 42	2
43 से 48	1
48 महीने से अधिक	0
कुल	**74**

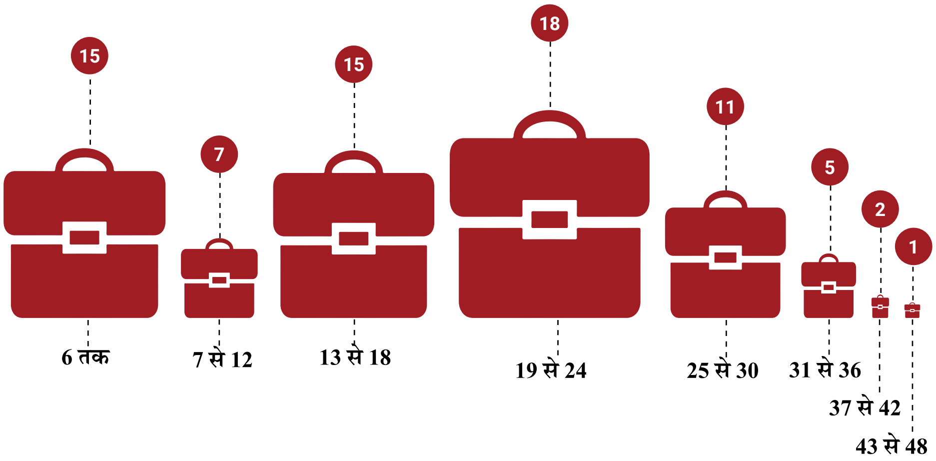

तालिका 12: पीजीपी - एचआरएम छात्रों की लिंग विविधता

लिंग	पीजीपी-एचआरएम छात्रों की संख्या	प्रतिशत
महिला	40	54.05
पुरुष	34	45.95
कुल	**74**	**100.00**

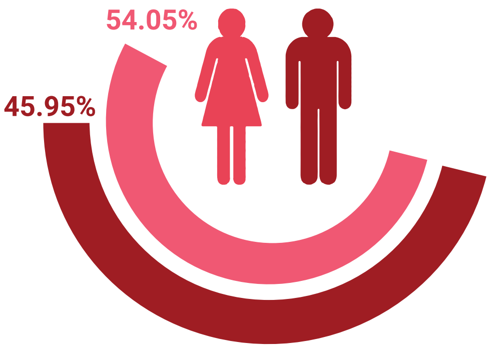

तालिका 13: पीजीपी - एचआरएम छात्रों का स्नातक अनुशासन

क्र. सं.	स्नातक अनुशासन	पीजीपी-एचआरएम छात्रों की संख्या
	इंजीनियरिंग	
1	बायोटेक्नोलॉजी	1
2	कंप्यूटर एप्लीकेशन	1
3	कंप्यूटर साइंस	6
4	इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी	36
5	इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी	3
6	अदर्स	5
	कुल (ए)	**52**

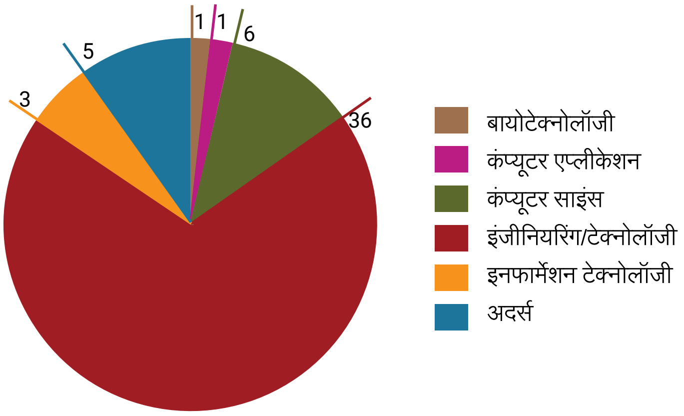

क्र. सं.	स्नातक अनुशासन	पीजीपी-एचआरएम छात्रों की संख्या
	नॉन – इंजीनियरिंग	
1	कॉमर्स	7
2	कंप्यूटर एप्लीकेशन	1
3	कंप्यूटर साइंस	1
4	इकोनॉमिक्स	3
5	होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट	1
6	जर्नलिज्म / मास कम्युनिकेशन	1
7	लॉ	1
8	मैनेजमेंट	2
9	अदर्स	2
10	पारा मेडिकल	1
11	साइकोलॉजी	2
	कुल (बी)	**22**
	कुल योग (ए + बी)	**74**

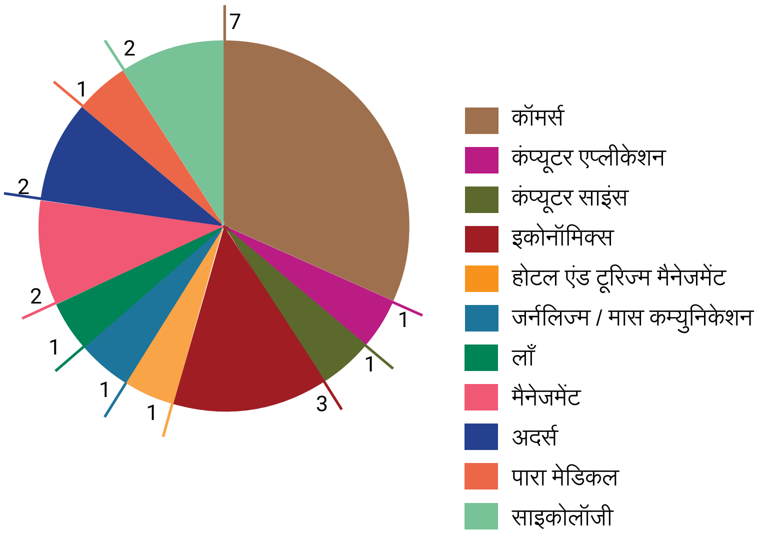

तालिका 14: पीजीपी-एचआरएम छात्रों के एसएससी, एचएससी और कैट प्रतिशत का वितरण

पीजीपी-एचआरएम छात्रों की संख्या: कक्षा अंतराल पर प्रत्येक शैक्षणिक पृष्ठभूमि के अनुसार				
कक्षा अंतराल	एसएससी	एचएससी	स्नातक	कैट पर्सेंटाइल
60 से कम	1	2	2	6
60-65	1	1	7	1
65-70	0	3	11	3
70-75	3	1	13	7
75-80	3	11	17	5
80-85	10	18	13	3
85-90	15	17	4	9
90-95	29	16	6	36
95-100	12	5	1	4
कुल	**74**			

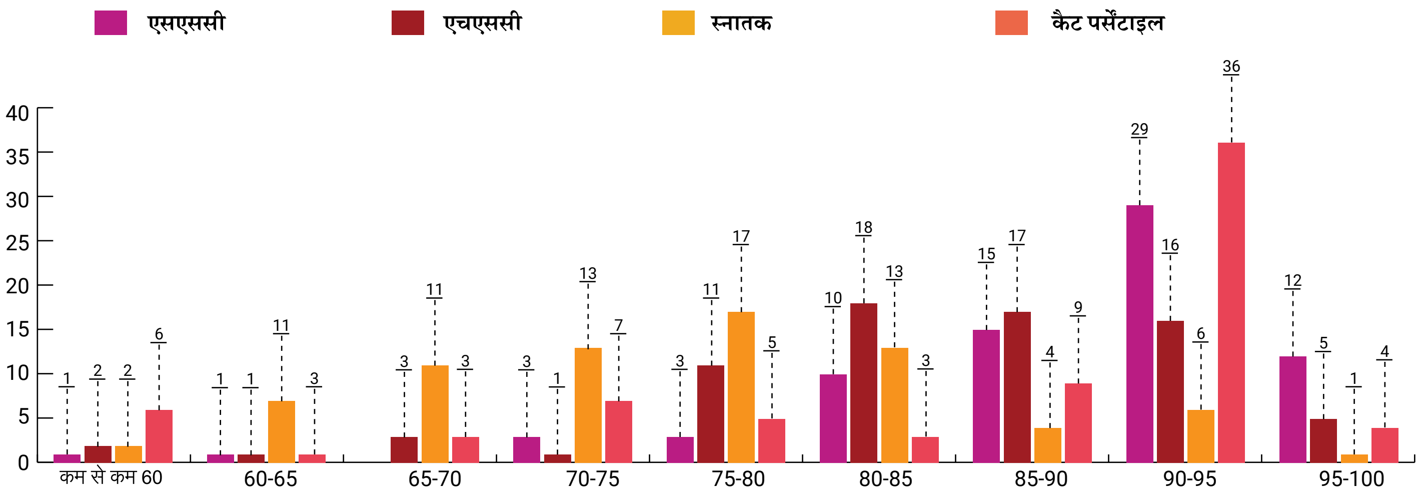

पीएच.डी. 2019 - 23

(ए) शैक्षिक योग्यता पर पात्रता:

पात्रता के लिए शैक्षिक योग्यता पर एमएचआरडी के नवीनतम परिपत्र के अनुसार, कार्यक्रम के लिए एक उम्मीदवार के पास किसी भी विश्वविद्यालय से प्राप्त निम्नलिखित योग्यता शामिल होनी चाहिए, जो भारत में केंद्रीय या राज्य विधायिका के अधिनियम या अन्य स्थापित शैक्षणिक संस्थानों का संसद अधिनियम द्वारा या यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत एक विश्वविद्यालय के रूप में समझा जाने वाला घोषित या मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष योग्यता या एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित संस्थान से समकक्ष योग्यता, या मान्यता प्राप्त विदेशी विश्वविद्यालयों या संस्थानों से किसी भी समकक्ष योग्यता हो।

(i) किसी भी विषय में प्रथम श्रेणी के साथ मास्टर डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा या इसके समकक्ष हो.

या

(ii) बी.टेक / 4 वर्ष की डिग्री के साथ 6.5 सीजीपीए या समकक्ष

या

(iii) कोई भी व्यावसायिक योग्यता बीकॉम / डिग्री के साथ सीए / आईसीडब्ल्यूए / सीएस जैसी कुल अंकों का कम से कम 55 % या समकक्ष ग्रेड पॉइंट औसत के साथ।

इसके अलावा, हमारे विज्ञापन के अनुसार, उम्मीदवार ने माध्यमिक स्तर से शुरू होने वाली अपनी सभी सार्वजनिक परीक्षाओं में न्यूनतम 55 % अंक (या समकक्ष) प्राप्त किए होंगे। हालांकि, उद्योग या शिक्षाविदों में कार्य अनुभव अनिवार्य नहीं है, किन्तु चयन प्रक्रिया में उचित श्रेय दिया गया था।

जो वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में अंतिम वर्ष की परीक्षा दे रहे हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, कार्यक्रम में उनका प्रवेश अंतरिम होगा, बशर्ते कि वे 30 जून 2019 से पहले प्रासंगिक डिग्री प्राप्त करने के लिए सभी आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर लें।

(बी) आयु सीमा:

उम्मीदवार की आयु 30 जून, 2019 को 55 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(सी) मानक परीक्षण स्कोर पर पात्रता मानदंड

	सामान्य	एनसी-ओबीसी	एससी	एसटी	पीडब्ल्यूडी
कैट (पर्सेंटाइल)	80 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर
जीआरई	292 या ऊपर	277 या ऊपर	277 या ऊपर	277 या ऊपर	277 या ऊपर
गेट (पर्सेंटाइल)	80 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर
जीमैट	565 या ऊपर	537 या ऊपर	537 या ऊपर	537 या ऊपर	537 या ऊपर
नेट-जेआरएफ (यूजीसी / सीएसआईआर)	विज्ञापन के पत्र के अनुसार जेआरएफ पत्र के साथ केवल जेआरएफ योग्य उम्मीदवारों को। (केवल नेट उत्तीर्ण उम्मीदवार पात्र नहीं होंगे।)				

इनमें से किसी भी मानक परीक्षा (कैट / गेट / जीआरई / जीमैट / नेट - जेआरएफ (यूजीसी / सीएसआईआर) के अंकों को पिछले दो वर्षों (यानी, 1 जुलाई, 2017 या उसके बाद) के दौरान ली गई पीएच.डी. में प्रवेश के लिए वैध माना गया था।

उपरोक्त मानक परीक्षण स्कोर में छुट:

जिन उम्मीदवारों ने पहले से ही किसी भी भारतीय प्रबंध संस्थान से एक / दो साल का पूर्णकालिक कक्षा-आधारित पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) या प्रबंधन के किसी विशेष क्षेत्र (जैसे, एचआरएम में पीजीडी, एग्री –बिज़नस मैनेजमेंट आदि) में 10 अंकों के पैमाने पर 6.5 के न्यूनतम सीजीपीए या समकक्ष के साथ पिछले 4 वर्षों में 30 जून, 2019 से पहले प्राप्त कर लिया है, को आवश्यकता में छूट दी गई थी।

कार्यक्रम के लिए कुल 174 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। 174 आवेदकों में से 101 को प्रेजेंटेशन और पर्सनल इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। यह शॉर्टलिस्ट कैट/जीमैट/गेट/यूजीसी या सीएसआईआर - जेआरएफ प्रदर्शन, कार्य अनुभव और मास्टर डिग्री पर आधारित थी। अंत में, नौ (09) को पीएच.डी. 2019 में प्रवेश दिया गया।

प्रोफ़ाइल

1. अनूप अनुराग सोरेन

क्षेत्र	मार्केटिंग मैनेजमेंट
शैक्षणिक पृष्ठभूमि	भारतीय प्रबंध संस्थान बैंगलोर से एमबीए
कार्य अनुभव	1. सॉफ्टवेयर इंजीनियर, इंफोसिस (03 वर्ष) 2. असिस्टेंट मेनेजर – रीजनल सेल्स (03 वर्ष) 3. स्व - नियोजित (06 वर्ष)

2. अनन्या राय

क्षेत्र	इनफार्मेशन सिस्टम एंड बिज़नेस एनालिटिक्स
शैक्षणिक पृष्ठभूमि	केआईआईटी विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक
कार्य अनुभव	एप्लीकेशन डेवलपर, आईबीएम (18 महीने)

3. अंकिता प्रभाकर

क्षेत्र	एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
शैक्षणिक पृष्ठभूमि	बीएचयू . से एम.कॉम
कार्य अनुभव	रिसर्च असिस्टेंट आईआईईएसटी में (2 वर्ष)

4. अंजलि श्रीवास्तव

क्षेत्र	एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
शैक्षणिक पृष्ठभूमि	बीएचयू से एम.कॉम.

5. प्रतीक राय

क्षेत्र	ऑपरेशंस मैनेजमेंट
शैक्षणिक पृष्ठभूमि	आईआईटी दिल्ली से एम.टेक इन इंडस्ट्रियल ट्राइबोलॉजी मेंटेनेंस इंजीनियरिंग,

6. इमनातिला पोंगेन

क्षेत्र	ऑपरेशंस मैनेजमेंट
शैक्षणिक पृष्ठभूमि	एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय से एमबीए
कार्य अनुभव	सहयोगी- टीएनक्यू बुक्स एंड जर्नल्स प्राइवेट में भाषा संपादन। लिमिटेड

7. अभिनव शंकर राठौर

क्षेत्र	ओबी और एचआर
शैक्षणिक पृष्ठभूमि	चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना से पीजीडीएम
कार्य अनुभव	1. जीविका (बिहार) में यंग प्रोफेशनल (4.5 वर्ष) 2. आईआईटी दिल्ली में रिपोर्ट राइटर (आकस्मिक नियुक्ति) (03 महीने)

8. दीक्षा गुप्ता

क्षेत्र	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट
शैक्षणिक पृष्ठभूमि	बीएचयू से फाइनेंसियल मैनेजमेंट में एमबीए

9. पल्लव बोस

क्षेत्र	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट
शैक्षणिक पृष्ठभूमि	आरजीपीवी भोपाल से बी.ई. इन इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में।
कार्य अनुभव	टीसीएस, कोलकत्ता में 38 महीने का अनुभव

एग्जीक्यूटिव पीएच.डी. 2019-23

(ए) न्यूनतम कार्य अनुभव:

एक उम्मीदवार के पास संस्थान के ईपीएचडी कार्यक्रम में नामांकन के लिए शिक्षा के लक्षित वर्ष के 31 मार्च तक न्यूनतम 5 वर्ष का कार्य अनुभव होना चाहिए।.

(बी) शैक्षिक योग्यता पर पात्रता:

एमएचआरडी के नवीनतम परिपत्र के अनुसार शैक्षिक योग्यता पर पात्रता के लिए, कार्यक्रम के लिए एक उम्मीदवार के पास किसी भी विश्वविद्यालय से प्राप्त निम्नलिखित योग्यता शामिल होनी चाहिए, जो भारत में केंद्रीय या राज्य विधायिका के अधिनियम या अन्य स्थापित शैक्षणिक संस्थानों का संसद अधिनियम द्वारा या यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत एक विश्वविद्यालय के रूप में समझा जाने वाला घोषित या मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष योग्यता या

एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित संस्थान से समकक्ष योग्यता, या मान्यता प्राप्त विदेशी विश्वविद्यालयों या संस्थानों से किसी भी समकक्ष योग्यता हो।

(i) किसी भी विषय में प्रथम श्रेणी के साथ मास्टर डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा या इसके समकक्ष हो.

या

(ii) बी.टेक / 4 वर्ष की डिग्री के साथ 6.5 सीजीपीए या समकक्ष

या

(iii)) कोई भी व्यावसायिक योग्यता बीकॉम / डिग्री के साथ सीए / आईसीडब्ल्यूए / सीएस जैसी कुल अंकों का कम से कम 55 % या समकक्ष ग्रेड पॉइंट औसत के साथ।

(सी) मानक टेस्ट स्कोर:

उम्मीदवारों को मानक टेस्ट के अंकों के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया गया था, अर्थात, i) कैट या ii) गेट या iii) नेट – जेआरएफ या iv) जीमैट या v) जीआरई, कैट, गेट, और नेट - जेआरएफ के लिए टेस्ट स्कोर की वैधता 2 साल (यानी 1 जुलाई 2017 या उसके बाद) होगी, जबकि जीमैट और जीआरई के लिए 5 साल (यानी 1 जुलाई 2014 या उसके बाद) होंगी।

विभिन्न मानक परीक्षण स्कोर पर पात्रता मानदंड

	सामान्य	एनसी-ओबीसी	एससी	एसटी	पीडब्ल्यूडी
कैट (पर्सेंटाइल)	80 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर
जीआरई	292 या ऊपर	277 या ऊपर	277 या ऊपर	277 या ऊपर	277 या ऊपर
गेट (पर्सेंटाइल)	80 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर
जीमैट	565 या ऊपर	537 या ऊपर	537 या ऊपर	537 या ऊपर	537 या ऊपर
नेट-जेआरएफ (यूजीसी / सीए-सआईआर)	विज्ञापन के पत्र के अनुसार जेआरएफ पत्र के साथ केवल जेआरएफ योग्य उम्मीदवारों को। (केवल नेट उत्तीर्ण उम्मीदवार पात्र नहीं होंगे।)				

उम्मीदवारों की निम्नलिखित श्रेणियों को उपरोक्त मानक परीक्षण स्कोर से छूट दी गई थी :

(i) 10.00 में न्यूनतम 6.00 सीजीपीए (से) या समकक्ष के साथ किसी भी भारतीय प्रबंध संस्थान या मान्यता प्राप्त संस्थानों (एएसीएसबी / एएमबीए/ ईक्यूयूआईएस) के पीजीपी कार्यक्रमों के पूर्व छात्र

या

(ii) सरकारी कर्मचारी कम से कम 10 वर्षों के प्रशासनिक अनुभव (केंद्रीय/राज्य सिविल सेवा/सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक/पीएसयू आदि)

या

(iii) कम से कम 10 वर्षों के प्रबंधकीय अनुभव के साथ कॉर्पोरेट अधिकारी/ परामर्शदाता/ एनजीओ पेशेवर

या

(iv) किसी प्रतिष्ठित संस्थान से अंतिम योग्यता और स्नातकोत्तर स्तर के शिक्षण अनुभव के न्यूनतम 3 वर्ष के साथ प्रबंधन शिक्षक।

उपयुक्त मानदंडों के आधार पर, उम्मीदवारों की सूची को आगे की प्रक्रिया के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया और शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को अंतिम चयन के लिए साक्षात्कार के लिए बुलाया गया।

कार्यक्रम के लिए कुल 148 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। 148 आवेदकों में से 99 को प्रस्तुति और व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए चुना गया था। यह शॉर्टलिस्ट कैट/जीमैट/गेट/यूजीसी या सीएसआईआर-जेआरएफ प्रदर्शन, कार्य अनुभव और मास्टर डिग्री पर आधारित थी। अंततः, उन्नीस (19) को ईपीएच.डी. (2019) में प्रवेश दिया गया।

एग्जीक्यूटिव पीएच.डी. 2019

क्र.सं.	क्षेत्र	छात्र का नाम
1	ऑपरेशंस मैनेजमेंट	सीमांचल सबत
2		सर्वेश कुमार
3		हरीश सत्यल
4		अजीत कुमार पात्रा
5	ओबी एंड एचआर	कृष्ण कुमार
6		श्रीकांत सिन्हा
7		कनिका मल्होत्रा
8	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	बालाजी बालकृष्ण पिल्लै
9		तमाल चक्रवर्ती
10	मार्केटिंग मैनेजमेंट	प्रेम प्रकाश
11		गोपाल कृष्ण जी एस एस
12		अविनाश कुमार
13		श्रीलाल भाग्यभवनम्
14	एकाउंटिंग एंड फाइनेंस	मानस कुमार घोष
15		निस्तला जगन्नाथ शर्मा
16		सुजीत कुमार
17		सोमनाथ चटर्जी
18	इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिज़नेस एनालिटिक्स	बाला गंगाधर तिलक ए.
19		आराधना सुमन

प्लेसमेंट

अंतिम प्लेसमेंट

एमबीए फाइनल प्लेसमेंट

कुल छात्र
181

कुल कंपनियों का दौरा
94

नई कंपनियों का दौरा
71

औसत सीटीसी
रू. 15.11 लाख प्रति वर्ष

मध्यम (मेडियन) सीटीसी
रू. 14.82 लाख प्रति वर्ष

उच्चतम सीटीसी इंटरनेशनल
रू. 59.36 लाख प्रति वर्ष

उच्चतम सीटीसी घरेलू
रू. 22.37 लाख प्रति वर्ष

एमबीए प्लेसमेंट क्षेत्र वार (डोमेन वाईज) स्प्लिट

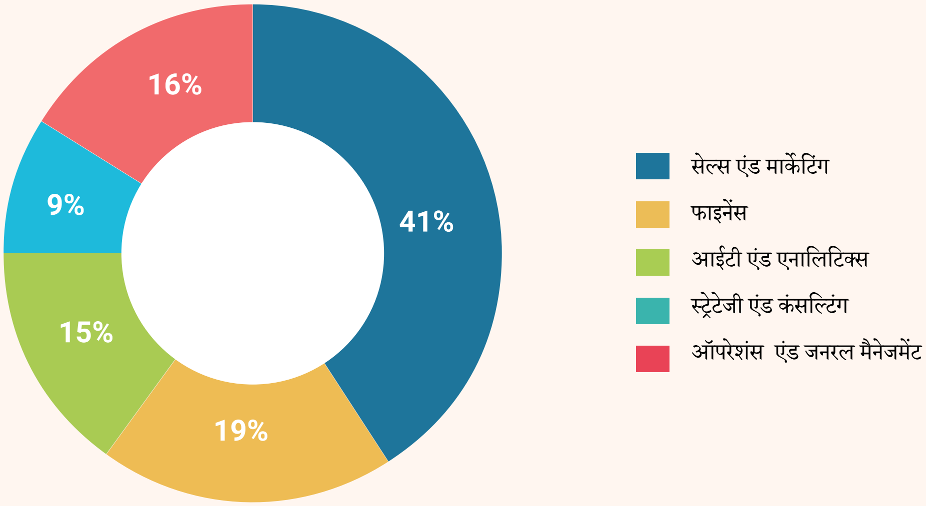

एमबीए फाइनल प्लेसमेंट क्षेत्र वार (डोमेन वाईज) हाइलाइट्स:

स्ट्रेटेजी एंड कंसल्टिंग	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
आईटी कंसल्टिंग	एसेंशर
बिज़नस स्ट्रेटेजिस्ट	कोग्नीजेंट
अकाउंट मैनेजमेंट	डेलॉयट
स्ट्रेटेजिक एडवाइजरी आदि	एर्नस्ट एंड यंग
Management Consulting etc.	आरपीजी ग्रुप आदि

फाइनेंस	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
एसेट मैनेजमेंट	आईसीआईसीआई बैंक
वेल्थ मैनेजमेंट	जेपीएमसी
इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट	मुथूत फिन्कोर्प
कॉर्पोरेट बैंकिंग	एचएसबीसी
रिटेल बैंकिंग आदि	यस बैंक आदि

सेल्स एंड मार्केटिंग	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
कैंपेन मैनेजर	बर्जर पेंट्स
टेरिटरी सेल्स मैनेजर	इमामी
एजाइल सेल्स	एचपी
ब्रांड मैनेजर	मारुती सुजुकी
बी 2 बी सेल्स	एशियन पेंट्स
बी 2 सी सेल्स आदि	गोदरेज आदि

ऑपरेशंस एंड जनरल मैनेजमेंट	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
सप्लाई चैन मैनेजमेंट	अमेजन
प्रोजेक्ट मैनेजमेंट	कमिन्स
सोर्सिंग और प्रोक्योरमेंट	एल एंड टी
ऑपरेशंस मैनेजमेंट आदि	रिलायंस
	टाटा स्टील
	एसीसी सीमेंट आदि

आईटी एंड एनालिटिक्स	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
प्रोडक्ट मैनेजमेंट	ट्रीडेंस
बिज़नस एनालिस्ट	कैपजेमिनी
एप्लीकेशन मेनेजर	आईबीएम
डिजिटल कंसलटेंट	इंफोसिस
प्रोजेक्ट मैनेजमेंट आदि	वैल्यू लैब आदि

एमबीए – एचआरएम अंतिम प्लेसमेंट

कुल छात्र	67
कुल कंपनियों का दौरा	42
नई कंपनियों का दौरा	21
उच्चतम सीटीसी	रू. 26.50 लाख प्रति वर्ष
औसत सीटीसी	रू. 14.55 लाख प्रति वर्ष
औसत सीटीसी	रू. 13.85 लाख प्रति वर्ष

एमबीए – एचआरएम के लिए पेशकश की गई शीर्ष प्रोफ़ाइल	
कंपनसेंशन एंड बेनेफिट्स	एचआर ऑपरेशंस
एचआर एनालिटिक्स	इंडस्ट्रियल रिलेशंस
एचआर बिज़नस पार्टनर	लर्निंग एंड डेवलपमेंट
एचआर कंसलटेंट	परफॉरमेंस मैनेजमेंट

एमबीए और एमबीए – एचआरएम बैचों की अंतिम प्लेसमेंट के लिए प्रमुख नियोक्ता

4TIGO	DS GROUP	INDIGO	SAMSUNG	ACC	EY
Infosys	SATIN	accenture	Edoofa	I-PAC	SONATA SOFTWARE
ADITYA BIRLA CAPITAL	emami	IRIS	TATA METALIKS	Aakash	JPMorganChase
TATA POWER	amazon	Exicom	Kotak Mahindra Bank	TATA STEEL	Amrop
FABRIC MONDE	LARSEN & TOUBRO	Tech Mahindra	ANANDRATHI	finlabs	LETS TRANSPORT
techolution	asianpaints	Flipkart	Mahindra	Theoriat Services	Avsar
freyr	Maverick Consulting	THOMSON REUTERS	Berger	GAIL	monocept
TITAN	birlasoft	GMR	MSIL	Tolaram Group	BYJU'S
HCL	Solutions	Tredence	CK BIRLA GROUP	Hero	OXANE PARTNERS
TVS	CADILA PHARMACEUTICALS LIMITED	Hexaware Technologies	OYO	Ultramarine & Pigments Ltd.	Capgemini
hp	paisabazaar.com	UltraTech Cement	caspian	HSBC	PRAKASH
ValueLabs	Cinépolis	HungerBox	QUESS	vedanta	cleartax
IBM	Quick Ride	VERSA NETWORKS		Cognizant	Icertis
RAAMGROUP	vikramsolar	ICICI Bank	REPOS	virchow	darwinbox
ICICI Lombard	RITES	DCM SHRIRAM	ICICI PRUDENTIAL	RPG	VYAPT
	Deloitte.	IndiaFirst Life Insurance	SALTO DEE FE	Workex	

*सूची संपूर्ण नहीं है

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट

एमबीए

उच्चतम स्टाइपेंड ₹ 3,36,600	औसत स्टाइपेंड ₹ 95,696
मध्यम (मेडियन) स्टाइपेंड ₹ 75,000	नई कंपनियाँ 52

एमबीए एचआर

उच्चतम स्टाइपेंड स्टाइपेंड ₹ 2,87,000	औसत स्टाइपेंड ₹ 1,00,171
मध्यम (मेडियन) स्टाइपेंड ₹ 80,000	नई कंपनियाँ 16

एमबीए एचआर उद्योग-वार विवरण

Industry	Share
Logistics & Supply Chain	3%
E-Commerce	11%
IT	21%
FMCD/FMCG	3%
Manufacturing	21%
Pharma & Healthcare	8%
Consulting	16%
Oil & Gas	3%
BFSI	11%
Media & Entertainment	3%

एमबीए एचआर उद्योग-वार विवरण

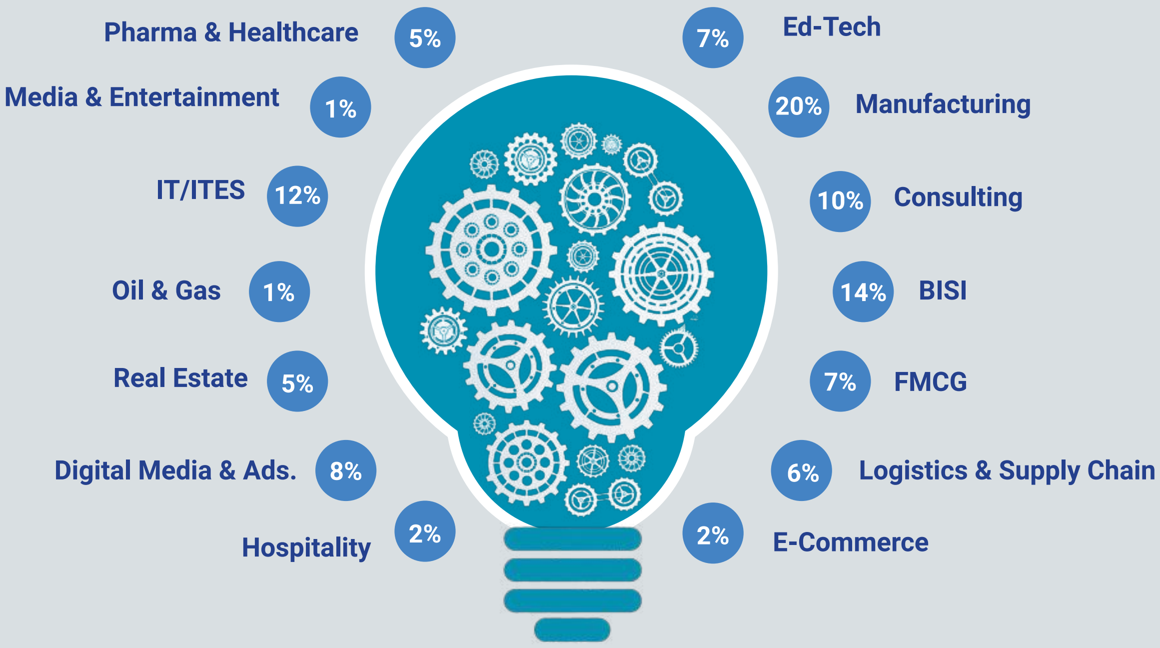

एमबीए एचआर ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट हाइलाइट्स

शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	प्रमुख नियोक्ता
ह्यूमन रिसोर्स जनरलिस्ट, इंडस्ट्रियल रिलेशंस लर्निंग एंड डेवलपमेंट, कॉर्पोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी, चेंज मैनेजमेंट, एचआर एनलिटिक्स, टैलेंट एक्वीजीशन आदि	आदित्य बिड़ला कैपिटल, अद्वैया सॉल्यूशंस, एसेंट वेलनेस, कैपजेमिनी, कॉग्निजेंट, कूपर सर्जिकल, डसॉल्ट सिस्टम्स, डीई शॉ, डेलोइट, ई एंड वाई, इमामी एग्रोटेक, फ्लिपकार्ट, फुजित्सु कंसल्टिंग इंडिया, गिगइंडिया, गूगल, ग्रामोफोन, गुरु और जाना, हिकाल, हायर टेल, आईसीआईसीआई बैंक, झारखंड फॉरेस्ट रिजर्व, कोचर टेक, एल एंड टी, लिशियस, एमएसआईएल, लाक्ष एचआर, मुथूट फिनकॉर्प, सैमसंग आर एंड डी बैंगलोर, सिटी नेटवर्क्स, एसएस सप्लाई चैन , टाटा स्टील, द मार्चिंग शीप, थियोरिएट, अल्ट्रा टेक, वेदांता ग्रुप , वोल्वो, वेलस्पन ग्रुप, विप्रो सीएफएल एंड कई अन्य

एमबीए ग्रीष्मकालीन (समर) प्लेसमेंट हाइलाइट्स

सेल्स एंड मार्केटिंग	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
डिजिटल एंड सोशल मीडिया मार्केटिंग, बिज़नस डेवलपमेंट, मार्केट रिसर्च एंड इंटेलिजेंस, प्रोडक्ट मार्केटिंग आदि।	एग्रो टेक, एशियन पेंट्स, बॉश, इमामी, गोदरेज, हिकाल, एचपी, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, मारुति, मीरो, निंजाकार्ट, टाटा स्टील, टाइटन, वेदांता, अरविंद लिमिटेड, डीसीएम श्रीराम और अन्य कई
उच्चतम स्टाइपेंड : रू. 3, 36, 600	**औसत स्टाइपेंड : रू. 95,520**

स्ट्रेटेजी एंड कंसल्टिंग	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
स्ट्रेटेजी एंड कंसल्टिंग, बिज़नस डेवलपमेंट, कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजी एंड प्लानिंग, टेक स्ट्रेटेजी एंड एनालीटिक्स आदि।	ईवाई, माइक्रोलैंड, पीडब्ल्यूसी, सैमसंग आर एंड डी, यस बैंक, मीडिया.नेट और अन्य कई
उच्चतम स्टाइपेंड : रू. 2,35,000	**औसत स्टाइपेंड : रू. 76,900**

फाइनेंस	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
रिस्क एनालीटिक्स, लाइबिलिटी मैनेजमेंट, इन्वेस्टमेंट रिसर्च, कॉर्पोरेट फाइनेंस, इक्विटी रिसर्च आदि।	आदित्य बिड़ला कैपिटल, एचएसबीसी, आईसीआईसीआई बैंक, जेपी मॉर्गन चेस, यस बैंक, कैपजेमिनी, ट्रेसविस्टा, बजाज फिनसर्व, मुथूट और अन्य कई
उच्चतम स्टाइपेंड : रू. 2,13,300	**औसत स्टाइपेंड : रू. 97,771**

ऑपरेशंस एंड जनरल मैनेजमेंट	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
ऑपरेशंस एनालीटिक्स, स्ट्रेटेजिक सौर्सिंग, सप्लाई चैन एंड प्रोक्योरमेंट, ऑपरेशंस एनालीटिक्स आदि।	अदानी, केपजेमिनी, गोदरेज, हिकाल, कमिंस, वेदांता,सदरलैंड, ग्लोबल सर्विसेज, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और अन्य कई
उच्चतम स्टाइपेंड : रू. 3,36,600	**औसत स्टाइपेंड : रू. 82,789**

आईटी एंड एनालीटिक्स	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, बिज़नस इंटेलिजेंस , डेटा एनालिस्ट, बिज़नस एनालिस्ट, प्रोडक्ट एनालिस्ट आदि।	ट्रीडेंस, एसीजी वर्ल्डवाइड, अमेरिका साइबर सिस्टम, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, ट्रेड इंडिया और अन्य कई
उच्चतम स्टाइपेंड : रू. 1,94,000	**औसत स्टाइपेंड : रू. 1,27,188**

कॉँलोक्वियम विवरणी

अतिथि का नाम	संगठन का नाम	पदनाम
सुश्री मोना नांदेड़कर	ऑलस्टेट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी
श्री सिद्धार्थ रस्तोगी	एंबिट कैपिटल	एमडी-एसेट मैनेजमेंट
श्री मनमोहन भूटानी	अमेरिकी साइबर सिस्टम	मुख्य परिचालन अधिकारी
श्री श्रीहर्ष आचार	अपोलो अस्पताल	सीएचआरओ समूह
श्री विश्वनाथ राजू	एक्सिसकेड्स	ग्लोबल हेड ऑफ टैलेंट एक्विजिशन
श्री अनुषराय जालान	बिगिन डिजिटल सॉल्यूशंस	एमडी
श्री अनुश्राय जालान सुश्री नीलंगना वासुदेव	बिगिन डिजिटल सॉल्यूशंस	मैनेजिंग पार्टनर
श्री राजीव डालमिया	कैप्को	पार्टनर
श्री आशु मल्होत्रा	कारगिल	एचआर मार्केट लीड
श्री सुदीप्तो मंडल	कार्ल जीस	ग्रुप एचआर हेड (सीएचआरओ)
श्री नीरज कुमार	कंडुएंट	एपीएसी एचआर हेड
श्री दीपक गोयल	डिजिटली नेक्स्ट	सीईओ
सुश्री दीप्ति तिवारी	डीनाटा	नेशनल हेड एचआर
श्री मोहित मंगला	डूम टेक्नोलॉजी	चीफ ऑफ स्टाफ
श्री बिपुल चंद्र	डुकाटी इंडिया	डायरेक्टर सेल्स
श्री राहुल कुमार	एंडगेट कंसल्टिंग और फूडक्लॉक	संस्थापक और सीईओ
श्री बालाजी रंगनाथन	फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स	वाइस प्रेसिडेंट- कॉर्पोरेट ऑडिट
श्री सुदीप्तो रॉय	फिनलैब्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	संस्थापक
श्री सतीश बेट्टाडापुर	फ्रैंकलिन टेम्पलटन इन्वेस्टमेंट्स	वाइस प्रेसिडेंट- ट्रांसफर एजेंसी
श्री सुमित सभरवाल	फुजित्सु कंसल्टिंग इंडिया	हेड ऑफ एचआर
श्री सुबीर मित्रा	गेल	कार्यकारी निदेशक
श्री ध्रुव चोपड़ा	जेनपैक्ट एंटरप्राइज रिस्क कंसल्टिंग	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजर
श्री ध्रुव चोपड़ा	जेनपैक्ट एंटरप्राइज रिस्क कंसल्टिंग	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजर
सुश्री अनु प्रिय विज	जेनपैक्ट एंटरप्राइज रिस्क कंसल्टिंग	डायरेक्टर
श्री संजय शॉ	गिवौदन	ह्यूमन रिसोर्स डायरेक्टर
श्री अंकुश अरोड़ा	ग्रोफर्स	हेड एचआर
श्री अंकुश अरोड़ा	ग्रोफर्स	हेड एचआर
सुश्री अंजलि सचदेवा	ग्रुप एसईबी	असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट-एचआर एंड एडमिनिस्ट्रेशन
श्री प्रशांत गोविंदन	हरमन इंडिया	सीनियर डायरेक्टर

अतिथि का नाम	संगठन का नाम	पदनाम
श्री मनोज जिंदल	हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड समूह	वाईस प्रेसिडेंट
श्री अंकुर मस्कारा	एचएसबीसी	एवीपी
श्री श्रीजीत रॉय श्री अनिंद्य घोष	आईबीएम कंसल्टिंग	ग्लोबल हेड, कॉग्निटिव डिवीजन
श्री हेमंत जालान	इंडिगो पेंट्स प्राइवेट लिमिटेड	मैनेजिंग डायरेक्टर
श्री एस देबनाथ	आईओसीएल	डिप्टी जनरल मैनेजर (रिटेल सेल्स)
श्री शंख शुभ्रा मिश्रा	आईटीसी लिमिटेड	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजर
श्री राजीव सिंह	कार्वी फिनटेक	मुख्य परिचालन अधिकारी
श्री नवनीत सुलाखे	लैंडमार्क ग्रुप	हेड टैलेंट मैनेजमेंट
श्री गुरप्रीत सिंह	लर्न4एग्जाम न्यू क्लास रूम 2-6	सीईओ
श्री आत्रेय रॉय	लर्न4एग्जाम न्यू क्लास रूम 2-6	हेड एचआर
श्री अरुण राव	मैजेंटा पावर और ईवी सॉल्यूशंस पावर लिमिटेड	मार्केटिंग निदेशक
श्री अभिषेक श्रीवास्तव	एमबीएट्रेक प्राइवेट लिमिटेड	सीईओ
श्रीमती विप्र बब्बर	मीरो	एचआर
श्री गौरव गुप्ता	एमजी मोटर इंडिया प्रा. लिमिटेड	सीनियर वाईस प्रेसिडेंट
सुश्री देबजानी रॉय	माइंड योर फ्लीट	सीएचआरओ
श्री जितेंद्र अरोड़ा	माइंड योर फ्लीट	को-फाउंडर
सुश्री मिशेल सुरदकर	मुलेन लोव लिंटास समूह	समूह मुख्य मानव संसाधन अधिकारी
श्री वासुदेवन चिन्नाथंबी	निंजाकार्ट	सह-संस्थापक
श्री रोमिल रवि	नीति आयोग	सलाहकार
श्री विकास दुबे	परसिस्टेंट सिस्टम्स	हेड एचआर
श्री सुब्रतो बाउल	फिलिप्स हेल्थकेयर	हेड एचआर
श्री संतोष देशमुख	पियाजियो व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड	हेड - मार्केटिंग
श्री पंकज दुबे	पोलारिस इंडस्ट्रीज	मैनेजिंग डायरेक्टर
श्री सुजई सेन	प्राइस वाटर हाउस कूपर्स	डायरेक्टर
श्री राकेश कुमार मेहता	एस एंड पी वैश्विक	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजर
श्री रवि गुप्ता	सफेक्स पे	मुख्य कार्यकारी अधिकारी
श्री शैलेश विलांकर	शिंडलर	सीनियर वी.पी.
श्री सुशील त्रिपाठी	सियाराम सिल्क मिल्स लिमिटेड	हेड-एचआर
श्री नीतीश शर्मा	सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया	हेड – प्रोग्रामिंग स्ट्रेटेजी एंड इनसाइट्स
श्रीमती इंद्राणी नंदीदेब	स्टेल्मेक	सीनियर डीजीएम
श्री सेंथिल कुमार आर	टाटा कम्युनिकेशंस	वीपी
श्री मनीष झा	टाटा कमिंस	प्लांट हेड
मिस सोनिका आरोन	द मार्चिंग शीप	मैनेजिंग पार्टनर
श्री बद्रीश प्रकाश	टाइगर एनालिटिक्स	वीपी
श्री रतुल घोष	उबेर	प्रमुख, पूर्वी भारत
सुश्री गायत्री श्रीराम	यूसीएएल ऑटो प्रा. लिमिटेड	प्रबंध निदेशक
श्री विक्रांत शिंदे श्री बिंदिया देवड़ा	यूनिलीवर	कस्टमर क्लस्टर मैनेजर , एरिया सेल्स मैनेजर
श्री हरविंदर सिंह	यूनाइटेड एयरलाइंस	कंट्री मैनेजर
श्री जॉन मैथ्यू	सेबेस्टियन वी गार्ड	हेड- टैलेंट एक्विजिशन
नीतू मैरी सनी	वी गार्ड	टैलेंट एक्विजिशन
श्री अमित शर्मा	वोल्वो समूह	वाईस प्रेसिडेंट एंड हेड ऑफ़ एचआर
श्री मेहुल दमानी	विप्रो डिजिटल	बिजनेस हेड
श्री मनन मेहता	यश राज फिल्म्स	वीपी
श्री शशि पर्वत	ज़ुपी	सीईओ

स्थापना दिवस

प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थानों के परिवार के नौवें सदस्य भारतीय प्रबंध संस्थान की स्थापना 15 दिसंबर, 2009 को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में झारखंड सरकार के व्यापक सहयोग से की गई थी। आईआईएम अधिनियम 2017 के लागु होने पर संस्थान को 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' का दर्जा दिया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने 15 दिसंबर 2019 को डॉ. रामदयाल मुंडा कलाभवन सभागार, खेलगांव, होटवार में 11 वां स्थापना दिवस मनाया। सभी संकाय, कर्मचारियों और छात्र बिरादरी ने अपनी उपस्थिति के माध्यम से समारोह में योगदान दिया।

समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना और गणमान्य व्यक्तियों - मुख्य अतिथि, श्री प्रवीण शंकर पंड्या, शंकर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के निदेशक और अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची; सम्मानित अतिथि, डॉ. हसीत जोशीपुरा, एसवीपी और प्रमुख- लार्सन एंड टुब्रो में इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन; एआर. संजय सिन्हा, जीसी ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन; डॉ. शैलेश अय्यंगार, पूर्व एमडी सनोफी इंडिया और प्रो. शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुई।

प्रो. शैलेंद्र सिंह ने स्वागत भाषण दिया और संस्थान के शिक्षकों और छात्रों द्वारा किए गए योगदान की सराहना की। उन्होंने भारतीय प्रबंध संस्थान रांची की दस वर्षो की यात्रा पर प्रकाश डाला। इसके बाद विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य अतिथि ने विशेष भाषण दिया। सम्मानित अतिथियों ने अपने - अपने उद्योगों के ड्राइव से सीखने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने छात्रों को कड़ी मेहनत करने और शोध करने के लिए प्रेरित किया।

प्रमुख वक्ताओं के कुछ उद्धरण:

> *"भविष्य की सभी करियर संभावनाओं में परिवर्तन की एक सीमा है और प्रत्येक के विषय क्षेत्र में विशेषज्ञता होने से अवसरों की कभी कमी नहीं होगी। एमबीए ग्रेजुएट अपरंपरागत मार्ग अपना रहे हैं और काफी अच्छा कर रहे हैं"-*
>
> श्री प्रवीण शंकर पांड्या

> *"ज्ञान दीर्घ काल तक प्रतिस्पर्धात्मक लाभ का स्रोत नहीं है। टेक इंटेलिजेंस के साथ-साथ इनोवेशन आगे का रास्ता है "-*
>
> डॉ. हसीत जोशीपुरा

> *"हमेशा असफलता के बाद उठने और चुनौतियों से पार पाने का साहस रखें। किसी की विफलता को प्रबंधित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रक्रिया में, धैर्य रखें और हर कदम पर जीवन का आनंद लें " -*
>
> डॉ. शैलेश अय्यंगारी

उत्तरार्द्ध में युवा एचिवर्स एवेर्स को कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं, शिक्षाविदों, सह-पाठ्यचर्या, और पाठ्येत्तर गतिविधियों में उनकी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। इसके बाद विशेष रुचि समूहों (एसआईजी) के सहयोग से भारतीय प्रबंध संस्थान रांची की सांस्कृतिक समिति और अन्य छात्र निकाय द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गायन में विशेष रुचि समूहों (एसआईजी) ने सुंदर भारतीय संगीत की एक सुंदर समाँ बांधा, जबकि नर्तकियों के एक विशेष रुचि समूहों (एसआईजी) के 'फ्रॉगी फीट' ने शास्त्रीय से लेकर बॉलीवुड तक कई गीतों पर प्रदर्शन किया। स्किट और स्ट्रीट परफॉर्मर्स के विशेष रुचि समूह के 'ड्रामेबाज' में 'जेंडर सेंसिटाइजेशन' विषय पर प्रदर्शन किया और भारतीय समाज में लिंग और उनकी कल्पित 'जेंडर भूमिकाओं' के प्रति सांस्कृतिक पूर्वाग्रह में निहित बातों का अनावरण किया। इस प्रदर्शन के माध्यम से भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के छात्रों ने संदेश दिया कि, वह यह है कि दुनिया बदल गई है और इसलिए लिंग भूमिकाओं के बीच विशेष अंतर नही है। हम एक ऐसे युग में रहते हैं, जहाँ एक पिता घर में रसोइया बनकर एक माँ की भूमिका कुशलतापूर्वक निभा सकता है, और एक बेटी एक बेटे के रूप में प्रकट हो सकती है और मार्शल आर्ट सीख सकती है और समाज में अपराधों से लड़ सकती है।.

आंतरिक शिकायत समिति

यौन उत्पीड़न के मामलों पर वार्षिक विवरणी

अवधि: 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020

क्र. सं.	विवरण	मंत्रालय/विभाग	स्वायत्त निकाय
1.	वर्ष में प्राप्त यौन उत्पीड़न की शिकायतों की संख्या	-	कोई नहीं
2.	वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या	-	कोई नहीं
3.	90 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों की संख्या	-	कोई नहीं
4.	वर्ष के दौरान यौन उत्पीड़न के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रमों पर आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	-	इस अवधि के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां की गई हैं। 1. जेंडर सेंसिटाइजेशन पर जून 2019 में कार्य- शाला। 2. लिंग जागरूकता विषय पर 15 अगस्त 2019 को नुक्कड़ नाटक। 3. 2 अक्टूबर 2019 को "क्या भारतीय कार्यस्थल वास्तव में LGBTQ+ तैयार है" विषय पर लेख लेखन प्रतियोगिता। 4. 15 दिसंबर, 2019 को "लैंगिक रूढ़िवादिता और पूर्वाग्रह" विषय पर स्टेज प्ले का प्रदर्शन किया गया।
5.	क्रिया की प्रकृति	-	कोई नहीं

गतिविधियाँ और कार्यक्रम

उत्कृष्टता के केंद्र: अटल बिहारी वाजपेयी फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एवं गवर्नेंस

लीडरशिप, पॉलिसी एवं गवर्नेंस के लिए अटल बिहारी वाजपेयी केंद्र (ABVCLPG) का उद्देश्य लीडरशिप, पॉलिसी एवं गवर्नेंस के क्षेत्र में बहु आयामी अनुसंधान करना है। इसकी स्थापना 20 अगस्त 2018 को हुई थी। यह एक जीवंत ज्ञान केंद्र की कल्पना है, जो लीडरशिप, पॉलिसी एवं गवर्नेंस में विद्वानों के विचारों को आगे बढ़ाता है। यह खुद को थिंक-टैंक के रूप में स्थापित करने और सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय प्रशासन को उनकी योजनाओं और नीतियों के कार्यान्वयन में पेशेवर परामर्श, सलाह और समर्थन प्रदान करने की ओर कदम रखता है। यह पॉलिसी एवं गवर्नेंस की रणनीतियों में मजबूत नींव के साथ नेतृत्व कर्त्ता , प्रशासकों और प्रबंधकों का एक पूल विकसित करने का इरादा रखता है। केंद्र ने 2019-20 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया।.

लीडरशिप, पॉलिसी एवं गवर्नेंस पर समर स्कूल

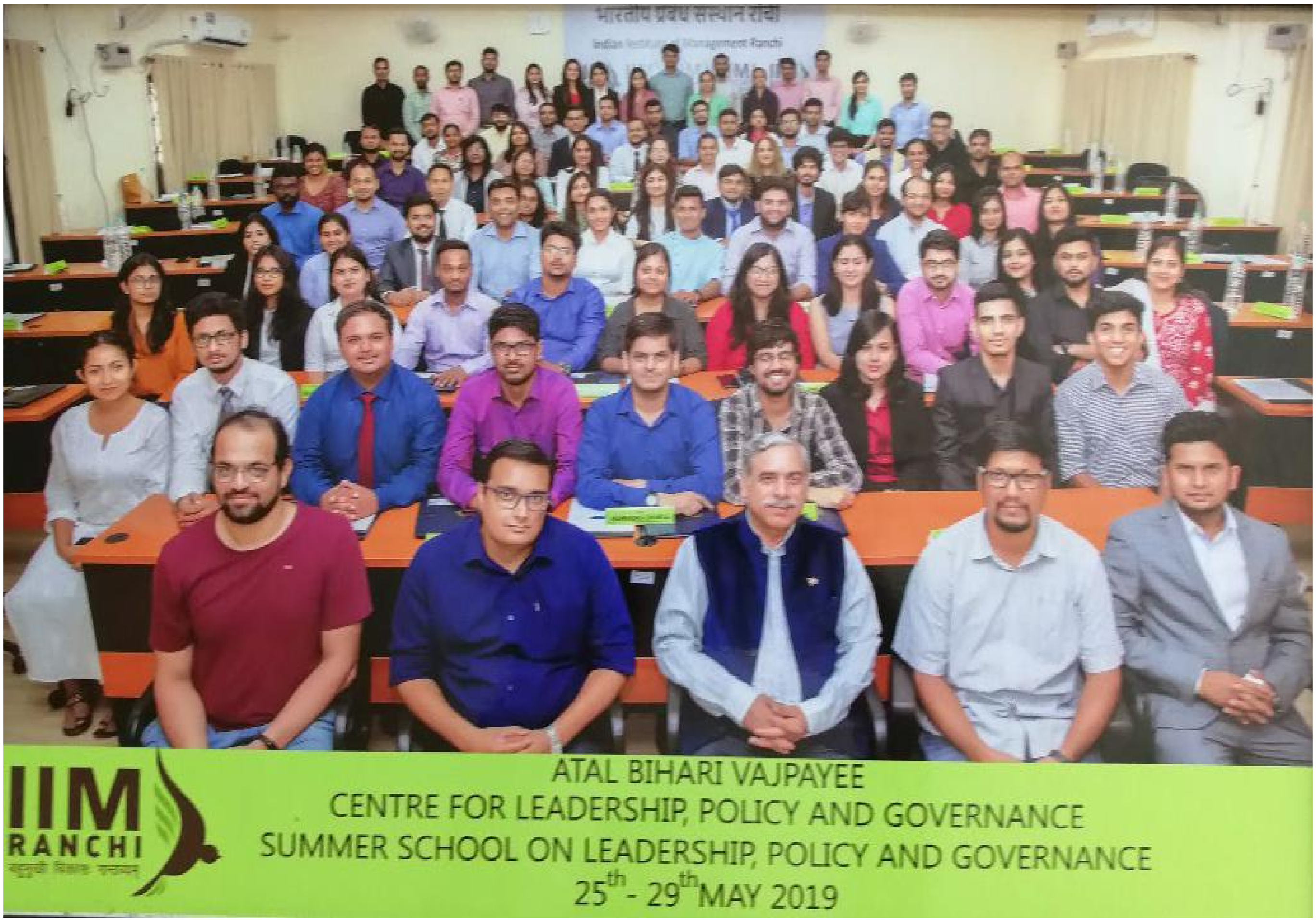

ABVCLPG ने 25 - 29 मई 2019 के दौरान समर स्कूल का आयोजन किया। यह लीडरशिप, गवर्नेंस और पब्लिक पॉलिसी विषयों के साथ एक गहन पूर्णकालिक कार्यक्रम था। कार्यक्रम के दौरान सभी 3 विषयों पर व्याख्यान, प्रस्तुतियाँ और संभाषण शामिल थे। प्रतिभागियों को 3 शोध समूहों में विभाजित किया गया था। उन्हें कार्यक्रम के विषयों और उनकी प्राथमिकताओं के अनुसार शोध विषय आवंटित किए गए थे। समर स्कूल के दौरान मेंटर्स ने उनका मार्गदर्शन किया और आवंटित विषयों पर शोध करने में उनकी मदद की।.

भगवद गीता के प्रबंधन पाठ पर व्याख्यान

ABVCLPG ने 26 अगस्त, 2019 को "भगवद गीता के प्रबंधन पाठ" पर एक वार्ता का आयोजन किया। अतिथि वक्ता डॉ. मनोज कुमार मिश्रा (पूर्व कुलपति, बिड़ला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा, रांची, पूर्व कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय, पूर्व संस्थान अध्यक्ष) रसायन विज्ञान के प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे) ने भगवद गीता के प्रबंधन पाठों पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

डॉ. मिश्रा ने उल्लेख किया कि भगवद गीता का दर्शन न केवल एक आध्यात्मिक परिप्रेक्ष्य है, बल्कि प्रबंधकीय प्रभावशीलता के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन भी है। उन्होंने भविष्य के प्रबंधकों को बाहर प्रभावी बनाने के लिए अंदर काम करने के लिए कहा और प्रबंधन प्रथाओं पर एक नैतिक दृष्टिकोण के साथ गीता के दर्शन को भी जोड़ा।

पॉलिसी, लीडरशिप और गवर्नेंस पर गोलमेज सम्मेलन - लोक प्रशासन: प्रभावशीलता और चुनौतियां

ABVCLPG ने 2 दिसंबर, 2019 को एक इंटरैक्टिव पैनल चर्चा का आयोजन किया। डॉ. नितिन कुलकर्णी (आईएएस), स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा विभाग, झारखंड सरकार, सुश्री आराधना पटनायक (आईएएस), पेयजल और स्वच्छता विभाग, सरकार झारखंड और श्री अमिताभ कौशल (आईएएस), महिला, बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड सरकार चर्चा के लिए विशिष्ट पैनलिस्ट थे।

पैनलिस्टों ने पैमाने राजकोषीय तनाव और गुणवत्ता की धारणा के आलोक में नीतियां बनाते समय सरकार के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आदर्श निर्णय लेने में बाधा डालने वाले ग्रे क्षेत्रों पर भी अपने विचार रखे और बताया कि राष्ट्रीय नीति निर्माण के मामले में 'एक आकार सभी के लिए उपयुक्त' की अवधारणा आवश्यक रूप से लागू नहीं होती है, क्योंकि देश में लोगों की संस्कृति, अपेक्षाओं और जरूरतों में व्यापक अंतर है। सत्र का समापन प्रश्नोत्तर दौर के साथ हुआ, जहां पैनलिस्टों ने दर्शकों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए।

गवर्नेंस मुल्यांकन पर सत्र- डिकंस्ट्रक्टिंग गवर्नेंस: ए यूनिक 11 पैरामीटर्स फ्रेमवर्क फॉर इवैल्यूएटिंग गवर्नेंस इन इंडिया

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची को 10 जनवरी, 2020 को एक सत्र "डिकंस्ट्रक्टिंग गवर्नेंस: ए यूनिक 11 पैरामीटर्स फ्रेमवर्क फॉर इवैल्यूएटिंग गवर्नेंस इन इंडिया" के लिए विजन इंडिया फाउंडेशन के निदेशक श्री कुमार सुभम की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला। पब्लिक पॉलिसी और गवर्नेंस श्रृंखला का एक हिस्सा होने के नाते यह सत्र छात्रों को गुड गवर्नेंस से संबंधित विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए गुड गवर्नेंस के प्रमुख नियमों को समझाते हुए कैसे सार्वजनिक संस्थान सार्वजनिक मामलों का संचालन करते हैं और सार्वजनिक संसाधनों का प्रबंधन करते हैं।

भारतीय संदर्भ में लीडरशिप और गुड गवर्नेंस पर व्याख्यान

ABVCLPG ने 16 फरवरी, 2020 को भारतीय संदर्भ में लीडरशिप और गुड गवर्नेंस विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। छात्रों के साथ बातचीत करते हुए श्री एम. वेंकैया नायडू, भारत के माननीय उपराष्ट्रपति ने कहा कि सच्चे नेतृत्व की विशेषता 4 सी होती है - चरित्र, क्षमता, योग्यता और आचरण". उन्होंने कहा कि लीडर्स का मतलब राजनीतिज्ञ नहीं होता... लीडर्स का मतलब ऐसा व्यक्ति होता है, जिसके पास चरित्र, क्षमता, योग्यता और आचरण होता है, लीडर्स वह होता है, जो देश के सामने के विषयों और देश के सामने के विभिन्न पहलुओं के बारे में एवं मुद्दों को समझता है और जिनके पास समुदाय में समृद्धि लाने के लिए गतिशीलता और स्थिरता" लाने की क्षमता है।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने श्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में एक नीति और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान रांची की सराहना की और कहा कि श्री वाजपेयी सार्वजनिक जीवन में उन सभी के लिए एक आदर्श थे। श्री वाजपेयी को एक सच्चा राजनेता बताते हुए श्री नायडू ने कहा कि दिवंगत प्रधानमंत्री ने सफलतापूर्वक बहुदलीय संयुक्त सरकार चलाईं, सुधारों की गति को तेज किया और कुशल और प्रभावी गवर्नेंस प्रदान किया। उन्होंने कहा कि "अटल जी एक महान लोकतांत्रिक, उत्कृष्ट सांसद और महान कवि थे "।

समावेशी विकास का आह्वान करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि विकास हर व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। तभी इसका अर्थ होता है। उन्होंने कहा कि "प्रत्येक नागरिक को यह महसूस करना चाहिए कि वह राष्ट्र की विकास यात्रा में एक हितधारक है"।

श्री नायडू ने कहा कि भ्रष्टाचार असमानताओं को गहरा करता है, गरीबी को बढ़ाता है और राष्ट्र की विकास संभावनाओं पर बाधा डालता है। उन्होंने छात्रों को नवप्रवर्तन और कल के उद्यमी बनने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, मुद्रा योजना आदि जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से एक बहुत ही सहायक स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है, उन्होंने युवाओं को इसका पूरा लाभ उठाने के लिए कहा। श्री नायडु ने कहा कि नीतिगत मंशा और नीति कार्यान्वयन के बीच कोई अंतर नहीं होना चाहिए। गुड गवर्नेंस के उद्देश्य पर बताते हुए कहा कि विकास और शासन का लाभ हर वर्ग तक पहुंचे, विशेष रूप से सामाजिक सिढ़ी के उन लोगों तक जो आर्थिक और सबसे निचले पायदान पर हैं।

उत्कृष्टता के केंद्र: जनजातीय मामलों के लिए बिरसा मुंडा केंद्र

आदिवासी मामलों के लिए बिरसा मुंडा केंद्र की स्थापना 2019-2020 में की गई थी। इस वर्ष के दौरान केंद्र ने दो परियोजनाएं शुरू की हैं :

कंसल्टिंग प्रोजेक्ट प्रायोजित झारखंड जनजातीय अधिकारिता और आजीविका परियोजना (जेटीईएलपी) के द्वारा

परियोजना का शीर्षक : डेवलपिंग परफॉरमेंस इवैल्यूएशन एंड परफॉरमेंस मैनेजमेंट सिस्टम

प्रोजेक्ट टीम : प्रो. शैलेंद्र सिंह, प्रो. रेखा सिंघल, प्रो. असित महापात्र एवं

प्रो गौरव एम. मराठे।

अवधि : अगस्त 2019 - जनवरी 2020

झारखंड ट्राइबल डेवलपमेंट सोसाइटी (JTDS) द्वारा तीन डिवीजनों, रांची, कोल्हान एवं संथाल / परगना के 14 जिलों में कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष (IFAD) द्वारा वित्त पोषित JTELP परियोजना को कार्यान्वित किया जा रहा है। इस परियोजना का लक्ष्य 1,36,000 घरों और 1000 गांवों के लक्ष्य के मुकाबले 14 टीएसपी जिलों के अंतर्गत आने वाले 30 ब्लॉकों के 1,259 गांवों में लगभग 1, 53,090 घरों को कवर करना है। JTELP का उद्देश्य समुदाय आधारित संस्थानों को बढ़ावा देना है, ताकि ग्रामीण समुदायों, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाया जा सके, स्थायी प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली शुरू की जा सके और बेहतर कृषि पद्धतियों और सिद्ध उत्पादन तकनीकों को शुरू करके खाद्य सुरक्षा और नकद आय में वृद्धि की जा सके। परियोजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए, 14 जिला परियोजना प्रबंधन इकाई (डीपीएमयू), जहां परियोजना लागू की जा रही है और रांची में राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई (एसपीएमयू) की स्थापना की गई है। कर्मचारियों की प्रेरणा और परियोजना के प्रदर्शन को निर्धारित करने में पीए प्रणाली के महत्व और दूरगामी प्रभावों को स्वीकार करते हुए, असाइनमेंट का उद्देश्य जेटीईएलपी कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन मूल्यांकन तंत्र का मूल्यांकन और विकास करना है। कर्मचारियों के प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए एक बहु - विधि दृष्टिकोण का उपयोग किया गया। परियोजना के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इन जिलों में आदिवासियों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आजीविका वृद्धि के माध्यम से प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई।.

अनुसंधान परियोजना जनजातीय अनुसंधान संस्थान, रांची द्वारा प्रायोजित

परियोजना का शीर्षक : झारखंड में गैर-जनजाति पुरुषों की दूसरी पत्नी के रूप में आदिवासी महिलाओं की सामाजिक – सांस्कृतिक – वित्तीय - मनोवैज्ञानिक स्थिति की खोज, पहचान और विश्लेषण।

प्रोजेक्ट टीम : प्रो. रेखा सिंघल और प्रो. गौरव मराठे

परियोजना की अवधि : अक्टूबर 2019 से मार्च 2021

झारखंड में हजारों आदिवासी महिलाएं और लड़कियां मुख्य रूप से रोजगार की तलाश में आदिवासी क्षेत्रों के अपने भीतरी इलाकों से झारखंड के शहरी केंद्रों की ओर रुख करती हैं। जिन शहरों में वे प्रवास करती हैं, वहां उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, वे शहरों में गैर-आदिवासियों द्वारा बहुपक्षीय शोषण का सामना करती हैं। आमतौर पर महिलाओं को शहरों में रहने वाले गैर-आदिवासी से दूसरी पत्नी के रूप में शादी करने के लिए मजबूर किया जाता है। वर्तमान अध्ययन शहरों में रहने वाली इन आदिवासी महिलाओं की सामाजिक – आर्थिक - सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक स्थितियों की जांच करेगा। इसमें यह भी अध्ययन किया जाएगा कि ये आदिवासी महिलाएं खुद का विश्लेषण कैसे करती हैं और अपनी पहचान के साथ कैसा महसूस करती हैं। यह अध्ययन क्षेत्र चार जिलों को कवर करेगा। इस अध्ययन के तहत कवर किए जाने वाले 4 जिलों के कुल आबादी में एसटी का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत है, लोहरदगा (58.85%), गुमला (68.94%), साहेबगंज (26.80%) और दुमका (43.22%) जिलों के संबंध में आदिवासी आबादी 42.10 से 45.54 प्रतिशत है।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में यूएनजीसी - पीआरएमई

द प्रिंसिपल्स फॉर रिस्पॉन्सिबल मैनेजमेंट एजुकेशन (PRME) एक संयुक्त राष्ट्र समर्थित पहल है, जिसे 2007 में दुनिया भर के बी - स्कूलों में प्रोफाइल की स्थिरता को बढ़ाने, और आज के व्यावसायिक छात्रों को आगामी परिवर्त्तन की समझ और क्षमता से लैस करने के लिए एक मंच के रूप में गठित किया गया है। यह संयुक्त राष्ट्र और बी-स्कूलों के बीच सबसे बड़ा संगठित संबंध है। भारतीय प्रबंध संस्थान रांची 2017 में पीआरएमई पहल का हस्ताक्षरकर्ता बना, जिससे यह इसका पहला आईआईएम हस्ताक्षरकर्ता बन गया।

छह सिद्धांतों (उद्देश्य, मूल्य, पद्धति, अनुसंधान, साझेदारी और संवाद) के माध्यम से काम करते हुए, पीआरएमई व्यापार एवं प्रबंधन स्कूलों को यह सुनिश्चित करने के लिए संलग्न करता है कि वे भविष्य के नेताओं को आर्थिक और स्थिर लक्ष्यों को संतुलित करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करेंगे, जबकि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और शैक्षणिक संस्थानों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, यूएन ग्लोबल कॉम्पेक्ट के काम के साथ जोड़ेंगे।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची पीआरएमई के विजन को प्राप्त करने की दिशा में अथक प्रयास कर रहा है, जो " प्रबंधन शिक्षा के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने का जिम्मेदार" है। 2019 - 20 में, यूएनजीसी - पीआरएमई, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने भविष्य के नेताओं के बीच स्थिरता के मूल्यों को शामिल करने के लिए पीआरएमई के उपरोक्त छह सिद्धांतों के अनुरूप अनेकों पहल की हैं।

वर्ष 2019-20 के दौरान यूएनजीसी - पीआरएमई के तहत कुछ प्रमुख पहलें हैं :

वृक्षारोपण - स्वतंत्रता दिवस

सिद्धांत संरेखण: विधि

15 अगस्त 2019 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यूएनजीसी - पीआरएमई के नव चयनित कनिष्ठ सदस्यों ने प्रो. शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची, संस्थान के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के साथ भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के नए परिसर में पौधे लगाए। कॉलेज परिसर में स्थिरता के लिए एक आदर्श शुरुआत के रूप में वृक्षारोपण उनकी पहली गतिविधि के रूप में शामिल करने का कार्य रहा।

एसडीजी #13 (जलवायु कार्रवाई) द्वारा सतत विकास लक्ष्य को संबोधित करने के इरादे से किया गया था।

शून्य काल (जीरो आवर)

सिद्धांत संरेखण: उद्देश्य और मूल्य

यूएनजीसी - पीआरएमई भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने 07 सितंबर, 2019 को "जीरो आवर" - ऊर्जा खपत के लिए जिम्मेदार पर एक पहल का आयोजन किया। इसका उद्देश्य ऊर्जा संरक्षण और जिम्मेदार उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाना था। सतत विकास के लक्ष्यों को एसडीजी #12 (जिम्मेदार खपत) और एसडीजी #13 (जलवायु कार्रवाई) द्वारा संबोधित किया गया।

छात्रों से अनुरोध किया गया कि वे अपने कमरों में बिजली के उपकरणों को बंद कर दें। इसके अलावा अंधेरे पृष्ठभूमि में न्यूनतम रोशनी का उपयोग करके "ऊर्जा बचाओ" ध्येय वाक्य बनाए गए थे। इससे जिम्मेदारी की भावना पैदा हुई और छात्रों को एहसास हुआ कि टिकाऊ भविष्य के लिए बिजली की खपत एक आवश्यक कदम है।

परिवृद्धि

सिद्धांत संरेखण: साझेदारी और संवाद

परिवृद्धि भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पेक्ट - प्रिंसिपल्स फॉर रिस्पॉन्सिबल मैनेजमेंट एजुकेशन स्टीयरिंग कमेटी का प्रमुख कार्यक्रम है।

इस वर्ष, "परिवृद्धि 2.0 - स्थिरता पर स्पॉट केस प्रतियोगिता" का आयोजन दीक्षा, एनजीओ और ग्राम एसोसिएशन - भूजल और वनीकरण अनुकूली प्रबंधन के सहयोग से किया गया।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य भविष्य के प्रबंधकों को समाज में मौजूद वास्तविक जीवन की चुनौतियों को समझने का अवसर प्रदान करना और अभिनव और टिकाऊ समाधान प्रदान करना है, जो जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के लिए व्यवहार्य हैं। प्रतियोगिता के दो दौर थे। राउंड 1 में एक "क्विज़" था, जिसके प्रश्न, 17 एसडीजी से संबंधित थे। शीर्ष 10 टीमें राउंड 2 में गईं, जिसमें उन्हें एक केस स्टडी को हल करना था। केस स्टडी के लिए, "रसबेड़ा" नामक गाँव के निवासियों द्वारा सामना किए जा रहे "जल संकट" के मौजूदा मुद्दे को चुना गया।

रोपण की खुशी

सिद्धांत संरेखण: मूल्य

यूएनजीसी – पीआरएमई ने भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के संयुक्त तत्वावधान में समर्पण (भारतीय प्रबंध संस्थान रांची का सीएसआर क्लब) के साथ मिलकर जॉय ऑफ गिविंग के एक भाग के रूप में जॉय ऑफ प्लांटिंग कार्यक्रम का आयोजन किया, जो दीवाली के दौरान जरूरतमंदों को कुछ दान करने के लिए एक अनुदान संचय था। रोपण की खुशी का उद्देश्य एक पौधा खरीदने की खुशी को सुविधाजनक बनाना और इस प्रक्रिया में स्थिरता की दिशा में योगदान देना था। सतत विकास लक्ष्य, जिसे एसडीजी # 15 (भूमि पर जीवन) संबोधित किया गया था।

रोज़मेरी, कोलियस, जेड, एलोय वेरा, कैक्टस, लकी बैम्बू आदि के पौधों को अपनाते हुए भारतीय प्रबंध संस्थान रांची की बिरादरी में भरपूर उत्साह देखा गया। इनमें से कई पौधों के स्वास्थ्य लाभ भी हैं और हवा को शुद्ध करने में मदद करते हैं।

पेपर कलेक्शन ड्राइव

सिद्धांत संरेखण: उद्देश्य

यूएनजीसी – पीआरएमई, ने पुराने अखबारों या अन्य कागजातों, जो अनुपयोगी थे और जिन्हें त्याग दिया जा सकता था, को इकट्ठा करने के लिए कागज संग्रह अभियान चलाया। यह सतत विकास लक्ष्य #12 (रिस्पांसीबल कंसम्पशन) के अनुसार था।

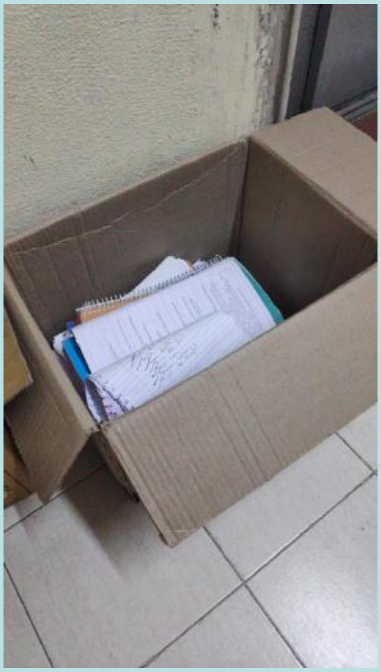

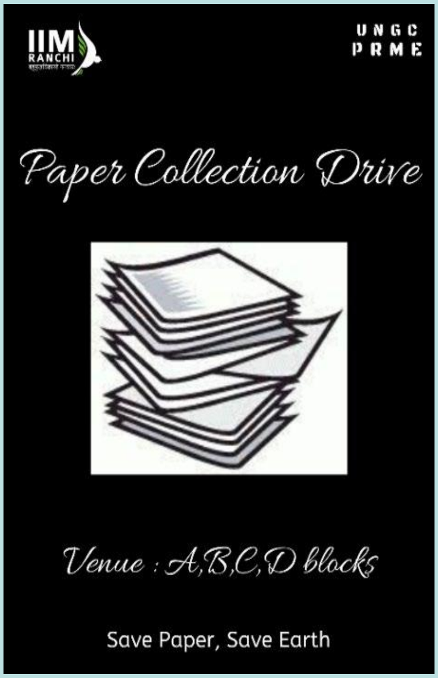

कार्डबोर्ड बॉक्स को प्रत्येक तल के ए, बी, सी और डी ब्लॉक रखे गए थे। समाचार पत्र और प्रयुक्त कागज / नोट जो अब उपयोगी नहीं थे, उनमें एकत्र किए गए थे। यह अभियान 10 जनवरी, 2020 से 28 जनवरी, 2020 तक आयोजित किया गया।

ब्राउन बॉक्स

सिद्धांत संरेखण: मान

ब्राउन बॉक्स परियोजना का उद्देश्य भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के छात्रों को स्क्रैप और अन्य पुनर्चक्रण योग्य ठोस कचरे के पुन: चर्क्रण में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना और सुविधा प्रदान करना था। इसमें "कम करें, पुन: उपयोग और पुन: चर्क्रण " का आदर्श वाक्य था, और इसे छात्रावास के ब्लॉक ए, बी, सी और डी में लागू किया गया था।

छात्रों को शुरू में कार्डबोर्ड बॉक्स, अखबार और किताबों को रीसाइक्लिंग के लिए ब्राउन बॉक्स में रखने के लिए कहा गया था। एकत्र की गई सामग्री को ठीक से संग्रहीत किया गया और पुनर्चक्रण के लिए भेजा गया। 6 महीने की इस पहल के दौरान अलग - अलग कचरे की एक बड़ी मात्रा एकत्र की गई थी।

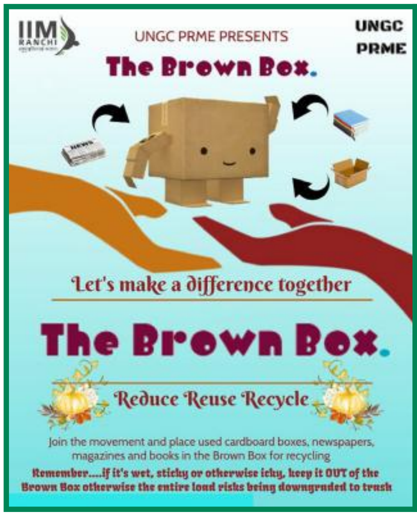

वॉकथॉन 2020

सिद्धांत संरेखण: साझेदारी

यूएनजीसी-पीआरएमई, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने रश आयोजन टीम के सहयोग से 2 फरवरी 2020 को रश (आईआईएम रांची का खेल और सांस्कृतिक उत्सव) के दूसरे दिन "वॉकथॉन 2020" का आयोजन किया।

सतत विकास लक्ष्यों के लिए को एसडीजी # 5 (लिंग समानता), एसडीजी # 8 (सभ्य कार्य और आर्थिक विकास), एसडीजी # 10 (कम असमानताएं) संबोधित किया गया था। 250 से अधिक प्रतिभागियों ने खेलगांव हाउसिंग कॉम्प्लेक्स से मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रांची तक पैदल यात्रा की।

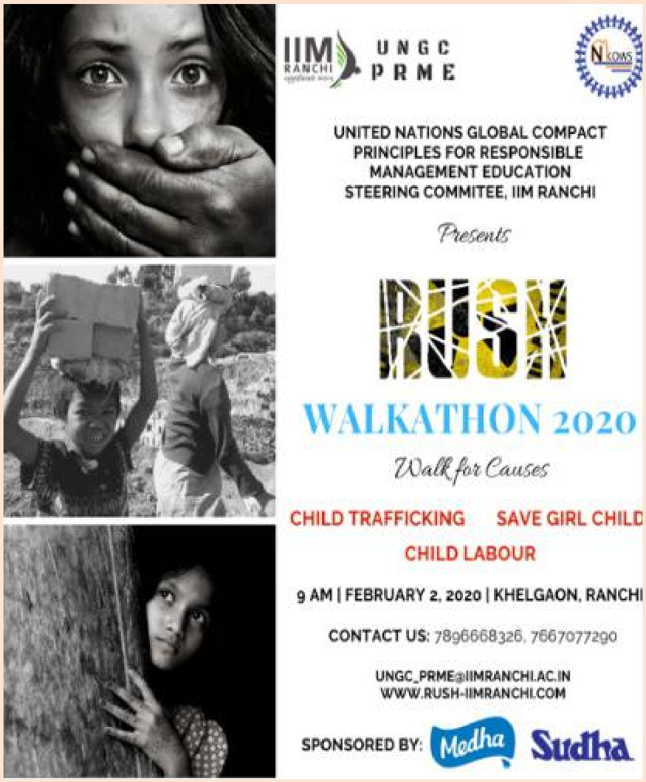

आकांक्षी कनेक्ट

सिद्धांत संरेखण: संवाद

हमारी सम्मानित बिरादरी में बैच 2020-2022 के उम्मीदवारों का स्वागत करने के लिए, यूएनजीसी – पीआरएमई ने "एस्पिरेंट्स कनेक्ट 2020" शुरू किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 17 स्थायी लक्ष्यों के बारे में उम्मीदवारों को जागरूक करना था, जिन्हें हम मिलकर 2030 तक प्राप्त करने वाले हैं।

हैशटैग “#KnowYourSDG” का उपयोग करते हुए सभी एसडीजी के लिए अभिनव और आकर्षक पोस्टर डिजाइन किए गए थे और उन्हें हमारे विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन और ट्विटर के माध्यम से प्रसारित किया गया था।

टोस्टमास्टर्स

सिद्धांत संरेखण: साझेदारी

यूएनजीसी – पीआरएमई ने टोस्टमास्टर्स (भारतीय प्रबंध संस्थान रांची चैप्टर) के सहयोग से 'स्थिरता और इसकी प्रथाओं' पर एक वार्ता प्रस्तुत किया। इसे 23 जनवरी, 2020 को आयोजित किया गया। विषय "सतत विकास लक्ष्य" था। टोस्टमास्टर्स के साथ एक सहयोगात्मक प्रयास से, जिम्मेदार प्रबंधकों को भविष्य के लिए बनाने के लिए जागरूकता प्रसार के उद्देश्य की पूर्ति करने में यूएनजीसी – पीआरएमई रहा।

वर्षभर सोशल मीडिया अभियान

सिद्धांत संरेखण: उद्देश्य

शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में सभी चार प्लेटफार्मों - फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन और ट्विटर पर जुड़ाव देखा गया। साल भर की गतिविधियों और पहलों के साथ, स्थिरता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक ऑनलाइन अभियान भी बनाए रखा गया। इन पोस्टों में प्रसार की आवश्यकता और एक स्थायी भविष्य के कदम उठाने के लिए ग्लोबल क्लाइमेट स्ट्राइक (20-27 सितंबर) के बारे में पोस्ट शामिल थी। विश्व हैबिटैट दिवस (7 अक्टूबर), विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर), विश्व खाद्य दिवस (16 अक्टूबर), संयुक्त राष्ट्र विश्व शहर दिवस (31 अक्टूबर), विश्व शौचालय दिवस (19 नवंबर), अंतर्राष्ट्रीय उन्मूलन दिवस पर महिलाओं के खिलाफ हिंसा (25 नवंबर), अंतर्राष्ट्रीय विकलांग व्यक्ति दिवस (4 दिसंबर), विश्व मृदा दिवस (5 दिसंबर), विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस (15 दिसंबर) के पोस्ट और महत्व को जागरूकता पैदा करने के लिए साझा किया गया।

अर्थ क्राउनिकल्स (यूएनजीसी प्राइम न्यूजलेटर)

सिद्धांत संरेखण: साझेदारी

यूएनजीसी – पीआरएमई भारतीय प्रबंध संस्थान रांची का मासिक न्यूजलेटर मार्च 2020 को लॉन्च किया गया था। पहले संस्करण में इसके खंड हैं विश्व समाचार (दुनिया भर में विभिन्न एसडीजी से संबंधित दिलचस्प समाचार), स्थानीय समाचार @ आईआईएम रांची, एसडीजी फैक्ट फाइल जोन (हर महीने एक एसडीजी से संबंधित आंकड़ों और तथ्यों पर ध्यान केंद्रित करना), आदि। न्यूजलेटर का उद्देश्य यूएनजीसी-पीआरएमई भारतीय प्रबंध संस्थान रांची की गतिविधियों के साथ व्यापक दर्शकों तक पहुंचना और यूएनजीसी-पीआरएमई के उद्देश्य के बारे में पाठकों को संवेदनशील बनाना है।

सी मेक्स मी विन ऑन आईडब्लूडी 2020

सिद्धांत संरेखण: संवाद

8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में यूएनजीसी-पीआरएमई ने एक ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर हमने छात्रों को उनके जीवन में बेहतर करने के लिए प्रेरित और अभिप्रेरित करनी वाली महिलाओं की व्यक्तिगत कहानियों को साझा करने एवं सोशल मीडिया पर पोस्ट करने को कहा।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य हमारे जीवन को समृद्ध बनाने में सरल लेकिन असाधारण महिलाओं की शक्ति को प्रदर्शित करना था। हमें बड़ी संख्या में प्रविष्टियां मिलीं और अंत में, विशेष पुरस्कार देने के लिए शीर्ष तीन सबसे प्रेरक पोस्ट का चयन किया गया। सतत विकास लक्ष्य जिसे एसडीजी # 5 (लिंग समानता) को संबोधित करने का इरादा था।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में उन्नत भारत अभियान

।ज्ञान संस्थानों का लाभ उठाकर ग्रामीण विकास प्रक्रियाओं में परिवर्तनकारी परिवर्तन की दृष्टि से प्रेरित करने में, उन्नत भारत अभियान (यूबीए) एक समावेशी भारत की वास्तुकला के निर्माण में मददगार रहा।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची भारत सरकार द्वारा ग्रामीण विकास पर की गई पहल, उन्नत भारत अभियान के कार्यान्वयन की दिशा में बहुत सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

जीआरएएम एनजीओ, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के सहयोग से, रांची (रसबेड़ा, हपतबेड़ा, जराटोली, जिदु और लेप्सर) के पाँच गांवों को गोद लिया है और आजीविका सृजन, कौशल विकास, मासिक धर्म, स्वच्छता जागरूकता, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे और नीतियां इत्यादि जैसे विभिन्न पहलुओं से विकास के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने पहले ही कुछ परियोजनाओं को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है, और कुछ प्रक्रियाधिन हैं।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची द्वारा सर्वोच्च दृष्टि के साथ उन्नत भारत अभियान की संरेखण में संचालित प्रमुख गतिविधियों का उल्लेख नीचे किया गया है।

स्वास्थ्य जांच अभियान

30 अगस्त 2019 को, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने रासाबेड़ा गाँव के लोगों के लिए एक 'स्वास्थ्य जांच अभियान' का आयोजन किया। टीम ने लगभग 28 परिवारों के लिए पूरे शरीर का स्वास्थ्य जांच (चिकित्सा इतिहास, शिकायत प्रस्तुत करना, सामान्य जांच, प्रणालीगत जांच, शरीर के महत्वपूर्ण) की।

ग्रामीणों को उनके विशिष्ट चिकित्सा लक्षणों से संबंधित प्रासंगिक सुझाव दिए गए। पूरी गतिविधि एक चिकित्सक की देखरेख में आयोजित की गई थी। इसका उद्देश्य न केवल ग्रामीणों को स्वस्थ रहने में मदद करना था, बल्कि प्रारंभिक अवस्था में किसी भी संभावित स्वास्थ्य समस्या का पता लगाना भी था।

मासिक धर्म और स्वच्छता जागरूकता गतिविधियां

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने ग्राम एसोसिएशन के सहयोग से ग्रामीण महिलाओं के मासिक धर्म के स्वास्थ्य के मुद्दों को समझने और उनका समाधान करने के लिए रासाबेड़ा गांव में जागरूकता अभियान चलाया। हमने महसूस किया कि कई महिलाएं, जानकारी की कमी के कारण, वर्जनाओं और अप्रभावी मासिक धर्म उत्पादों, राख, रेत, भूसी का उपयोग करती हैं, या 10 घंटे से अधिक समय तक एक ही पैड का उपयोग करती हैं। मासिक धर्म के बारे में बात करते समय महिलाएं अभी भी शर्मिंदगी महसूस करती हैं।

इस सत्र में, गांव की महिलाओं को सिखाया गया कि पूरे माहवारी के बारे में चिंता न करें और पैड का उपयोग कैसे करें, स्वच्छ कैसे रहें, पैड का निपटान कैसे करें।

गांव का सर्वे

रासबेड़ा गांव में सर्वे कराने का मकसद रांची जिले के अनगड़ा प्रखंड स्थित रासबेड़ा गांव के निवासियों की समस्याओं को समझना था।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के छात्रों ने गांव का दौरा किया और गहन सर्वेक्षण किया। सर्वे और जागरूकता अभियान में, ग्रामीणों के स्वास्थ्य, परिवार और रोजगार से संबंधित प्रतिक्रियाओं को सर्वे में एकत्र किया गया।

पशुधन की संख्या, आवास में ऊर्जा के स्रोत, जल स्रोत, भूमि जोत के आंकड़े और सरकारी योजनाओं से लाभान्वित व्यक्ति से सबंधित जानकारी भी दर्ज की गई।

सर्वे से एकत्र की गई जानकारी और डेटा को उन्नत भारत अभियान (यूबीए) पहल के तहत भारत सरकार के साथ साझा किया गया, ताकि ग्रामीणों को विकास और आजीविका के बेहतर अवसर प्रदान करने और उनके सामने आने वाले स्वास्थ्य मुद्दों को समझने का बेहतर अवसर प्रदान किया जा सके।

जल संरक्षण परियोजना

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के छात्रों ने ग्राम और दीक्षा एनजीओ के सहयोग से "रिचार्ज रांची, जलशक्ति आंदोलन" के तहत रासबेड़ा पेयजल परियोजना पर कार्य किया। इस परियोजना का उद्देश्य रसबेड़ा गांव के निवासियों को पानी की कमी से निपटने में मदद करना था। जो जलवायु परिस्थितियों में परिवर्तन, उचित सड़कों की कमी और खराब बुनियादी ढांचे के कारण, आसपास के गांव नियमित रूप से सूखे और पानी की समस्या से ग्रस्त रहते हैं।

उचित सड़कों के नहीं रहने और खराब बुनियादी ढांचे, ग्रामीण प्राकृतिक रूप से बने जलभृतों पर भरोसा करते हैं, जो अक्सर खनिजों से दूषित होते हैं और पानी को पीने के लिए असुरक्षित बनाते हैं।

"स्वच्छता ही सेवा"

के समर्थन में जागरूकता कार्यक्रम

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के उन्नत भारत अभियान स्वयंसेवकों ने 22 सितंबर 2019 को रांची के बाहरी इलाके लेप्सर और चंडीडीह गांव में सफलतापूर्वक जागरूकता अभियान चलाया।

यह जागरूकता अभियान "स्वच्छता ही सेवा" के समर्थन में चलाया गया था, जो "स्वच्छ भारत" आंदोलन के तहत हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छता पर एक व्यापक देशव्यापी जागरूकता और लामबंदी अभियान है। अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों के बीच प्लास्टिक के एकल उपयोग द्वारा पर्यावरण के क्षरण के बारे में जागरूकता पैदा करना और इसके उपयोग को कम करने और प्लास्टिक के उचित निपटान के लिए सुझाव देना था।

इको-पर्यटन परियोजना

रासबेड़ा उन पांच गांवों में से एक है, जिसे भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने यूबीए पहल के तहत अपनाया है। यह रांची शहर से लगभग 41 किलोमीटर दूर है। भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने गांवों का सर्वे करने में परिवारों और उनके आजीविका विकल्पों, ऐसा कोई विकल्प जो रासबेड़ा के ग्रामीणों के लिए एक स्थिर आय स्रोत हो। भले ही गांव प्राकृतिक सुंदरता के मामले में समृद्ध है, फिर भी ग्रामीण घरों में उगाई जाने वाली कुछ सब्जियों या पहाड़ियों को काटकर बेचने वाली चट्टानों पर भरोसा करते हैं।

स्थिर आजीविका प्रदान करने के लिए, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने यूबीए पहल के तहत अगस्त 2019 में इको-टूरिज्म की एक परियोजना शुरू की। परियोजना का उद्देश्य गांव को एक पर्यटन स्थल के रूप में बदलना और ग्रामीणों को आर्थिक रूप से स्थिर बनाना है। मुख्य विचार गांव को ई - पर्यटन स्थल में बदलना है, जिससे ग्रामीणों को राजस्व प्राप्त हो सके।

रासबेड़ा गाँव में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

युबीए पहल के एक भाग के रूप में, रासबेड़ा गाँव में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। विभिन्न ग्रामीण महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया और उनकी कहानियों ने गाँव की महिलाओं को अद्भुत काम करने के लिए प्रेरित किया।

रासाबेड़ा गांव की महिलाओं ने पारंपरिक गीत के साथ अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। हर घर पर बनाई गई सुंदर पेंटिंग को ग्रामीण गर्व से दिखा रहे थे। रसबेड़ा में प्रकृति में पाए जाने वाले सौंदर्य और आकर्षण को देखकर मेहमान मंत्रमुग्ध हो गए।

कोविड - 19 राहत- दान अभियान

ग्राम एसोसिएशन- भूजल और वनीकरण अनुकूली प्रबंधन ने कोविड-19 के कारण उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए आवश्यक राशन वितरित किया। यह भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के सहयोग से किया गया था।

राशन वितरण दो चरणों में आयोजित किया गया था –

चरण 1 में, यह अभियान रांची के अंनगड़ा ब्लॉक के आठ (8) गांवों में 135 स्तनपान कराने वाली माताओं और गर्भवती महिलाओं को अतिरिक्त पोषण प्रदान करने पर केंद्रित था।

चरण 2 में, वृद्ध लोगों को, जो अकेले रह रहे थे या जिनके रिश्तेदार कोविड -19 के प्रकोप के कारण राज्य से बाहर फंस गए थे उनको सूखा राशन वितरित किया गया था।

इस अभियान में नौ गाँवों को शामिल किया गया, जिससे 170 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। इस अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की मदद करने के साथ-साथ एक साथ खड़े होने की आवश्यकता पर जोर देना, अस्तित्व के इन प्रतिकूल समय के दौरान एक-दूसरे की मदद करना था।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में यूबीए का उद्देश्य प्रत्यक्ष सहायता के माध्यम से बड़े पैमाने पर समाज की मदद करना और दीर्घकालिक सकारात्मक परिणामों के लिए सामाजिक संकेतकों में सुधार करना है।

फिट इंडिया मूवमेंट

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने 29 अगस्त 2019 को फिट इंडिया मूवमेंट की दिशा में 10,000 कदम की पैदल यात्रा का आयोजन किया, जो भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक स्वास्थ्य और फिटनेस की पहल है। यह एक राष्ट्रव्यापी अभियान है, जिसका उद्देश्य लोगों को अपने दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधियों और खेलों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम के बाद, संकाय, छात्रों और कर्मचारियों ने माननीय प्रधान मंत्री द्वारा दूरदर्शन टेलीविजन पर फिट इंडिया मूवमेंट के शुभारंभ का सीधा प्रसारण देखा और फिटनेस की शपथ ली।

हिंदी पखवाड़ा

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने 13-27 सितंबर 2019 के दौरान हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया। प्रो. शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह को संबोधित किया।

संस्थान ने हिंदी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह में डॉ. रत्नेश विश्वकसेन, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय और डॉ. कुमुद कला मेहता, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग, रांची विश्वविद्यालय विशिष्ट अतिथि थे। डॉ. जयंत कुमार त्रिपाठी, हिंदी अधिकारी, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

एगॉन (AGON) 5.0

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने 28-29 सितंबर 2019 के दौरान एगॉन 5.0 का आयोजन किया। श्रीमती देबजानी घोष, अध्यक्ष, नैसकॉम टेक्नोलॉजी और इनवेस्नो के संस्थापक श्री कुमार बैभव ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में एक्सएलआरआई, एफएमएस, एनएमआईएमएस, भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ, भारतीय प्रबंध संस्थान उदयपुर, एक्सआईएमबी, आईआईटी खड़गपुर, फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट आदि के छात्रों ने भाग लिया और रोमांचक पुरस्कार और उपहार जीते।

गांधी जयंती और स्वच्छता ही सेवा अभियान

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती और 2 अक्टूबर 2019 को स्वच्छता ही सेवा अभियान का समापन समारोह मनाया। प्रो. शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने सभा को संबोधित किया। स्वदेशी, प्राथमिक शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, महत्व पर गांधी जी के विचारों और लघु उद्यमों, स्वास्थ्य, स्वच्छ पर्यावरण और व्यक्तिगत स्वच्छता का उल्लेख किया।

अपने भाषण के दौरान प्रो. सिंह ने सेवन सोशल सेंस के सकारात्मक पहलुओं पर गांधीजी के दृष्टिकोण पर संक्षिप्त विवरण दिया, जो इस प्रकार हैं :

1. सिद्धांत के बिना राजनीति
2. विवेक के बिना आनंद
3. काम के बिना धन
4. मानवता के बिना विज्ञान
5. नैतिकता के बिना वाणिज्य
6. बिना बलि के पूजा करें
7. चरित्र के बिना शिक्षा

अपने भाषण का समापन करते हुए उन्होंने 1. स्वच्छता 2. सिंगल यूज प्लास्टिक का उन्मूलन और 3. जल प्रबंधन पर जोर दिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने 28 अक्टूबर - 2 नवंबर, 2019 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। इस वर्ष के सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय "ईमानदारी: जीवन का तरीका" था। सुशील कुमार सिंह, महाप्रबंधक, सतर्कता विभाग, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड और श्री धीरज कुमार, मुख्य प्रबंधक, सतर्कता विभाग, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड ने सम्मानित अतिथि के रूप में समापन समारोह में भाग लिया।

प्रो. पी के बाला, निदेशक प्रभारी, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई और हमारे जीवन के अभिन्न अंग के रूप में मूल्य प्रणालियों के महत्व को दोहराया और बताया कि कैसे अखंडता के मार्ग को केवल एक सप्ताह तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कैसे भ्रष्टाचार न केवल इसे बढ़ावा देने वाले लोगों के कारण फैलता है बल्कि हमारी अज्ञानता और शालीनता के कारण भी फैलता है। श्री सुशील कुमार सिंह ने बताया कि कैसे भ्रष्टाचार का समाज के सभी क्षेत्रों पर बुरा प्रभाव पड़ा है। उन्होंने सभी व्यावसायिक मामलों में पारदर्शिता के महत्व पर भी जोर दिया। श्री धीरज कुमार ने उपस्थित लोगों को दिखाया कि कैसे सभी बिजनेस स्कूलों में न केवल कुशल प्रबंधकों बल्कि भविष्य के प्रबंधकों को ईमानदारी के साथ बनाने के लिए नैतिकता का अध्ययन और भ्रष्टाचार मुक्त जीवन शैली का दिन होना चाहिए। डॉ. जयंत कुमार त्रिपाठी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, आईआईएम रांची ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुस्तक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर 2019 को रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया।

संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों ने इस अवसर पर देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने और मजबूत करने के लिए समर्पण को बढ़ावा देने और मजबूत करने का संकल्प लिया।

समागम

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची द्वारा 9 से 10 नवंबर 2019 के दौरान नेतृत्वकर्त्ता वार्ता और उद्योग कनेक्ट श्रृंखला - समागम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिथि वक्ता थे - श्री परेश भागवतकर, वाइस प्रेसिडेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, श्री अनुभव प्रशांत, सीओओ-अपोलो क्रैडल एंड अपोलो फर्टिलिटी, श्री सागर अमलानी, वाइस प्रेसिडेंट, फेनोप्लास्ट लिमिटेड और श्री पंकज कुमार पांडे, सीईओ, वायप्ट कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड, श्री हर्षित गुप्ता, एवीपी, द रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड और श्री वैभव जैन, सीएफए, पार्टनर, एडलवाइस कैपिटल।

ह्यूमन रिसोर्स कॉन्क्लेव

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने 10 नवंबर 2019 को एचआर कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इस वर्ष के कॉन्क्लेव का विषय " फ्यूचर ऑफ़ वर्क, वर्क फॉर्स और वर्क प्लेस" था। सुश्री रश्मि मंशरमणि, सीएचआरओ, द वेव ग्रुप, श्री सत्यजीत मोहंती, सीएचआरओ, क्रॉम्पटन ग्रीव्स, श्री सुजीतेश दास, सीनियर वीपी-एचआर, माइक्रोलैंड, श्री दीपयान सेनशर्मा, निदेशक एचआर, मार्श एंड मैकलेनन, श्री चंद्रशेखर देशमुख, सीएचआरओ, कोकुयो कैमलिन और श्री रमेश कुमार, हेड एचआर, वेल्स फारगो, डॉ. देबी सैनी, प्रोफेसर एमेरिटस, आईआईएम रांची, इस आयोजन के मुख्य वक्ता थे।

कॉन्क्लेव में शीर्ष उद्योगों में गतिशील एचआर नेताओं की बातचीत देखी गई, जिन्होंने भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के इच्छुक छात्रों के साथ अमूल्य उद्योग के अनुभव पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। एचआर कॉन्क्लेव 2019 में हमारे भविष्य की कार्य प्रणालियों के बारे में एक विस्तृत प्रश्न और उत्तर सत्र था और हमारे कॉर्पोरेट बुद्धिजीवियों के व्यापार कौशल पर चर्चा करने और अवशोषित करने का अवसर प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची द्वारा 11 नवंबर, 2019 को भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद की 131 वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ प्रोफेसर और निदेशक, प्रो. शैलेन्द्र सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नवीनतम मसौदे पर अपने भावना, विचारों और सुझावों पर प्रकाश डाला।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के निदेशक प्रो. शैलेंद्र सिंह ने कहा कि सभी के लिए शिक्षा एक महान दृष्टि है और यह नीति, अगर सही तरीके से लागू की जाती है, तो इससे देश और समुदाय को बड़े पैमाने पर लाभ होगा।

रेडिक्स 6.0

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची द्वारा अपने वार्षिक व्यापार सम्मेलन 'रेडिक्स 6.0' के 6 वें संस्करण की मेजबानी 24 नवंबर 2019 को किया गया। इस वर्ष की थीम 'द एंट फिलॉसफी' थी, जो एक चींटी के भविष्य - उन्मुख दृष्टिकोण और कभी न छोड़ने वाले रवैये से प्रेरणा लेती है।

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने कई प्रतिष्ठित संगठनों के सम्मानित अधिकारियों के एक विशिष्ट पैनल की मेजबानी की - श्री वी बालासुब्रमण्यम, नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड - नाल्को में निदेशक (उत्पादन), श्री सौरभ गुप्ता, केंट आरओ सिस्टम्स लिमिटेड में मुख्य सूचना अधिकारी, श्री मानस कुमार मिश्रा , टाटा मोटर्स के सीनियर जीएम, श्री हरजीत खंडूजा, रिलायंस जियो में वाइस प्रेसिडेंट एचआर, श्री अरिंदम मुखोपाध्याय, वाइस प्रेसिडेंट और गार्टनर में ग्लोबल हेड ऑफ कंसल्टिंग सीओई, श्री अमित जैन, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, पीपल पिउपुल स्ट्रांग, श्री राहुल निझावन , ग्लोबल हेड - गोल्डमैन सैक्स में जोखिम सत्यापन और सुश्री रुचिका मेहता, कॉर्पोरेट निदेशक - द पार्क होटल्स में संचार और पीआर।

रेडिक्स 6.0 इन प्रसिद्ध हस्तियों की प्रस्तुतियों के माध्यम से वास्तविक व्यापार जगत में चींटी दर्शन के कार्यान्वयन और व्याख्या पर केंद्रित रहा। कभी हार न मानने वाला रवैया, दूरदर्शिता, टीमों में काम करना और व्यवधान के लिए तैयार रहना वार्षिक उत्सव के मुख्य अंश थे।

संविधान दिवस

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची द्वारा संविधान को अपनाने की 70 वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय संविधान के बारे में संस्थान के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए 26 नवंबर 2019 को संविधान दिवस मनाया गया।

प्रो. शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची ने संविधान के कुछ महत्वपूर्ण लेखों पर प्रकाश डाला और मौलिक कर्तव्यों पर प्रतिज्ञा दिलाई। समारोह में मौजूद सभी लोगों ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। भारत के माननीय राष्ट्रपति, माननीय उपराष्ट्रपति और भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा संबोधित संविधान दिवस के स्मरणोत्सव समारोह का सीधा प्रसारण देखा गया।

रश (Rush) 5.0

वार्षिक खेल और सांस्कृतिक उत्सव - रश 5.0 का विभिन्न खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट, टेबल टेनिस फैशन शो, समूह और एकल नृत्य और गायन कार्यक्रमों आदि के साथ 1-2 फरवरी 2020 के दौरान आयोजन किया गया था।

उत्सव का विषय "रेडियोधर्मिता" था। इसमें झारखंड और उसके आसपास के कॉलेजों के छात्र बड़ी संख्या में भाग लेने के लिए आए।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची द्वारा 21 फरवरी 2020 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। भारतीय प्रबंध संस्थान रांची भाषाई विविधता के प्रतीक के रूप 2019-2021 के एमबीए बैच में 29 भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के छात्र प्रतिनिधित्व करते हैं और 2019-2021 के एमबीए एचआर बैच में 18 भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का विषय 'पाठकों के बिना भाषा' था। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. जयंत कुमार त्रिपाठी, लाइब्रेरियन, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुई, जिन्होंने सभा में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और छात्रों को बधाई दी और शाम के लिए समा बांधा। वक्ताओं की एक श्रृंखला में वे सभी अपने मूल भाषाओं में सभा को संबोधित कर रहे थे। भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के निदेशक प्रो. शैलेंद्र सिंह ने अपनी मातृभाषा अवधी के बारे में बताया। उन्हें याद आया कि आखिरी बार उन्होंने अपनी मातृभाषा में कब बात की थी, संयोग से जिस दिन वे भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के निदेशक बने, उसी दिन अपनी मां से बात की थी। उन्होंने कहा कि छात्रों को अपनी प्राथमिक स्कूली शिक्षा में कम से कम अपनी मातृभाषा सीखनी चाहिए। इससे उनकी मातृभाषा को जीवित रखने में मदद मिलेगी।

संस्थान में दौरा करने वाले प्रतिष्ठित अतिथि

संस्थान में वर्ष के दौरान कई विशिष्ट अतिथियों की आगमन हुआ।

क्र. सं.	अतिथि का नाम	तारीख	विवरण
1	श्री अमानुइयाह अमान निदेशक, प्राइस वाटर हाउस कूपर्स	28.06.2019	"रोडमैप टू इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स" पर सार्वजनिक संगोष्ठी हेतु आमंत्रण
2	डॉ. मनोज कुमार मिश्रा (पूर्व कुलपति बिड़ला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा, रांची)	26.08.2019	"भगवद गीता से प्रबंधन सबक" पर व्याख्यान
3	श्री डेनियल कास्त्रो उपाध्यक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी एवं नवाचार फाउंडेशन (आईटीआईएफ) तथा निदेशक आईटीआईएफ सेंटर फॉर डेटा इनोवेशन	31.10.2019	"डेटा लोकलाइजेशन एंड प्राइवेसी राइट्स" पर व्याख्यान
4	श्री अतुल कुमार उद्यमी एंड कॉर्पोरेट कार्यकारी सैन जोस, यूएसए	29.11.2019	"सिलिकॉन वैली से रांची तक उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और लाभ उठाने में उच्च एनक्यू की भूमिका" पर आमंत्रित वार्ता
5	श्रीमती आराधना पटनायक (आईएएस) प्रमुख सचिव पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीओडीडब्ल्यू एंड एस) श्री अमिताभ कौशल (आईएएस) प्रमुख सचिव महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग श्री नितिन कुलकर्णी (आईएएस) प्रमुख सचिव स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा विभाग	02.12.2019	नीति, नेतृत्व और शासन - "लोक प्रशासन: प्रभावशीलता और चुनौतियां" पर गोलमेज सम्मेलन
6	श्री कुमार सुभम (विजन इंडिया फाउंडेशन)	10.01.2020	विजन इंडिया फाउंडेशन: "गवर्नेंस इवैल्यूएशन डीकंस्ट्रक्टिंग गवर्नेंस: ए यूनिक 11 पैरामीटर फ्रेमवर्क फॉर इवैल्यूएटिंग गवर्नेंस इन इंडिया" पर सत्र
7	प्रो. निहारिका वोहरा प्रोफेसर, आर्गेनाइजेशनल बीहेवियर , आईआईएम अहमदाबाद	08.02.2020	शोध का डिजाइन, संचालन और लेखन : 15 पैरामीटर्स पर मार्गदर्शन और अध्ययन अंतर्दृष्टि
8	श्री. एम. वेंकैया नायडू (भारत के माननीय उपराष्ट्रपति)	16.02.2020	"भारतीय संदर्भ में नेतृत्व और सुशासन" पर व्याख्यान
9	डॉ. टी. वी. राव	22.02.2020	पर आमंत्रित वार्ता "डेवेलपिंग लीडरशीप थ्रू फीडबेक बाय नोन पयुपल "
10	डॉ. स्मृति आनंद एसोसिएट प्रोफेसर प्रबंधन पर इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, स्टुअर्ट स्कूल ऑफ बिजनेस, शिकागो	25.02.2020	"डिजाइनिंग रिसर्च स्टडीज एंड पब्लिशिंग इन लीडिंग जर्नल्स ऑफ़ मैनेजमेंट" पर रिसर्च टॉक
11	श्री आलोक एक्का एजीएम-आरबीआई	26. 02.2020	"सेंट्रल गवर्नमेंट बजट – इम्पैक्ट ऑन मैक्रो इकनोमिक फैक्टर्स " पर एक भाषण
12	श्री अजीत कानितकर वरिष्ठ सलाहकार, विकास अन्वेष फाउंडेशन	03.03.2020	"इमर्जिंग सोशल इंटरप्राइसेस इन इंडिया" पर व्याख्यान एवं चर्चा

छात्र समितियाँ और क्लब

समितियाँ

शैक्षणिक समिति

शैक्षणिक समिति एक ऐसा वातावरण प्रदान करने का प्रयास करती है, ताकि छात्र शैक्षणिक कार्यक्रमों से अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें। यह समिति प्रशासन, संकाय और छात्रों के बीच सेतु का काम करती है। शैक्षणिक समिति के निर्वाचित सदस्य अपने संबंधित कक्षाओं और पाठ्यक्रमों के लिए कक्षा प्रतिनिधियों का पद धारण करते हैं। शैक्षणिक समिति को संकाय और कार्यक्रम सहायकों के साथ मिलकर बैच को प्रस्तुतियाँ, समूह गठन और विभिन्न सुझाव आदि देने होते है।

खेल समिति

खेल समिति भविष्य के प्रबंधकों को उनके तनाव से रहत देने और वर्ष भर खेल गतिविधियों के माध्यम से एक स्वस्थ मन और शरीर रखने में सक्षम बनाने के लिए काम करती है। हमारे प्रमुख इंट्रा इवेंट्स में शामिल हैं - फुटसल, आरपीएल (रांची प्रीमियर लीग), बीपीएल (बैडमिंटन प्रीमियर लीग) और इंटर बैच मैच। यह समिति क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, थ्रो बॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज और एथलेटिक्स जैसे खेलों के लिए सुविधाएं प्रदान करने के साथ इग्नाटिया और रश जैसे इंटर कॉलेज खेल आयोजनों में भाग लेने की दिशा में भी काम करती है। हमारे छात्रों को मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स नेशनल स्टेडियम में अत्याधुनिक सुविधाओं का उपयोग करने को मिलता है, जो छात्रावास से कुछ मिनट की दूरी पर है।

छात्र सुविधा समिति

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची बिरादरी के बीच " द एसएफसी" के रूप में लोकप्रिय है, यह समिति छात्रों को सभी दैनिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है और यह दिन-प्रतिदिन के गतिविधियों का परिचालन करती है। एसएफसी भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के छात्रों के लिए सभी लॉजिस्टिक्स, भोजन और बुनियादी सुविधाओं के लिए छात्रों और प्रशासन के बीच एक चैनल के रूप में कार्य करता है।

प्रौद्योगिकी समिति

प्रौद्योगिकी समिति मुख्य रूप से इंटरनेट के बुनियादी ढांचे के प्रबंधन और सांस्कृतिक व प्रबंधन के कार्यक्रमों के लिए तकनीकी समाधान प्रदान करने के लिए काम करती है। यह समिति वर्ष भर भारतीय प्रबंध संस्थान रांची परिवार को सर्वोत्तम इंटरनेट सुविधाएं प्रदान करने और किसी भी इंटरनेट से संबंधित मुद्दों के लिए संपर्क के पहले बिंदु के रूप में काम करती है। यह समिति छात्र संघ के सर्वोत्तम उद्देश्य के लिए आवश्यक होने पर तकनीकी समाधान भी प्रदान करती है।

पूर्व छात्र और अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति

कॉर्पोरेट जगत में किसी बिज़नस - स्कूल की प्रतिष्ठा बनाने में इसके पूर्व छात्रों की सफलता की भूमिका अहम् होती है। वे हमेशा अपने मातृ संस्था में बिताए दो वर्षों के समय को संजोते हैं, यह वह स्थान जिसने उन्हें उद्योग जगत में संघर्ष के लिए तैयार किया। इसके अलावा, बिज़नस - स्कूल में छात्रों को मिला अंतरराष्ट्रीय अनुभव एक छात्र में सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने में एक अहम् भूमिका निभाता है। भारतीय प्रबंध संस्थान रांची की इस समिति का काम यहाँ के पूर्व छात्रों के हितों पर ध्यान देना है। साथ ही छात्र विनिमय कार्यक्रमों के उद्देश्य से दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ बिज़नस - स्कूलों के साथ संबंध स्थापित करना है।

मीडिया और जनसंपर्क प्रकोष्ठ

मीडिया और जनसंपर्क प्रकोष्ठ भारतीय प्रबंध संस्थान रांची को सभी मीडिया प्लेटफार्मों पर इसकी ब्रांड छवि को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। यह वह समिति है, जो संस्थान को सार्वजनिक क्षेत्र में प्रतिष्ठित करने में मदद करती है। एमपीआर सभी बाहरी संचार, जनसंपर्क और संस्थान के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भी संभालता है। मीडिया और जनसंपर्क प्रकोष्ठ भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के ब्रांड का निर्माण और छात्रों को दुनिया के सामने अपने विचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। एमपीआर दुनिया के नजर में भारतीय प्रबंध संस्थान रांची को हमारे छात्रों के लिए एक प्रतिष्ठित ब्रांड के रूप में बनाये रखने का प्रयास करता है।

सांस्कृतिक समिति

सांस्कृतिक समिति संगीतकारों, नर्तकों, अभिनेताओं, चित्रकारों, लेखकों, फोटोग्राफरों और रचना के क्षेत्र सहित पाठ्येतर गतिविधियों के लिए अपने जुनून को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करके छात्रों के जीवंत व्यक्तित्व को प्रोत्साहित करने का एक प्रयास है। सांस्कृतिक समिति सभी के लिए आनंद का माहौल बनाती है। सांस्कृतिक समिति निम्नलिखित गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है : एंड टू एंड आर्गेनाइजेशन ऑफ़ रश, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची का इंटर बिज़नस - स्कूल सांस्कृतिक और खेल उत्सव। हर साल नवंबर में होने वाले इस आयोजन में देश भर की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएँ भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में प्रतिस्पर्धा के लिए आती है। सांस्कृतिक समिति विभिन्न त्योहारों को भी मनाती है ताकि भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में जीवन दिलचस्प और मजेदार हो।

क्लब

संचालन क्लब

जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि सांक्रिया, भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची का परिचालन और सामान्य प्रबंधन क्लब है। यह क्लब शैक्षणिक अनुशासन से परे परिचालन अनुसंधान और प्रबंधन के क्षेत्र में छात्र समुदाय में रुचि पैदा करने की परिकल्पना करती है। क्लब में अपने क्षेत्रों में विभिन्न बदलावों का पता लगाने और इसके व्यावसायिक प्रभावों को समझने का प्रयास किया जाता है। क्लब सिक्स सिग्मा, लीन मैन्युफैक्चरिंग जैसी विभिन्न उद्योग प्रथाओं पर नियमित रूप से प्रस्तुतियाँ होती है और उसी पर चर्चा की सुविधा प्रदान की जाती है। क्लब छात्रों के लिए औद्योगिक यात्राओं की व्यवस्था करता है ताकि कक्षा में पढ़ी जाने वाली अवधारणाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया जा सके । क्लब फ्रेशर्स छात्रों के लिए आई2बी (बिजनेस का परिचय) सत्र आयोजित करता है। क्लब ने भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के दो सबसे बड़े आयोजनों को भी आयोजित किया, जैसे AGON - मैनेजमेंट फेस्टिवल और RADIX - बिजनेस कॉन्क्लेव। आयोजित किए गए कुछ कार्यक्रमों में क्रैक द केस, बिज़सिम, बीयर गेम आदि शामिल हैं।

साहित्यिक क्लब

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची का साहित्यिक क्लब एकमात्र ऐसा क्लब है जिसमें कठिन एमबीए पाठ्यक्रम से परे बात की जाती है और इसका उद्देश्य भाषा और रचनात्मकता के प्रति प्रेम को बढ़ावा देना है। क्लब छात्रों के बीच सभी भाषाओं में साहित्यिक प्रशंसा की भावना पैदा करने का प्रयास करता है। न केवल साहित्य, बल्कि फिल्में और संगीत भी समान रूप से मूल्यवान हैं। इसका उद्देश्य छात्रों में साहित्यिक रचनात्मकता को बढ़ावा देना और आत्म-अभिव्यक्ति के लिए एक अवसर प्रदान करना है। पैरेबल, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची का आधिकारिक मासिक समाचार पत्र, यह साहित्यिक क्लब द्वारा तैयार कर निर्मित और जारी किया जाता है। इस क्लब द्वारा पूरे वर्ष व्यस्त एमबीए जीवन से कुछ राहत प्रदान करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। कुछ आयोजनों में सिनेमा पैरादीसो, साइलेज, मूनलाइट सेरेनेड, इग्निस और सांग्रियल हैं जबकि प्रमुख कार्यक्रम टेरा न्यूलियस है।

वित्त क्लब

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची का फाइनेंस क्लब एक छात्र - चालित क्लब है, जिसका उद्देश्य विभिन्न बिजनेस सिमुलेशन गेम्स, ऑनलाइन ट्रेडिंग इवेंट्स, बिजनेस वैल्यूएशन केस स्टडीज और नियमित रूप से वित्तीय क्वैरी जैसे विभिन्न इंटर और इंट्रा-कॉलेज इवेंट आयोजित करके छात्रों के वित्तीय ज्ञान को लगातार बढ़ाना है। क्लब ने एक भारतीय प्रबंध संस्थान R40 पोर्टफोलियो भी शुरू किया है, जिसमें लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप सेगमेंट के 40 शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शेयर शामिल हैं। भारतीय प्रबंध संस्थान R40 इंडेक्स का उद्देश्य नियमित आधार पर लगातार रिटर्न देना और निफ्टी को मात देना है। क्लब के सदस्यों द्वारा किए गए गहन मौलिक और तकनीकी विश्लेषण द्वारा कंपनियों का चयन किया जाता है, जो वित्तीय अवधारणाओं के व्यावहारिक अनुप्रयोग को सुनिश्चित करने के साथ-साथ छात्रों के ज्ञान को समृद्ध करने में मदद करता है।

समर्पण

समर्पण भारतीय प्रबंध संस्थान रांची का सामाजिक उत्तरदायित्व क्लब है और इसकी पहल कॉर्पोरेट्स और सरकारी हस्तक्षेपों के साथ साझेदारी के माध्यम से की गई है। जैसा कि नाम से पता चलता है, "समर्पण" उन सभी को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने मानव जाति को आगे ले जाने के लिए सराहनीय भावना और साहस का प्रदर्शन किया है और उन लोगों के प्रति एकजुटता का प्रदर्शन किया है, जो हमारे सामाजिक वर्गभेद के कारण समाज में पीड़ित थे या पीड़ित रहे हैं। समर्पण केस स्टडी प्रतियोगिताओं और सीएसआर प्रश्नोत्तरी जैसे व्यावसायिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। क्लब ने वालंटियर टू टीच, सुभेच्छा, विकास भारती को पुस्तक दान, संकल्प, समावेशी और प्रभावशाली सीएसआर पर राष्ट्रीय सम्मेलन, बापू, रक्तदान शिविर, कपड़ा दान अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, जीरो फूड वेस्टेज चैलेंज, जॉय ऑफ द जॉय गिविंग, सहायक विकास आदि जैसी कई पहल अपने स्थापना काल से ही कर रही हैं। क्लब उन्नत भारत अभियान परियोजना का आधिकारिक समन्वयक भी है।

मार्किस

मार्किस, भारतीय प्रबंध संस्थान रांची का मार्केटिंग क्लब, छात्रों के बीच बिक्री और विपणन के लिए रुचि और जुनून को बढ़ावा देने की दिशा में काम करता है और उत्साही लोगों को उनके कौशल को सुधारने में मदद करता है। इसका उद्देश्य विभिन्न विपणन अवधारणाओं और रणनीतियों के लिए छात्रों के प्रदर्शन को सुविधाजनक बनाना है, इस प्रकार भागीदारी के माध्यम से समग्र सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देना है। हमारा उद्देश्य प्रबंधन शिक्षा के एक अभिन्न क्षेत्र के रूप में विपणन की दुनिया में छात्रों और भारतीय प्रबंध संस्थान रांची बिरादरी के सभी सदस्यों को पहचान दिलाना, आकर्षित करना और इसे समृद्ध करना हैं। क्लब द्वारा कई गतिविधियों का संचालन किया गया है, जिसमें दुनिया भर में विपणन और बिक्री के क्षेत्र में नवीनतम घटनाओं को कवर करने वाले पाक्षिक समाचार पत्र का निकालना शामिल है। मार्केज़िन एक वार्षिक पत्रिका है जिसमें दुनिया भर में हो रही घटनाओं के बारे में उनके विचारों पर लिखे गए विभिन्न लेखों को प्रकाशित किया जाता है। यह क्लब, MarCase की भी मेजबानी करता है, जो कि क्लब का प्रमुख कार्यक्रम है, इसमें प्रतिभागियों को उपयोगी और कार्यान्वयन योग्य विचारों को लाने के लिए उनकी रणनीति पर पूर्ण स्वतंत्रता रहती है। क्लब रणनीतिक आईएमसी प्रस्तुति प्रतियोगिता नाम अगोरा नाम से की जाती है और लाइव विज्ञापन बनाने की प्रतियोगिता 'सब बिकता है' का आयोजन किया जाता है। क्लब नवीनतम उद्योग रुझानों और सीखने के लिए उत्साही लोगों की संख्या बढ़ाने के लिए कई कॉर्पोरेट कार्यशालाओं का भी आयोजन करता है।

परामर्श क्लब

कोननड्रम - भारतीय प्रबंध संस्थान रांची के परामर्श क्लब का उद्देश्य छात्रों को कैरियर के विकल्प के रूप में परामर्श चुनने के लिए तैयार करना है। क्लब संसाधन प्रदान करके रणनीति के क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए सही लॉन्च पैड प्रदान करता है जो आधुनिक व्यापारिक दुनिया की बदलती गतिशीलता को समझने में मदद करेगा। यह उन्हें सलाहकार के रूप में सोचने में सक्षम करेगा। उद्योग उन्मुख कार्यशालाओं, उद्योग-पूर्व छात्रों-संकाय-छात्रों की बातचीत, लाइव प्रोजेक्ट, केस स्टडी और क्लब द्वारा आयोजित कई गतिविधियों के माध्यम से, हम छात्रों को रणनीति के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने की सुविधा प्रदान करते हैं।

ई-सेल

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची में ई-सेल छात्रों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। ई-सेल द्वारा वर्ष भर आयोजित होने वाले बिजनेस प्लान वर्कशॉप, केस स्टडी और ज्ञान शिविरों के साथ-साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित उद्यमियों और वक्ताओं को आमंत्रित करके समाज में उद्यमिता की संस्कृति को प्रोत्साहित और पोषित करने का प्रयास किया जाता है। ई-सेल का उद्देश्य उन कारकों से परिचित कराना है जो एक उद्यमी के लिए आवश्यक हैं और जो हमारे समाज को आगे बढ़ने में मदद करेंगे। विचार, जुनून, विजन और लचीलापन सीखना इसके मूल में हैं और क्लब छात्रों में उसी को विकसित करने का प्रयास करता है।

एचआर क्लब

हायर HiRe भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची में मानव संसाधन का अग्रणी क्लब है, जो प्रबंधन पेशेवरों के बीच मानव संसाधन के समग्र विकास और समझ के लिए स्थापित किया गया है। हायर का उद्देश्य पूरे देश में मौजूद कारोबारी दुनिया में मानव संसाधन प्रबंधन के पेशे के बारे में जागरूकता और बढ़ावा देना है।

हम भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची और विभिन्न अन्य बिजनेस - स्कूलों में चल रहे मानव संसाधन प्रबंधन की फ़िजा को बनाए रखने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के घटनाओं जैसे कॉन्क्लेव, क्विज़ और केस स्टडी प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के छात्रों को जन प्रबंधन के क्षेत्र में मजबूत रखने के लिए, हायर कार्यशालाओं का भी आयोजन करता है, जो छात्रों को खिड़की से मानव संसाधन की दुनिया की झलक प्रदान करते हैं। हम अपने मासिक न्यूजलेटर एचआर वाणी और वार्षिक न्यूजलेटर एचआर नीति का भी प्रकाशन करते हैं, ताकि छात्रों को मानव संसाधन में नवीनतम घटनाओं के बारे जानकारी दी जा सके।

हायर ने हाल ही में "एचआर वार्ता" शुरू की है, जो मानव संसाधन में उद्योग जगत के नेतृत्वकर्ताओं के साथ एक साक्षात्कार श्रृंखला है, ताकि वे उनके विचार प्राप्त कर सकें। इससे छात्रों को सीधे मानव संसाधन पंडितों से ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिलती है।

हायर में, हम मानव संसाधन समुदाय के नेटवर्क को और अधिक मजबूत बनाने में योगदान देने का प्रयास करते हैं।

डिजिटलीटिक्स - भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची का एनालिटिक्स क्लब

एनालिटिक्स अपने विघटनकारी मॉडलों के साथ दुनिया को टक्कर दे रही है। विमानन से लेकर बैंकिंग उद्योग तक, अस्पतालों से लेकर हॉस्पिटैलिटी उद्योग तक और बीमा से लेकर खेल क्षेत्र तक, हर संगठन आज अपने प्रतिस्पर्धियों से आगे रहने के लिए इस तकनीक का लाभ उठा रहा है। इसलिए नवोदित प्रबंधकों और नेतृत्वकर्ताओं के लिए इस विघटनकारी प्रौद्योगिकी के अंतर्निहित सिद्धांतों को सीखना और समझना अनिवार्य हो जाता है। भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के डिजिटलीटिक्स - एनालिटिक्स एसआईजी के पास शिक्षण सत्र और प्रतियोगिताओं के माध्यम से संस्थान के छात्रों को एनालिटिक्स की अवधारणाओं और मॉडलों के साथ शिक्षित करने का एक दृष्टिकोण है।

वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए निदेशक की रिपोर्ट

भारतीय प्रबंध संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 26 (1) और धारा 27 के अनुसार निदेशक की रिपोर्ट नीचे प्रस्तुत है :

<table>
<tr><th>खंड</th><th>विवरण</th><th>निदेशक की रिपोर्ट</th></tr>
<tr><td>26 (1) (ए)</td><td>संस्थान के मामलों की स्थिति</td><td>वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षा रिपोर्ट 2019-20 में विवरण उपलब्ध।</td></tr>
<tr><td>26 (1)(बी)</td><td>राशियाँ, यदि कोई हो, जिसे अधिशेष के रूप में बैलेंस शीट में ले जाने का प्रस्ताव है।</td><td>वर्ष 2019-20 की लेखा अंकेक्षण खातों के अनुसार वर्ष 2019-20 का अधिशेष रू. 32,26,61,152/-. को संस्थान के कॉर्पस फंड में स्थानांतरित किया गया है।

31-03-2020 को संस्थान का कुल अधिशेष आरक्षित यानी कॉर्पस रु. 2,04,52,68,271/- हैं।</td></tr>
<tr><td>26(1)(सी)</td><td>लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में किसी सीमा तक अधिशेष का अतियोक्ति या न्युनोक्ति आय के रूप में या आय से कम व्यय को इंगित किया गया है। यदि ऐसे कोई अतियोक्ति या न्युनोक्ति है तो इसका कारण</td><td>लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, आय की तुलना में व्यय में कोई अतियोक्ति या न्युनोक्ति कम या अधिक वरण नहीं है या व्यय की तुलना में आय में कोई कमी नहीं पायी गयी है।

दो वर्षों के लिए आय और व्यय का सारांश नीचे प्रस्तुत किया गया है:
<table>
<tr><th rowspan="2">विवरण</th><th colspan="2">राशि (रु. करोड़ में)</th></tr>
<tr><th>2019-20</th><th>2018-19</th></tr>
<tr><td>कुल आय (अनुदान सहित)</td><td>62.30</td><td>50.15</td></tr>
<tr><td>कुल व्यय (मूल्यहास को छोड़कर)</td><td>30.03</td><td>29.61</td></tr>
<tr><td>व्यय की तुलना में आय की अधिकता</td><td>32.27</td><td>20.54</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>26(1)(डी)</td><td>बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार संस्थान द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं की उत्पादकता का माप</td><td>वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाएं प्रगति पर हैं:
<table>
<tr><th>क्र. स.</th><th>संकाय का नाम</th><th>परियोजना अवधि</th><th>प्रगति/उत्पादन</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>प्रो. गौरव मनोहर मराठे</td><td>06 महीने</td><td>प्रो गौरव मराठे ने डेटा एकत्र किया है। अध्ययन 1 को सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया (फुल पेपर)। अध्ययन 2 के परिणामों का विश्लेषण किया गया। अनुसंधान ड्राफ्ट तैयार है और प्रोफेसर जनवरी के महीने में जर्नल ऑफ बिजनेस एथिक्स के एक विशेष अंक में प्रस्तुत करने की योजना बना रहे हैं।</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>प्रो. अमरेंदु नंदी</td><td>18 महीने</td><td>प्रो अमरेंदु नंदी ने एक शोध परियोजना शुरू की थी, जिसे इकोनोमिक एंड पोलिटिकल इकॉनमी (एबीडीसी: बी) में प्रकाशन प्राप्त हुआ।</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>प्रो. अनुभव मिश्रा</td><td>18 महीने</td><td>एक जर्नल प्रकाशन:
मिश्रा,ए. एंड महेश्वरप्पा, एस.एस. (2019)। हाऊ कंटेंट वैलेंस एंड ऑनलाइन इंप्रेशन इन्फ्लुएंस गोल अचीवमेंट इन सोशल मीडिया एनवायरनमेंट ? ग्लोबल बिज़नस रिव्यु, 20(5), 1267-1281 । [https://journals.sagepub.com/doi/10.1177/0972150918793964] सम्मेलन की कार्यवाही।
मिश्रा, अनुभव; सामू, श्रीधर एंड शमीम, एस. (2018) । "बिलीव इट ऑर नॉट ! एंटेकेडेंट्स एंड कॉन्सिक्वेंसेस ऑफ फाल्स न्यूज इन मार्केटिंग", इन एपी - एशिया-पैसिफिक एडवांसेज इन कंज्यूमर रिसर्च वॉल्यूम 12, ईडीएस शैलेंद्र प्रताप जैन एंड अक्षय विजयलक्ष्मी, डूलुथ, एम.एन. : एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर रिसर्च, पेज: 79-79। [https://www.acrwebsite.org/volumes/1700376/volumes/ap12/AP-12]
मिश्रा, अनुभव एंड सामू, श्रीधर (2019) । आइडेंटिटी परसेप्शन एंड शेयरिंग इंटेंट्स इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ फेक न्यूज, आईआईएम इंदौर – एनएएसएमईआ समर मार्केटिंग इनफार्मेशन सिस्टम कांफ्रेंस, 26-28 जुलाई, आईएसबीएन - 978-1-78635-428-0।
जर्नल प्रकाशन - प्रक्रिया में : पेपर को पहले जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च को प्रस्तुत किया गया, जिसे पहली समीक्षा के बाद खारिज कर दिया गया। सुझावों को शामिल करने के बाद जर्नल ऑफ कंज्यूमर मार्केटिंग को प्रस्तुत किया गया, समीक्षाधीन प्रक्रिया में।</td></tr>
</table></td></tr>
</table>

खंड	विवरण	निदेशक की रिपोर्ट

क्र. स.	संकाय का नाम	परियोजना अवधि	प्रगति/उत्पादन
4.	प्रो. प्रीती रे	12 महीने	शोध पत्र को आईजेएसडीए (वेब ऑफ साइंस इंडेक्सेड जर्नल) में स्वीकार किया गया है, जिसे प्रो. प्रीती रे द्वारा लिखा गया है, जिसका शीर्षक है "एग्रीकल्चरल सप्लाई चैन रिस्क मैनेजमेंट अंडर प्राइस एंड डिमांड अनसर्टेनिटी" विशेष अंक में प्रस्तुत: मल्टी क्रीटेरिओन डिसिशन मेकिंग ऑन सेफ्टी एंड सस्टेनेबिलिटी इश्यूज इन इंडस्ट्री ऑर डिफरेंट सेक्टर्स । इसका पावती अनुभाग में उल्लेख किया गया है, कि "यह शोध भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची, भारत द्वारा समर्थित है [सीड मनी ग्रांट 2019]"।
5.	प्रो. प्रसेनजीत चक्रवर्ती	16 महीने	परियोजना पूरी हो गई है और इसे 'बी' (एबीडीसी) श्रेणी की पत्रिका में जमा कर दिया गया है। वर्तमान में पेपर आर एंड आर स्थिति में है।
6.	प्रो. मनीष कुमार	18 महीने	शोध कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रकाशन रिपोर्ट आना बाकी है।
7.	प्रो. अमित सचान और प्रो. अरिंदम मुखर्जी	14 महीने	प्रो. अमित सचान और प्रो. अरिंदम मुखर्जी ने इस अवधि के दौरान दो शोध समस्याओं पर काम किया। इस रिपोर्ट के शोध पत्र की पत्रिकाओं में समीक्षा की जा रही है। दूसरे शोध समस्या पर पेपर लेखन प्रगति पर है।
8.	प्रो. अंबुज बी. आनंद	18 महीने	प्रो. अंबुज बी. आनंद ने इस शोध अनुदान से प्रकाशित किया है। जिसका शीर्षक – रोल ऑफ़ इंटीग्रेशन इन स्केलिंग ऑफ़ एन ई – गवर्नमेंट प्रोजेक्ट एबीसीडी श्रेणी – बी

26(1)(ई) — वर्ष 2019-20 के दौरान संस्थान में अधिकारियों और संकाय सदस्यों की नियुक्ति:

वर्ष 2019-20 के दौरान ग्यारह संकाय सदस्य और चार अधिकारी संस्थान में शामिल हुए

क्रमांक	संकाय सदस्यों का नाम	पदनाम
1	डॉ. देबजानी घोष	सहायक प्रोफेसर
2	डॉ. रेखा सिंघल	प्रोफेसर संविदा पर
3	डॉ. सुधांशु शेखर	सहायक प्रोफेसर ग्रेड- II
4	डॉ. नितिन सिंह	प्रोफेसर
5	डॉ. रोहित गुप्ता	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II
6	प्रो. साक्षी	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II
7	प्रो. क्लेमेंट कैब्रल	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II
8	प्रो. सूभ्रो सरकार	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II
9	प्रो. कामरान कुद्दुस	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II
10	प्रो. अंकुर झा	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II
11	प्रो. राजीव अरिकट जॉर्ज	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I
क्रमांक	**अधिकारियों का नाम**	**पदनाम**
1.	श्री सतीश कुमार	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
2.	श्री अजय कुमार	प्रशासनिक अधिकारी
3.	श्री त्रिलोचन कुमार	प्रशासनिक अधिकारी
4.	श्री विकास कुमार	प्रशासनिक अधिकारी

26(1)(एफ) — संस्थान द्वारा निर्धारित प्रदर्शन संकेतक और आंतरिक मानक, शिक्षण, अनुसंधान और ज्ञान के अनुप्रयोग में नवाचारों की प्रकृति सहित।

शिक्षण, अनुसंधान और ज्ञान के अनुप्रयोग में नवाचारों की प्रकृति सहित संस्थान द्वारा आंतरिक मानक निर्धारित है। संस्थान निश्चित मूल्यांकन मानकों, मूल्यांकन प्रक्रिया और पदोन्नति मानदंडों का पालन करता है और पदोन्नति आवेदनों के प्रसंस्करण के लिए समयरेखा निर्धारित करता है। मूल्यांकन अनुसंधान आउटपुट, शिक्षण और प्रशिक्षण, परामर्श और शैक्षणिक प्रशासन में योगदान पर आधारित है।

प्रत्येक संकाय सदस्य को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में गतिविधियों को दर्शाते हुए एक कार्य योजना तैयार करनी होती है और निदेशक से अनुमोदित करवाना होता है। शैक्षणिक वर्ष के अंत में इसके आधार पर संकाय सदस्य के वार्षिक प्रदर्शन का व्यक्तिगत रूप से मूल्यांकन किया जाता है।

खंड	विवरण	निदेशक की रिपोर्ट
26 (2)	वित्तीय वर्ष के दौरान संस्थान के 5 संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित पांच अधिकारियों के नाम जिन्हें वित्तीय वर्ष के दौरान उच्चतम पारिश्रमिक (ऐसे कर्मचारियों को दिए गए भत्ते और अन्य भुगतान सहित) प्राप्त हुआ और ऐसे कर्मचारी द्वारा योगदान।	**संकाय** प्रो. अमित सचान प्रो. प्रदीप कुमार बाला प्रो. रेखा सिंघल प्रो. ससाधर बेरा प्रो. शिबाशीष चक्रवर्ती **स्टाफ सदस्य** श्री असिस चक्रवर्ती डॉ. जयंत कुमार त्रिपाठी श्री। कृष्णचंद्रन आर. एम. श्री नरोत्तम साहू डॉ. प्रशांत कुमार **वर्ष 2019-20 के दौरान संकाय सदस्यों द्वारा योगदान** **प्रो. अमित सचान के प्रकाशन** कुमार, आर.; **सचान, ए.**, एंड कुमार, आर. (2020)। द इम्पैक्ट ऑफ़ सर्विस डिलीवरी सिस्टम प्रोसेस एंड मोडेरेटिंग इफ़ेक्ट ऑफ़ परसिवड वैल्यू इन इन्टरनेट बैंकिंग एडॉप्शन। *ऑस्ट्रेलियन जर्नल ऑफ़ इनफार्मेशन सिस्टम, 24 (जनवरी),* 1-22। https://doi.org/10.3127/ajis.v24i0.1923 **प्रो. अमित सचान द्वारा सम्मेलन में प्रस्तुत आलेख** झा, सी. ; **सचान, ए.; अधिकारी, ए. एंड कुंडू, एस.** (2020, 10-12 मार्च)। इम्पैक्ट ऑफ़ इंटेलेक्चुअल कैपिटल ऑन द परफॉरमेंस ऑफ़ हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूसंस. *प्रोसेडिंग ऑफ़ द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओं इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट ।* दुबई, यूएई। झा, सी. **एंड सचान, ए.** (2019, दिसंबर 19-21)। *परफॉरमेंस इवैल्यूएशन ऑफ़ इंडियन मैनेजमेंट इंस्टिट्यूसंस : प्री/ पोस्ट लिब्रलाइजेशन पीरियड । सोसाइटी ऑफ ऑपरेशंस मैनेजमेंट* (एसओएम 2019), कानपुर के XIII वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर : इंडस्ट्रियल एंड मैनेजमेंट इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, भारत। झा, सी. एंड **सचान, ए.** (2019, दिसंबर 13-14)। *टीचिंग एंड रिसर्च एफिशिएंसी इवैल्यूएशन ऑफ़ इंडियन मैनेजमेंट इंस्टिट्यूसंस* । पीओएमएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मुंबई में पेपर प्रस्तुत किया गया: मुंबई, भारत। नंदनकर, एन. एंड **सचान, ए.** (2019, दिसंबर 13-14)। *एडॉप्शन ऑफ़ गवर्नमेंट ई – मार्किट प्लेस (जेम) इन इंडियन गवर्नमेंट सेक्टर* । पीओएमएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मुंबई में पेपर प्रस्तुत किया गया: मुंबई, भारत। **सचान, ए.**, मुखर्जी, ए. एंड कुमार, आर. (2019, मई 3-6)। लिंकिंग सर्विस कांसेप्ट टू कस्टमर सटिसफैकशंस एंड मोडेरेटिंग रोल ऑफ़ डेमोग्राफिक वेरिएबल्स। *पीओएमएस इंटरनेशनल कांफ्रेंस वाशिंगटन में पेपर प्रस्तुत किया गया: वाशिंगटन, डीसी यूएसए।* **प्रो. पी के बाला के प्रकाशन** कुमार, बी. एंड **बाला, पी. के.** (2020)। कोसाइन बेस्ड लेटेंट फैक्टर मॉडल फॉर रैंकिंग द रिकोमेंडेशन। ऑपरेशनल रिसर्च : एन इंटरनेशनल जर्नल। 20 (1), 297-317. https://doi.org/10.1007/s12351-017-0325-6 रे, ए.; **बाला, पी. के.; दासगुप्ता, एस. ए.** एंड श्रीवास्तव, ए. (2020)। अंडरस्टैंडिंग द फैक्टर्स इन्फ्लुसिंग करियर चॉइसेस इन इंडिया : फ्रॉम द स्टूडेंट्स पर्सपेक्टिव्स। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट,* 20 (2), 175-193. https://doi.org/10.1504/IJICBM.2020.105641 बेहरा, आर.के.; गुनासेकरन, ए.; गुप्ता, एस.; कम्बोज, एस. एंड **बाला, पी. के.** (2020)। पर्सनलाइज्ड डिजिटल मार्केटिंग रेकोमेंडर इंजन। *जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज,* 53 (मार्च), 1-24। https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2019.03.026

खंड	विवरण	निदेशक की रिपोर्ट
		श्रीवास्तव, ए.; **बाला, पी. के.** एंड कुंबर, बी. (2020) I न्यू पर्सपेक्टिव्स ऑन ग्रेशिप बिहेवियर इन ई-कॉमर्स रिकोमेंडेशंस I *जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज,* 53 (मार्च), 1-11 I https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2019.02.018 रे, ए.; **बाला, पी. के.** एंड रे, ए. (2020) I एन एनएलपी – बेस्ड एप्प्रोच टू एक्स्प्लोर फैक्टर्स एफ्फेक्टिंग इंटेंशन टू यूज़ वेरियस ई - सर्विसेज I टेस्ट इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 82 (जनवरी/फरवरी), 12129 – 12136 I http://www.testmagzine.biz/index.php/testmagzine/article/view/2791 रे, ए. एंड **बाला, पी. के.** (2020) I सोशल मीडिया फॉर इम्प्रुव्ड प्रोसेस मैनेजमेंट इन आर्गेनाइजेशन्स डुरिंग डीसास्टर्स I *नॉलेज एंड प्रोसेस मैनेजमेंट,* 27(1), 63-74. https://doi.org/10.1002/kpm.1623 रे, ए.; धीर, ए., **बाला, पी. के.** एंड कौर, पी. (2019) I व्हाई डू पीपल्स यूज़ फ़ूड डिलीवरी ऐप्स (एफडीए) ? ए यूज़ेस एंड ग्रटीफिकेशन थ्योरी पर्सपेक्टिव I *जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज,* 51 (नवंबर), 221 – 230 I https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2019.05.025 बेहरा, आर. के.; **बाला, पी. के.** एंड धीर, ए. (2019) I द इमर्जिंग रोल ऑफ़ कोग्नीटीव कंप्यूटिंग इन हेल्थकेयर : ए सिस्टेमेटिक लिटरेचर रिव्यू I *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल इंफॉर्मेटिक्स,* 129 (सितंबर), 154-166 I https://doi.org/10.1016/j.ijmedinf.2019.04.024 रे ए.; **बाला, पी.के. एंड दासगुप्ता, एस. ए.** (2019) I रोल ऑफ़ औथेंटिसिटी एंड पर्सिव्ड बेनेफिट्स ऑफ़ ऑनलाइन कोर्सेज ऑन टेक्नोलॉजी बेस्ड कैरियर चॉइस इन इंडिया : ए मॉडिफाइड टेक्नोलॉजी एडॉप्शन मॉडल बेस्ड ऑन कैरियर थ्योरी I *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इनफार्मेशन मैनेजमेंट,* 47 (अगस्त), 140-151 I https://doi.org/10.1016/j.ijinfomgt.2019.01.015 वर्मा, एन. एंड **बाला, पी. के.** (2019) I कॉन्टेक्स्ट – एवेयर इनफार्मेशन सिक्यूरिटी इन द वर्ल्ड ऑफ़ बिग डाटा I *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन बिजनेस स्टडीज,* 4(1), 145-172 I http://www.ijrbs.com/wp-content/uploads/2019/06/Dr.%20Nitin%20Varma.pdf **प्रो. पी. के. बाला के बुक चैप्टर /बुक में प्रकाशन** रे ए.; **बाला पी. के. एंड दासगुप्ता**, एस. ए. (2020) I सायकोलोजिकल एनालिटिक्स बेस्ड टेक्नोलॉजी एडॉप्शन मॉडल फॉर इफेक्टिव एजुकेशनल मार्केटिंग। इन*: राणा एन. एट अल. (ईडीएस) डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग* I एडवांसेज इन थ्योरी एंड प्रैक्टिस ऑफ़ इमर्जिंग मार्केट्स (पीपी. 163-174) I स्प्रिंगर, चाम I https://doi.org/10.1007/978-3-030-24374-6_12 **प्रो. पी. के. बाला द्वारा सम्मेलन में प्रस्तुत आलेख** रे ए. एंड **बाला, पी. के.** (2020, 27 मार्च)। ए एनएलपी- बेस्ड क्रिप्टोसिस्टम टू कण्ट्रोल स्प्रेड ऑफ़ फेक न्यूज़ थ्रू सोशल-मीडिया I इन: दास एच.; पटनायक पी.; राउतराय एस.; ली के.सी. (ईडीएस) प्रोग्रेस इन कंप्यूटिंग, एनालिटिक्स एंड नेटवर्किंग I एडवांसेज इन इंटेलिजेंट सिस्टम एंड कंप्यूटिंग, अंक 1119 I स्प्रिंगर, सिंगापुर I https://doi.org/10.1007/978-981-15-2414-1_44 कुमार, बी.; **बाला, पी. के.**, रे, ए. एंड श्रीवास्तव, ए. (2019, 5 दिसंबर - 7) I यूजर – आइटम – कॉन्टेक्स्ट इन्टेरेक्टिंग फॉर इन्हान्सिंग ईकामर्स डेटा मैनेजमेंट I प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द सेवेंथ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बिजनेस एनालिटिक्स एंड इंटेलिजेंस 5 - 7 दिसंबर, 2019, भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर I रे, ए. एंड **बाला, पी. के.** (2019, 5 दिसंबर - 7) I अंडरस्टैंडिंग द यूज़ेज एंड ग्रान्टीफिकेशन वैल्यूड बाय कस्टमर्स थ्रू एन एनएलपी-बेस्ड एप्रोच I प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द सेवेंथ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बिजनेस एनालिटिक्स एंड इंटेलिजेंस 5 - 7 दिसंबर, 2019, भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर I **प्रो. रेखा सिंघल के प्रकाशन** सुशांत एंड सिंघल, आर. (2019) I बिल्डिंग्स ब्लॉक्स ऑफ एन इफेक्टिव एनजीओ। वोलंटरी सेक्टर रिव्यू, 10 (2), 167 - 187. https://doi.org/10.1332/204080519X15617330887633

खंड	विवरण	निदेशक की रिपोर्ट
		प्रो. ससाधर बेरा के कांफ्रेंस में प्रस्तुत आलेख कुमारी, एस.; **बेरा, एस.** एंड कुमार, आर. (2020, 27-28 फरवरी)। ऑपरेशनल एंड फाइनेंसियल पर्सपेक्टिव ऑफ़ सीसीएस। आईसीईआईएम -2020 : इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एनर्जी एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, पीपी 291- 305। पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात। डॉ. ससाधर बेरा को 27-28 फरवरी, 2020 के दौरान उपर्युक्त पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ कांफ्रेंस पेपर का पुरस्कार मिला।
26 (3)	उप-धारा (2) में निर्दिष्ट वो कर्मचारी जो संस्थान के बोर्ड या अकादमिक परिषद् के किसी भी सदस्य के रिश्तेदार है। यदि हां, तो ऐसे सदस्य का नाम और ऐसे अन्य विवरण बोर्ड द्वारा उल्लेखित।	उपर्युक्त कर्मचारियों में से कोई भी संस्थान के बोर्ड या अकादमिक परिषद् के किसी भी सदस्य का रिश्तेदार नहीं है।
26 (4)	लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में निहित प्रत्येक आरक्षण, योग्यता या प्रतिकूल टिप्पणी पर उपधारा (1) में निर्दिष्ट रिपोर्ट में पूरी जानकारी और स्पष्टीकरण।	वित्तीय वर्ष 2019-20 का नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का अंतिम ऑडिट रिपोर्ट (एसएआर) प्रतीक्षित है।

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) लखनऊ

सत्यमेव जयते

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Director General of Audit (Central) Lucknow

संख्या. डीजीएसी / लखनऊ / एसएआर /आई.आई.एम.रॉ./2019–20 /31 दिनांकः 15.06.2021

सेवा में,

निदेशक,
भारतीय प्रबंध संस्थान (आई.आई.एम.), रांची
सूचना भवन, ऑड्रे हाउस परिसर
मेयर्स रोड रांची–834008

विषय – वर्ष 2019–20 के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची के लेखा पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन ।

महोदय,

मैं इस पत्र के साथ वर्ष 2019–20 के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची के लेखा पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र के साथ लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा सूचना आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज रहा हूँ

2. इन सभी दस्तावेजों की प्रति सचिव, भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली को सूचना आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजा गया है।

3. लेखा परीक्षित लेखा तथा पृथक परीक्षा प्रतिवेदन को संसद के सदन में रखने से पहले भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, के शासी परिषद में अंगीकर किया जाना चाहिए।

4. लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखा परिक्षित वार्षिक लेखा सहित लेखा प्रमाण पत्र को शासी परिषद द्वारा अंगीकार किए जाने संबंधी (1)संकल्प, संसद के सदन में प्रस्तुति की तिथि एवं (3) संस्थान का वार्षिक प्रतिवेदन की एक–एक प्रति इस कार्यालय के अभिलेख तथा भारत सरकार के भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक, नई दिल्ली को भेजने हेतु भिजवाया जाए।

5. हिन्दी अनुवाद में किसी प्रकार की त्रुटि के लिए अंग्रेजी पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का अवलोकन किया जाय।

6. अनुलग्नक सहित पत्र की पावती देने की कृपा करें ।

भवदीय,

संलग्नक : यथोपरि

[signature]

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), लखनऊ

तृतीय तल, आडिट भवन, टी0सी0-35-वी-1, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उ0प्र0) दूरभाष : 0522-2970789, फैक्स : 0522-2970780 (म.नि.)
3rd Floor, Audit Bhawan, T.C.-35-V-1, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226010 Ph. : 0522-2970789, Fax : 0522-2970780 (DG)

भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची के वर्ष 31 मार्च 2020 के लेखाओं पर नियंत्रण एवं महालेखापरीक्षक का पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

हमने भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची (भ.प्र.सं.राँ) के 31 मार्च 2020 तक के तुलन पत्र, आय एवं व्यय खातों तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखाओं का लेखा परीक्षा (भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य,शक्ति एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम 1971 के अनुभाग 19(2) के अन्तर्गत कर ली है।ये वित्तीय विवरणियाँ संस्थान के प्रबन्ध की उतरदायित्व है। हमारा उतरदायित्व लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में केवल वर्गीकरण, सर्वोतम लेखा प्रचलन पदृति के साथ अनुरूपता, लेखाकरण मानकों तथा प्रकटीकरण मानकों आदि के संबंध में भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सी०ए०जी०) की टिप्पणियाँ सम्मिलित हैं। वित्तीय लेन देन पर विधि, नियमों, एवं विनिमयों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता सह निश्पादन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में लेखा परीक्षा अभियुक्तियाँ, यदि कोई हैं, निरीक्षण प्रतिवेदनों/भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के माध्यम से अलग से सूचित की जाती हैं।

3. हमने भारत में सामान्य से रूप से स्वीकार किये गये लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार लेखाओं की लेखापरीक्षा की हैं। हमने इन मानकों में अपेक्षित है हमने योजनाबद्ध तरीके से लेखा परीक्षा का निष्पादन समुचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए किया ताकि यह "वित्तीय विवरण गलत विवरणों से मुक्त हो। लेखा परीक्षा में नमूनों पर जाँच आधारित परीक्षण रकमों का समर्थन करने वाले साक्ष्यों और वित्तीय विवरणो में प्रकटन शामिल हैं। लेखा परीक्षा में प्रयुक्त किए गये लेखाकरण सिद्धान्तों तथा प्रबन्धन द्वारा किए गए महत्वपुर्ण प्राक्क्लनों का निर्धारण और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मुल्यांकन भी सम्मिलित हैं। हमारा विश्वास हैं कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे मत के लिए समुचित आधार मुहैया कराती हैं।

4. अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर हम प्रतिवेदित करते हैं कि:

(i) हमनें वह समस्त सूचना और स्पश्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार लेखापरीक्षा के उद्देश्य के लिए आवश्यक थे।

(ii) तुलन–पत्र, आय–व्यय लेखा, एवं प्राप्ति एंव भुगतान जिन्हें इस प्रतिवेदन में लिया गया है उन्हें वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अनुमोदित सामान्य प्रारूप में तैयार किया गया है।

(iii) जैसा कि हमारे द्वारा बहियों के निरीक्षण से प्रकट होता है कि भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची, ने भारतीय प्रबंधन संस्थान अधिनियम 2017 के धारा 23 एवम 24 के अधीन आवश्यक लेखा बहियां एवं अन्य सम्बंधित दस्तावेज संस्थान द्वारा उचित अवस्था में रखे गये है।

(iv) हम आगे प्रतिवेदन करते है कि :–

अ. तुलन पत्र

अ. तुलन पत्र

अ.1 देनदारियों

अ.1.1 चालू देनदारियो एवं प्रावधान (अनुसूची–3) रू 22.85 करोड़

अ.1.1.1 जी.एफ.आर. के नियम 230 के अनुसार ब्याज एवं अन्य आय जो कि सरकारी अनुदान अथवा अग्रिम से प्राप्त हैं को भारत की संचित निधि में खातो को अंतिम रूप के तुरंत बाद अनिवार्य रूप से प्रेशित किया जाना चाहिए।

वार्शिक खाता वर्श 2017–18 से 2019–20 यह दर्शाता है कि संस्थान ने रू. 8.14 करोड़ (रू. 3.19 करोड़, रू. 3.12 करोड़ एवं रू. 1.84 करोड़ क्रमशः वर्श 2017–18, 2018–19 एवं 2019–20) सरकारी अनुदान पर ब्याज कमाया। हालांकि संस्थान ने ब्याज का रू. 8.14 करोड़ सरकार को प्रेषित नही किया जो कि जी.एफ.आर. के नियम 230 उल्लंघन है। चालू वार्षिक लेखे 2019–20 में चालू देनदारी शीर्ष के तहत राशि को सरकार को वापसी योग्य के रूप में भी नही दिखाया गया था।

इस अनियमित व्यवहार के परिणामस्वरूप रू. 8.14 करोड़ चालू देनदारियों को कम करके तथा पूंजीगत निधि को ज्यादा कर के दिखाया गया।

अ.1.1.2 संस्थान के पास रू. 38.83 करोड़ अप्रयुक्त अनुदान का प्रारंभिक शेष है (रू. 45.14 करोड़ (अनुसूची 10) – रू. 6.31 करोड़ (व्याज) । वर्ष के दौरान संस्थान को पूंजीगत शीर्ष के अंतर्गत रू. 25 करोड़ अनुदान प्राप्त हुआ है। संस्थान को एम.पी. एल.ए.डी. निधि से सभागार सह संगोष्ठी हॉल के लिए रू. 2.50 करोड़ का अनुदान

प्राप्त हुआ है। इस तरह रू. 66.33 करोड़ संस्थान के पास पूंजीगत खर्च के लिए प्राप्त है। इसमें से संस्थान ने वर्ष के दौरान मात्र रू. 60.59 करोड़ (रू. 71.97 करोड़ (अनुसूची 10)–रू.11.38 करोड़ (अग्रिम) का उपयोग किया। पूंजीगत खर्च रू. 60.59 करोड़ में समागार सह संगोष्ठी हॉल का निर्माण भी सम्मिलित है। इस प्रकार संस्थान को वर्तमान देनदारियों के तहत अप्रयुक्त अनुदान शीर्ष के तहत रू. 5.74 करोड़ प्रदर्शित करने की आवश्यकता थी। इस तरह से अनियमित व्यवहार के परिणामस्वरूप रू. 5.74 करोड़ चालू देनदारियों को कम तथा पूंजीगत निधि को अधिक दर्शाया गया।

अ. 2 सम्पत्तियाँ

अ.2.1 पूंजीगत कार्य प्रगति (अनुसूची 4) रू. 76.03 करोड़

संस्थान ने मेसर्स एन बी सी सी (आई) लि० को रू. 6.53 करोड़ एवं रू. 4.85 करोड़ 8वां एवं 9वां चालू खाता बिल के एवज में क्रमशः मई एवं जून 2020 के लिए अग्रिम दिया गया। संस्थान ने रू. 11.38 करोड़ अग्रिम के स्थान पर कार्य प्रगति पर अनियमित रूप से दर्शाया है।

अनियमित उपचार के परिणामस्वरूप रू. 11.38 करोड़ से अचल संम्पति का अधिक विवरण–पूंजीगत कार्य प्रगति पर और ऋण अग्रिम एवं जमा को कम बताया गया है।

ब. आय एवं व्यय खाता

ब. 1. वर्ष 2019–20 के वार्षिक लेखों के अनुसार मूल्यह्रास के बाद अमूर्त संम्पत्ति का भाुद्ध मूल रू. 2.75 करोड़ था।

सम्पत्ति पंजी यह दर्शाता है कि मूल्यह्रास के बाद अमूर्त संम्पत्ति का भाुद्ध मूल्य 31.03.2020 को रू. 2.33 करोड़ है।

मूल्यह्रास का गलत मूल्यांकन के वजह से रू. 0.42 करोड़ से अमूर्त संम्पत्ति एवं आय से अधिक खर्च को ज्यादा दिखाया गया है।

स. सामान्य

स. 1. एम एच आर डी द्वारा निर्धारित वित्तीय विवरण के प्रारूप के अनुसार छात्र से प्राप्त शुल्क को उप–शीर्ष प्रवेश शुल्क, ट्यूशन फीस, पुस्तकालय शुल्क, एवं

छात्रावास शुल्क आदि के तहत प्रदर्शित किया जाना है। संस्थान ने वर्ष के दौरान छात्रों से 39.38 करोड़ रूपये छात्र से प्राप्त फीस प्राप्त के तहत दर्शाया। संस्थान ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप के उल्लंघन किया । उपरोक्त उप–शीर्ष के तहत शुल्क प्रदर्षित नही किया।

द. अनुदान

संस्थान के पास अप्रयुक्त अनुदान एवं सरकरी अनुदान पर व्याज सहित का पूर्व शेष रू. 46.97 करोड़ है। वर्ष के दौरान संस्थान को पूंजीगत शीर्ष के अंर्तगत रू. 25 करोड़ अनुदान प्राप्त हुआ है। संस्थान को एम.पी.एल.ए.डी. निधि से सभागार सह संगोष्ठी हॉल के लिए रू. 2.50 करोड़ का अनुदान प्राप्त हुआ है। इस प्रकार रू. 74.47 करोड़ संस्थान के पास पुंजीगत खर्च के लिए था। इसमें से रू.60.59 करोड़ (रू. 71.97 करोड़–रू. 11.38 करोड) मात्र उपयोग किया। वर्ष के दौरान अप्रयुक्त राशि रू. 13.88 करोड़ 31.03.2020 को था।

ध. प्रबंधन पत्र

जो त्रुटियाँ इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं की गयी हैं, उनकी जानकारी संस्थान को प्रबंधन पत्र के द्वारा दे दी गयी है, जो अलग से उपचारात्मक /सुधारात्मक कार्यवाही के लिए निर्गत की गयी है।

(v) पूर्ववर्ती कंडिकाओं में दिए गये अवलोकनों के मद्देनजर हमारे प्रतिवेदन के अनुसार तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखा, जिसका निपटारा इस प्रतिवेदन के द्वारा किया गया है, लेखा बही के अनुरूप है।

(vi) हमारी राय में तथा हमें उपलब्ध कराए गये जानकारी एवं दिये गये स्पश्टीकरण के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण, लेखा विधि की नीतियों, लेखा पर टिप्पणियों तथा उपर वर्णित महत्वपूर्ण मुद्दों तथा इस लेखा परीक्षा की प्रतिवेदन की अनुलग्नक में उल्लिखित बातों के अनुसार, भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखा विधि के सिद्धांतों की अनुरूपता में सच्ची एवं निशपक्ष मत उपलब्ध करातें हैं।

क) यह भारतीय प्रबन्ध संस्थान, राँची 31 मार्च 2020 से संबंधित तुलन पत्र की परिस्थति से संबंधित है और

ख) यह उक्त तिथि को समाप्त हो रहे वर्ष में आय एवं व्यय खाता के अधिशेश से संबंधित है।

कृते भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरिक्षक की ओर से

स्थानः लखनऊ

दिनांकः 15.6.2021

राजकुमार।

महानिदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय), लखनऊ

लेखा परीक्षा की प्रतिवेदन की अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखा–परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

इस संस्थान का अपना आंतरिक लेखा परीक्षा का अनुभाग नहीं है बल्कि संस्थान का आंतरिक लेखा परीक्षा एक चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म के द्वारा की गई है। संस्थान को आंतरिक अंकेक्षण मैनुअल तैयार करना है।

2. आंतरिक नियन्त्रण प्रणानी की पर्याप्तता

आंतिरक नियन्त्रण प्रणाली में निम्नलिखित कमियाँ पाई गई ।

I. भारतीय प्रबंधन संस्थान अधिनियम 2017 धारा 25(2) के अनुसार हर संस्थान को एक अकेंक्षण समिति का गठन करना चाहिए। जो कि बोर्ड को आंतरिक नियंत्रण प्रणाली, जोखिम प्रबंधन और लेखा अकेंक्षण रिपोर्ट की प्रभावशीलता एव विशेषज्ञ सलाह प्रदान करें। संस्थान ने अभी तक अकेक्षण समिति का गठन नही किया है।

II. 2013–14 से 2019–20 तक संस्थान के निवेश पर प्रप्य व्याज पर बैंक द्वारा टी डी एस काटा जा रहा है। परन्तु टी डी एस का रिफन्ड वित्तीय वर्ष 2014–15, 2016–17 एवं 2017–18 का संस्थान को प्राप्त हो गया है। रू. 50.04 लाख वर्श 2013–14 एवं 2018–19 आयकर विभाग द्वारा रिफन्ड नही किया गया हैं।

संस्थान के पास एकाउंटिग मेनुअल एवं कार्यालय प्रक्रिया प्रणाली नही है।

III. रोकड़ वही के निर्धारित प्रारूप में संसाधित नही किया गया है। इसे टैली में संसाधित किया जाता है।

3. अचल सम्पत्ति और वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

संस्थान के द्वारा सिर्फ संम्पत्ति का भौतिक सत्यापन वर्ष के लिए किया गया है।

4. वैधानिक देय के भुगतान में नियमितता

संस्थान के द्वारा व्यवसायिक कर कर्मचारी से तिमाही आधार पर काटा जाता है तथा वार्शिक आधार पर जमा किया जाता है। वर्ष के दौरान संस्थान ने रू. 1.45 लाख कर्मचारी से काटा तथा 22.06.2020 को जमा किया।

बैलेंस शीट 2019-20

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र

(राशि रू.में)

निधियों का स्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
कॉर्पस/पूंजी निधि	1	2,95,49,48,992.99	1,91,95,31,744.54
निर्दिष्ट/नामित/अक्षय	2	67,43,112.00	40,26,651.00
वर्तमान देनदारियां और प्रावधान	3	22,84,85,895.15	54,19,91,736.66
कुल		**3,19,01,78,000.14**	**2,46,55,50,132.20**
निधियों का आवेदन	**अनुसूची**	**चालू वर्ष**	**विगत वर्ष**
संपत्ति	4		
अचल संपत्ति		13,11,20,013.15	13,42,60,569.00
चल संपत्ति		2,74,83,297.87	2,23,25,143.34
प्रगतिरत पूंजीकार्य		76,02,90,418.00	3,96,99,200.00
अर्जित/अंतराल फंड से निवेश	5	-	
लंबी अवधि		0	0
लघु अवधि		0	0
निधि का निवेश	6	-	-
चालु संपत्ति	7	1,88,04,11,610.79	2,23,90,83,588.69
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	39,08,72,660.33	3,01,81,631.17
कुल		**3,19,01,78,000.14**	**2,46,55,50,132.20**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		-
संदिग्ध दायित्त्व और खातों के लिए नोटस	24	-	

हमारे स्वतंत्र अंकेक्षण प्रतिवेदन के अनूसार

मेसर्स अंजली जैन एसोसियेट्स
चार्टड एकाऊटेंटस
फर्म रजि० न० 00३२४७सी

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

सी. ए. अंजली जैन
साझेदार
सदस्यता सं० 0७२0२२

निदेशक | **वित्त एवं लेखा**

राँची
२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

(राशि रू.में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
आय			
शैक्षणिक आय	9	39,37,62,964.00	33,34,04,718.56
सरकारी अनुदान	10	-	56,97,585.91
निवेश से आय	11	14,77,32,795.66	10,70,05,314.79
ब्याज से आय	12	0	0
गैर–अनुदान और अन्य प्राप्तियां	13	8,14,56,384.76	5,53,44,838.00
पूर्व अवधि आय(गैर अनुदान)	14	-	-
कुल (क)		**62,29,52,144.42**	**50,14,52,457.26**
व्यय			
स्थापना व्यय	15	11,66,25,011.00	10,86,45,383.00
शैक्षिक व्यय	16	5,38,52,475.37	5,34,60,693.49
अन्य प्रशासनिक व्यय	17	8,11,36,213.10	8,89,83,967.93
यात्रा और वाहन व्यय	18	1,23,59,065.00	1,19,88,970.00
मरम्मत एवं रखरखाव	19	60,74,424.00	44,17,384.00
वित व्यय	20	1,04,200.83	49,522.18
मूल्यह्रास	4	3,72,11,352.82	3,47,30,939.62
गैर–अनुदान व्यय	21	3,00,63,066.50	2,74,07,789.43
पूर्व अवधि व्यय	22	76,537.00	11,04,252.00
कुल (ख)		**33,75,02,345.62**	**33,07,88,901.65**
व्यय पर आय की अधिकता (क–ख)		**28,54,49,798.80**	**17,06,63,555.61**
पुंजी निधि से स्थानांतरण		3,72,11,352.82	3,47,30,939.62
घटाएं :: वर्ष के दौरान समायोजित मूल्यह्रास संपत्तियां		-	-
शेष कोर्पस फंड में स्थानांतरण		**32,26,61,151.62**	**20,53,94,495.23**

हमारे स्वतंत्र अंकेक्षण प्रतिवेदन के अनूसार

मेसर्स अंजली जैन एसोसियेट्स
चार्टड एकाऊटेंटस
फर्म रजि० न० ००३२४७सी

सी. ए. अंजली जैन
साझेदार
सदस्यता सं० ०७२०२२

निदेशक

वित्त एवं लेखा

राँची
२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूचि – 1 पूंजी अनुदान

(राशि रू.में)

कॉर्पस निधि		
विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
पूंजी निधि का प्रारंभिक शेष	1,71,73,09,267.07	1,51,11,97,220.50
जोड़ें: कॉर्पस/पूंजीगत फंड का निवेश		
जोड़ें अन्य	57,00,264.00	7,17,551.34
जोड़ें : आय और व्यय खाते से हस्तांतरण	32,26,61,151.62	20,53,94,495.23
कुल	2,04,56,70,682.69	1,71,73,09,267.07
घटायें: अन्य	4,02,411.35	-
कुल	2,04,52,68,271.34	1,71,73,09,267.07
(कटौती) आय और व्यय खाते से स्थानांतरित घाटा	-	-
वर्ष के अंत में शेष	2,04,52,68,271.34	1,71,73,09,267.07
पूंजी निधि		(राशि रू.में)
विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
प्रारंभिक शेष	20,22,22,477.47	62,80,58,171.47
जोड़ें	-	-
एम.एच.आर.डी. भारत सरकार से प्राप्त अनुदान	-	-
संपत्ति खरीद	74,46,65,747.00	8,78,80,715.00
ह्रास का समायोजन वर्ष २०१८–१९	3,850.00	
घटायें	-	-
1. वर्ष के दौरान ह्रास	3,72,11,352.82	3,47,30,939.00
2. अनुपयोगी अनुदान	-	47,89,85,470.00
कुल	90,96,80,721.65	20,22,22,477.47
रिजव एवं प्रावधान		
जोड़ें	-	-
घटाएं	-	-
कुल		
जोडें: आय और व्यय खाते से व्यय किए गए व्यय से अधिक आय	-	-
कुल	90,96,80,721.65	20,22,22,477.47
(कटौती) आय और व्यय खाते से स्थानांतरित घाटा	-	-
वर्ष के अंत में शेष	90,96,80,721.65	20,22,22,477.47
कुल योग: (कॉर्पस+पूंजीगत निधि)	2,95,49,48,992.99	1,91,95,31,744.54

निदेशक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

वित्त एवं लेखा

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची–2 निर्दिष्ट/नामित/अक्षय

(राशि रू.में)

विवरण	फंड वार ब्रेकअप		कुल	
अनुसूची–2.1	पूर्व छात्र एसोसिएसन निधि	उन्नत भारत अभियान	चालू वर्ष	विगत वर्ष
अ				
क) प्रारंभिक शेष	39,97,243.00	29,408.00	40,26,651.00	16,12,478.00
ख) वर्ष के दौरान जोड	28,09,786.00	-	28,09,786.00	27,40,000.00
ग) निवेश से आय			-	-
घ) निवेश से अर्जित व्याज			-	-
ड) बचत खाता में व्याज			-	-
च) अन्य जोड			-	-
कुल–(अ)	68,07,029.00	29,408.00	68,36,437.00	43,52,478.00
ब.			-	
धन के उद्देश्यों के लिए उपयोग/व्यय			-	
पूंजी गत व्यय			-	-
राजस्व व्यय	63,917.00	29,408.00	93,325.00	3,25,827.00
कुल (ब)	63,917.00	29,408.00	93,325.00	3,25,827.00
अंतिम शेष (अ–ब)	67,43,112.00	-	67,43,112.00	40,26,651.00

निदेशक

वित्त एवं लेखा

रॉंची
२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 3. चालू दायित्त्व और प्रावधान (2019–20)

		(राशि रू.में)
विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
अ. चालू दायित्त्व		
1. कर्मचारियो से जमा	-	
2. विद्यार्थीयो से जमा	90,43,000.00	1,08,38,680.00
3. विविध लेनदार		
अ. माल एवं सेवा हेतू	16,42,12,532.30	3,25,76,688.36
ब. अन्य	-	99,33,809.30
4.जमा–अन्य (ईएमडी, सुरक्षा जमा सहित)	11,19,659.00	10,16,285.00
5. सांविधिक देयताएं (जीपीएफ, टीडीस, डब्ल्यूसी टैक्स, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस):	1,24,52,732.23	70,87,444.00
ए.) अतिदेय		
बी.) अन्य		
6. अन्य चालू दायित्त्व		
ए.) अग्रीम फीस प्राप्ति	1,00,000.00	
बी.) वेतन		
सी) प्रायोजित परियोजनाओं (एमडीपी और परामर्श के खिलाफ रसीदें)	81,31,820.62	21,58,066.00
डी) प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति के खिलाफ रसीदें	48,57,000.00	95,42,000.00
ई) अप्रयुक्त अनुदान	-	45,13,73,359.00
एफ) अग्रिम अनुदान	-	
जी) अन्य देयताएं (चिकित्सा प्रतिपूर्ति)	76,907.00	-
एच) अन्य देयताएं (सामान्य पूल)	80,244.00	1,61,405.00
कुल (अ)	20,00,73,895.15	52,46,87,736.66
ब. प्रावधान		
1. कर हेतू		
2. ग्रेच्यूटी	1,15,05,000.00	7348000.00
3. सुपरन्यूसन पेंशन		
4. संचित छुट्टी इनकेशमेंट	1,54,07,000.00	9956000.00
5. व्यपार वारंटी/दावों		
6. अन्य संचय (केप)	15,00,000.00	
कुल (ब)	2,84,12,000.00	1,73,04,000.00
कुल (अ+ब)	22,84,85,895.15	54,19,91,736.66

निदेशक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

वित्त एवं लेखा

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 4

(राशि रू.में)

क्रम सं	मूर्त सम्पत्ति	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास ब्लॉक				शुद्ध ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत 01.04.2019	बढोत्तरी	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत में कुल लागत	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष का कुल योग	31.03.2020	31.03.2019
1	भूमि	-			-	-			-	-	
2	साइट का विकास				-	-			-	-	-
3	भवन	3,13,14,653.00	-	-	3,13,14,653.00	36,29,896.00	6,26,292.00		42,56,188.00	2,70,58,465.00	2,76,84,757.00
	भवन (एच.ई.सी.)	3,25,10,565.00	-	-	3,25,10,565.00	6,50,211.00	6,50,211.00		13,00,422.00	3,12,10,143.00	3,18,60,354.00
4	खेल उपकरण		-	-	-				-	-	-
5	टयूबेल एव जलआपूर्ति		-	-	-				-	-	-
6	सीवरेज एवं जल निकासी		-	-	-				-	-	-
7	विद्युत अधिष्ठापन और उपकरण	2,08,01,598.00	11,19,331.00	-	2,19,20,929.00	44,51,321.00	10,97,760.45		55,49,081.45	1,63,71,847.55	1,63,50,277.00
8	प्लाट एवं मसीनरी		-	-	-				-	-	-
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला के उपकरण	1,73,560.00	-	-	1,73,560.00	97,591.00	13,886.00		1,11,477.00	62,083.00	75,969.00
10	कार्यालय उपकरण	29,42,876.00	32,090.00	-	29,74,966.00	14,99,379.00	2,31,232.00		17,30,611.00	12,44,355.00	14,43,497.00
11	ऑडियो विजुअल उपकरण	30,94,750.00	3,64,664.00	-	34,59,414.00	5,70,228.00	2,45,457.00		8,15,685.00	26,43,729.00	25,24,522.00
12	कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण	3,51,17,543.00	18,84,205.00	-	3,70,01,748.00	2,03,91,640.00	44,46,425.00	-	2,48,38,065.00	1,21,63,683.00	1,47,25,903.00
13	फर्नीचर और फिटिंग	6,26,48,969.00	60,55,922.00	-	6,87,04,891.00	2,51,88,311.00	51,49,722.00		3,03,38,033.00	3,83,66,857.82	3,74,60,658.82
14	वाहन	6,75,288.00	-	-	6,75,288.00	4,72,887.00	67529.00		5,40,416.00	1,34,871.78	2,02,400.78
15	पुस्तकालय की किताबें	37,21,961.00	3,37,510.00	-	40,59,471.00	17,89,730.00	405763.00		21,95,493.00	18,63,978.00	19,32,231.00
	कुल(अ)	**19,30,01,763.00**	**97,93,722.00**	**-**	**20,27,95,485.00**	**5,87,41,194.00**	**1,29,34,277.45**	**-**	**7,16,75,471.45**	**13,11,20,013.15**	**13,42,60,569.60**
16	**प्रगतिरत पूंजी कार्य (ब)**	**3,96,99,200.00**	**72,05,91,218.00**	-	**76,02,90,418.00**	-	-	-	-	**76,02,90,418.00**	**3,96,99,200.00**
	परिसर चाहरदीवारी (चेरी)	43,015.00	-	-	43,015.00	-	-	-	-	**43,015.00**	**43,015.00**
	परिसर चाहरदीवारी (नगडी)	1,57,73,969.00	-	-	1,57,73,969.00		-			**1,57,73,969.00**	**1,57,73,969.00**
	परिसर चाहरदीवारी (एच.ई.सी.)	-	-	-		-	-	-	-	-	-
	परिसर (एच.ई.सी.)	2,38,82,216.00	72,05,91,218.00	-	74,44,73,434.00		-			**74,44,73,434.00**	**2,38,82,216.00**
	छात्रावास	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	सूचना भवन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क्रम सं	**अमूर्त सम्पत्ति**	वर्ष के प्रारंभ मे लागत 01.04.2019	बढोत्तरी	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत में कुल लागत	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष का कुल योग	शुद्ध ब्लॉक 31.03.2020	शुद्ध ब्लॉक 31.03.2019
17	सापटवयर	1,70,10,352.00	62,25,210.35	9,625.00	2,32,25,937.35	1,48,40,478.00	37,38,970.00	-	1,85,79,448.00	46,46,489.35	21,69,874.00
18	ई जरनल एवं किताब	5,13,31,015.96	2,32,19,644.15	-	7,45,50,660.11	3,11,75,746.62	2,05,38,105.37	-	5,17,13,851.99	2,28,36,808.52	2,01,55,269.34
	कुल (सी)	**6,83,41,367.96**	**2,94,44,854.50**	**9,625.00**	**9,77,76,597.46**	**4,60,16,224.62**	**2,42,77,075.37**	**-**	**7,02,93,299.99**	**2,74,83,297.87**	**2,23,25,143.34**
	महायोग (अ+ब+स)	**30,10,42,330.96**	**75,98,29,794.50**	**9,625.00**	**1,06,08,62,500.46**	**10,47,57,418.62**	**3,72,11,352.82**	**-**	**14,19,68,771.44**	**91,88,93,729.02**	**19,62,84,912.94**

निदेशक

ानिक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

Page 7

वित्त एवं लेखा

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए तुलन पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 5: आवंटित/ अंतराल फंड/ अन्य से निवेश

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
अन्य स्वीकृत सिक्योरिटीज	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर और बांड	-	-
बैंकों के साथ सावधि जमा	शून्य	शून्य
दूसरों :निर्दिष्ट करने के लिए	-	-
कुल	शून्य	शून्य

निदेशक

वित्त एवं लेखा

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए तुलन पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची–6 : **अन्य निवेश**

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
अन्य स्वीकृत सिक्योरिटीज	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर और बांड	-	-
बैंकों के साथ सावधि जमा	-	-
दूसरों निर्दिष्ट करने के लिए	-	-
कुल	-	-

निदेशक

वित्त एवं लेखा

M/S ANJALI JA... CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची–7-चालू सम्पत्ति

		(राशि रू.में)
	चालू वर्ष	विगत वर्ष
स्टॉक		
स्टोर और स्पेयर		
लूज टूल्स		
प्रकाशन		
प्रयोगशाला रसायन उपभोग्य सामग्रियों और कांच के बर्तन		
निर्माण सामग्री		
विद्युत सामग्री		
स्टेशनरी एवं थैला	61,683.00	1,08,071.00
जल आपूर्ति सामग्री		
विविध देनदार		
छह महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	-	15,00,117.00
अन्य	30,97,797.80	-
अर्जित व्याज	4,98,42,321.00	4,74,57,344.34
एनपीएस की रिकेबल राशि		
नकद और बैंक शेष		
	-	-
अनुसूचित बैंकों के साथ		
चालू खातों में	91,00,744.60	58,27,007.00
बचत खातों में	8,61,78,699.39	7,73,10,143.15
आर एंड डी वर्तमान ए		
सावधि जमा खातों	1,73,21,30,365.00	2,10,68,80,906.20
बचत खातों		
गैर अनुसूचित बैंकों के साथ		
सावधि जमा खातों में		
बचत खातों		
डाकघर. बचत खाते		
कुल	1,88,04,11,610.79	2,23,90,83,588.69

निदेशक

वित्त एवं लेखा

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची– 8 - ऋण, अग्रिम , जमा

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. कर्मचारी अग्रिम		
वेतन		
त्योहार		
चिकित्सा अग्रिम		
अन्य	15,67,138.00	6,00,600.00
कर्मचारी को अग्रिम (अन्य)	3,15,153.00	1,43,887.00
2. कर्मचारी अग्रिम (लम्बी अवधि)		
वाहन ऋण		
गृह ऋण		
अन्य		
3. नगद या वस्तु का प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए अग्रिम और अन्य रकम वसूल		
पूंजी खाता		
आपूर्ति कर्ता / देनदार	-	-
टी.डी.एस. वसूली (आयकर एवं वस्तु सेवाकर)	1,58,09,179.51	1,48,53,952.23
सेवा कर (इनपुट क्रेडिट)	-	5,38,812.00
अन्य		-
ईडसील इंडिया लि०	-	-
कार्यपालक अभियंता (सीपीडब्लूडी)	1,18,60,763.00	1,18,60,763.00
कार्यपालक अभियंता इलेक्ट्रीकल रॉंची डिविजन	14,339.00	14,339.00
कार्यपालक अभियंता इलेक्ट्रीकल सीपीडब्लूडी	-	7,74,249.00
मेसर्स एन.बी.सी.सी. (इंडिया) लि०	10,98,24,289.00	-
छात्र कल्याण संघ	69,000.00	-
4. प्रीपेड व्यय		
बीमा		
अन्य खर्च	1,46,773.82	1,25,908.94
5. जमा		
क) टेलिफोन	20,500.00	20,500.00
ख) रामदयाल मुंडा कला भवन	40,000.00	40,000.00
ग) बिजली	11,24,939.00	11,24,939.00
घ) सचिव झारखण्ड कला मंदिर	10,000.00	20,000.00
ड) एल पी जी	7,850.00	7,850.00
च) सेटअप बॉक्स	3,996.00	3,996.00
छ) वाटर प्यूरीफायर	400.00	400.00
ज) डाटा कार्ड	600.00	600.00
झ) फ्रेंकिग मसीन	24,338.00	17,433.00
ट) वरिष्ठ पोस्ट मास्टर	33,402.00	33,402.00
6. अर्जित आय		
निर्धारित / एडॉवमेंट फंड से निवेश पर		
अन्य निवेश		
ऋण एव अग्रीम		
अन्य (आय अवछित)		
7. अन्य– यूजीसी / प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त होने वाली मौजूदा संपत्तियां		
क) डेबिट शेष प्रायोजित परियोजनाओ में		
ख) डेबिट शेष प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्तियां		
ग) अनुदान प्राप्य ; (एम एच आर डी)	25,00,00,000.00	-
घ) अन्य प्राप्य (प्लान प्राप्य अनुदान)		
8. प्राप्य दावा		
कुल	39,08,72,660.33	3,01,81,631.17

निदेशक — **वित्त एवं लेखा**

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

रॉंची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची– 9. शैक्षणिक प्राप्ति

		(राशि रू.में)
विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
शैक्षणिक		
1. छात्र से फीस प्राप्ति	39,35,65,100.00	33,20,61,298.90
2. शुल्क जप्ति	1,97,864.00	6,47,450.20
अन्य शुल्क		
1. छात्र एक्सचेंज कार्यक्रम	-	6,95,969.46
		-
कुल	**39,37,62,964.00**	**33,34,04,718.56**

शैले इ सिंह (हस्ताक्षर)

निदेशक

निरंजन माहू (हस्ताक्षर)

वित्त एवं लेखा

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची– 10. अनुदान/सब्सिडी (अचल अनुदान प्राप्त)

(राशि रू.में)

विवरण	योजना	चालू वर्ष	विगत वर्ष
	भारत सरकार		
प्रारंभिक शेष	-	45,13,73,359.00	3,46,27,415.91
जोड़ः प्राप्ति साल अंतराल में	25,00,00,000.00	25,00,00,000.00	88,800.00
जोड़ः पूँजीगत अनुदान से हस्तांतरित	-	-	47,89,85,470.00
जोड़ः सरकारी अनुदान पर ब्याज	-	1,83,81,188.00	3,12,49,974.00
कुल	**25,00,00,000.00**	**71,97,54,547.00**	**54,49,51,659.91**
घटायेः यूजीसी को वापसी	-	-	
शेष	-	71,97,54,547.00	54,49,51,659.91
घटायेः पूँजीगत व्यय (अ)	-	71,96,65,747.00	8,78,80,715.00
शेष		**88,800.00**	**45,70,70,944.91**
घटायेः राजस्व व्यय (ब)	-	-	56,97,585.91
घटायेः एम एच आर डी से प्राप्य समायोजन		88,800.00	-
		-	-
अंतिम शेष (स)		-	**45,13,73,359.00**

ब) आय और व्यय खाते में आय के रूप में प्रदर्शित।

स) 1. बैलेंस शीट में मौजूदा दायित्व के तहत दिखाई देता है जो कि अगले वर्ष प्रारंभिक शेष होगा।

2. सम्पत्ति के पक्ष में बैंक संतुलन, निवेश और अग्रिम द्वारा प्रतिनिधित्व

निदेशक

वित्त एवं लेखा

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
RANCHI

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची– 11- निवेश से आय

(राशि रू.में)

विवरण	निर्धारित/एनडॉनमेंन्ट फंड		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	विगत वर्ष	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. ब्याज				
सरकारी सिक्योरिटीज पर				
अन्य बॉन्ड/डिवेन्चर				
2. सावधि जमा पर ब्याज			14,72,90,467.66	9,88,00,244.79
3. सावधिक जमा पर अर्जित आय				
कर्मचारी को ब्याज सहित अग्रिम				
4. बचत खाता पर ब्याज			4,42,328.00	82,05,070.00
5. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल	-		14,77,32,795.66	10,70,05,314.79
निर्धारित/एनडॉनमेंट फंड को हस्तांतरित				
शेष	-	शून्य	**14,77,32,795.66**	**10,70,05,314.79**

निदेशक

वित्त एवं लेखा

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची– 12: व्याज से आय

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. अनुसूचित बैंक में खाता पर		
2- ऋण पर		
कर्मचारी		
अन्य		
3- देनदार एवं अन्य प्राप्य पर		
कुल	शून्य	-

टिप्पनी

1. निर्धारित/एंडॉवमेंट फंड के बैंक खातों के संबंध में आइटम 1 के खिलाफ राशि का निपटारा किया जाता है। जो कि अनुसूची 11(प्रथम भाग) और अनुसूची 2 से संबंधित होता है

2. आइटम 2 (ए) केवल तभी लागू होता है जब इस तरह के अग्रिमों के लिए घूमने वाले फंडों का गठन नहीं किया गया हो।

निदेशक **वित्त एवं लेखा**

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची– 13: अन्य आय

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
	-	-
1- पी जी एक्स पी शुल्क	2,31,47,857.20	1,08,05,085.00
2. ई.एफ.पीएम कोर्स से आय	77,00,000.00	57,00,000.00
3 सी पी जी एम कोर्स से आय	31,02,000.00	36,30,205.00
4- निविदा शुल्क	14,153.00	1,49,900.00
5- मेस शुल्क प्राप्ति	2,38,04,976.40	2,22,21,476.00
6. परामर्श एवं प्रबंध विकास कार्यक्रम से आय	24,98,380.50	15,52,624.00
7. कैट हिस्सेदारी	1,88,16,801.60	97,50,000.00
8. सम्पत्ति के विक्री से आय	-	-
अ) स्वंय अर्जित सम्पत्ति	-	-
ब) बिना लागत के प्राप्त सम्पत्ति	-	-
9.संस्थानों, कल्याण निकायों और अंर्तराष्ट्रीय संगठनों से अनुदान/दान	-	-
10. लाईसेंस शुल्क	22,560.00	58,422.00
11. अन्य	22,924.31	1,34,751.00
गेस्ट हाउस प्राप्ति	5,09,446.00	4,89,358.00
भर्ती शुल्क	87,707.30	5,60,000.00
ट्रांस्पोटेशन शुल्क प्राप्ति	8,400.00	12,600.00
बिजली एवं पानी	-	93,108.00
दंड	1,56,486.00	1,59,120.00
कुरियर शुल्क	49,300.00	28,189.00
टी डी एस रिफंड पर ब्याज	1,36,729.00	-
अटल बिहारी बाजपेयी (एल पी जी) केन्द्र से आय	13,78,663.45	-
कुल	**8,14,56,384.76**	**5,53,44,838.00**

निदेशक

वित्त एवं लेखा

M/S ANJ... ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 14 –पूर्व अवधि आय

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. शैक्षिणक प्राप्तियाँ		
2. निवेश से आय		
3. व्याज से आय		
4. अन्य आय	-	-
कुल	-	-

निदेशक

वित्त एवं लेखा

रॉंची
२८ जुलाई २०२०

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 15 –कर्मचारी लाभ भुगतान(स्थापना खर्च)

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
अ) वेतन एवं मजदूरी	**7,70,90,039.00**		**7,70,90,039.00**	**7,29,56,738.00**		**7,29,56,738.00**
शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारी	7,10,92,479.00		**7,10,92,479.00**	6,25,84,394.00		6,25,84,394.00
अर्जित छुट्टि एनकैशमेंट / छुटट्ी वेतन में योगदान	59,97,560.00		**59,97,560.00**	1,03,72,344.00		1,03,72,344.00
ब) भत्ते और बोनस	**2,11,72,242.00**		**2,11,72,242.00**	**1,76,16,654.00**		**1,76,16,654.00**
महंगाई भत्ता	86,04,493.00		**86,04,493.00**	43,95,208.00		43,95,208.00
अतिरक्ति कार्य भत्ता	23,352.00		**23,352.00**	19,264.00		19,264.00
घर किराया भत्ता (बकाया घर किराया भत्ता शामिल)	89,90,702.00		**89,90,702.00**	1,01,18,044.00		1,01,18,044.00
अधिक समय भत्ता	1,585.00		**1,585.00**	6,953.00		6,953.00
महगाई भत्ता बकाया	8,77,760.00		**8,77,760.00**	10,24,899.00		10,24,899.00
यात्रा भत्ता	25,29,610.00		**25,29,610.00**	19,49,861.00		19,49,861.00
बोनस	-		-	-		-
गैर पेशा भत्ता	1,39,740.00		**1,39,740.00**	1,02,425.00		1,02,425.00
वर्दी भत्ता	5,000.00		**5,000.00**	-		-
स) भविष्य निधि और पेंशन फंड में योगदान	18,34,128.00		**18,34,128.00**	17,74,188.00		17,74,188.00
द) अन्य फंड में योगदान	-		-	**47,53,228.00**		**47,53,228.00**
एन पी एस में नियोक्ता का अंशदान	84,59,315.00		84,59,315.00	47,53,228.00		47,53,228.00
	-		-			
प) सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ (ग्रेच्यिूटी)	41,57,000.00		**41,57,000.00**	73,48,000.00		73,48,000.00
फ) एल टी सी सुविधा	**6,53,844.00**		**6,53,844.00**	**4,46,878.00**		**4,46,878.00**
ब) चिकित्सा सुविधा	**21,29,013.00**		**21,29,013.00**	15,63,142.00		**15,63,142.00**
चिकित्सा और औषधालय	21,29,013.00		21,29,013.00	15,63,142.00		15,63,142.00
बच्चों के शिक्षा भत्ता	**4,04,334.00**		**4,04,334.00**	**2,58,342.00**		**2,58,342.00**
अन्य	7,25,096.00	-	7,25,096.00	19,28,213.00		19,28,213.00
कुल	**11,66,25,011.00**	**-**	**11,66,25,011.00**	**10,86,45,383.00**		**10,86,45,383.00**

निदेशक | **वित्त एवं लेखा**

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
RANCHI

राँची
२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 16 –शैक्षणिक खर्च

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
कोर्स सामग्री व्यय	1,14,09,636.87		1,14,09,636.87	1,30,39,022.83		1,30,39,022.83
एफ पी एम खर्च	1,24,12,259.00		1,24,12,259.00	1,03,35,188.00		1,03,35,188.00
आउटबाउंड और प्रेरणाकार्यक्रम	1,00,029.00		1,00,029.00	1,96,491.00		1,96,491.00
मानदेय	65,79,122.00		65,79,122.00	1,33,70,186.00		1,33,70,186.00
संकाय विकास खर्च	24,49,567.00		24,49,567.00	21,98,103.16		21,98,103.16
छात्र कल्याण खर्च	2,21,809.00		2,21,809.00	2,53,700.00		2,53,700.00
प्रवेश खर्च	72,35,971.00		72,35,971.00	24,64,124.00		24,64,124.00
दीक्षांत खर्च	-		-	14,43,557.00		14,43,557.00
आमंत्रित संकाय पर यात्रा खर्च	16,87,922.00		16,87,922.00	25,23,246.00		25,23,246.00
अनुसंधान अनुदान खर्च	10,06,557.00		10,06,557.00	1,43,065.00		1,43,065.00
छात्र स्क्रिप्ट समर्थन	-		-	16,500.00		16,500.00
अन्य	**1,07,49,602.50**		**1,07,49,602.50**	**74,77,510.50**		**74,77,510.50**
शैक्षणिक परिषद मीटिंग खर्च	4,197.00		4,197.00	3,410.00		3,410.00
सॉफ्टवेयर लाईसेंस नवीनीकरण खर्च	8,93,991.50		8,93,991.50	2,16,824.50		2,16,824.50
प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट खर्च	42,83,606.00		42,83,606.00	30,45,383.00		30,45,383.00
पत्रिकाओं और डेटाबेस खर्च	92,295.00		92,295.00	2,41,762.00		2,41,762.00
छात्र संबंधित खर्च	32,89,102.00		32,89,102.00	26,79,988.00		26,79,988.00
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार खर्च	20,05,067.00		20,05,067.00	12,82,605.00		12,82,605.00
अंतर्राष्ट्रीय संबंध खर्च	1,81,344.00		1,81,344.00	7,538.00		7,538.00
कुल	**5,38,52,475.37**	**-**	**5,38,52,475.37**	**5,34,60,693.49**		**5,34,60,693.49**

निदेशक | **वित्त एवं लेखा**

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 17–प्रशासनिक और सामान्य व्यय

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
आधारभूत			-			-
बिजली एव पावर	41,41,449.00		41,41,449.00	44,86,667.00		44,86,667.00
अतिथिशाला खर्च	16,64,519.00		16,64,519.00	14,68,916.00		14,68,916.00
बीमा	11,37,443.00		11,37,443.00	9,82,197.00		9,82,197.00
उपकरण किराया	-		-	24,00,609.00		24,00,609.00
लीज/भवन किराया	2,55,16,696.00		2,55,16,696.00	2,40,51,010.00		2,40,51,010.00
जेनेरेटर भाड़ा	82,48,439.00		82,48,439.00	98,84,110.00		98,84,110.00
फाउडेशन दिवस खर्च	4,59,769.00		4,59,769.00	2,08,410.00		2,08,410.00
पोस्टेज एव स्टेशनरी	54,033.00		54,033.00	1,80,692.00		1,80,692.00
टेलिफोन, फैक्स एव इटरनेट	19,01,330.00		19,01,330.00	13,30,607.00		13,30,607.00
अन्य–राष्ट्रीय कार्यक्रम	1,30,977.00		1,30,977.00	2,70,313.00		2,70,313.00
मुद्रण और स्टेशनरी(खपत)			-			-
कप्यूटर कजूमेवल्स	-		-			-
मुद्रण और स्टेशनरी	12,42,781.50		12,42,781.50	19,59,579.75		19,59,579.75
यात्रा और वाहन व्यय	5,04,487.00		5,04,487.00	15,03,494.00		15,03,494.00
बोर्डिंग और लॉजिंग खर्च	-		-	37,464.00		37,464.00
लेखा परीक्षक पारिश्रमिक	2,65,054.00		2,65,054.00	63,456.00		63,456.00
व्यावसायिक शुल्क	-		-	1,08,980.00		1,08,980.00
प्रचार एव प्रसार	2,58,724.00		2,58,724.00	32,09,121.00		32,09,121.00
सामाचार पत्र और आवधिक	59,792.00		59,792.00	49,903.00		49,903.00
अन्य उपयोगिता						
रखरखाव एव साफ सफाई खर्च	92,66,160.00		92,66,160.00	90,93,364.00		90,93,364.00
मेन पावर परिनियोजन खर्च	1,96,24,920.00		1,96,24,920.00	1,83,79,455.00		1,83,79,455.00
अन्य			-			-
सदस्यता शुल्क	44,604.00		44,604.00	17,700.00		17,700.00
रिफ्रेशमेट खर्च	5,19,906.00		5,19,906.00	5,23,451.00		5,23,451.00
मनोरजन खर्च	32,000.00		32,000.00	20,000.00		20,000.00
विविध खर्च	2,66,883.70		2,66,883.70	3,13,371.00		3,13,371.00
चिकित्सा खर्च	2,26,099.00		2,26,099.00			
बोर्ड और समिति बैठक	20,48,970.00		20,48,970.00	16,68,491.00		16,68,491.00
सीआरए सर्विस चार्ज एवं ईपीएफओ मेटेन खर्च	4,800.00		4,800.00	5,400.00		5,400.00
विधि खर्च	16,520.00		16,520.00	32,700.00		32,700.00
कार्यालय खर्च	1,61,580.00		1,61,580.00	2,83,381.00		2,83,381.00
अकेक्षण खर्च	-		-	21,750.00		21,750.00
कर्मचारी विकास खर्च	5,000.00		5,000.00	34,214.00		34,214.00
सगोष्ठी और सम्मेलन	30,178.00		30,178.00	2,54,015.00		2,54,015.00
मान्यताए	5,53,512.90		5,53,512.90	2,55,603.18		2,55,603.18
दरे एवं कर	4,63,598.00		4,63,598.00	-		-
कर्मचारी बहाली	19,01,751.00		19,01,751.00	13,38,574.00		13,38,574.00
कर्मचारी कल्याण खर्च	1,46,751.00		1,46,751.00	93,779.00		93,779.00
प्रशिक्षु को स्टाइपेन्ड	-		-	-		-
आग से नुकसान	-		-	-		-
सयुक्त नामाकन खर्च	-		-	44,29,984.00		44,29,984.00
अटल बिहारी बाजपेयी केन्द्र (एल पी जी)	2,37,486.00		2,37,486.00	23,207.00		23,207.00
कुल	**8,11,36,213.10**	**-**	**8,11,36,213.10**	**8,89,83,967.93**	**-**	**8,89,83,967.93**

निदेशक

वित्त एवं लेखा

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
RANCHI

रॉंची
२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 18–परिवहन खर्च

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
वाहन (संस्था के स्वामित्व में)			-			
संस्था के वाहन खर्च	**1,19,310.00**		**1,19,310.00**	**1,06,003.00**		**1,06,003.00**
चालू खर्च	1,07,759.00		1,07,759.00	94,291.00		94,291.00
मरम्मति खर्च	-		-			
बीमा खर्च	11,551.00		11,551.00	11,712.00		11,712.00
भाड़े में वाहन	1,10,30,229.00		1,10,30,229.00	1,03,31,827.00		1,03,31,827.00
बस किराया	1,10,30,229.00		1,10,30,229.00	1,03,31,827.00		1,03,31,827.00
कार वाहन भाड़ा खर्च	**12,09,526.00**		**12,09,526.00**	**15,51,140.00**		15,51,140.00
कुल	**1,23,59,065.00**	-	**1,23,59,065.00**	**1,19,88,970.00**		**1,19,88,970.00**

निदेशक

वित्त एवं लेखा

राँची
२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 19–मरम्मति एवं रख–रखाव

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
भवन	54,23,056.00		54,23,056.00	35,58,348.00		35,58,348.00
सिविल मरम्मति	14,16,958.00		14,16,958.00	10,91,836.00		10,91,836.00
बिजली मरम्मति	83,563.00		83,563.00			-
छात्रावास मरम्मति	33,10,793.00		33,10,793.00	24,35,842.00		24,35,842.00
अन्य मरम्मति	6,11,742.00		6,11,742.00	30,670.00		30,670.00
फर्नीचर और फिक्स्चर	-		-	43,080.00		43,080.00
प्लांट एवं मशीनरी	-		-			-
डीजल एवं पेट्रोल			-			-
उपकरण मरम्मति			-			-
कार्यालय उपकरण			-			-
लघु उपकरण मरम्मति	67,059.00		67,059.00	68,415.00		68,415.00
कंप्यूटर मरम्मति	19,375.00		19,375.00	1,03,639.00		1,03,639.00
लिफ्ट मरम्मति	5,64,934.00		5,64,934.00	6,43,902.00		6,43,902.00
संपत्ति रखरखाव(सामान्य)	-		-	-		-
अन्य(निदृष्ट)			-			-
वेवसाइट			-			-
कुल	60,74,424.00		60,74,424.00	44,17,384.00		44,17,384.00

निदेशक

वित्त एवं लेखा

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 20–वित्त खर्च

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
बैंक चांज	1,04,200.83		1,04,200.83	49,522.18		49,522.18
अन्य (निदृष्ट)			-			
कुल	1,04,200.83	-	1,04,200.83	49,522.18	-	49,522.18

निदेशक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

वित्त एवं लेखा

रॉंची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 21–अन्य खर्च

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
खराब और संदिग्ध ऋण/अग्रिम के लिए प्रावधान			-			
अपरिवर्तनीय शेष राशि लिखित			-			
अन्य संस्थानों/संगठनो को अनुदान/सब्सिडी			-			
अन्य(निदृष्ट)			-			
शैक्षणिक खर्च			-		-	-
पीजीएक्सपी खर्च		38,97,181.50	38,97,181.50		29,51,537.68	29,51,537.68
मेस शुल्क खर्च		2,32,65,009.00	2,32,65,009.00		2,33,98,856.00	2,33,98,856.00
महिलाओं के लिए राष्ट्रीय आयोग खर्च		-	-		26,006.00	26,006.00
सी पी जी एम खर्च		12,64,470.00	12,64,470.00		6,39,210.75	6,39,210.75
ई एफ पी एम खर्च		11,12,315.00	11,12,315.00		3,92,179.00	3,92,179.00
अटल बिहारी बाजपेयी केन्द्र (एल पी जी) खर्च		5,24,091.00	5,24,091.00			
कुल	**शून्य**	**3,00,63,066.50**	**3,00,63,066.50**	**शून्य**	**2,74,07,789.43**	**2,74,07,789.43**

निदेशक

वित्त एवं लेखा

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची
२८ जुलाई २०२०

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 22–पूर्व अवधि व्यय

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
स्थापना खर्च			-			
शैक्षणिक खर्च			-			
प्रसाशनिक खर्च	76,537.00		76,537.00	11,04,252.00		11,04,252.00
परिवहन खर्च			-			
मरम्मति खर्च			-			
अन्य खर्च	-		-	-		-
कुल	76,537.00		76,537.00	11,04,252.00		11,04,252.00

निदेशक

वित्त एवं लेखा

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

२८ जुलाई २०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वर्ष
					-
1- प्रारंभिक शेष			स्थापना व्यय	10,11,65,834.00	9,98,22,353.00
नगद शेष	-	25,301.00	शैक्षणिक व्यय	5,02,94,838.89	7,34,83,686.69
बैंक खाता शेष	**8,31,37,150.15**	**9,11,76,058.84**	प्रसाशनिक व्यय	7,88,02,323.60	8,88,63,079.26
एचडीएफसी बैंक खाता न० 50100083823902	4,55,51,504.06	5,07,36,588.22	यात्रा खर्च	1,27,15,341.00	96,214.00
आईसीईआईसीईआई बैंक खाता न० 115001000632	9,64,595.67	9,31,472.67	मरम्मति एवं रख–रखाव खर्च	61,53,704.00	36,31,376.00
आईसीईआईसीईआई बैंक खाता न० 115001000244	1,93,17,948.55	2,59,01,590.55	गैर अनुदान खर्च	3,08,70,693.34	19,90,078.00
सबीआई एन पीएस खाता न० 32034256093	30,15,434.57	11,50,666.37	गैर अनुदान आय	4,23,960.00	5,60,400.00
सबीआई खाता न० 31682147152	58,27,007.00	48,00,303.00		-	-
यस बैंक खाता न० 008094600000174	56,45,639.30	76,55,438.03	**II नवीनीकरण/अंतराल फंड से संबंधित खर्च**		-
एकसिस बैंक खता न० 918010019035140	28,15,021.00	-	ईएमडी और सुरक्षा जमा वापसी	**6,17,248.00**	**95,55,000.00**
			कौशनमनी वापसी	**49,65,000.00**	**41,93,400.00**
2. अनुदान प्राप्ति		-			
अ) भारत सरकार से			**III प्रायोजित परियोजना/आर एंड डी भुगतान**	10,39,574.62	40,000.00
योजना अनुदान	-	**6,20,00,000.00**			
अन्य अनुदान प्राप्ति	2,50,00,000.00		**IV प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृति भुगतान**	2,13,75,840.00	1,06,20,000.00
3. शैक्षणिक प्राप्ति एवं जमा	-	**30,97,62,626.00**	**V निधारित फंड में निवेश**		
4. निधारित फंड में प्राप्तियां	29,60,000.00	27,40,000.00	अपने फंड से निवेश		
5. प्रायोजित परियोजना/आर एंड डी प्राप्तियां	27,83,920.00	-	**VI अनुसूचित बैंक में सावधि जमा**	73,00,00,000.00	74,65,61,191.00
6. प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृति प्राप्तियां	1,70,90,840.00	1,41,12,000.00	**VII** अचल संम्पति और कार्यशील पूंजी पर व्यय		-
7. निवेश से आय	-	-	अचल संम्पति	**4,04,36,588.23**	**5,76,56,417.97**
8. निवेश को भुनाया		-	कार्यशील पूंजी पर व्यय	53,31,34,362.90	4,58,690.00
कॉर्पस फंड के लिए निवेश					
सामान्य निधारित और अन्य के लिए निवेश		-	**VIII अन्य भुगतान**		
9. अनुसूचित बैंक में सावधि जमा को भुनाया	1,19,23,10,344.20	58,98,77,178.56	वैधानिक देयताएं	5,59,28,670.00	2,46,60,960.00
10. अन्य आय		-	शुल्क वापसी	1,48,63,316.63	46,55,281.60
अ) लाइसेंस शुल्क एवं परिवहन शुल्क	**30,960.00**	**41,970.00**	बैंक प्रभार	18,000.00	-
11. जमा एवं अग्रीम	10,000.00	10,000.00	विविध भुगतान (चिकित्सा प्रतिपूर्ति)	2,05,916.00	4,51,168.00
			वस्तुसूची	5,21,574.00	1,65,834.00
			IX अनुदान की वापसी		-

Contd....

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

13. अन्य प्रांप्तियां चिकित्सा प्रतिपूर्ति सहित	2,93,745.00	4,51,168.00	**X जमा एवं अग्रीम**		
			कर्मचारी से जमा	28,17,703.00	15,56,935.00
14. अन्य प्रांप्तियां		-	सुरक्षा जमा	60,000.00	75,000.00
एफडी आर पर अर्जित ब्याज	2,20,31,928.00	34,14,377.56	सीपीडब्लूडी	-	-
एफडी पर ब्याज	3,34,62,451.00	69,66,683.15	ऋण एवं अग्रीम	14,04,50,115.00	1,44,86,762.00
देनदारों से वसूली	77,12,985.00	1,13,35,293.30			
अनुदान खाता को छोड कर बैंक बचत खाता पर ब्याज	66,20,983.00	82,05,070.00			
अनुदान बचत खाता पर ब्याज	3,68,092.00	9,61,324.00			
वैधानिक दायित्व (कर एवं अन्य) जमा/वापसी	2,33,13,374.00	1,56,44,604.00			
गैरअनुदान खर्च	1,600.00	-			
जमानत राशि की वापसी	20,000.00	10,000.00			
		-	**XI अंतिम शेष**		-
		-	नगद शेष	-	-
खर्च के लिए प्रावधान	5,65,168.00	4,87,37,998.30	**बैंक खाता शेष**	9,52,79,443.99	8,31,37,150.09
अचल सम्पत्ति	1,06,595.00	2,05,000.00			
आई टी एसेसमेंट वित्तीय वर्ष १५–१६ के टीडीएस की वापसी	13,02,291.00	-	एचडीएफसी बैंक खाता न० 50100083823902	5,27,09,865.80	4,55,51,504.00
एमडीपी / परामेश के लिए अग्रिम	-	-	आईसीईआईसीईआइ बैंक खाता न० 115001000632	1,18,902.67	9,64,595.67
स्थापना व्यय	8,16,472.00	70,273.00	आईसीईआईसीईआइ बैंक खाता न० 115001000244	40,08,739.55	1,93,17,948.55
कंप प्राप्तियां	28,74,330.00	49,99,970.50	सबीआई एन पीएस खाता न० 32034256093	32,07,718.37	30,15,434.57
शैक्षणिक व्यय	3,81,298.00	81,668.00	सबीआई खाता न० 31682147152	91,00,744.60	58,27,007.00
प्रसाशनिक व्यय	5,58,53,390.00	2,64,922.00	यस बैंक खाता न० 008094600000174	1,00,177.50	56,45,639.30
15. अग्रिम वापसी			एकसिस बैंक खता न० 918010019035140	2,60,33,295.50	28,15,021.00
वसूली योग्य अग्रीम	24,09,575.00	5,52,249.00			
अन्य प्राप्तिया (गैर अनुदान आय)	8,36,85,019.64	5,50,85,241.46			
कुल	**1,92,21,40,047.29**	**1,22,67,20,976.67**	**कुल**	**1,92,21,40,047.29**	**1,22,67,63,666.84**

निदेशक

वित्त एवं लेखा

रॉंची
२८ जुलाई २०२०

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची
अनुसूचि – 23:

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरुप एवं अनुबद्ध महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. वित्तीय विवरण की तैयारी का आधारः

वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार लेखांकन के उपार्जन आधार पर ऐतिहासिक लागत अवधारणा के तहत तैयार किए जाते हैं।

2. राजस्व मान्यताः

2.1 छात्रों से फीस (ट्युशन फीस को छोड़कर) और बचत बैंक खातों पर ब्याज नकदी आधार पर लेखांकित किए गए हैं।
2.2 निवेश पर ब्याज उपार्जन के आधार पर लिया गया है।

3. अचल संपत्तिः

अचल संपत्तियों की अधिग्रहण लागत को लिया गया है जिसमें आवक भाड़ा, शुल्क और कर, और अधिग्रहण, स्थापना और कमीशनिंग से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च शामिल हैं।

4.मूल्यह्रास और परिशोधन

क. मूल्यह्रास

4.1 मूर्त अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास का प्रावधान एमएचआरडी के पत्र क्र.29–4/2012/IFD दिनांकित **17/04/2015** के अनुसार केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए निर्धारित दरों के आधार पर स्ट्रेट लाइन विधि के अनुसार किया गया है।

4.2 मूर्त अचल संपत्तियों की बुक वैल्यू का संबंधित निधि के साथ मिलान के लिए मूर्त अचल संपत्तियों पर लगाया गया मूल्यह्रास संबंधित निधि से आय एवं व्यय खाता (रेखा से नीचे) में स्थानांतरित किया गया है।

4.3 वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास लगाया गया है।

4.4 जहाँ मूर्त अचल संपत्तियों का पूरी तरह मूल्यह्रास हो गया है, उन्हें तुलन–पत्र में रू.1 के अवशिष्ट मूल्य पर रखा गया है और आगे मूल्यह्रास नहीं लगाया गया है।

4.5 मूर्त अचल संपत्तियां, जिनमें से प्रत्येक का अलग–अलग मूल्य रू **2000** रुपए या उससे कम है (पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर) को अल्प मूल्य की संपत्ति के रूप में माना गया है। ऐसी संपत्तियों पर उनके अधिग्रहण के समय **100%** मूल्यह्रास का प्रावधान किया गया है ।

4.6 किसी भी कंप्यूटर हार्डवेयर के साथ खरीदे गए सॉफ्टवेयर की लागत को, हार्डवेयर का एक अभिन्न हिस्सा होने के कारण, हार्डवेयर की कीमत के साथ ही पूंजीकृत किया गया है। तथापि, सॉफ्टवेयर (ईआरपी सहित) के अधिग्रहण पर किया गया व्यय, जो संबंधित हार्डवेयर का एक अभिन्न हिस्सा नहीं है, को अमूर्त माना गया है।

ख. परिशोधन

4.7 पेटेंट और कॉपीराइट, ई पत्रिकाएं और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त आस्तियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है और उन्हें एमएचआरडी द्वारा निर्दिष्ट दरों पर परिशोधित किया गया है।

5. निवेशः

5.1 निवेश मोटे तौर पर भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में ही किया गया है।

5.2 लंबी अवधि के निवेश को उनकी लागत या अंकित मूल्य, जो भी कम हो, पर लिया गया है। तथापि, तुलन–पत्र की तिथि पर उनके मूल्य में हुई किसी भी स्थायी कमी का प्रावधान किया गया है। इस तरह की सामग्री को अपने स्थान तक लाने के लिए व्यापार में सामान्य रुप से किए गए व्यय, जहां लागू हो, और उचित खर्च लागत में शामिल हैं।

6. वस्तुसूचीः

वस्तुसूचि में भंडार और स्टेशनरी भी शामिल है, जिसे लागत मूल्य पर लिया गया है। इस तरह की सामग्री को अपने स्थान तक लाने के लिए व्यापार में सामान्य रुप से किए गए व्यय, जहां लागू हो, और उचित खर्च लागत में शामिल हैं।

7. सरकारी अनुदानः

पूंजी और राजस्व अनुदान को एम.एच.आर.डी. के निर्देशानुसार उनके संबंधित मदों में विभाजित किया गया है।

8. कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति लाभः

8.1 परिभाषित योगदान योजनाओं के तहत कर्मचारी लाभ, जिसमें नई पेंशन योजना और भविष्य निधि शामिल है, को मान्य किया गया है और वास्तविक दायित्व के आधार पर राजस्व से लिया गया है।

8.2 नियमित सेवा के 5 साल पूरा होने के बाद ही किसी कर्मचारी को ग्रेच्युटी देय होती है। ग्रेच्युटी एवं छुट्टी के बदले नकद भुगतान का प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर ICAI के संशोधित लेखांकन मानक संख्या 15 का अनुशरण करते हुए किया गया है।

9. विदेशी मुद्रा लेनदेनः

विदेशी मुद्रा में प्राप्त आय और किए गए खर्च लेनदेन की तारीख की विनिमय दरों पर दर्ज किए गए हैं और भिन्नता (अगर कोई है) को आय एवं व्यय खाता में लिया गया है।

10. कैपिटल निधि और कॉर्पस निधिः

कैपिटल निधि अचल संपत्तियों के निर्माण के लिए निर्धारित है। यह निधि मुख्य रूप से भारत सरकार से प्राप्त अनुदान से बनाई गई है।
कॉर्पस निधि शासी मंडल के निर्देशों के अनुसार वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा उत्पन्न अधिशेष (कुल निधि विभिन्न गतिविधियो से प्राप्त आय आयगत अनुदान के अलावा घटाव गैर अनुदान खर्च) से बनाई गई है।

प्रो० शैलेन्द्र सिंह
निदेशक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
RANCHI

नरोत्तम साहू
वित्त एवं लेखा

स्थान : रांची
दिनाँक : २८.७.२०२०

भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची
अनुसूची – 24:
31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरुप एवं अनुबद्ध लेखांकन टिप्पणियां:–

1. आकस्मिक देयताएं:

i) प्रारंभिक तौर पर राजभवन में आयोजित की गई बैठक के अनुसार झारखंड सरकार द्वारा सूचना भवन के भवन में स्थान प्रदान किया गया है जिसका किराया और अन्य नियम व शर्त नहीं बताए गए हैं। इस तरह की ज़ानकारी के अभाव में इस तरह के मामले का वित्तीय निहितार्थ निर्धारित नहीं किया जा सकता है। **हालांकि संबंधित विभाग से प्राप्त दस्तावेज़ के अनुसार नगरपालिका कर का भुगतान किया जाता है।**

2.पूंजीगत व्यय और मूल्यह्रास :

i) भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखा मानक – 12 का प्रस्ताव है कि पूरी तरह से सब्सिडी वाली आस्तियों पर कोई भी मूल्यह्रास नहीं लगाया जाना चाहिए। लेकिन उचित रिकॉर्ड रखने के लिए, अचल संपत्ति पर मूल्यह्रास लगाया गया है और पूंजी निधि से घटाया गया है। मूल्यह्रास का प्रावधान एमएचआरडी के पत्र क्र.29. 4/2012/IFD दिनांकित 17/04/2015 के अनुसार । **बेकार संपत्तियां के लिए नई परिसंपत्तियां ख़रीदी-बदली के अधीन निकाली गईं, और निपटाए गए परिसंपत्तियों के मूल्य में कोई अतिरिक्त या घाटा आय और व्यय खाते के विरुद्ध समायोजित किया गया है।**

ii) मूर्त अचल संपत्तियां, जिनमें से प्रत्येक का अलग–अलग मूल्य रू 2000 रुपए या उससे कम है, (लाइब्रेरी की किताबों को छोड़कर), को अल्प मूल्य की संपत्ति माना गया है (लेखांकन नीति 4.5 के अनुसार)। ऐसी संपत्ति के संबंध में उनके अधिग्रहण के समय 100% मूल्यह्रास का प्रावधान किया गया है। सभी मामलों में इसी नीति का पालन किया गया है स्टील ट्रंक के मामले को छोड़कर जो फर्नीचर और फिक्चर मद के तहत पूंजीकृत है।

3. सरकारी अनुदान :

मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्च शिक्षा एवं तकनिकि अनुभाग–V दिनांक ३०.०३.२०२० पत्रांक सं. एफ एन २०–२/२०२० के आलोक में वित्तीय वर्ष २०१६–२० में रू. 25,00,00,000.00 अनुदान प्राप्त हुआ।

4. कॉर्पस निधि:

कॉर्पस निधि का निर्माण शासी मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2019 – 20 में रू. 32,01,20,421.62 की राशि कॉर्पस निधि के लिए स्थानांतरित कर दी गई है। पूंजीगत एवं आयगत का विभाजन आंतरिक अभिलेख है।

5. निधि का उपयोग PWD के लिए **और TSP के दिशा निर्देशों के आधार पर :** एमएचआरडी द्वारा **जारी पत्र लिखित पत्र के माध्यम से जारी किए गए मार्गनिर्देशों का कार्यान्वयन।** F.No.2118 / 2015- TS.V (A) **और पत्र संख्या सं।** F.No.2118 / 2015- TS.V (B) **दिनांक 28 मार्च 2016 को संस्थान के प्रबंधन द्वारा ध्यान रखा गया है।**

6. परिसर के लिए पूंजी अनुदान :

स्थायी परिसर के लिए रु. 4,30,00,000/. का अनुदान वित्तीय वर्ष 2011 – 12 में आवंटित किया गया है, जिसमें से रू. 1,58,16,984.00 की राशि नगरी गांव में चाहरदीवारी के निर्माण के लिए **और चेरी गांव में भूमि की सीमा के लिए** खर्च की गई थी। निर्माण बाधित हो गया था और व्यय की गई राशि की लेखा–समाप्ति सक्षम पदाधिकार के अनुमोदन के पश्चात कर दी गई। **रु** 3,25,10,565.00 एच ई सी **रांची झारखंड में स्थायी परिसर के लिए नए आवंटित क्षेत्र पर सीमा दीवार के लिए खर्च किए गए हैं। सीमा की दीवार के लिए कुल रु** 4,83,27,549.00 **खर्च किए गए**

हैं। इसके अलावा चालू वित्तीय वर्ष में रू. 72,05,91,218.00 पूंजीगत कार्य प्रगति के मद में परिसर निमार्ण हेतू खर्च किया गया है।

7. आईआईएम रांची कैम्पस के लिए आवंटित नई भूमि का प्रकटीकरण :

झारखंड सरकार ने आईआईएम रांची के परिसर के निर्माण के लिए एच ई सी क्षेत्र गांव में भूमि आवंटित की है। परिसर की सीमा की दीवार को ठेका के आधार पर सी पी डब्लू डी को निर्माण के लिए दी गई है।

8. आईआईएम रांची का अधिकार रहित भवन :

वर्तमान में संस्थान राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना भवन की इमारत में चल रहा है। जो आईआईएम रांची से संबंधित नहीं है। इसलिए सिर्फ अवरथापना सुविधाओं में होने वाली वृद्धि को ही पूंजीकृत किया जा रहा है।

9. मौजूदा परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम :

प्रबंधन की राय में, मौजूदा परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम को सामान्य व्यापार क्रम में प्राप्य मूल्य पर लिया गया है जो कम से कम तुलन–पत्र में दी गई कुल राशि के बराबर है।

10. निवेश :

निवेश कॉर्पस निधि, छात्रों से जमा, परामर्श परियोजनाओं के लिए प्राप्त अग्रिम निधि, और एमएचआरडी से प्राप्त पूंजी अनुदान के शेष से समानुपात में किया जा रहा है।

11. कराधान : संस्थान, आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23 सी) (iiiab) के तहत आयकर से मुक्त है, इसलिए आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इसके अलावा संस्थान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12A का तहत पंजीकृत है।

12. कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के लाभ :

i) संस्थान कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभ के लिए एनएसडीएल द्वारा संचालित नई पेंशन योजना में शामिल है।

ii) सभी अनुवंधों के कर्मचारियों के लिए भविष्य निधि, पूर्वव्यापी रुप से जुलाई, 2012 से भविष्य निधि नियामक विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा नियंत्रित है। पीएफआरडीए को भुगतान की वास्तविक राशि वास्तविक दायित्व के आधार पर राजस्व से ली जाती है।

iii) ग्रेच्यिूटि किसी कर्मचारी के पांच साल की नियमित सेवा के पूरा होने पर लागू होता है। ग्रेच्यिूटि एवं सेवानिवृति पर छुट्टी नगदीकरन का प्रावधान चार्टड एकांडटेट संस्थान, भारत के संशोधित एकांउटिंग स्टेन्डं १५ के अनुसार बीमांकीक मूल्यांकन के आधार पर किया गया है।

13. परामर्श परियोजनाएं जो वित्तीय वर्ष के अंत में जारी हैं, उन पर साल के दौरान किए गए व्यय को व्यय के रुप में लेखांकित किया गया है और उतनी ही राशि परामर्श परियोजनाओं से होने वाली आय के रूप में लेखांकित की गई है ताकि आय और व्यय खाते का आंकड़े सही बने रहें।

14. जहां आवश्यक हुआ, पिछले साल के आंकड़ों को फिर से एकजुट और वर्गीकृत कर दिया गया है।

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

प्रो० शैलेन्द्र सिंह
निदेशक

नरोत्तम साहू
वित्त एवं लेखा

स्थान : रांची
दिनाँक : २८.७.२०२०

परिसर के विकास पर संक्षिप्त रिपोर्ट

क. नगरी भूमि (200 एकड़):

1. **अगस्त 2010 -** 214 एकड़ भूमि की नापी, राज्य सरकार ने नागरी इलाके में झारखण्ड सरकार के द्वारा भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची को जारी करने के लिए चिन्हित किया गया था, जो सरकार के थे। कार्य सूची की मद सं. 5 द्वारा यह मामला भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ, नोएडा परिसर में अभिशासी परिषद् की 12 अगस्त, 2010 को आयोजित प्रथम बैठक में बोर्ड के समक्ष एजेंडा को लाया गया।

2. **अक्टूबर 2010 -** मुख्य सचिव, झारखंड सरकार ने उल्लेख किया कि मूल रूप से भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के लिए प्रस्तावित भूमि का कब्जा आसन्न मुकदमों के कारण नहीं दिया जा सकता है। मुख्य सचिव ने 05 अक्टूबर 2010 को आयोजित बीओजी की बैठक में 25-30 एकड़ मात्र भूमि की आवश्यकता को कम करने का सुझाव दिया (कार्यसूची मद संख्या 5 के अनुसार)।

3. दिनांक 05.07.2011 को बीओजी की 04वीं बैठक के कार्यवृत्त के अनुसार, स्थल चयन समिति जो कि तत्कालीन अपर सचिव, मानव संसाधन विकास विभाग श्री अशोक ठाकुर और श्री प्रवीण अग्रवाल, निदेशक (उच्च शिक्षा), मानव संसाधन विकास विभाग के साथ प्रमुख सचिव, मानव संसाधन विकास विभाग के साथ मिलकर बनी थी, उसने झारखंड के निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची और अन्य स्थानीय अधिकारियों के साथ रांची हवाई अड्डे से 30 किलोमीटर दूर खूंटी का दौरा किया। राज्य सरकार द्वारा चिन्हित भूमि ग्राम बिरहू और रीवा में थी। दिया जाने वाला भूमि का कुल क्षेत्रफल 200 एकड़ था, जिसमें से 128 एकड़ का अधिग्रहण किया जाना था। भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची को सौंपे जाने के लिए प्रस्तावित भूमि मुख्य सड़क से काफी दूर और जंगल में स्थित थी।

4. दिनांक 24.09.2011 की 05 वीं बीओजी बैठक के कार्यवृत्त के अनुसार, भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के लिए नगरी, कांके ब्लॉक, रांची में 76.78 एकड़ भूमि आवंटित करने का निर्णय के बारे में बोर्ड को झारखंड सरकार के कैबिनेट के निर्णय के बारे में सूचित किया गया था।

5. जनवरी, 2012 में भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची को 76.60 एकड़ भूमि पर कब्जा दिया गया था। यह एक अच्छा स्थान था और अन्य संस्थानों, जैसे कि, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, सीआईपी और रिनपास इत्यादि के करीब था। जब भूमि प्राप्त हुई तो क्षेत्र में मामूली परेशानियां होने लगीं। मामले की सूचना राज्य सरकार को दी गई। संस्थान को निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया गया।

6. चारदीवारी के निर्माण के लिए सीपीडब्ल्यूडी द्वारा 2.49 करोड़ रुपये का अनुमानित व्यय बताया गया, जिसे दिनांक 30.01.2012 को आयोजित अपनी 07 वीं बीओजी बैठक में बोर्ड के द्वारा अनुमोदित किया गया।

7. भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची बोर्ड के अनुमोदन के बाद सीपीडब्ल्यूडी को चारदीवारी के निर्माण का कार्य सौंपा गया। हालांकि, चारदीवारी के अधिकांश हिस्से का निर्माण किया गया था, लेकिन निर्माण के दौरान हर समय मामूली स्थानीय समस्याओं का अनुभव किया गया। किसानों को मुआवजे के भुगतान का कुछ मुद्दा था, जो भूमि में खेती करते थे और भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची को आवंटित नहीं किया गया था, तब तक वे भूमि के लिए करों का भुगतान कर रहे थे। कोर्ट का फैसला था कि 50 साल पहले तय की गई मुआवजा की राशि का भुगतान किसानों को किया जाए।

8. किसानों का आंदोलन बड़े पैमाने पर जारी रहा। एक बड़ी समस्या दिनांक 4 जुलाई, 2012 को शुरू हुई और एक बड़ी भीड़ ने दिन के उजाले में कामगारों पर हमला कर दिया और चारदीवारी को तोड़ना शुरू कर दिया। पुलिस बल के सूझबूझ से स्थिति को नियंत्रण में लाया गया। हालांकि, चारदीवारी पूरी तरह से नष्ट हो गई थी।

9. दिनांक 11.04.2012 को बोर्ड की 08 वीं बैठक के दौरान, बोर्ड को अवगत कराया गया कि आस-पास के गाँवों के विरोध के कारण भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची को आवंटित स्थल में अस्थायी कार्य रोक दिया गया है। झारखंड के मुख्य सचिव ने इस पर ध्यान देने का वादा किया और जल्द से जल्द समाधान निकालने का आश्वासन भी दिया।

10. नगरी गांव में चारदीवारी के निर्माण के लिए 159.49 लाख रुपये खर्च किए गए थे जो पूरी तरह से नष्ट हो गया था। बाउंड्रीवाल तोड़े जाने को लेकर एसीएमई कंस्ट्रक्शन ने थाना- कांके, रांची में की शिकायत दर्ज कराई। प्रशासनिक अधिकारी, भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची ने पत्र सं. आईआईएम-आर-660 दिनांक 7 जून 2012 को डीजीपी को शिकायत के बारे में सूचित किया था और नगरी गाँव में पुलिस बल प्रतिनियुक्त करने का भी अनुरोध किया गया था।

11. दिनांक 18 अगस्त 2012 को 09वीं बोर्ड बैठक के दौरान, निदेशक ने बोर्ड के सदस्यों को स्थायी परिसर के लिए भूमि प्राप्त करने में भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी दी।

12. माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार ने झारखंड के माननीय राज्यपाल को सूचित किया कि किसानों द्वारा भूमि के हस्तांतरण के खिलाफ आंदोलन के रूप में जून-जुलाई, 2012 में हुई घटना और बाउंड्रीवाल के विध्वंस से योजनाबद्ध निर्माण को रोक दिया था एवं भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची को सभी अतिक्रमणों से मुक्त भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

ख. चेरी भूमि, कांके (94.36 एकड़)

i. भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची को जुलाई 2013 के तीसरे सप्ताह में 90.14 एकड़ भूमि सौंप दी गई। दिनांक 29 जुलाई 2013 को आधारशिला रखी गई। भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची को कुल क्षेत्रफल में से शेष 4.22 एकड़ भूमि रैयती भूमि नहीं सौंपी जा सकी। इसलिए निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका।

ii. यह रैयती भूमि (4.22 एकड़) आवंटित भूमि के साथ – साथ चारों ओर बिखरी हुई थी। जिसके कारण परिसर का निर्माण कार्य का प्रारंभ करना संभव नहीं था। भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची को आवंटित भूमि के भीतर एक प्राथमिक सरकारी स्कूल के अलावा, निजी क्रशर भी परिचालन चरण में थे, जिसे भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची भूमि से हटाया जाना था।

iii. यह रैयती भूमि (4.22 एकड़) आवंटित भूमि के साथ – साथ चारों ओर बिखरी हुई थी। जिसके कारण परिसर का निर्माण कार्य का प्रारंभ करना संभव नहीं था। भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची को आवंटित भूमि के भीतर एक प्राथमिक सरकारी स्कूल के अलावा, निजी क्रशर भी परिचालन चरण में थे, जिसे भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची भूमि से हटाया जाना था।

iv. 4.22 एकड़ भूमि, जो कि भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची को आवंटित 94.36 एकड़ भूमि के भीतर है, भूमि अधिग्रहण के लिए नया नियम अभी भी राज्य सरकार द्वारा विचाराधीन होने के कारण सौंपने की प्रक्रिया में और देरी हुई।

ग. एचईसी क्षेत्र, मुदमा, आलोक डीएवी स्कूल के पास, रांची के समीप (60.04 एकड़) :

1. झारखंड राज्य सरकार ने भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के स्थायी परिसर के लिए 60.04 एकड़ भूमि की पेशकश की। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा गठित स्थल चयन समिति ने दिनांक 28.12.2015 को भूमि का दौरा किया और भूमि के स्थान पर संतोष व्यक्त किया। समिति ने प्रस्तावित स्थल पर निम्नलिखित अड़चनों का अवलोकन किया:

   क. 33 केवी लाइनों के 4 फीडरों को शिफ्ट किया जाना आवश्यक है।

   ख. क्षेत्र के एक कोने में दो अनधिकृत निजी घर।

   ग. स्थानीय लोगों ने कब्रिस्तान के लिए कुछ जगह छोड़ने की मांग की।

   घ. स्थानीय लोगों द्वारा कुछ अनुग्रहों की मांग की गई क्योंकि वे लंबे समय से इन जमीनों पर खेती कर रहे थे।

   ङ. राज्य सरकार से भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची द्वारा आगे की कार्रवाई के लिए अतिक्रमण मुक्त भूमि प्रदान करने के लिए मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया।

2. उक्त भूमि भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची को अनुबंध दिनांक 21.04.2016 को डीसी, रांची द्वारा एक करार के माध्यम से सौंप दी गयी। निर्माण विभाग, सरकार द्वारा मुख्य सड़क से भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के प्रवेश द्वार तक पहुंच मार्ग का निर्माण किए जाने पर सहमति व्यक्त की गई। आरसीडी,जीओजे, झारखंड के द्वारा निविदा औपचारिकताओं के बाद काम सौंपा गया था और साइट पर काम अब लगभग पूरा हो चुका है। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड द्वारा 33 केवी की चार फीडर लाइनों को अंडरग्राउंड कर शिफ्ट किया जाना था। यह कार्य भी मई, 2020 माह में पूर्ण कर लिया गया है।

3. चहारदीवारी के निर्माण का कार्य सीपीडब्ल्यूडी, रांची को मई, 2016 में सौंपा गया था। कार्य योजना, आकलन और निविदा की औपचारिकताओं के बाद जुलाई, 2016 में कार्य सौंपा गया था। हालाँकि, असामाजिक तत्व और स्थानीय जनता के कारणों से कार्य के निष्पादन में नियमित रूप से बाधाएँ आती थी और कार्य वांछित गति से आगे नहीं बढ़ सका। स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की मदद से मुद्दों को सुलझाया जा सका।

4. भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के लिए परियोजना स्थल की परिधीय चारदीवारी दो साल पहले पूरी हो चुकी है। यह कार्य सीपीडब्ल्यूडी द्वारा निष्पादित किया गया है। कार्य की अनुमानित लागत रू. 3.87 करोड़ है और कार्य का अंतिम लेखा अभी तक सीपीडब्ल्यूडी द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है।

5. भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के स्थायी परिसर के लिए मास्टर प्लान और विस्तृत वास्तुकला डिजाइन तैयार करने का **रू. 2.80 करोड़** की राशि का कार्य हमारे अवार्ड पत्र दिनांक 19.04.2018 के द्वारा मेसर्स सुरेश गोयल एंड एसोसिएट्स को दिया गया। आर्किटेक्ट्स द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियों और कैंपस डेवलपमेंट कमेटी द्वारा विस्तृत समीक्षा के बाद, सभी आर्किटेक्चरल ड्रॅाइंग को सितंबर 2018 तक अंतिम रूप दिया गया। अंतिम ड्रॅाइंग को भी आरआरडीए द्वारा अनुमोदित किया गया है।

6. भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची द्वारा "सभी इंजीनियरिंग सेवाओं के साथ भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के स्थायी परिसर (चरण- I कार्यों) के विकास के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार की नियुक्ति के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची द्वारा खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की गईं" बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची द्वारा उचित निविदा सबंधी औपचारिकताओं और तत्पश्चात अनुमोदन के बाद, कार्य को एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड, नई दिल्ली को प्रदान किया गया। इसके बाद, अनुबंध के कार्यक्षेत्र के अनुसार एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड, नई दिल्ली ने बोर्ड ऑफ़ गवर्नर, भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के अनुमोदन से भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के स्थायी परिसर (चरण- I कार्य) के निर्माण के लिए ठेकेदार को नियुक्त किया है। विभिन्न भवनों के संरचनात्मक विवरण और अन्य अवसंरचनात्मक विवरण एनबीसीसी द्वारा विकसित किए गए हैं। निर्माण कार्य को मेसर्स राम कृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड,रांची को प्रदान किया गया हैं। निम्नलिखित भवनों का निर्माण दो चरणों में किया जाना है :

क्र. सं.	मदें (आइटम्स)	कवर क्षेत्र (एम²)			टिप्पणियाँ
क.	**शैक्षणिक परिसर**	**चरण- I**	**चरण- II**	**कुल**	कार्य को वैधानिक अनुमोदन प्राप्त होने और साइट को सौंपने के बाद ठेकेदार द्वारा साइट पर 02.05.2019 से कार्य को शुरू किया गया।
1.	प्रशासनिक ब्लॉक	4000	-	4000	
2.	कक्षा/शैक्षणिक ब्लॉक	3000	3000	6000	
3.	पुस्तकालय	6000	-	6000	
4.	फैकल्टी ब्लॉक	5000	2500	7500	
5.	कंप्यूटर केंद्र	6000	-	6000	
6.	एमडीपी ब्लॉक	-	12000	12000	
7.	सेमिनार हॉल	2000	-	2000	
ख.	**आवासीय परिसर**				
8.	छात्रावास	18000	9000	27000	
9.	छात्रों के लिए भोजन कक्ष	2000	2000	4000	
10.	स्टाफ के लिए डाइनिंग हॉल	2500	-	2500	
11.	वाणिज्यिक केंद्र और औषधालय	2000	-	2000	
12.	सबस्टेशन और यूटिलिटीज	500	500	1000	
13.	निदेशक निवास	300	-	300	
14.	संकाय निवास	8000	8000	16000	
15.	स्टाफ हाउसिंग (टाइप ए और बी)	1500	1500	3000	
16.	स्टाफ हाउसिंग (टाइप सी एंड डी)	1000	1000	2000	
	कुल :	**61800**	39500	101300	

7. चरण- I का कार्य ठेकेदार को रू. 280.45 करोड़ के मूल्य पर दिए गए हैं। सिविल कार्यों के अलावा अतिरिक्त कार्य एनबीसीसी (पीएमसी) द्वारा अलग - अलग अनुबंधों के माध्यम से किए जाने हैं। सिविल कार्य प्रगति पर हैं। हालांकि, मार्च, 2020 के अंतिम सप्ताह में कोविड -19 महामारी के प्रसार और उसके बाद लगाए गए लॉकडाउन के कारण कार्य की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, जिससे परियोजना को पूरा होने में देरी हो सकती है।

8. एनबीसीसी के साथ समझौते के अनुसार, कार्य अप्रैल, 2021 में भारतीय प्रबंध संस्थान रांची को सौंपे जाने हैं। एनबीसीसी द्वारा सूचित किया गया है कि कार्य (चरण- I) से संबद्ध सभी कार्यों का रू. 350.00 करोड़ के मूल्य के सहित पूरा होने की उम्मीद है। यह प्रतिबद्ध है कि निर्मित क्षेत्र के 50,000 एम2 का कब्जा 31.03.2021 तक भारतीय प्रबंध संस्थान रांची को प्रदान किया जाएगा और नया परिसर सभी शैक्षणिक गतिविधियों और आवासीय सुविधाओं के साथ शैक्षणिक सत्र: 2021-2022 के प्रभाव से चालू होगा।